* श्री *

नाद तथा वाद्य कलाकौतुक

हारमोनियम

NR; 291
152NA·1

प्रकाशक—
भार्गव पुस्तकालय,
गायघाट, बनारस सिटी।

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

सहस्र अमूल्य हीरे

जिस विचारधारा को लेकर मनुष्य संसार में बड़े से बड़े
सिद्धान्तवादका प्रचार कर सकता है। गुणज्ञ और पण्डित हो
कर सकता है। रङ्क से
कर सकता है, अच्छे से
र सीख सकता है और
न सकता है। ऐसी वस्तु
ाषा न होगी ?:भारतवर्ष
ों, वेदों और शास्त्रों एवं
और महात्मा गांधी आदि
000 एक हज़ार अनमोल
वीर भोग्यावसुन्धरा" के
पुस्तक प्रत्येक आबाल-
ाठक इसके नाम ही से
के पन्टिक क़ाग़ज़ पर
मात्र है।

ता—

"बनारस"

NR; 291 218
152NA.1
Rao, Purushottam Haveer'
Harmonium maker

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

SHRI JAGADGURU VISHWARADHYA JNANAMANDIR
(LIBRARY)
JANGAMAWADIMATH, VARANASI

NR; 291
152NA.1

218

Please return this volume on or before the date last stamped
Overdue volume will be charged 1/- per day.

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

स्त्रियों के लिये सर्वोत्तम ग्रन्थ—

स्त्री भूषण

(लेखक—पुरुषोत्तम बी० ए०)

स्त्री [illegible] कितनी आवश्यक वस्तु है; यह कहनेकी आव-[illegible]। विशेष कर इस युगमें माताओं और बहिनों को [illegible] कर हम जीवनमें आगे बढ़ही नहीं सकते। परन्तु [illegible] प्रकार सुगमतासे शिक्षा दीजाय इस प्रश्नसे बड़ेबड़ों के दिमाग चकराते हैं। इसी प्रश्न को हल करने के लिये यह स्त्रीभूषण नामकी पुस्तक बड़े परिश्रमसे लिखी गई है। वर्तमान् सामाजिक और आर्थिक अवस्था स्त्री-शिक्षामें बहुत बड़ी बाधक है, परन्तु इस पुस्तक के सामने ये कठिनाइयाँ पेश नहीं आ सकतीं। थोड़ीसी साधारण हिन्दी जानने वाली स्त्रियाँभी इसके द्वारा अधिक ज्ञान सुगमतासे प्राप्त कर सकती हैं

पुस्तक में स्त्री-जीवनोपयोगी सभी बातों का समावेश किया गया है और वह ब्रह्मचर्य-जीवन, दाम्पत्य-जीवन, मातृ-जीवन तीन खण्डोंमें समाप्त हुई है। पाकविधि, सिलाई, स्वास्थ्य रक्षा आदि के सिवाय इतिहास, धर्म, समाज, साहित्य आदि विषयों का भी ज्ञान कराने का प्रयत्न किया गया है। दाम्पत्य-जीवन और मातृ-जीवन तो बिल्कुल नये ढंग से लिखा गया है। पृष्ठ सं० ७१६ मूल्य २॥=) है

पता—भार्गव पुस्तकालय गायघाट, बनारस सिटी।

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

प्रकाश दासजी

ॐ

संगीत प्रकाश

हारमोनियम मास्टर

प्रथम खण्ड

लेखक—

श्रीयुत पुरुषोत्तम राव "डबीर"

प्रकाशक—

मानवपुस्तकालय काशी

सर्वाधिकार सुरक्षित

मूल्य) ५/

तृतीय संस्करण

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

NR: 29L
152NA.L

LIBRARY,
Jangamwadi Math, VARANASI,
Acc. No. 218

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

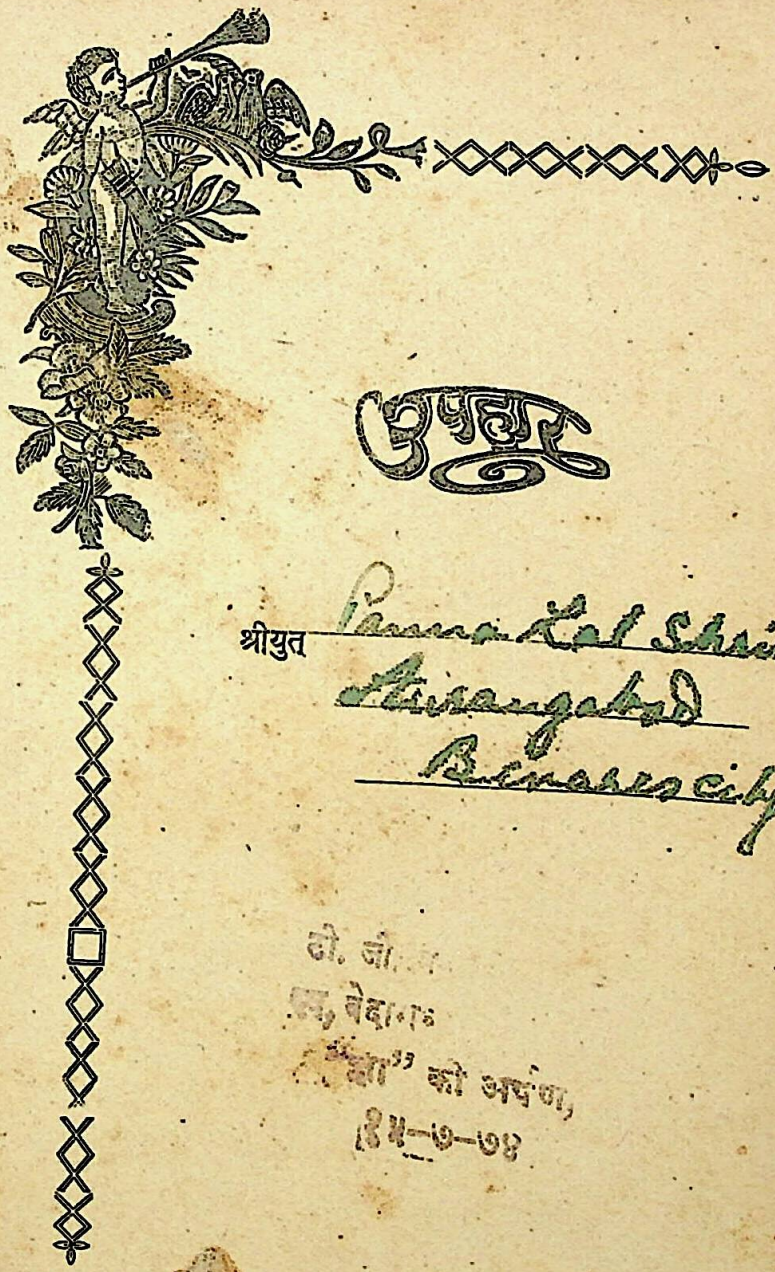

उपहार

श्रीयुत Pirma Lal Shivwal
Hiranagabad
Benares city

डी. जी.
वेदान्त
"सेवा" की अर्पण,
१४-७-७४

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

समर्पण

श्रीयुत् नारायण प्रसादजी "डाइरेक्टर"

के कर कमलों में सादर समर्पित ।

चरण सेवक—

पुरुषोत्तम.

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

विषय सूची

हारमोनियम का वर्णन

विषय	पृष्ठ
ओरिजिनल हारमोनियम	१
अरगान हारमोनियम	२
हैण्डहारमोनियम	३
हारमोनियम के ऊपरी भाग	४
हारमोनियम के स्प्रिंग	५
लकड़ी के ठुके हुए स्प्रिंग	६
सिंगल रीड का नक्शा	७
डबल रीड का नक्शा	८
हारमोनियम के उपरी पर्दे	९
चाभी	९
हारमोनियम के भीतरी भाग के एक पुर्जे का नक्शा	१०
सप्तक का वर्णन	११
हारमोनियम के तीन सप्तक	१२
हारमोनियम के पर्दों के नीचे तख्तों में छेदों का नक्शा	१४
हारमोनियम के भीतरी भाग का नक्शा	१५
गिट्टक	१६

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

विषय	पृष्ठ
गिट्टक के अगल बगल वाले लकड़ी के टुकड़े का नक्शा	१७
गिट्टक के नीचे के स्प्रिंग का नक्शा	१८
पतले तख्ते के नीचे के स्प्रिंग का नक्शा	१[illegible]
धौंकनी की कमानी का नक्शा	१[illegible]
हारमोनियम का पर्दा (सीधा)	२[illegible]
हारमोनियम का पर्दा (उलटा)	२[illegible]

तबले का वर्णन

तबले का वृत्तान्त	२३
तबले का स्वरूप	२४
चित्र नं० २० (तबले का बजाना)	२६
ताल	२७
लय तथा लयके विभाग	२७
तालों के नाम	३०
मात्रा का वर्णन	३१
एक ताले के बोल और मात्रा	३१
तृताले के बोल और मात्रा	३१
कव्वाली के बोल और मात्रा	३२
दादरे के बोल और मात्रा	३२
कहरवा के बोल और मात्रा	३२
तिलवाड़े के बोल और मात्रा	३३
झूमरे के बोल और मात्रा	३३

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

मृदंग का वर्णन

विषय	पृष्ठ
मृदंग	३४
[illegible]ल (मृदंग) बोल और मात्रा	३४
[illegible] फाँकता (मृदंग) बोल और मात्रा	३५
धमार (मृदंग) बोल और मात्रा	३५
झपताल (मृदंग) बोल और मात्रा	३५
तेवरा (मृदंग) बोल और मात्रा	३६

ताल का वर्णन

एक ताले का ताल	३६
तताले का ताल	३७
कव्वाली का ताल	३७
दादरे का ताल	३७
कहरवा का ताल	३८
तिलवाड़े का ताल	३८
झूमरे का ताल	३८
चौताले मृदंग का ताल	३८
शूलफाँकता मृदंग का ताल	३९
धमार मृदंग का ताल	३९
झपताल मृदंग का ताल	३९
ताल चौताला	३९
ताल मुगलई	४०

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

विषय	पृष्ठ
ताल पश्तो	४०
झपताल	४०
ताल चंचल	५१
ताल चाचर	५१
ताल नकटा	५१
खेमटा	५२
ताल टप्पा	५२
पंजाबी ठेका	५२
ठेका पखावज	५२
ताल अद्धा	५२
हारमोनियम सम्बन्धी बातें	४३
हारमोनियम कैसे बजाना चाहिये (नक्शा नं० २१)	४४
हारमोनियम बजाने के नियम	४४
हारमोनियम को किस तरह बन्द करना चाहिये	४६
हारमोनियम के पर्दे पर किस प्रकार अँगुली चलाना चाहिये	४८
अँगुलियों का वृत्तान्त	५०
स्वर पहिचानने के निशान	५१
स्वर का पर्दा	५२
तीव्र पर्दों [स्वर] के नाम	५४
कोमल पर्दों [स्वर] के नाम	५४
सातों स्वरों का वर्णन	५५

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

विषय	पृष्ठ
स्थ[illegible] स्वर	५५
[illegible] वाले स्वर	५५
[illegible] स्वर की पहिचान	५५
कोमल स्वर की पहिचान	५६
[illegible]	५६
सम	५६
तान	५७
तान [illegible] नियम	५७
आरोह और अवरोह	५८

हारमोनियम के सरगम

सरगम न० १	५८
सरगम न० २	६०
सरगम न० ३	६२
सरगम न० ४	६३
सरगम न० ५	६४
सरगम न० ६	६४

अभ्यास

हारमोनियम अभ्यास के नियम	६५
राग रागिनियों का वर्णन	६६

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

राग

विषय	पृष्ठ
(१) भैरव राग	६९
(२) मालकोश राग	७०
(३) हिंडालराग	[illegible]
(४) दीपक राग	[illegible]
(५) श्री राग	[illegible]
(६) मेघ राग	७४

भैरवराग की रागिनियाँ

(१) भैरव रागिनी	७६
(२) मधुमाध रागिनी	७७
(३) बैराटी रागिनी	७८
(४) सिन्धवी रागिनी	७९
(५) बंगाला रागिनी	८०

मालकोश राग की रागिनियाँ

(१) टोडी रागिनी	८१
(२) गुंकले रागिनी	८२
(३) खंबावती रागिनी	८३
(४) कलभक रागिनी	८४
(५) गौरी रागिनी	८५

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

हिंडोल राग की रागिनियाँ

विषय	पृष्ठ
(१) रामकली रागिनी	८६
(२) विलावल रागिनी	८७
(३) देवसाख रागिनी	८८
(४) ललित रागिनी	८९
(५) पट मंजरी रागिनी	९०

दीपक राग की रागिनियाँ

(१) देश रागिनी	९१
(२) कामोद रागिनी	९२
(३) कान्हरा रागिनी	९३
(४) केदारा रागिनी	९४
(५) नट रागिनी	९५

हारमोनियम की गतें

गत भैरवी	९६
गत आसावरी	९८
गत देश	९९
गत सिन्दूरई	१०१
गत केदारा	१०४
गत झँझौटी	१०६
गत काफी	१०८
गत सारंग	११०
गत जंगला	११२

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

गायन

विषय	पृष्ठ
राग भैरव (भजन)	११४
राग मल्हार (गाना)	११६
राग पहाड़ी (मल्हार)	१२१
राग भैरव (ठुमरी)	१२४
राग देश (ठुमरी)	१[illegible]८
राग सिन्ध (होली)	१३२
राग कोन्सिया (दादरा)	१३६
राग देश (गज़ल)	१४३
राग सिन्धु भैरवी (गज़ल)	१४६
राग भैरवी (गज़ल)	१४९
राग कल्यान (गज़ल)	१५२
रागिनी योगिया-आसावरी (गज़ल)	१५५
राग भैरवी (गज़ल)	१५९
राग रामायण (रामायण पद)	१६२
राग कोन्सिया (भजन)	१६५
राग मल्हार (ठुमरी)	१६९
राग काफी (ठुमरी)	१७३
राग सिन्धु भैरवी (गज़ल)	१७९
राग मांड (गज़ल)	१८२
राग पहाड़ी (गज़ल)	१८४

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

विषय	पृष्ठ
राग ज़िला (गायन मज़ाकिया)	१८७
राग भैरवी (गज़ल)	१९०
राग पीलू (ठुमरी)	१९६
राग भैरवी (ठुमरी)	१९९
राग जिल्हा (ठुमरी)	२०३
राग देश (ठुमरी)	२०८
रागिनी भैरवी (ठुमरी)	२१३
राग भैरवी (गज़ल)	२१७
राग काफी (ठुमरी)	२२१
राग भीमं पलाश्री (ठुमरी)	२२७
राग देश (ठुमरी)	२३५
रागिनी मुलतानी (गत)	२४१

थियेट्रिकल गायन

खेल भूलभुलैया (गाना)	२४५
खेल दिलफ़रोश (गाना)	२४७
खेल हरिश्चन्द्र (गाना)	२४८
खेल इन्द्रसभा (गाना)	२४९
खेल चूँचूँ का मुरब्बा (गाना)	२५०
खेल जहरी अँगूठी (गाना)	२५१
खेल हामा (गाना)	२५२
खेल चन्द्रावली (गाना)	२५३

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

विषय	पृष्ठ
खेल असीरे हिर्स (गाना)	२५४
खेल चूँचूँ का मुरब्बा (गाना)	२५५
थियेटर गाना–राग भैरवी (मंगलाचरण)	२५९
खेल असीरे हिर्स–राग कौन्सिया (गाना)	२६५
खेल सत्य हरिश्चन्द्र–राग सिन्धुरा (गाना)	२६९
खेल शकुन्तला–राग खम्माच (ठुमरी)	२७३
हरिश्चन्द्र लीला–नाच रासधारी (गाना)	२७६
रासलीला	२७८
खेल इन्द्रसभा–नाच गाना	२८१
नाच तवायफ (ठुमरी व दादरा) गाना	२८४
खेल मोहनी बी. ए. (गाना)	२८७
गायन (दादरा)	२८९
गाना मज़ाकिया	२९२
खेल असीरे हिर्स (गाना)	२९५
” ” (”)	२९७
मज़ाकिया गाना	३०१
खेल जाम जहानुमा (गाना)	३०४
राग भैरवी (रामायण)	३०६
कबीरदास (भजन)	३०९
गोपीचन्द (भजन)	३१२
राग मल्हार (तर्राना)	३१७
राग भैरव	३१८
राग भैरव (भजन)	३२३

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

विषय	पृष्ठ
रागिनी भैरवी	३२६
राग खम्माच	३३०
सरगम मेघराग	३३४
सरगम होली	३३५
राग विहाग (गाना)	३३६
रागिनी भैरवी (गज़ल)	३३८
राग खम्माच (ठुमरी)	३४०
राग खम्माच (ठुमरी)	३४२
रागिनी हमीर ठुमरी	३४५
थियेट्रिकल (गाना)	३४९
राग धानी (ठुमरी)	३५०
रागिनी भैरवी (ठुमरी)	३५३
रागिनी हमीर („)	३५६
खम्माच („)	३५९
खम्माच („)	३६२
रागिनी बागेश्वरी	३६४
रागिनी देश (दादरा)	३६७
राग बहार (सरगम)	३७०
दादरा	३७१
रागिनी छाया	३७३
रागिनी छाया (ठुमरी)	३७५
धुन गज़ल (गज़ल)	३७९

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

विषय	पृष्ठ
राग भैरवी (गज़ल)	३८२
हारमोनियम की मरम्मत	३८५
सामग्री	३८६
बार्निश के नुसखे	३८८
औजार	३८९
स्प्रिंग की मरम्मत	३९१
नया स्प्रिंग	३९१
स्प्रिंग का बैठाना	३९१
पर्दे की मरम्मत	३९२
धौंकनी	३९३
धौंकनी बनाने की चीजें	३९३
चाभी की मरम्मत	३९४
सफेद पर्दे का साफ करना	३९५
काले पर्दे का साफ करना	३९५
रीड का जड़ना	३९५
आवाज़	३९६
बाजे की लकड़ी	३९७
बाजे के सुराख बन्द करने की विधि	३९७

* इति *

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

* ॐ *

* सङ्गीत प्रकाश *

प्रथम-खण्ड

हारमोनियम मास्टर

(चित्र नं० १)

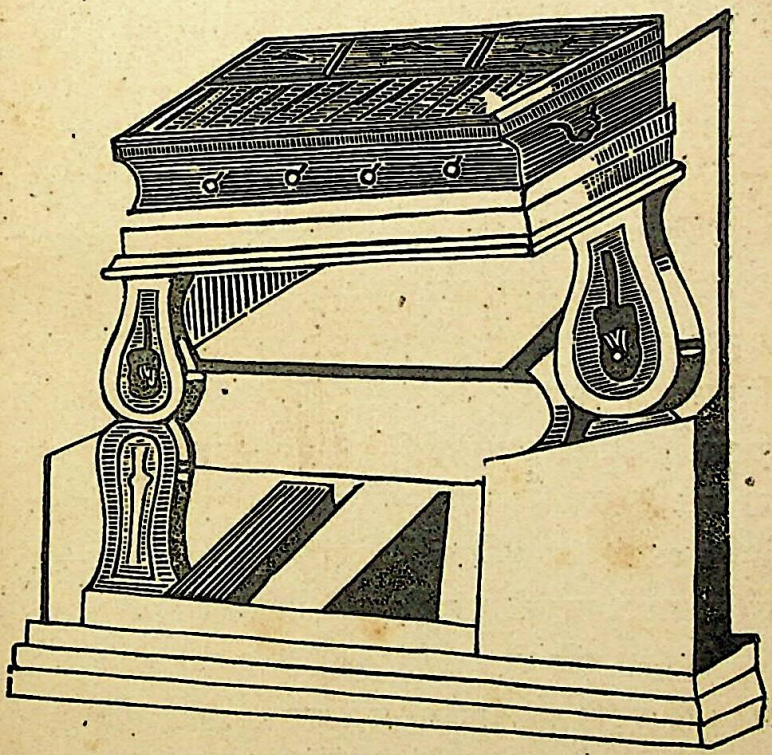

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

हारमोनियम मास्टर

(१) फोल्डिंग हारमोनियम ।

इस बाजे में २५ तीव्र स्वर और १७ कोमल होते हैं। किसी किसी में इससे भी ज्यादा होते हैं। कुर्सी पर बैठकर यह दोनों हाथों से बजाया जाता है और दोनों पाँव से हवा दी जाती है। ऐसे बाजे बहुधा नाटक कम्पनियों तथा क्लबों में रहते हैं। इस किस्म के छोटे-बड़े बाजे अनेकों हैं और बहुत दामों में मिलते हैं। इसमें हवा पीतल की पाईप द्वारा जाती है।

(२) अरगन हारमोनियम ।

यह फोल्डिंग की ही तरह होता है, किन्तु फोल्डिंग से इसमें थोड़ा सा अन्तर होता है। इस बाजे में लगभग ४० तीव्र और २७ या २८ कोमल स्वर होते हैं। यह बहुत बड़ा बाजा होता है। जहाँ ज्यादा मनुष्य एक साथ गाने वाले हों वहाँ इससे काम लेते हैं। इसमें से स्वरके साथ २ बाँसुली की आवाज भी निकलती है। ज्यादातर यह ईसाइयों के मन्दिर [चर्च] में रहता है और रविवार [सण्डे] के दिन सौ-पचास ईसाई एक ही स्वर में ईश्वर की प्रार्थना करते हैं। इस बाजे की कीमत फोल्डिंग से भी ज्यादा होती है। अर्थात् लगभग चार-पाँच सौ के ऊपर। यह भी बहुत किस्म के होते हैं।

फोल्डिंग बाजे बहुत से ऐसे भी हैं जो कमानी पर रहते हैं, जब चाहे मनुष्य उसे खोलकर बड़ा कर सकता है-और फिर

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

कमानी को दबाकर एक छोटी सन्दूक की तरह कर ले सकता है। यह भी नाटक कम्पनियों तथा क्लबों में रहते हैं। केवल अरगन को छोड़कर यह सब बाजे दूने [डबल] स्वर [आवाज] में होते हैं।

(३) हैण्ड हारमोनियम।

(चित्र नं० २)

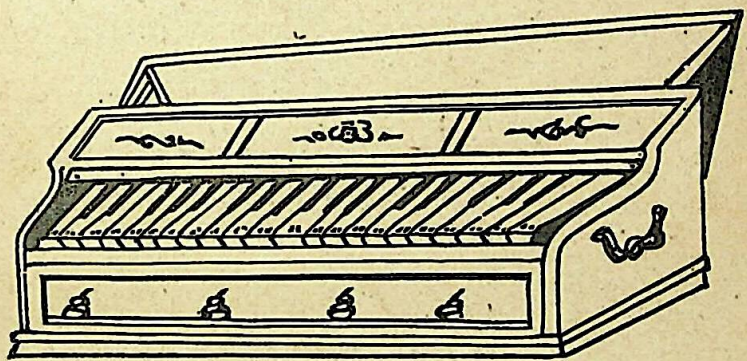

यह बाजा एक हाथ से बजाया जाता है। बाएँ हाथ से दमकश [धौंकनी] दबाई जाती है और दाहिने हाथसे बजाते हैं। यह दो प्रकार का होता है एक सिंगल रीड और दूसरा डबल रीड। सिंगल हारमोनियम से इकहरी आवाज तथा डबल से दुगनी आवाज निकलती है। यह बाजा सुन्दर होता है और इसकी आवाज मधुर होती है। पहले पहल सीखने के लिये यही बाजा ठीक है। इन बाजों का मूल्य कम से कम

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

बीस रुपये और अधिक से अधिक ढाई-तीन सौ रुपया होता है। कम दाम का बाजा खरीदने से अधिक दिन नहीं टिकेगा। डबल रीड का ही बाजा ठीक होता है इसमें गाने में कठिनाई नहीं पड़ती है। अब आगे हारमोनियम के एक २ टुकड़े को अलग अलग करके दिखाया गया है, जिससे सीखने वाले हारमोनियम विषय की सभी बातें भलीभाँति समझ जायँ।

हारमोनियम के ऊपरी भाग।

(१) धौकनी।

(चित्र नं० ३)

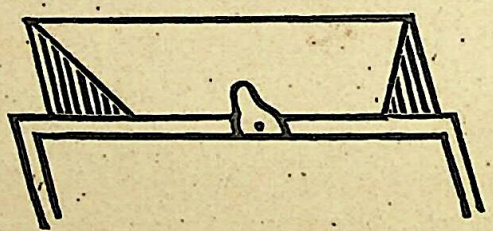

यह धौकनी हारमोनियम के पिछले भाग में लगी रहती है। इसे अपनी ओर दबाने से हवा भरती है। क्रमशः इसका वृत्तान्त आगे दिया जाता है।

धौकनी में मुख्य वस्तु सावर है। इसके पिछले भाग में सुन्दर मजबूत और अच्छी लकड़ी की पाटी [तख्ता] लगा

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

रहता है उसी प्रकार अगले भाग में एक पाटी [तख्ता] [जो कि हारमोनियम का पिछला भाग है] रहता है। सीखने वाले चित्र नं० ३ के नक्शे को देखें। इस धौंकनी को अपनी तरफ दवाने से हवा भरती है। हारमोनियम के अन्दर इसी धौंकनी में एक छोटी धौंकनी अथवा स्प्रिंग [कमानी] लगी रहती है जो दवाने से रीडों पर जोर फेंकती है और जो रीड को दवाता है जिससे कि आवाज निकलती है। क्रमशः इसका नक्शा आगे दिया गया है।

हारमोनियम के ऊपर के स्प्रिंग।

स्प्रिंग का नक्शा।

(चित्र नं० ४)

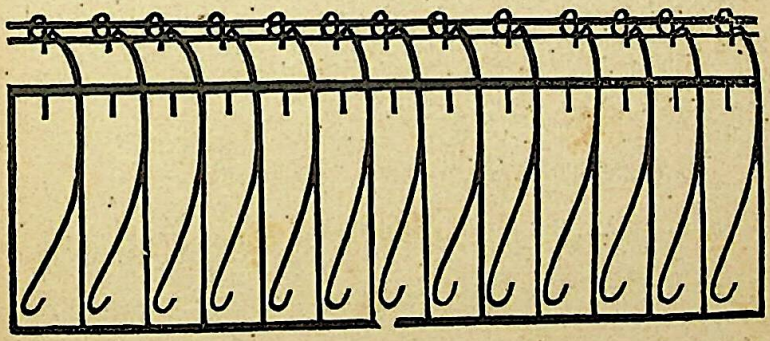

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

धौकनी के आगे जो पीतल के तार लगे रहते हैं वही स्प्रिंग हैं वह आगे के पर्दों को दबाये रहते हैं। जितने पर्दे होते हैं उतने ही स्प्रिंग होते हैं इनका एक सिरा लकड़ीमें ठुका होता है और दूसरा सिरा पर्दों को दबाये रहता है। सीखने वाले के समझने के लिये इसका नक्शा नीचे दिया जाता है।

लकड़ी में ठुके हुए स्प्रिंग।

(चित्र नं० ५)

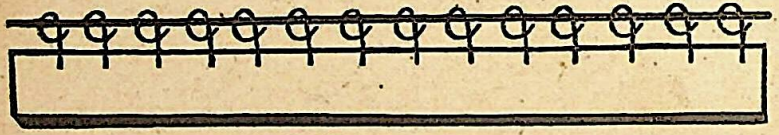

इसी प्रकार से यह हरएक पर्दों पर बैठे रहते हैं। इनमें खास बात है कि यह लचकदार होते हैं। इसी कारण पीतल के बनाये जाते हैं और धातुओं में इतनी लचक नहीं होती है। जब आदमी हारमोनियम के किसी पर्दे को दबाता है तो वह स्प्रिंग थोड़ा सा ऊपर उठ जाता है और पर्दों में से आवाज आने लगती है।

रीड्स।

रीड भारतवर्ष में नहीं बनते। विदेशों में तैयार किये जाते हैं। फ्रान्स और पेरिस के बने हुए रीड्स ज्यादः मशहूर हैं,

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

और अच्छे होतेहैं। हारमोनियम में असली चीज यही रीड्स हैं। जिस बाजे में जैसे रीड्स लगाये जाते हैं उनका मूल्य भी वैसा ही होता है। पेरिस रीड वाला बाजा अधिक दाम का मिलता है। यह रीड पीतल के होते हैं। इसे साधारण मनुष्य नहीं बना सकते। अनुभवी उस्ताद ही इस वस्तु को तैयार करते हैं।

सिंगल रीड का नक्शा।

(चित्र नं० ६)

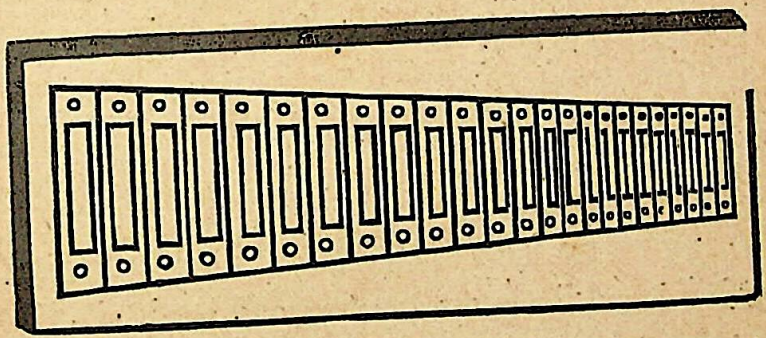

हारमोनियम के भीतर लगे रहते हैं।

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

डबल रीड का नक्शा ।

(चित्र नं० ७)

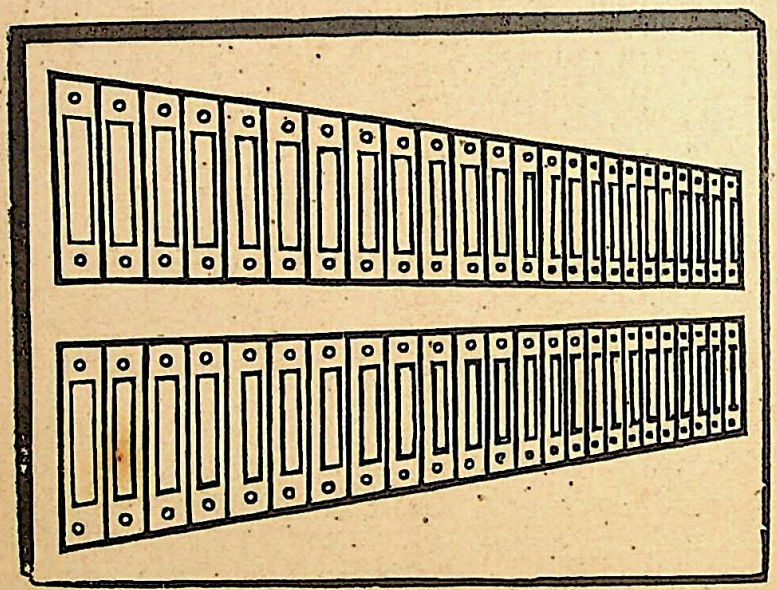

हारमोनियम के भीतर लगे रहते हैं ।

इस प्रकार प्रत्येक हारमोनियम बाजे में कम से कम ३७ होते हैं। बाजे में रीड एक के बाद एक छोटे लगाये जाते हैं। जैसा कि ऊपर चित्र नं० ६ और ७ में दिया है। रीड पर जब धोंकनी की हवा पहुँचती है तब आवाज़ निकलती है।

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

हारमोनियम के ऊपरी पर्दे ।

(चित्र नं० ८)

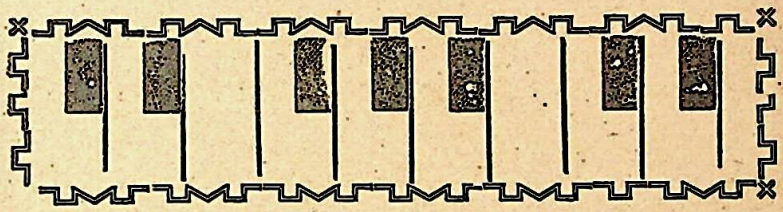

इन्हीं एक एक पर्दों के नीचे [अर्थात् हारमोनियम के भीतरी भाग में ऊपर के सफेद और काले पर्दों के ठीक नीचे] रीड्स लगे रहते हैं । ऊपर के पर्दे को दबाते ही तुरन्त आवाज आने लगती है । यह रीड्स उतने ही हैं जितने सफेद और काले पर्दे मिला कर हैं ।

चाभी ।

(चित्र नं० ९)

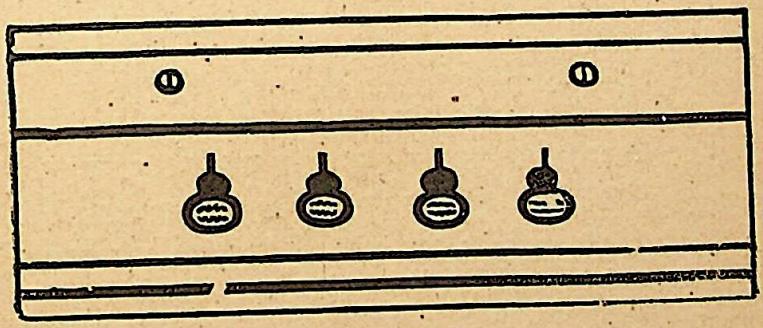

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

हारमोनियम मास्टर

(चित्र नं० १०)

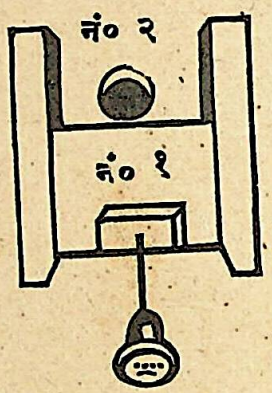

यह चाभी हारमोनियम में नीचे की तरफ लगी रहती है। यह बाजों में कमसे कम एक और अधिक से अधिक नौ होती हैं। इन्हीं चाभियों के कारण हारमोनियम में भिन्न २ आवाजें उत्पन्न होती हैं। यह चाभी जहाँ नं० १ का निशान है, बाजे के भीतर एक बहुत छोटे लकड़ी के गिट्टक [चौकोर तख्ते] में लगी रहती है। [चित्र नं० १० को देखिये] जब आदमी बाजा बजाने के पहले उस चाभी को अपनी तरफ खींच लेता है तब वह नं० २ जहाँ शून्य का आकार है उस छेद पर से आगे चली आती है और धौंकनी से दबाई हुई हवा उस छेदके द्वारा रीडों को दबाती है और भिन्न भिन्न आवाजें निकलने लगती हैं। और जब हारमोनियम बन्द करते हैं तब उस चाभी को भीतर दबाते हैं जिससे पुनः वह नं० १ के ऊपर जा बैठती है। इसी प्रकार सब चाभियों का काम है और उनमें से अलग अलग आवाज उत्पन्न होती है।

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

यहाँ पर एक बात और लिखने योग्य है। वह यह कि इन चाभियों में एक चाभी ऐसी है कि जिसे खोलने से कम्पित आवाज निकलती है। यह आवाज अत्यन्त दीन स्वरमें सुनाई देती है। प्रायः नाटक कम्पनियाँ इस दर्दनाक स्वर को उस समय सुनाती हैं कि जिस समय कोई करुण या दर्दनाक सीन आती है। यह चाभी पहले सप्तक की चाभी के बाद की आखिरी चाभी है। अर्थात् चौथी—

नोट-मैंने चार चाभी वाले बाजों से अनुभव कर इस बात को लिखा है। परन्तु और और बाजों में इससे अधिक और इससे कम चाभियां होती हैं। सङ्गीत प्रेमी स्वयं इस बात को अनुभव कर देख लें कि किस चाभी से यह आवाज निकलती है।

(सप्तक)

हारमोनियम ३ से ७ सप्तक तक होता है। परन्तु ज्यादः तर ३ सप्तक का ही बाजा काम में लाया जाता है, क्योंकि मनुष्य ३ सप्तक तक गा सकता है।

सफेद सात और काले पाँच पर्दे मिल कर पहला सप्तक होता है। दूसरे सप्तक में भी उतने पर्दे लगते हैं परन्तु तीसरे सप्तक में सफेद ८ और काले ५ पर्दे लगते हैं।

पहले सप्तक की आवाज़ मोटी होती है दूसरे की मध्यम, और तीसरे की महीन और तीव्र होती है। पहले सप्तक को मान्द्र, दूसरे सप्तक को मध्यम और तीसरे सप्तक को तार सप्तक कहते हैं।

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

फोल्डिंग तथा अरगन में तीन से अधिक सप्तक होते हैं। क्योंकि वह दोनों हाथों से बजाया जाता है और प्रथम सप्तक तथा दूसरे सप्तक के स्वर लेने पड़ते हैं।

हारमोनियम के तीन सप्तक।

(का चित्र नं० ११)

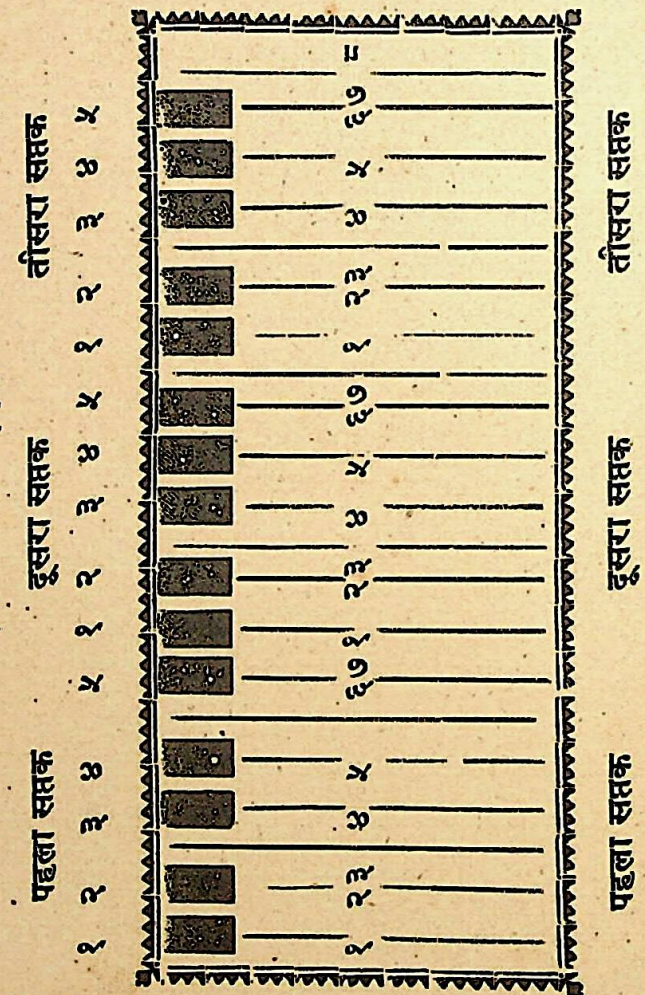

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

हारमोनियम मास्टर

अब यहाँ पर हारमोनियम के भीतरी भागों का वर्णन मय चित्र सहित किया जाता है जिससे हारमोनियम के प्रेमी सिर्फ बजाना और गाना ही नहीं वरन् बाजे के एक एक पुर्जे पुर्जेको भली भाँति समझ लें और उन्हें ज्ञान हो जाय कि अमुक पुर्जे से क्या मतलब है।

हारमोनियम के ऊपरवाले स्प्रिंग के नीचे एक तख्ता लगा रहता है जिस पर कि स्प्रिंग फिट [बैठाये] रहते हैं और उसी तख्ते में एक लम्बासा छेद रहता है जिसके नीचे रीड लगा रहता है। जितने रीड्स होंगे उतने ही छेद होते हैं। इसका नक्शा सीखनें वालों को समझने के लिये नीचे दिया जाता है। यह तख्ता पूरा रहता है जिस पर काले और सफेद पर्दे भी बैठे रहते हैं; परन्तु छेद स्प्रिंग के ही नीचे रहते हैं और छेदों के ठीक नीचे रीड्स लगे रहते हैं।

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

हारमोनियम के पर्दों के नीचे तख्तों में छेदों का नक्शा।

(चित्र नं० १२)

जितने स्प्रिंग होते हैं उतनेही पर्दे, उतने ही छेद और उतने ही रीड्स

अर्थात् ३७ स्प्रिङ्ग, ३७ पर्दे ३७ छेद और ३७ रीड्स।

चित्र नं० ४ में स्प्रिंग का नक्शा देखिये।

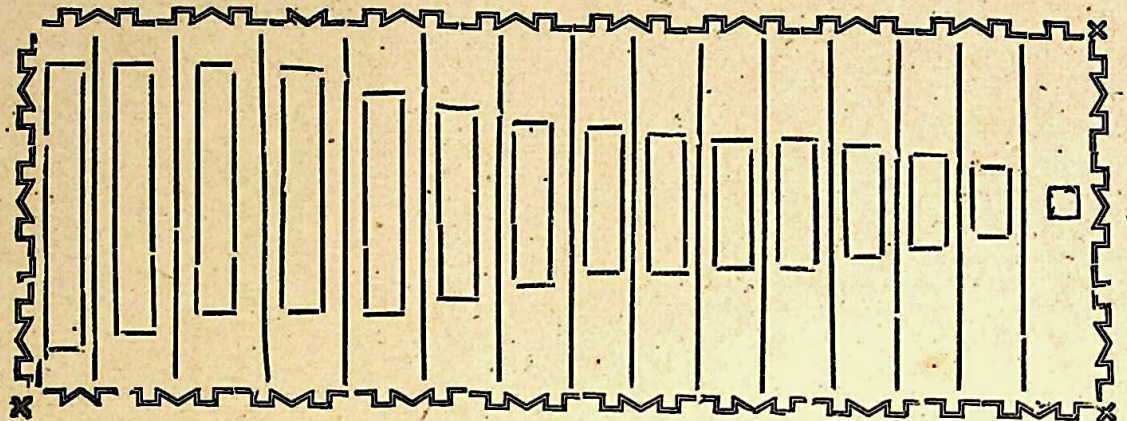

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri.

हारमोनियम के भीतरी भाग का नक्शा।

(चित्र नं० १३)

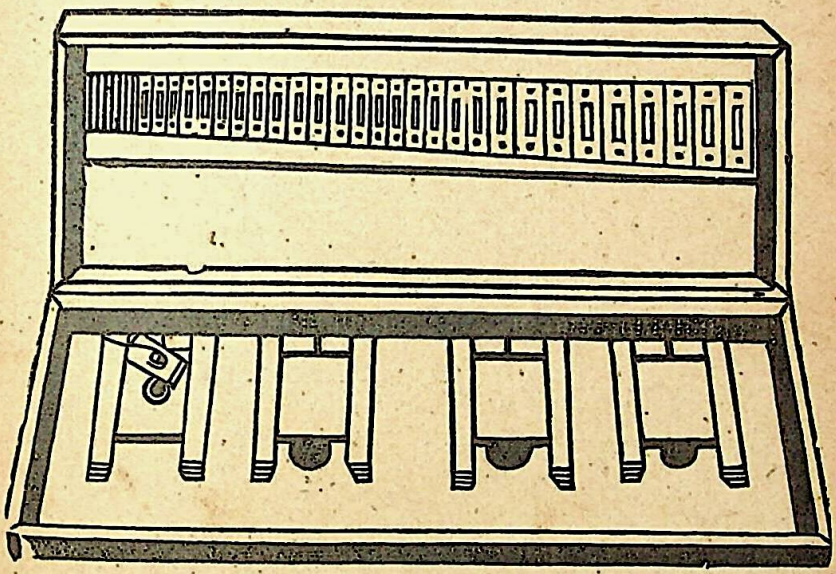

हारमोनियम के भीतरी भाग में अर्थात् स्प्रिङ्गों के ठीक नीचे के हिस्से में एक छोटा सा लकड़ी का तख्ता एक कोने से दूसरे कोने तक जड़ा रहता है, जिस पर कि रीड्स फिट [बैठाये] रहते हैं। और मजबूती के लिये दोनों सिरा पेंच से कस दिया जाता है। ऊपर दिये हुए नक्शे को देख कर समझ लीजिये।

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

(गिट्टक)

इसका बयान चित्र नं० १० में दिया जा चुका है। यहाँ इतनी बात और लिख देना जरूरी है कि गिट्टक दो लकड़ी के टुकड़े के बीच में जकड़े हुए रहते हैं जैसा कि नीचे नक्शे में दिया है।

गिट्टक के अगल बगल वाले लकड़ी के टुकड़ों का नक्शा।

(चित्र नं० १४)

इस प्रकार की जितनी चाभियाँ होंगी उतनेही गिट्टक होंगे चाभियों का वृत्तान्त चित्र नं० ९ में दिया गया है।

यही गिट्टक जब शून्य के ऊपर चढ़ जाता है तब आवाज नहीं निकलती। गिट्टक के ऊपर जहां × ऐसा निशान एक और

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

गिट्टक छोटा सा है। जिसमें वह चाभी लगी रहती है जिसका बयान चित्र नं० ९ में दिया है। गिट्टक के नीचे जहाँ नं० १ है। वह चाभी का भीतरी हिस्सा है। चाभी का बाहरी हिस्सा चित्र नं० ९ में दिया गया है।

शून्य के नीचे एक पतला सा तख्ता है। अर्थात् इस पतले तख्ते के ऊपर का जो तख्ता है जिस पर कि गिट्टक हैं उसके नीचे जो शून्य है वह इस पतले तख्ते के ऊपर है। संगीत प्रेमियों के समझने के लिये इसका नक्शा नीचे दियाजाता है।

(चित्र नं० १५)

नं० १ नं० २ नं०३ नं०४

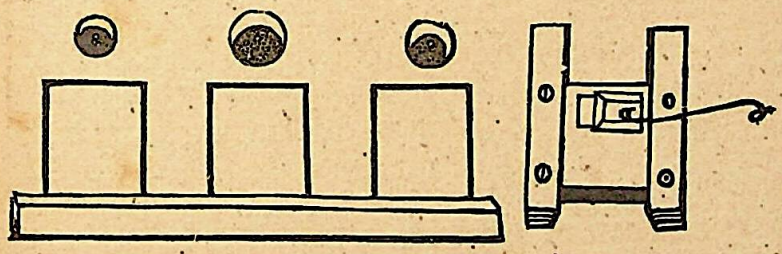

इस प्रकार जितने गिट्टक हेंगे उतने ही शून्य होंगे। परन्तु इसमें भी खास बात है।

नं ० १ का छिद्र शून्य बहुत छोटा होता है।

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

नं० २ का छिद्र नम्बर १ वाले शून्य से बड़ा होता है।

नं० ३ का छिद्र शून्य नं० १ से बड़ा और नं० २ से छोटा होता है।

नं० ४ पर गिट्टक पूरा रहता है। परन्तु उस गिट्टक के ऊपर एक छोटा सा गिट्टक और रहता है। जिसमें पतली कमानियाँ लगी रहती हैं, जब बाजे की आखरी अर्थात् तार सप्तकी चाभी खोली जाती है तब वह छोटा सा गिट्टक और उसकी कमानी नीचे के छोटे छेद के ऊपर आ जाती है। यही कारण है की उस चाभी को खोलते ही कँपकँपी आवाज़ निकलती है। परन्तु इसका पहला कारण रीड्स हैं जो कि तार सप्तक में बहुत छोटे हो गये हैं। चित्र न० ६ और ७ में रीड्स का नक्शा देख कर समझिये।

शून्य के नीचे पतला सा तख्ता है और उस पतले तख्ते के नीचे तीन बड़ी बड़ी स्प्रिंग रहती हैं जिसके आधार पर वह अड़ा हुआ रहता है। यह स्प्रिंग किसी बाजे में एक और किसी में तीन रहते हैं।

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

पतले तख्ते के नीचे के स्प्रिंग का नक्शा।

(चित्र नं० १६)

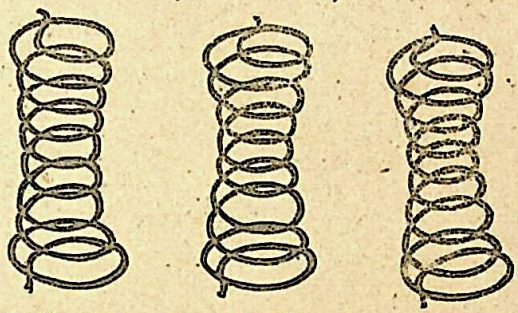

इसी प्रकार धौंकनी में भी कमानी है परन्तु उसका रूप दूसरा है।

धौंकनी की कमानी का नक्शा। (चित्र नं० १७)

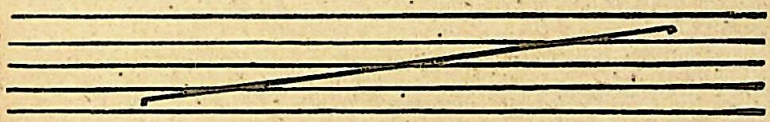

यह कमानी चित्र नं० १६ स्प्रिंग वाले से मिली रहती है। जब धौंकनी धौंकी जाती है तब यह चित्र नं० १६ वाले स्प्रिंग को ऊपर बढ़ाती है और चित्र नं० १६ वाला स्प्रिंग अपने ऊपर के पतले तख्ते को नीचे ऊपर करने लगता है और हवा का मार्ग साफ हो जाता है और उन छेदों [शून्यों] में से जिसका वर्णन चित्र नं० १५ में किया गया है, हवा निकलने लगती है। और रीडों को ऊपर ढकेलती है जिससे अँगुली रखते ही आवाज निकलने लगती है।

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

मैंने हारमोनियम के सम्पूर्ण यन्त्रों को दिखा कर उसके मतलब को लिखने की चेष्टा किया है। अब यहाँ पर हारमोनियम के पर्दे का वर्णन किया जाता है। और जैसा हारमोनियम के पुर्जे पुर्जे को दिखाने की चेष्टा किया है उसी प्रकार आगे तबले के रूप को भी दिखाया जायगा।

हारमोनियम का पर्दा। (चित्र नं १८)

सीधा पर्दा।

काला पर्दा।

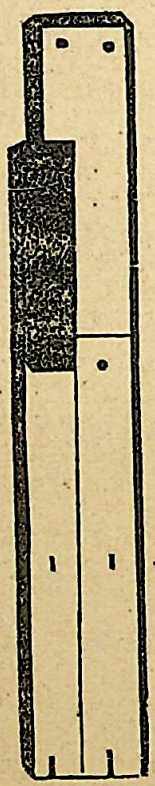

सफेद पर्दा।

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

उलटा पर्दा ।

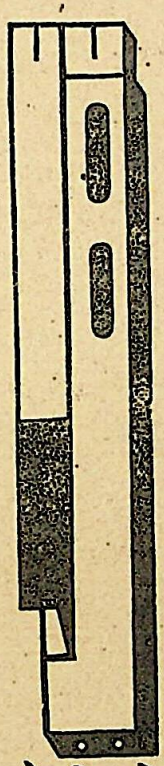

नं० १

सफेद पर्दा ।

काला पर्दा ।

यहाँ पर एक बात और लिख देना ठीक है। नं० १ जहाँ दिया है वह उतना ही लम्बा रबर है जितना लम्बा तख्ते का छेद है चित्र नं० १२ में देखिये। यह पर्दे के उल्टी तरफ रहता है। इसके लगाने का कारण यह है कि हवा के आने में कोई गड़बड़ न हो।

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

गाने के साथ २ साज का बजना भी अवश्यकीय है। जब तक हारमोनियम के साथ कोई साज न बजाया जाय गाने का आनन्द नहीं आता। अतः प्रत्येक हारमोनियम प्रेमी को तबले को भी अच्छी तरह सीख लेना चाहिये। क्योंकि बगैर तबले को जाने हुए मनुष्य हारमोनियम को इष्ट मित्र सभा-सोसाइटी तथा जहाँ हारमोनियम के पण्डित गाते-बजाते हों नहीं बजा सकता है और न गाना गा सकता है, क्योंकि जब कि उसने तबले को सीखा नहीं और तबले का साथ नहीं किया तो अवश्य वह बेताला हो जायगा और वहाँ उसकी हँसी होगी। इस लिये हारमोनियम के साथ साथ तबला भी सीख लेना चाहिये।

जिस प्रकार पीछे हारमोनियम के पुर्जे अलग अलग करके दिखाये गये हैं और उसका मतलब भी बताया गया है उसी प्रकार अब यहाँ से तबले का वृत्तान्त आरम्भ करता हूँ और उसके स्वरूप को दिखा कर नाम, बोल सहित संगीत प्रेमियों की सेवा में उपस्थित करता हूँ।

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

तबले का वृत्तान्त।

हारमोनियम तो बहुत किस्म की होती हैं परन्तु तबला एक ही किस्म का होता है। परन्तु जो काम तबले से लिया जाता है वह अन्य वाद्यों से भी थोड़ा बहुत लिया जाता है। लेकिन हारमोनियम के साथ तबला ही ठीक और अच्छा है। संगीत प्रेमियों के जानने के लिये क्रमशः उन वाद्यों के भी नाम और बोल दिये जाते हैं जिससे संगीत सीखनेवाले संगीत विषय से अनभिज्ञ न रह जायँ और मौका आ जाने पर अपनी हँसी न करायें।

अब आगे तबले का स्वरूप दिखाया जायगा और तबले के एक एक टुकड़े को नाम सहित उसका कारण बतलाया जाता है। संगीत प्रेमी ध्यान से उसे पढ़ें और बोल को कण्ठाग्र कर लें।

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

तबले का स्वरूप ।

[चित्र नं० १६]

दहिना

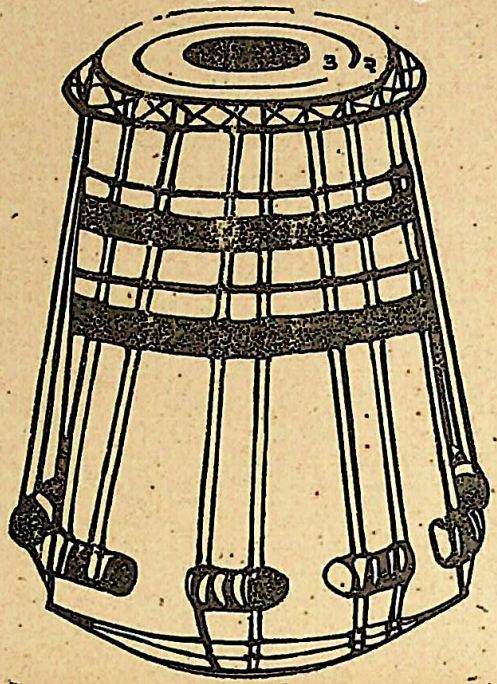

बायाँ

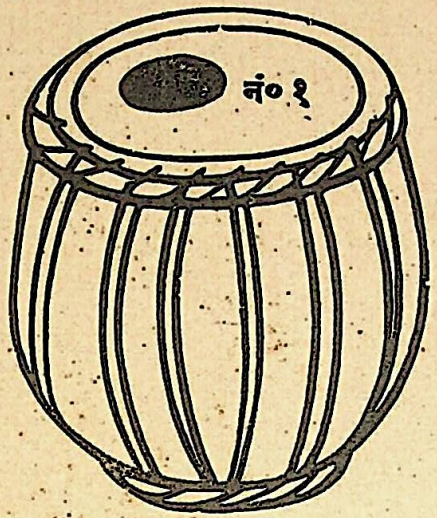

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

चित्र नं० १९ में तबले की तसवीर दिया है जहाँ "बायाँ" लिखा है वह बायें हाथ से बजाया जाता है और जहाँ "दाहिना" लिखा है वह दाहिने हाथ से बजाया जाता है।

बायें तबले पर बाईं हथेली रखकर हथेली को [अँगुलियों सहित] ऊपर उठाना चाहिये और मध्यमा अर्थात् अँगूठे के बाद की तीसरी अँगुली का जहाँ नम्बर एक का निशान है टप्पा देना चाहिये।

इधर दाहिने तबले में अँगूठे के बाद की अर्थात् दूसरी अँगुली जहाँ नम्बर दो का निशान है सिर्फ वहीं पड़नी चाहिये और वहाँ से उठकर वही अँगूठे के बाद वाली दूसरी अँगुली और उसके बाद की मध्यमा [तीसरी] दोनों अँगुलियाँ नम्बर ३ पर पड़ना चाहिये। चित्र नं० १९ में देखकर समझिये।

अँगूठे के बाद की दोनों अँगुली नम्बर तीन पर पड़ने के साथ ही साथ बायें हाथ की हथेली जो कि ऊपर उठी है बीच की अँगुली का टप्पा पड़ना चाहिये। यह काम इतनी जल्दी हो कि नबर तीन पर अँगुली पड़ते ही नम्बर एक पर भी टप्पा पड़ जाय आगे पीछे न पड़े नहीं तो बोल की आवाज नहीं निकलेगी। अब सीखने वाले को समझने के लिये इसका नक्शा नीचे दिया जाता है।

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

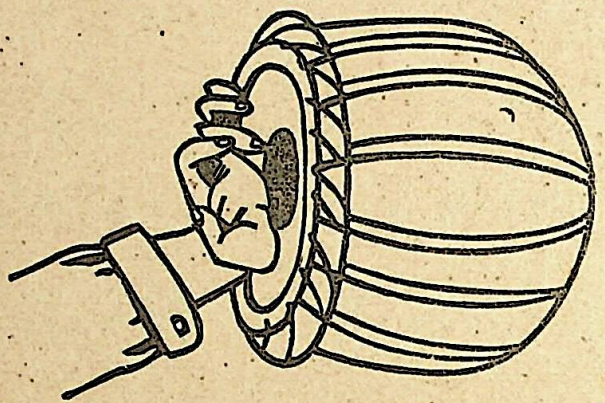

(चित्र नं० २०)

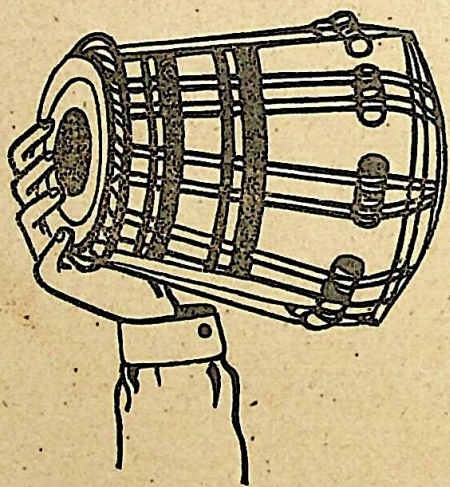

नम्बर २ पर बजाने से–ता–की आवाज निकलती है और नम्बर ३ पर बजाने से–तिन्–की आवाज निकलती है नम्बर १ पर केवल ताल दिया जाता है। इसका वर्णन आगे दिया जायगा।

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

ताल।

ताल—समय को कहते हैं जिस प्रकार कला या मात्रा एक थोड़े समय का नाम है बस यही ताल की जड़ है।

मात्रा—स्वयं एक थोड़ी देरी है। मात्रा के भाग से ताल बनते हैं।

लय—ताल की चाल को लय कहते हैं यदि यह स्थिर न रखी जाय तो गाना या बजाना अधूरा रहता है। ताल की बनावट के अनुसार लय नियत की जाती है, किन्तु गाने का भी ध्यान रखना पड़ता है। संगीताचार्यों ने बहुत किस्म की लय नियत की हैं। जिनका उल्लेख नीचे किया जाता है।

(१) मध्यम लय।

यह साधारण चाल में गायी बजायी जाती है।

(२) द्रुत लय।

यह साधारण चाल से ज्यादा [साधारण चाल के] ½ भाग में गायी जाती है।

(३) विलम्बित लय।

यह कम चाल में गायी बजायी जाती है अर्थात् मध्यम लय के दुगने भाग में खतम होती है।

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

* लय के संकेत *

(१) फांग

लय के टुकड़ों को फांग लय कहते हैं।

(२) सम गिरह।

ताल और गाना साथ ही साथ आरम्भ किया जाय तो उसको सम गिरह कहते हैं।

(३) अतीत गिरह।

ताल के पहले गाना आरम्भ करने को अतीत गिरह कहते हैं।

(४) अनागत।

ताल के पीछे यदि गाना आरम्भ हो तो वह समागत कहलाता है।

(५) विषम गिरह।

इसमें कोई खास गिरह नहीं है, जहाँ से चाहा आरम्भ कर दिया।

(६) परन गिरह।

आरम्भ से अन्त तक सम हो तो वह परन गिरह कहलाती है।

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

(७) रीला ।

जो ताल सीधी चाल में गाया बजाया जाय उसे रीला कहते हैं ।

(८) आड़ी ।

जो ताल तिरछी दशा में हो उसे आड़ी कहते हैं ।

(९) कोवाड़ी ।

जिसमें सीधे और आड़े दोनों ताल मिले हों वह कीवाड़ी है ।

(१०) टुकड़ा ।

जो परन से छोटा हो उसे टुकड़ा कहते हैं ।

(११) थाई ।

ताल के किसी टुकड़े को तीन बार उसी समय में गायें बजायें जितने समय में वह टुकड़ा बजाय जाता है, तो उसे थाई कहते हैं ।

(१२) दुगुन थाई ।

थाई को दुगुन में बजाने से दुगुन थाई कहलाती है ।

ताल के संकेत ।

ताल—एक कायम किये हुए समय के भाग को ताल कहते हैं ।

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

हारमोनियम मास्टर

खाली ताल—ताल की अलग गणना करने में कष्ट होता है दूसरे ताल को साफ तौर पर और पूर्ण रीति में प्रकट करने के लिये खाली को भी ताल के साथ रखना अत्यावश्यक है। यदि खाली न हो तो ताल में दृढ़ता नहीं रह सकती—खाली ताल ताली के बराबर होता है। परन्तु यह काम मात्रा के हिसाब से होना चाहिये ?

सम—जहाँ ताल का अन्त होता है उसको सम कहते हैं।

नीचे इस समय के प्रचलित तालों का वर्णन किया जाता है।

तालों के नाम।

१ ताल इकताला।
२ ताल तृताला।
३ ताल कौव्वाली।
४ ताल दादरा।
५ ताल कहरवा।
६ ताल तिलवाड़ा।
७ ताल झूमरा।
८ ताल चौताला।
९ ताल पश्तो।
१० ताल मुगलई।
११ ताल नकटा।
१२ ताल चंचल।
१३ ताल पंजाबी ठेका।
१४ ताल खेमटा।
१५ ताल झपताल।
१६ ताल अद्धा।
१७ ताल चाचर।
१८ ताल टप्पा।

अगले पृष्ठों में तालों के बोल लिखे गये हैं।

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

(मात्रा)

जितने बोल होंगे उतनी ही मात्रा होगी। अर्थात् एक २ अक्षर पर एक मात्रा। जिस प्रकार एक ताले में १२ मात्रा लगती है।

(एकताले के बोल और मात्रा)

ताल—सम

मात्रा—	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२
बोल—	धी (तृक)	धी	ना	धी	धी	ना (तृक)	तू	ना	(कत्)	ता		

इस प्रकार जितने बोल होते हैं। उतनी ही मात्रा होंगी।

(तृताले में १६ मात्रा होती हैं)

तृताले के बोल और मात्रा।

मात्रा—	१	२	३	४	५	६	७	८
बोल—	धा	धिं	धिं	ता	धा	धिं	धिं	ता
मात्रा—	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६
बोल—	धा	धिं	धिं	ता	ता	तिं	तिं	ता

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

कव्वाली के बोल ।

इसमें ८ मात्रा होती हैं और इसके बोल भी तृताले से भिन्न हैं।

(बोल और मात्रा)

मात्रा—	१	२	३	४	५	६	७	८
बोल—	धा	गिं	न	धिं	न	क	थिं	न

दादरे के बोल ।

इसमें ६ मात्रा लगती है।

मात्रा—	१	२	३	४	५	६
बोल—	धा	धिं	ना	धा	तिं	ना

बोल कहरवा ।

इसमें ८ मात्रा होती हैं और इसके बोल सब बोलों से भिन्न हैं।

(बोल और मात्रा)

मात्रा—	१	२	३	४	५	६	७	८
बोल—	धा	कि	ट	ति	न	क	धि	न्

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

तिलवाड़े के बोल ।

इसमें १६ मात्रा होती हैं ।

(बोल और मात्रा)

मात्रा—	१	२	३	४	५	६	७	८
बोल—	धा	किड़	धिं	धिं	धा	धा	तिं	तिं
मात्रा—	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६
बोल—	ता	ऽकिड़	धिं	धिं	धा	धा	धिं	धिं

झूमर के बोल ।

इस बोल में १४ मात्रा हैं ।

(बोल और मात्रा)

मात्रा—	१	२	३	४	५	६	७
बोल—	धिं	धा	तिरकिट	धिं	धिं	धा	धा
मात्रा—	८	९	१०	११	१२	१३	१४
बोल—	तिं	ता	तिरकिट	धिं	धिं	धा	धा

यह सब तबले के बोल, सीखने वाले को याद कर लेने चाहियें अब आगे अन्य वाद्यों के भी बोल दिये जाते हैं ।

मृदंग ।

यह वाद्य प्रायः कर बंगाली बजाते हैं चित्र सहित इसके कुछ बोल नीचे दिये गये हैं ।

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

मृदंग का नक्शा ।

(चित्र नं० २०)

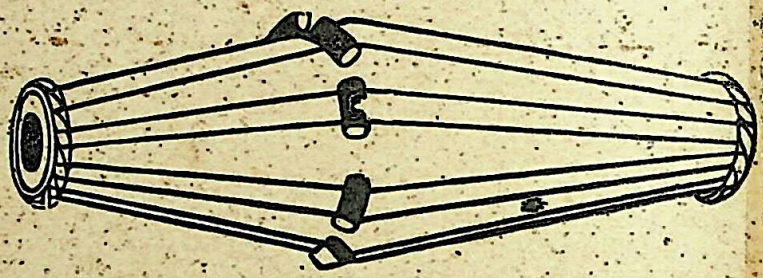

चौताला ।

(मृदंग)

इसमें १२ मात्रा होती हैं ।

(बोल और मात्रा)

मात्रा—	१	२	३	४	५	६	७	८
बोल—	धा	धा	दिं	ता	क	द्धागे	दिं	ता
मात्रा—	९		१०		११		१२	
बोल—	तिर		कत		गदि		गन	

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

हारमोनियम मास्टर

शूल फांकता।

(मृदंग)

इसमें १० मात्रा लगती है।

मात्रा—	१	२	३	४	५	६	७	८
बोल—	धा	आ	दि	दि	ता	आ	तिट	कत
मात्रा—	९	१०						
बोल—	गदि.	गन						

धमार।

(मृदंग)

इसके बोल में १५ मात्रा लगती हैं।

मात्रा—	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०
बोल—	क	धि	ट	धि	ट	धा	आ	म	दि	न
मात्रा—	११		१२			१३			१४	
बोल—	दि		न			ता			आ	

झपताल।

(मृदंग)

इसमें १० मात्रा होती हैं।

मात्रा—	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०
बोल—	धा	धा	दि	ता	धि	ता	आ	कत	गदि	गन

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

तेवरा।

(मृदंग)

इस बोल में ७ मात्रा होती हैं।

मात्रा—१ २ ३ ४ ५ ६ ७

बोल—धा दिं ता तिट कत गाद गन

ताल—मात्रा, बोल, सरगम और ठेका इन चारों को एक में बाँध देता है। सीखने वाले को समझने के लिये इसका सम्पूर्ण वृत्तान्त नीचे लिखा जाता है।

इकताले का ताल।

मात्रा १२

इसमें ३ ताल होता है।

ताल— १ २

मात्रा—१ २ ३ ४ | ५ ६ ७ ८ |
ठेका—धी (तृक) धी ना | धी धी ना (तृक) |

ताल— ३

मात्रा—९ १० ११ १२|
ठेका— तू ना (कत्) ना|

इस प्रकार १२ मात्रा में तीन ताल हुआ। चार २ अक्षर पर एक २ ताल बैठता है और १२ मात्रा वाला इकताला कहा जाता है।

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

तृताले का ताल।

मात्रा १६

इसमें भी इकताले की भाँति चार २ अक्षर पर एक ताल बैठता है और इसमें ४ ताल होता है चौथा खाली जाता है।

ताल—				१				२				३
मात्रा—	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२
ठेका—	ता	तिं	तिं	ता	धा	धिं	धिं	ता	धा	धिं	धिं	ता

ताल—	४ खाली।			
मात्रा—	१३	१४	१५	१६
ठेका—	धा	धिं	धिं	ता

कव्वाली का ताल।

मात्रा ८

इसमें दो २ अक्षर पर एक २ ताल बठता है। इसमें भी चार ताल होते हैं।

ताल—	१		२		३		४	
मात्रा—	१	२	३	४	५	६	७	८
बोल—	धा	गि	न	धिं	न	क	थ	न

दादरे का ताल।

मात्रा ६

इसमें तीन २ अक्षर पर एक २ ताल बैठता है। और २ ताल होते हैं।

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

ताल—	१			२		
मात्रा—१	२	३	४	५	६	
बोल—धा	धिं	ना	धा	तिं	ना	

कहरवा का ताल।

मात्रा ८

इस ताल को ठीक कव्वाली के ताल की भाँति समझिये।

तिलवाड़े का ताल।

मात्रा १६

इस ताल को तृताले की भाँति जानिये।

झूमरे का ताल।

मात्रा १४

इसमें पहला ताल ३ अक्षर पर अर्थात् तीसरी मात्रा पर दूसरा चार अक्षर पर अर्थात् ७ वीं मात्रा पर और तीसरा १४ वीं मात्रा पर इस प्रकार यह ३ ताल का हुआ।

चौताले मृदंग का ताल।

मात्रा १२

ताल—		०		२		०		३		४	
मात्रा—१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२
ठका—धा	धा	दिं	ता	क	द्धागे	दिं	ता	तिट	कत	गदि	गन

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

शूलफाकता मृदंग का ताल।

मात्रा १०

ताल—	०	२	३	०
मात्रा—१ २	३ ४	५ ६	७ ८	९ १०
ठेका—धा आ	दि दिं	ता आ	तिट कत	गदि गन

धमार मृदंग का ताल।

मात्रा १४

ताल—	०	२	०	३
मात्रा—१ २ ३	४ ५	६ ७ ८	९ १० ११	१२ १३ १४
ठेका—क धि ट	धि ट,	धा आ, ग	दि न, दि	न ता आ

झपताल मृदंग का ताल।

मात्रा—१०

ताल—		२	०	३
मात्रा—१ २	३ ४ ५	६ ७ ८	९ १०	
ठेका—धा, धा	दिं ता धि,	ता आ, कत	गदि गन	

ताल चौताला।

इस ताल में इक ताले के ही भाँति मात्रा रहती है और बोल भी एक ही है परन्तु अन्त के चार बोल दो टुकड़ों में हो कर फिर दो दो बोल बराबर बन कर ताल पैदा करते हैं।

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

मात्रा—१२

सम का स्थान—चौथी ताल पर।

बोल—इकताले का।

ताल मुगलई।

मात्रा—१४

यह ताल ढाई ताल के नाम से प्रख्यात है। इसमें १४ मात्रा हैं। पहिली ताली (ताल) पहिली मात्रा पर। दूसरा ताल पाँचवी मात्रा पर। खाली नवीं पर। परन्तु खाली पर भी सम आता जाता है।

ताल—सम—					१				२					
मात्रा—	११	१२	१३	१४	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०
ठेका—	ती	न	ता	क	धी	न	धी	न	धि	ग	ति	र	कि	ट

ताल पश्तो।

यह मुगलई की भाँति है।

झपताल।

कोई इसको ५ मात्रा और कोई ७ मात्रा का कहते हैं परन्तु साधारणतः १० मात्रे का ही ताल कहते हैं। सम दूसरी ताल पर है।

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

ताल—सम		१		खाली		१		सम		
मात्रा—२	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०
ठेका—धा	गे	धा	गे	धिं	न	ता	के	धा	गे	धा

ताल चंचल।

यह भी झपताल की तरह १० मात्रा का है। पहिला ताल पाँचवीं मात्रा पर दूसरा ताल सातवीं पर तीसरा नौवीं पर और एक पर खाली।

ताल चाचर।

यदि यह ताल अधिक ठा में बजाया जाय तो बिलकुल तिताला हो जाता है। इससे उसको ४ अथवा ८ मात्रा का ताल कहते हैं।

ताल—१	२	३	४ खाली
ठेका—धा धिन	तिग तिन	ता तिन	धिग तिन

ताल नकटा।

यह ताल कहरवा और कव्वाली की भाँति है और आठ ही मात्रा का होता भी है। केवल सम की ताल पहिली मात्रा पर और पाँचवीं मात्रा पर।

खेमटा।

यह छ मात्रा का ताल है। इसको दो ताला भी कहते हैं परन्तु परन तृताले के भी बजते हैं।

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

ताल—सम ३ खाली १

मात्रा—१ २ ३ ४ ५ ६ १ २ ३ ४ ५ ६

ठेका—धा ग धिं ना धि न ता क ति ना ति न

ताल टप्पा ।

यह ताल तृताले की भाँति है । केवल लय ठा में चलती है ।

पञ्जाबी ठेका ।

यह भी तृताला है, सब नियम तृताले की भाँति हैं केवल बोलों में भेद है । विशेष कर इस ताल पर ग़ज़लें गाई जाती हैं ।

ठेका पखावज ।

ताल—सम ३ खाली

मात्रा—१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२

ठेका—धा धी गा धा धा धीं ग धा धो तीं ग ता

ताल—१०

मात्रा—१३ १४ १५ १६

ठेका—ता धीं ग ता

ताल अद्धा ।

यह भी तृताले की भाँति है केवल बोलों में भेद है ठुमरियों और पूर्वी गानों पर इसकी विशेष चलन है ।

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

ताल—सम ३ खाली।

मात्रा—१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२

ठेका—धा धिं न्त ता धिं न्त ता ति न्त ता धि न्त

हारमोनियम को किस तरह खोलना चाहिये।

पिछले पृष्ठों में हारमोनियम के पुर्जे और तबले के बोल को लिखा है अब आगे बाजा कैसे बजाया जाता है और उसके सरगम क्रमशः लिखे जाते हैं।

बाजे को सन्दूक से निकालकर अपने सामने रखना चाहिये और चाभियों को जो ठीक बाजे के बाहर सामने की तरफ लगी रहती हैं अपनी तरफ खींचना चाहिये। परन्तु यह ध्यान रखना चाहिये कि वह चाभियां जोर से न खींची जायँ किन्तु धीरे से अपनी तरफ खींचना चाहिये और जब अपने आप रुक जावे तब उसको वैसे ही छोड़ देना चाहिये।

ऊपर लिखे अनुसार सीखने वाला जब चाभियों को खोल चुके तब उसको चाहिये कि धौंकनी जिसके द्वारा हवा बाजेके अन्दर पहुँचाई जाती है ऊपर लगे हुए कील से अलग कर दे जिसमें वह अटकी रहती है।

इसके पश्चात् दाहिना हाथ पर्दों पर चलाने के लिये तैयार कर लेना चाहिये और अँगुली पर्दे पर रख कर फिर बायें हाथ से धौंकनी चलानी चाहिये। नीचे दिये हुए चित्र को देख कर समझ लें।

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

हारमोनियम मास्टर

चित्र नं० २१

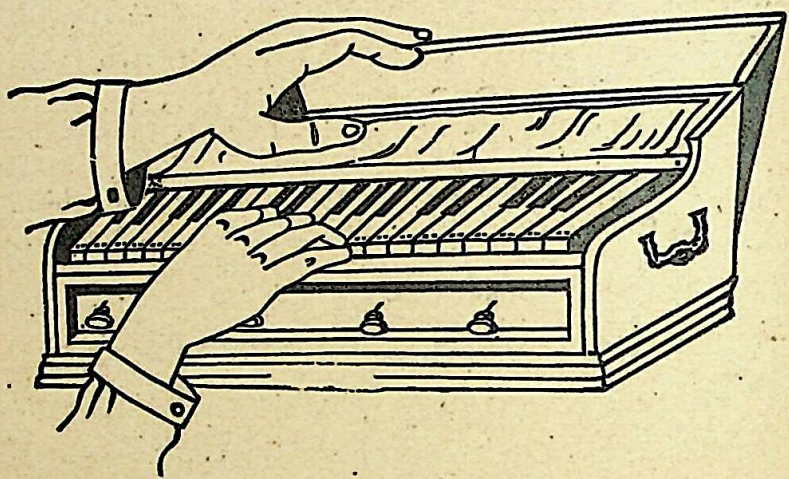

बाँया हाथ धौंकनी पर दाहिना हाथ पर्दे पर।

हारमोनियम बजाने से पहले सीखने वाले नीचे लिखे हुए नियमों को अच्छी तरह समझ लें।

(१) सीखने वालेको आवश्यकीय है कि वह सबसे पहिले प्रथम सप्तक के प्रथम सफेद पर्दे पर से वह पीतल का स्प्रिंग (कमानी) हटावें जो उस पर्दे को दबाये रहती है। अब वह पर्दा बिना अँगुली रखे केवल धौंकनी चलाने से ही आवाज़ देने लगेगा। ऐसा करने से कदाचित् भूलकर पर्दे पर अँगुली न रखकर धौंकनी धौंक दी जाय भी तो बाजा बिगड़ने का भय नहीं रहता। क्योंकि पर्दा खुला है और भीतर की हवा मजे में ऊपर आ सकती है।

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

(२) धौंकनी सदैव धीरे धीरे और एक चाल से चलाना उत्तम है।

(३) पहले पर्दों पर अँगुलियाँ धीरे २ चलाना चाहिये फिर बाद में तेज़ चाल में।

(४) एक पर्दे पर एकही अँगुली रखना चाहिये दो नहीं। एकाद पर्दे का अन्तरा देना भी उत्तम है।

(५) एकके बाद दूसरी अँगुली चलाना चाहिये और पर्दे पर अँगुलियों का टप्पा नहीं देना चाहिये। इससे बाजेकी बोल शीघ्र नष्ट होने का भय है।

(६) अपने हाथ का तौल के माफिक रखना चाहिये।

(७) हारमोनियम बजाते समय आगे की ओर झुकना ठीक नहीं सीधे बैठकर बाजा बजाना चाहिये।

(८) कभी कभी सीखनेवाले को यह मुश्किल हो जाताहै, कि जब वह धौंकनी चलाते हैं तब उनकी अँगुली पर्दे पर नहीं चलती है और जब अँगुली चलने लगती है तब धौंकनी रुक जाती है। सीखनेवाले इस बातके लिये न घबरायें और हिम्मत हारकर न बैठें किन्तु प्रयत्न करें घन्टे दो घन्टे परिश्रम करने से यह कष्ट दूर हो जायगा और दोनों हाथ एकही समय चलने लगेगा।

(९) बाजा सीखने के लिये अँगुलियों का तैयार करना आवश्यक है इसलिये सीखने वाले को पहले ही से अँगुलियों को दुरुस्त करने का परिश्रम करते रहना उचित है।

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

(१०) हारमोनियम बजाने से पहले बाजे को एक सफेद कपड़े से साफ कर लेना चाहिये उसके बाद अपनी अँगुलियों को भी साफ करना जरूरी है ताकि पसीना या मैल पर्दे में न लगे।

हारमोनियम को किस तरह बन्द करना चाहिये।

हारमोनियम को बन्द करते समय नीचे लिखी हुई बातों पर ध्यान रखना ज़रूरी है।

(१) जब बाजा बन्द करने की इच्छा हो तो, बजाते हुये एक दम धौंकनी को हाथ से छोड़ देना चाहिये और पर्दों पर पाँचों अँगुली रख देना चाहिये। ऐसा करने से भीतर हवा नहीं रहेगा और बाजे में कोई खराबी उत्पन्न नहीं होगी।

(२) जब बाजे की आवाज बन्द हो जाय उस समय एक अँगुली पर्दे पर रख और दूसरे हाथ से धौंकनी उस कील में जो धौंकनी के दूसरे सिरे पर लकड़ी के तख्ते में लगी रहती है अटका देना चाहिये। ऐसा करने से जब तक धौंकनी पीछे से आकर कील के पास आयेगी अँगुली से दबाया हुआ पर्दा आवाज़ देगा और हवा उस पर्दे द्वारा बाहर निकल जायगा।

(३) जब धौंकनी बन्द हो उस समय जितनी चाभियाँ खुली हैं (आगे की तरफ निकली हुई हैं) उनको पीछे की ओर

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

(अन्दर की तरफ) सरका देना चाहिये। मगर उस पर बल आजमाने की जरूरत नहीं। यह काम बड़े आहिस्ते से करना चाहिये। चाभियों को अन्दर कर देने पर अब बाजा बन्द हो गया।

(४) जब बाजा बन्द हो जाय तब उसके ऊपर से एक सफेद कपड़े का टुकड़ा जो कि बाजे को पूरी तरह से ढक ले ढाँप देना चाहिये और उसे सन्दूक में बन्द कर देना चाहिये।

(५) हारमोनियम को खोलने से पहले चाभियों को खोल लेना चाहिये और इसके बाद जब बाजा बन्द किया जाये उस समय सबसे पीछे बन्द करना चाहिये।

(६) हारमोनियम और हारमोनियम के सन्दू समय एक सफेद कपड़े से साफ कर देना चाहिये जिससे किसी प्रकार की उसमें कूड़ा या करकट न रहे।

(७) बाजे को या उस सन्दूक को जिसमें बाजा है कभी धूप में, ठंढ में और एक दम अन्धेरी कोठरी में, नहीं रखना चाहिये।

(८) इसी प्रकार तबले को भी कपड़े से बाँध कर सन्दूक में रखना चाहिये और उसे भी धूप में, ठंढ में या अन्धेरी कोठड़ी में रखना ठीक नहीं।

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

हारमोनियम के पर्दे पर किस प्रकार से अँगुली चलाना चाहिये।

प्रथमतः सीखने वाले को अपनी अँगुलियाँ क्रम से चलाने का अभ्यास करना चाहिये। जब पूर्ण रीतिसे अभ्यासहो जाय तब जिस प्रकार से सुभीता हो वह अँगुलियों को पर्दे पर रख सकता है। इसका पूरा २ वर्णन चित्र सहित नीचे दिया जाता है सीखने वाले इसे समझ कर अभ्यास आरम्भ कर दें।

(चित्र नं० २२)

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

हारमोनियम मास्टर

प्रथम सप्तक

रे ग म ध नी

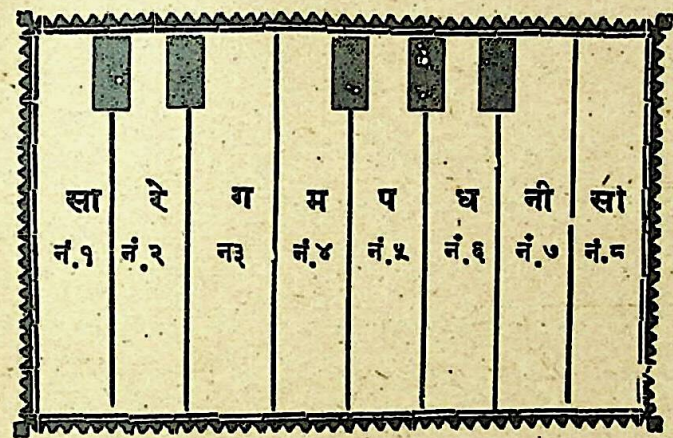

(सा)—नम्बर १ पर अँगूठा।

(रे)—नम्बर २ पर तर्जनी अर्थात् अँगूठे के बाद की पहली अँगुली।

(ग) नम्बर ३ पर मध्यमा अर्थात् बीच की अँगुली।

(म)—नम्बर ४ पर कनिष्ठा अर्थात् बीच की अँगुली के बाद वाली।

इसी प्रकार नम्बर ५ पर अँगूठा, नम्बर ६ पर तर्जनी नम्बर ७ पर मध्यमा, नम्बर ८ पर कनिष्ठा।

नोट—उपरोक्त चित्र में यह समझा दिया गया है कि कौन सी अंगु। किस पर्दे पर रखनी चाहिये।

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

अँगुलियों का वृत्तान्त

सीखनेवाले नीचे लिखे हुए नियमों को अच्छी तरह समझ लें ताकि हारमोनियम बजाते समय पर्दे पर अँगुली रखने में भूल न हो।

(१) अँगूठा सदैव सा और पा पर रखना चाहिये जैसा चित्र नं० २२ के बयान में बताया गया है।

(२) अँगूठा कदापि काले पर्दे पर नहीं रखना चाहिये।

(३) काले पर्दे पर अँगूठे को छोड़कर पीछेके चित्रानुसार अँगुलियाँ रखनी चाहिये।

(४) यदि सीखने वाला शुरू से ही पीछे बतायी रीति के अनुसार अभ्यास करेगा तो बहुत जल्द उसकी अँगुलियाँ पक जायँगी और बाजा खोलते ही फुर्ती के साथ पर्दों पर चलने लगेंगी अन्यथा अँगुलियों का पर्दे पर चलना कठिन है।

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

हारमोनियम मास्टर

स्वर पहिचानने के निशान

(१) जिस स्वर के नीचे ऐसा (+) निशान हो उस स्वर को मध्यम सप्तक का कोमल पर्दा जानना चाहिये। जैसे-रेगम
+++

(२) जिस स्वर के नीचे ऐसा (०) निशान हो उस स्वर को प्रथम सप्तक का कोमल पर्दा जानना चाहिये । जैसे-रेगम
४४४
०००

(३) जिस स्वर के नीचे ऐसा (—) निशान हो उस स्वर को तीसरे सप्तक का कोमल पर्दा जानना चाहिये।

जैसे—रे ग म
४ ४ ४

(४) जिस स्वर के नीचे ऐसा [४] निशान हो उसे प्रथम सप्तक का तीव्र पर्दा समझना चाहिये। जैसे—सा रे ग म।
४ ४ ४ ४

(५) जिस स्वर के नीचे ऐसा (४) निशान हो उस स्वर को तीसरे सप्तक का तीव्र पर्दा समझना चाहिये।

जैसे—सा रे ग म
४ ४ ४ ४

SRI JAGADGURU VISHWARADHYA
JNANA SIMHASAN JNANAMANDIR
LIBRARY
Jangamawadi Math, Varanasi
Acc. No. 218

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

स्वर का पर्दा ।

(चित्र नं० २३)

कोमल	रे	ग	म	प	ध	रे	ग	म	प	ध	रे	ग	म	प	ध	
निशान	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	

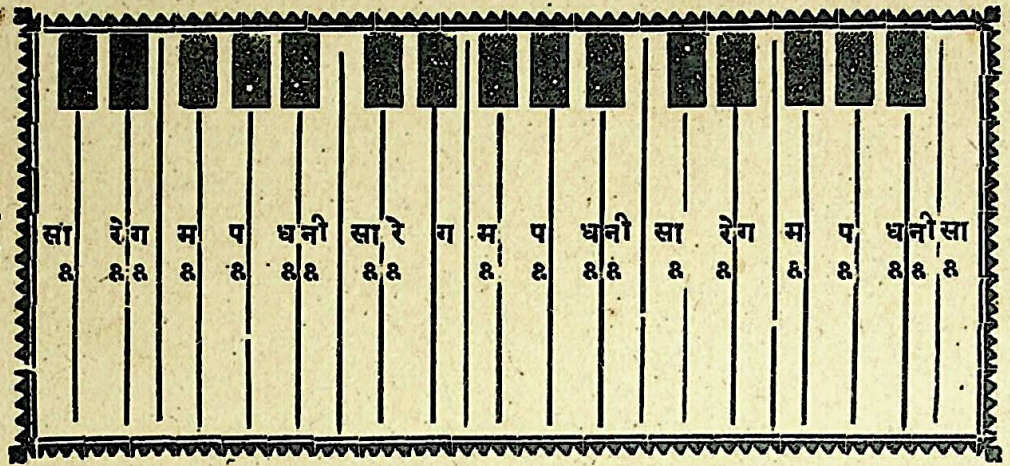

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

हारमोनियम मास्टर

बाजे में प्रथम सप्तक के सा को स्वर माना। परन्तु यह कोई खास बात नहीं है कि अमुक पर्दे को ही स्वर मान कर बजाया जाय। यहाँ केवल सीखने वाले के सुभीते के लिये सा को स्वर माना गया है। गायक अपनी रुचि के अनुसार स्वर स्थिर कर ले।

हारमोनियम में तीन सप्तक होते हैं। इसमें से जहाँ नं० १ है मान्द्र सप्तक [प्रथम सप्तक] जहाँ नं० २ है मध्यम सप्तक और जहाँ नं० ३ है तार सप्तक [तीसरा सप्तक] कहते हैं।

हारमोनियम में २२ सफेद और १५ काले पर्दे होते हैं। किसी २ में इससे भी ज्यादा होते हैं जिसका जिक्र पीछे किया जा चुका है। कुल मिला कर ३७ पर्दे हुए। इनमें से हर एक सप्तक १२, १२ पर्दों में विभाजित हैं। ७ सफेद और ५ काले।

[१] सा रे ग म प ध नी

यह सफेद पर्दे तीव्र हैं।

[२] रे ग म प ध

यह काले पर्दे कोमल हैं।

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

हारमोनियम मास्टर

[तीव्र पर्दों के नाम]

[१] सा को षड्ज कहते हैं।
[२] ऋ [री] को ऋषभ।
[३] गा को गान्धार।
[४] मा को मध्यम।
[५] पा को पंचम।
[६] धा को धैवत।
[७] नी को निषाद।

[कोमल पर्दों के नाम]

[१] ऋ [री] को ऋषभ।
[२] गा को गान्धार।
[३] मा को मध्यम।
[४] प को पंचम।
[५] ध को धैवत।

इसी प्रकार मध्यम और तार सप्तक के स्वरों को जानिये।

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

सातों स्वरों का वर्णन

[१] षड्ज स्वर की आवाज़ मयूर के कण्ठ से आती है

[२] ऋषभ स्वर की आवाज़ गौ के कण्ठ से आती है।

[३] गन्धार ———— बकरे ————

[४] मध्यम ———— कौंच ————

[५] पंचम ———— कोकिल ————

[६] धैवत ———— घोड़े ————

[७] निषाद ———— हस्ती ————

स्थिर स्वर

षड्ज [सा] पंचम [पा] यह स्थिर स्वर हैं और सदैव क़ायम रहते हैं उतरते नहीं।

चलने वाले स्वर

रे ग म प ध नी

यह पाँचों कोमल स्वर एक से नहीं रहते तीव्र हो जाते हैं।

तीव्र स्वर की पहिचान

जिस स्वर का उच्चार केवल रूप से हो, वह हारमोनियम के सफेद पर्दे हैं।

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

कोमल स्वर की पहिचान

जिसका उच्चारण तीव्र स्वर से आधा हो, वह बाजे के कोमल पर्दे हैं।

(स्वर)

प्रथम [मान्द्र] सप्तक की आवाज़ मोटी होती है गाने वाले को इस सप्तक के स्वरों से आवाज़ मिलाने के लिये अपनी अतड़ियों पर जोर डालना पड़ता है।

मध्यम सप्तक की आवाज़पहले सप्तक से दूनी होती है। इसके स्वरों का साथ देने में कलेजे पर जोर पड़ता है।

तार सप्तक की आवाज़ बारीक और ऊँची होती है इसके स्वरों में गाने से नेत्रों पर ज़ोर पड़ता है और कभी २ आँखों से पानी भी निकलने लगता है।

(सम)

सम उसे कहते हैं जब ताल पूरा चक्कर लगा देता है और पुनः वहीं से आरम्भ होता है अर्थात् जहाँ गाने की कड़ी खतम होती है और सुनने वाले मस्त होकर ठेका देने लगते हैं जैसे—आ-आ इत्यादि।

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

तान

गवैया जब गाता है तो उसको किसी २ स्थान पर अलाप लेने की आवश्यकता पड़ती है उस समय वह अपनी ध्वनी में शीघ्रता से आ आ कर जाता है ऐसे स्थान पर हारमोनियम बजाने वाला उसका आवाज के साथ अपनी अँगुलियाँ फुर्ती के साथ उन्हीं स्वरों पर चलाता है जिन स्वरों पर गवैया अलाप लेता है इसको तान अथवा अलाप कहते हैं। तान का बजाना कठिन है इसलिये अँगुलियों का खूब पका रहना आवश्यक है।

तान के बजाने में बहुत से पर्दे को शीघ्र बजाने की अत्यन्त आवश्यकता है।

तान के नियम

[१] पर्दा पर अन्तरा फुर्ती से बजाना चाहिये।

[२] साज के साथ बाजा बजाना अत्यावश्यक है।

[३] थियेट्रिकल व अँगरेज़ी गानों में चाल तेज़ रहती है यदि हाथ फुर्तीसे न चले तो इनकी तर्जोंको बजाना कठिन ही नहीं वरन् असम्भव है। क्योंकि यह चाल कैंचीकी भाँति चलती है।

[४] यदि कोई गत बजाना हो तो उसके सरगम को अपने मन में कहते जाओ और अँगुलियों को हारमोनियम पर बजाते जाओ। ऐसा करने से गति ठीक चाल से चली जायगी और हाथ फुर्ती के साथ चलेगा।

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

हारमोनियम मास्टर

आरोह

एक तरफ से चढ़ते हुए को आरोह कहते हैं जैसे—

सा रे गा मा पा धा नी सा।

अवरोह

दूसरी तरफ से उतरते हुए को अवरोह कहते हैं जैसे—

सा नी धा पा मा गा रे सा।

पिछले पृष्ठों में यह बतलाया गया है कि अँगुलियाँ पर्दों पर किस प्रकार से चलनी चाहिये। अब नीचे सरगम लिखे जाते हैं सीखनेवाले को ध्यान पूर्वक बजाना चाहिये।

सरगम नं० १

आरोह

सा रे गा मा पा धा नी सा।

अवरोह

सा नी धा पा मा गा रे सा।

आरोह

सासा, रेरे, गग, मम, पप, धध, नीनी, सासा।

अवरोह

सासा, नीनी, धध, पप, मम, गग, रेरे, सासा।

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

हारमोनियम मास्टर

आरोह

सारेगा, रेगामा, गामापा, मापाधा, पाधानी, धानीसा।

अवरोह

सानीधा, नीधापा, धापामा, पामागा, मागारे, गारेसा।

आरोह

सा रेगम, रे गमम, ग मपप,
म पधध, प धनीनी, ध नीसासा।

अवरोह

सा सानीध, नी नीधप, ध धपम।
प पमग, म मगरे, ग गरेसा।

आरोह

सा रेगम, रे गमप, ग मपध, म पधनी, प धनीसा

अवरोह

सा नीधप, नी धपम, ध पमग, प मगरे, म गरेसा।

नीचे दिये हुए सरगम को एक दम ठाह में बजाना चाहिये और निशान दिये हुए स्वरों को उसी के माफिक बजावे जैसे स×२ इसके माने हुआ कि दो मर्तबा सा बजाओ सा×३ इसी प्रकार ३ हो तो तीन मर्तबा ४ हो तो ४ मर्तबा इत्यादि।

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

हारमोनियम मास्टर

आरोह और अवरोह (सीधा और उल्टा)

सरगम नं० २

नं० १

सा—रे—गा—मा—पा—धा—नी—सा ।

सा—नी—धा—पा—मा—गा—रे—सा ।

नं० २

सा—रे×२–गा×२–मा×२–पा×२–धा×२–नी×२–सा×२ ।

सा—नी×२–धा×२–पा×२–मा×२–गा×२–रे×२–सा×२ ।

नं० ३

सा—रे×३–गा×३–मा×३–पा×३–धा×३–नी×३–सा×३ ।

सा—नी×३–धा×३–पा×३–मा×३–गा×३–रे×३–सा×३ ।

नं० ४

सा—रे×४–गा×४–मा×४–पा×४–धा×४–नी×४–सा×४ ।

सा—नी×४–धा×४–पा×४–मा×४–गा×४–रे×४–सा×४ ।

नं० ५

सा—रे–ग×२–रे–ग–म×२–ग–म–प×२–म–प–ध×२–
प–ध–नी×२–ध–नी–सा×२ ।

सा—नी–ध×२–नी–ध–प×२–ध–प–म×२–प–म–ग×२–
म–ग–रे×२–ग–रे–सा×२ ।

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

नं० ६

सा—रे–ग×३–रे–ग–म×३–ग–म–प×३–म–प–ध×३–
प–ध–नी×३–ध–नी–सा×३ ।

सा—नी–ध×३–नी–ध–प×३–ध–प–म×३–प–म–ग×३–
म–ग–रे×३–ग–रे–सा×३ ।

अब आगे आरोह और अवरोह [उल्टे पल्टे और सीधे पल्टे] दोनों लिखे जाते हैं। सीखनेवाले को चाहिये कि उनको फुर्ती के साथ बाजे पर बजावे और साथ ही साथ मुँह से भी कहता जाय। ऐसा करने से सरगम कण्ठाग्र हो जायगा और अभ्यास भी बन जायगा ।

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

हारमोनियम मास्टर

(आरोह और अवरोह एक में)

सरगम नं० ३

नं० १

सा रे ग म प ध नी सा, सा नी ध प म ग रे सा ।

नं० २

सा सारेरेग ग ममपप ध धनीनीसा सा ।
सा सानीनीध ध पपमम ग गरेरेसा सा ।

नं० ३

सा रे ग-रे ग म-ग म प-म-प ध-प ध नी-ध नी सा ।
सा नी ध-नी ध प-ध प म-प म ग-म ग रे-ग रे सा ।

नं० ४

सा रे ग ग-रे ग म म-ग म प प,
म प ध ध-प ध नि नि-ध नि सा सा ।
सा सा नि ध-नि नि ध प-ध ध प म,
प प म ग-म म ग रे-ग ग रे सा ।

नं ५

सा रे ग म-रे ग म प-ग म प ध-म प ध नी-प ध नी सा ।
सा नी ध प-नी ध प म-ध प म ग-प म ग रे-म ग रे सा ।

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

नं० ६

सा रे ग म×२–रे ग म प×२-ग म प ध×२-
म प ध नी×२-प धनी सा×२।

नं० ७

सा रे ग म×३-रे ग म प×३-ग म प ध×३-म प ध नी×–३
प ध नी सा×३–सा नी ध प×३-नी ध प म×३-ध प म ग रे
×३-प म ग रे×३-म ग रे सा×३।

(नोट-इसी प्रकार ५ मर्तबा ६ मर्तबा बजाते जाओ जिससे हाथ सफल हो जाय)

इस सरगम के लिये अँगुलियों को तैयार रहना अत्यावश्यक है। यदि अँगुलियाँ फुर्ती के साथ नहीं चलेंगी तो गत के सुनने में आनन्द नहीं आवेगा।

साग साग साग म ग रे सा नीरे नीरे नीरे गरे सानी
४ ४ ४ ४

साग साग सा रे. ग म प धपमग प मगरे नीरेसा।
४

सासारे सानीसा रेरेरे गग मगरेसा गगग
४

पप धपमग ममम, मम पमगरे गगग, गग मगरेसा रेरेरे
रेरे गरेसानी सासासा। सारे गमपधनी सासासा
४ ४ ४ ४

सानी धपमगरेसा सासासा॥
४

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

हारमोनियम मास्टर

सरगम नं० ५

(प्रथम सप्तक)

ग म प ध नी ध प म प ग म प ।
म ग रे सा नी सा ग रे म ग रे ।
सा ग रे सा सा नि धा ।
सा रे रे ग प म ध प म ।

(मान्द्र सप्तक)

ग ग प प ध नि नि सा ध नि सा रे ग रे सा ।
ग रे सा सा नि सा ध नि प ध म प ॥

सरगम नं० ६

सा ग म प ध ध प म प ग रे सा ।
ग म ग म प ग म ग म रे ॥
सा ग रे ग म प नी ध ग म रे सा ।
प प म ग रे म ग रे प ध नी ॥
नी ध प म सा ग म ग रे सा ।

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

अभ्यास के नियम

(१) सीखनेवाले को चाहिये कि सब सरगमों का अच्छी तरह से अभ्यास करले और जब अँगुलियाँ भली प्रकार तैयार हो जायँ तब आगे के गतों को बजाये जिससे कि हाथ मज जायगा। यद्यपि सीखने वाले को यह गतें अच्छी नहीं लगती होंगी और दिल घबराता होगा तथापि उनको चाहिये कि दृढ़ता से अभ्यास करें। यदि भली प्रकार अभ्यास हो जायगा तो अन्य सरगम और रागों को बजाने में कठिनाई नहीं पड़ेगी।

(२) हारमोनियम बजाने में केवल अँगुलियों को साधना कठिन है, परन्तु परिश्रम करने से यह भी सरल हो जायगा। जब अँगुलियाँ पर्दों पर फुर्ती के साथ चल निकलेंगी, फिर क्या है? बोल निकालने में जरा भी विलम्ब नहीं लगेगा।

(३) अतः सीखने वाले को चाहिये कि धैर्य से काम लें और बजाने के साथ ही साथ गले से भी गायें यह काम प्रातः काल कहीं अच्छा होगा। क्योंकि रात भर शरीर को आराम मिलने से शरीर के भीतर की नसें खुल जाती हैं। इसलिये प्रातःकाल गाने का अभ्यास करने से गले की आवाज़ दुरुस्त करने में विशेष परिश्रम करना नहीं पड़ेगा।

(४) जब सरगम हाथ से ठीक निकलने लगे तब बोल निकालने का प्रयत्न करना चाहिये।

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

(५) बजाने के साथ गाने से एक लाभ यह होगा कि स्वर का ज्ञान हो जायगा, कौन स्वर कहाँ से निकलता है।

(६) हारमोनियम बजाने वाले को तबले का भी साथ करना अत्यावश्यक है। तबले के साथ बजाने से संगीत का भेद ज्ञात हो जायगा, बेताला होने का भय नहीं रहेगा और एक नया आनन्द आने लगेगा।

(७) संगीत विशेष कर अभ्यास पर निर्माणित है अतः सीखने वाले को चाहिये कि कम से कम वह दो घण्टा अभ्यास करे।

(८) जब हारमोनियम बजाने वाले का हाथ सरगमों के बजाने से भली भाँति तैयार हो जाय और किसी प्रकार की रुकावट शेष न रहे तब सीखने वाले को चाहिये कि गतें बजाने का अभ्यास करे जिससे हाथ हथियार की भाँति तैयार हो जायगा।

इस प्रकार इन नियमों को ध्यान में रखते हुए सीखनेवाले बजाना आरम्भ कर दें।

अब आगे राग रागनियों का वर्णन किया जाता है। ध्यान से पढ़िये और लिखी हुई गतों को बजाइये।

राग रागिनियों का वर्णन

सब राग रागिनियों का इस छोटी सी पुस्तक में वर्णन करना असम्भव है, यद्यपि प्रचलित समय के राग रागनियों का संक्षेप में वर्णन किया जाता है।

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

हारमोनियम मास्टर

राग छः हैं

इनकी उत्पत्ति महादेव और पार्वती से हुई है। पाँच राग शिवजी के मुख से और एक राग पार्वतीजी के मुख से उत्पन्न हुआ है क्रमशः उन्हें नीचे लिखा जाता है।

राग

१–भैरव राग।
२–मालकोश राग।
३–हिंडोल राग।
४–दीपक राग।
५–श्री राग।
६–मेघ राग।

१–भैरव राग

भैरव राग में सप्त स्वर लगते हैं स ग प नी शुद्ध रे मा धा कोमल स्वर हैं। इसको ग्रीष्म तथा रात्रि के ३ बजे से प्रातः काल सूर्योदय तक गाते हैं भैरवी, मधुमाध, वैराटी, सिन्धवी, वंगाला इसकी रागिनियाँ हैं।

२–मालकोश

मालकोश राग पंच स्वरका है इसमें ग ध नी कोमल और सा म शुद्ध स्वर हैं। यह शरद ऋतु तथा दो तीन बजे रात को भी गाया जाता है टोडी, गंकले, खंबावती, कलकभ, गौरी इसकी रागिनियाँ हैं।

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

३—हिंडोल राग।

इस राग में सप्त स्वर हैं। रे म कोमल और सा गा मा धा नी, शुद्ध स्वर हैं। सायंकाल को आरम्भ किया जाता है रामकली, विलावल, देवसाख, ललित, पट मंजरी, इसकी रागिनियाँ हैं।

४—दीपक राग।

इस राग में नौ स्वर हैं ग म ध कोमल और सा गा मा पा धा नी शुद्ध स्वर हैं। यह हेमन्त ऋतु तथा दिन के दूसरे पहर में गाया जाता है देश कामोद, कान्हरा, केदार, नट इस की रागिनियाँ हैं।

५—श्रीराग।

इस राग में नौ स्वर हैं रे म ध कोमल और सा गा मा पा धा नी शुद्ध स्वर हैं यह शिशिर ऋतु तथा दो बजे से चार बजे तक गाया जाता है।

६—मेघ राग।

इस राग में ६ स्वर हैं सा रे मा पा धा नो सब शुद्ध स्वर हैं। यह राग दिन के अन्त में गाया जाता है परन्तु कोई कोई संगीता—चार्य का मत है कि यह राग रात्रि के चौथे पहर में गाया जाता है। वर्षा ऋतु में तो हर समय गा सकते हैं।

अब सीखने वाले के समझने के लिये इन सब रागों को हारमोनियम के नकशे में बताया जाता है जिससे वे अति शीघ्र

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

सरगमों से जानकार हो जायँ और हारमोनियम के खोलते ही जो चाहें सो राग वजा लें।

(पहला) भैरव राग।

समय—रात्रि के ३ वजे से सूर्योदय के पहले तक।

गुण—इस राग को सुनने से हृदय प्रसन्न होता है आलस्य दूर होकर शरीर फुर्तीला वनता है। यदि मनुष्य प्रति दिन नियमित समय पर गाये तो कभी वीमार नहीं हो सकता।

सरगम

सा रे गा मा पा धा नी सा।

स्वर

रे धा कोमल पर्दे हैं।
सा गा मा पा नी शुद्ध (तीव्र) पर्दे हैं।

नक्शा हारमोनियम

नं० १

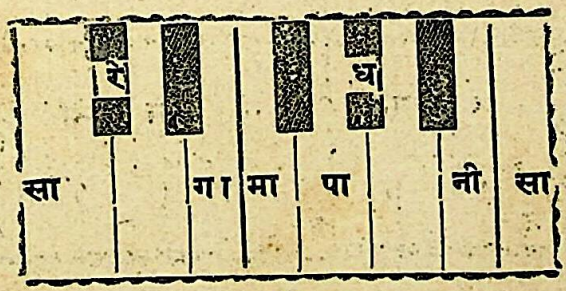

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

(दूसरा) मालकोश राग ।

समय—रात्रि के दो तीन बजे ।

गुण—इस राग को सुनने से मनुष्य मस्त हो जाता है और नशे की भाँति झूमने लगता है ।

सरगम

सा गा मा धा नी

स्वर

गा धा नी कोमल पर्दे हैं ।

सा मा शुद्ध [तीव्र] पर्दे हैं ।

नक्शा हारमोनियम

नं० २

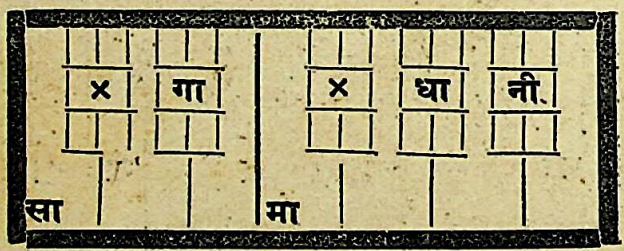

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

(तीसरा) हिंडोल राग ।

समय—सायंकाल ।

गुण—इस रागको सुनने से मनुष्य का हृदय प्रसन्न और मस्त हो जाता है यदि मनुष्य किसी को वशमें करना चाहता है तो वहइस राग की सहायतासे सफलता प्राप्त कर सकता है । खास कर मेजिशियन[जादूगर] को विशेष लाभहो सकता है जब कि वह सांगीत के नियमों से भिज्ञ हो ।

सरगम

सा रे गा मा धा नी

स्वर

रे मा कोमल पर्दे हैं ।

सा गा मा धा नी [शुद्ध तीव्र] पर्दे हैं ।

नक्शा हारमोनियम ।

नं० ३

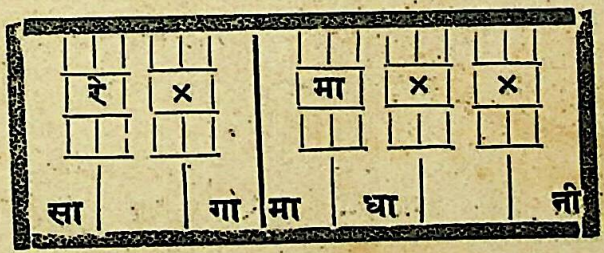

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

(चौथा) दीपक राग ।

समय—दिन का दो पहर ।

गुण—इस राग को गाने से दीपक प्रज्वलित हो जाते हैं ।

सरगम

सा गा गा मा पा धा धा नी ।

स्वर

गा मा धा कोमल पर्दे हैं ।

सा गा मा पा धा नी शुद्ध [तीव्र] पर्दे हैं ।

नक्शा हारमोनियम

नं० ४

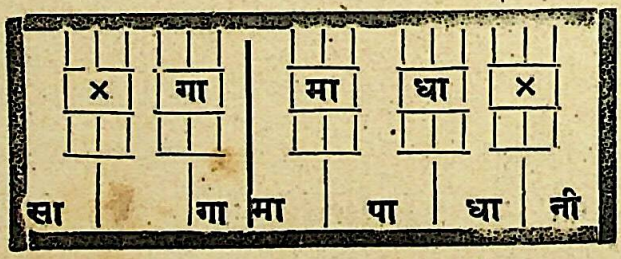

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

पाँचवाँ श्री राग

समय—दिन के दो बजे से चार बजे तक।

गुण—मनुष्य के हृदय की मलीनता नष्ट हो जाती है और शंका दूर हो जाती है और वह रोगों से मुक्त हो जाता है।

सरगम

सा रे गा मा पा धा नी।

स्वर

रे धा कोमल पर्दे हैं।

सा गा मा पा नी शुद्ध [तीव्र] पर्दे हैं।

नक्शा हारमोनियम

नं० ५

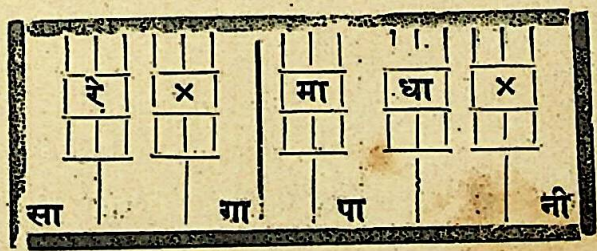

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

छठवाँ मेघराग

समय—दिन का अन्त।

गुण—इस राग को सुनने से हृदय को शान्ती मिलती है। तथा तृष्णा मिटती है। वर्षा ऋतु में इसका गुण तुरन्त होता है। विशेष कर श्रावण मास में जब कि बादल आकाश पर आच्छादित रहते हैं तब यह राग अपना पूरा पूरा गुण प्रकाशित करता है।

सरगम

सा रे मा पा नी।

स्वर

नी कोमल पर्दे हैं।

सा रे मा पा सब शुद्ध [तीव्र] पर्दे हैं।

नक्शा हारमोनियम

नं० ६

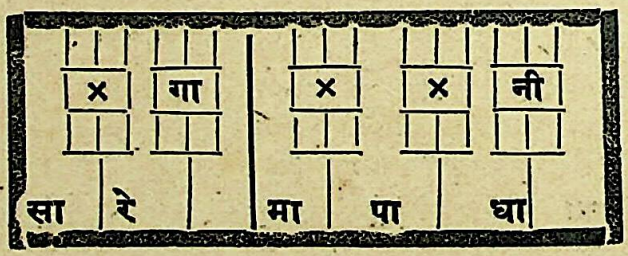

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

इस प्रकार छः रागों का वर्णन सीखने वालों के समझने के लिये हारमोनियम के नक्शे सहित किया गया है। सीखने वाले को उचित है कि वह रागों के सरगमों का कण्ठाग्र कर ले जिससे पुस्तक को देखने की आवश्यकता न पड़े।

अब आगे रागिनियों का वर्णन किया जाता है। वह भी इन्हीं की भाँति लिखी जाती हैं जिससे सीखने वाले सहज में बजा लें।

नोट-शिक्षक को गाते गाते बीच में अलापना भी अत्यावश्यक है जिससे आवाज़ खुल जाती है।

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

भैरव राग की रागिनियाँ

(पहली) भैरवी रागिनी ।

समय—प्रातःकाल ।

गुण—इस रागिनी को सुनने से हृदय प्रसन्न होता है बुद्धि बढ़ती है और शरीर फुर्तीला बन जाता है ।

स्वरूप—सुन्दर ।

उम्र—पन्द्रह सोलह वर्ष ।

सरगम

सा रे गा मा पा धा नी ।

स्वर

रे गा धा नी कोमल पर्दे हैं ।

सा मा पा शुद्ध (तीव्र) पर्दे हैं ।

नक्शा हारमोनियम

नं० १

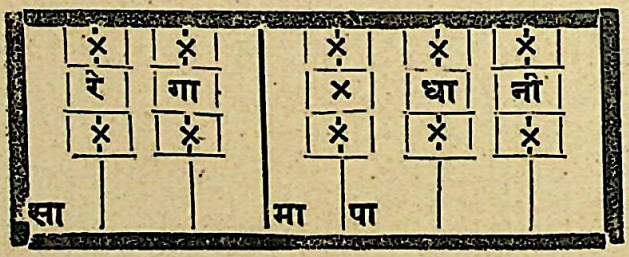

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

(दूसरी) मधुमाधवी रागिनी ।

समय—प्रात काल ।

गुण—इस रागिनी को सुनने से मनुष्य कामदेव की पीड़ा से पीड़ित हो जाता है चाहे वह बलवान हो, ब्रह्मचारी हो अथवा जितेन्द्रिय हो ।

स्वरूप—सुन्दर कोमलांगी स्त्री ।

अवस्था—पन्द्रह सोलह ।

सरगम

सा रे गा मा पा धा नी ।

स्वर

गा नी कोमल पर्दे हैं ।

सा रे मा पा धा शुद्ध (तीव्र) पर्दे हैं ।

नक्शा हारमोनियम

नं० २

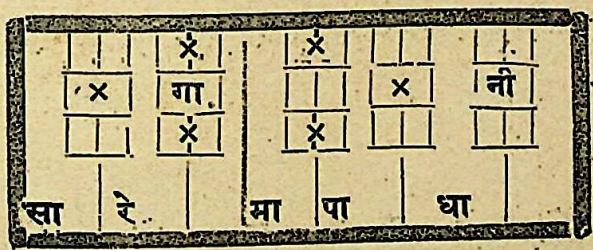

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

(तीसरी) वैराटी रागिनी ।

समय—तीसरा प्रहर।

गुण—इस रागिनी को सुनने से आलस्य दूर होकर हृदय प्रसन्न होता है।

स्वरूप—पतली कमर सुन्दर स्त्री तिरछी चितवन।

अवस्था—पन्द्रह सोलह वर्ष।

सरगम

सा रे गा मा पा धा नी।

स्वर

रे धा कोमल पर्दे हैं।

सा गा पा नी शुद्ध (तीव्र) पर्दे हैं।

नक्शा हारमोनियम

नं० ३

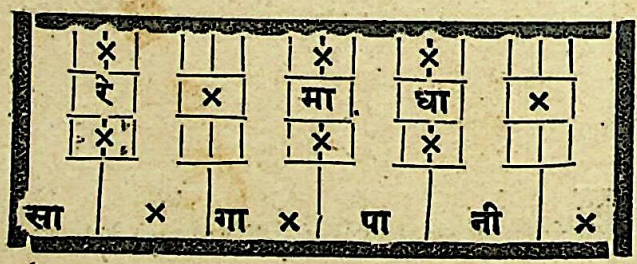

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

(चौथी) सिन्धवी रागिनी ।

समय—दिन का चौथा पहर ।

गुण—इस रागिनी के सुनने से तबियत फड़क उठती है। शरीर क्रोध से काँपने लगता है युद्ध करने को जी चाहता है धैर्य्य छूट जाता है और आशा निराशा के रूप में दिखाई देने लगती है ।

स्वरूप—सुन्दर स्त्री, मतवाली आँखें ।

उम्र—पन्द्रह सोलह वर्ष ।

सरगम

सा रे गा मा पा धा नी नी ।

स्वर

गा नी कोमल पर्दे हैं।

सा रे मा पा धा नी शुद्ध (तीव्र) पर्दे हैं।

नक्शा हरमोनियम

नं० ४

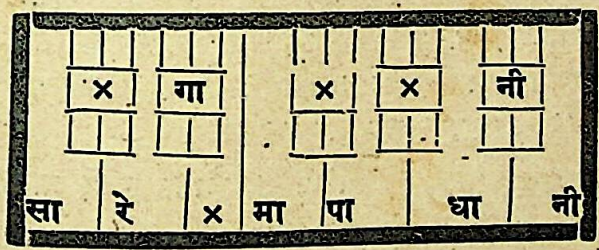

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

(पाँचवीं) बंगाला रागिनी।

समय—दूसरा दिन। *

गुण—इस रागिनी को सुनने से चित्त चंचल हो उठता है।

स्वरूप—सुन्दर स्त्री, पति की आश लगाये हुए घबराहट का चेहरा। उम्र—पन्द्रह सोलह वर्ष।

सरगम

सा रे गा मा पा धा नी।

स्वर

रे धा कोमल पर्दे हैं।

सा गा मा पा नी शुद्ध [तीव्र] पर्दे हैं।

नक्शा हारमोनियम

नं० ५

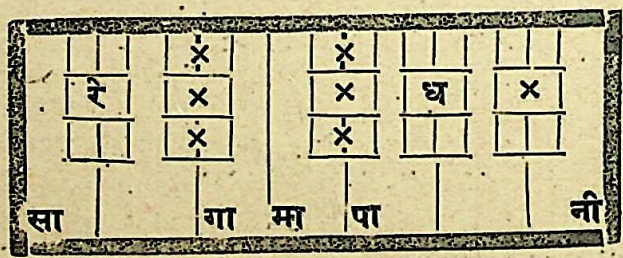

यह भैरव राग की रागिनियाँ, समय, गुण, स्वरूप, उम्र और सरगम इत्यादिकों के सहित लिखी गई हैं सीखने वाले भली भाँति अवलोकन कर अभ्यास करें।

अब आगे मालकोश राग की रागिनियाँ लिखी जाती हैं।

नोट—दूसरा दिन अर्थात्—अन्तिम दिन।

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

मालकोस की रागिनियाँ

(पहली) टोडी रागिनी ।

समय—पहर भर दिन चढ़ने पर ।

गुण—इस रागिनी के सुनने से मोह उत्पन्न होता है। विशेष कर हरिणादि तो इस रागिनी के सुनते ही बेसुध हो जाते हैं और शिकारी के हाथ फँस जाते हैं। पशुओं पर इसका अच्छा असर होता है।

स्वरूप—सुन्दर चन्द्रवदनी स्त्री, घूँघरवाले केश।

उम्र—पन्द्रह सोलह वर्ष ।

सरगम

सा रे गा मा पा धा नी ।

स्वर

रे गा धा कोमल पर्दे हैं।
सा पा नी शुद्ध [तीव्र] पर्दे हैं।

नक्शा हारमोनियम

नं० १

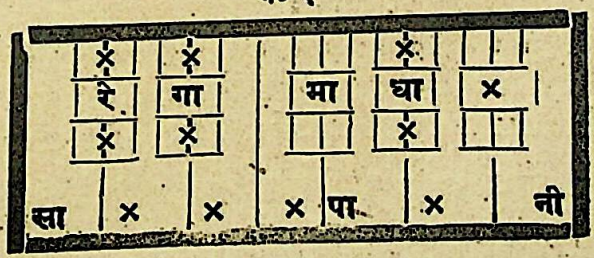

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

(दूसरी) गंकले रागिनी ।

समय—दिन के पाँच अथवा छ बजे ।

गुण—लम्बी साँस लेना, विरह से पीड़ित, प्रीतम की बाट जोहना ।

स्वरूप—सुन्दर बाला, गर्दन झुकाये प्रीतम की बात को सोचना, खटका होते ही सर ऊपर उठाना, किसी को न देख कर निराशा से पुनः गर्दन झुका लेना ।

उम्र—चौदह वर्ष ।

सरगम

सा रे गा मा पा धा नी ।

स्वर

गा धा नी कोमल पर्दे हैं ।

सा रे मा पा शुद्ध [तीव्र] पर्दे हैं ।

नक्शा हारमोनियम

नं० २

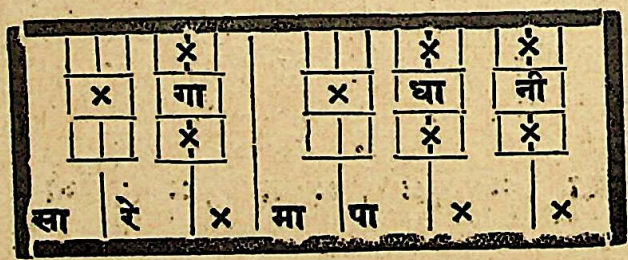

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

(तीसरी) खंबावती रागिनी ।

समय—रात्रि के एक अथवा दो बजे ।

गुण—इस रागिनी के सुनने से तबियत खुश होती है, दिल को आराम पहुँचता इन्तिजारी बढ़ती है ।

स्वरूप—सुन्दर स्त्री मद मस्त से लाल आँखें किये सबज शृङ्गार किये हुए किसी का इन्तिजार कर रही है ।

उम्र—अठारह वर्ष ।

सरगम

सा रे गा मा पा धा नी ।

स्वर

मा नी कोमल पर्दे हैं ।

सा रे गा धा शुद्ध [तीव] पर्दे हैं ।

नक्शा हारमोनियम

नं० ३

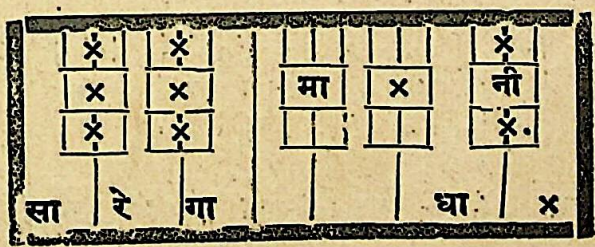

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

(चौथी) कलकभ रागिनी ।

समय—दिन को दो पहर ।

गुण—इस रागिनी के सुनने से दिल का मलाल दूर हो जाता है और जबान बन्द हो जाती है । क्रोध, शङ्का और दुःख नष्ट हो जाते हैं ।

स्वरूप—सुन्दर पतली कमरवाली स्त्री ज़र्द पोशाक पहने चुपचाप बैठी है और उसके बाल बिखरे हुये हैं ।

उम्र—अठारह वर्ष ।

सरगम

सा रे गा मा पा धा नी ।

स्वर

सा रे गा मा पा धा नी सब शुद्ध तीव्र पर्दे हैं । नी कोमल पर्दा है ।

नक्शा हारमोनियम

मं० ४

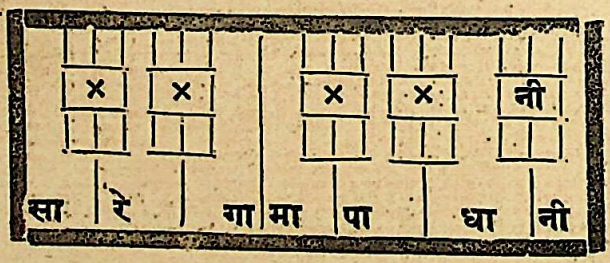

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

हारमोनियम मास्टर

(पाँचवी) गौरी रागिनी ।

समय—दिन का अन्त ।

गुण—इस रागिनी को सुनने से चित्त मस्त हो जाता है ।

स्वरूप—सुन्दर स्त्री ज़र्द पोशाक पहिने नशे में चूर हो, लाल आँखें किये हुए रागिनी गा रही है ।

उम्र—अठारह वर्ष ।

सरगम

सा रे गा मा पा धा नी ।

स्वर

रे धा कोमल पर्दे हैं ।

सा गा मा पा (तीव्र) पर्दे हैं ।

नक्शा हारमोनियम ।

नं० ५

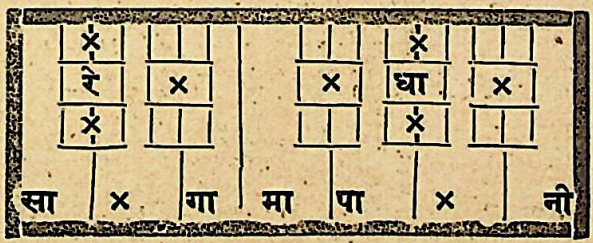

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

हिंडोल राग की रागिनियाँ

(पहली) रामकली रागिनी ।

समय—बसन्त ऋतु दिन चढ़ते समय ।

गुण—इस रागिनीके सुनने से दिल उमड़ आता है, छाती कटी जाती है, चित्त चंचल हो उठता है ।

स्वरूप—नाजुक नखरे वाली नवयुवती पोशाक पहिने तिरछी नज़र से देख रही है ।

उम्र—पन्द्रह सोलह वर्ष ।

सरगम

सा रे गा मा पा धा नी ।

स्वर

रे धा कोमल पर्दे हैं ।

सा गा मा पा नी शुद्ध (तीव्र) पर्दे हैं ।

नक्शा हारमोनियम

नं० १

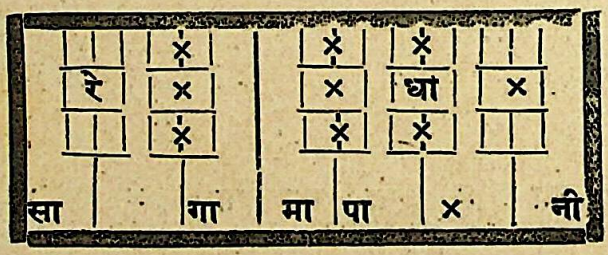

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

(दूसरी) बिलावल रागिनी ।

समय—दिन के दस बजे ।

गुण—इस रागिनी के सुनने से चित्त में उमंगें उठती हैं, निर्दिष्ट काम सुगमता से पूरा होता है दुःख का लेश मात्र भी नहीं रहता है ।

स्वरूप—साँवरी कोमलांगी स्त्री, मृगनयनी, सुर्खपोशाख ।

उम्र—अठारह वर्ष ।

सरगम

सा रे गा मा पा धा नी ।

स्वर

सा रे गा मा पा धा नी सब शुद्ध (तीव्र) पर्दे हैं ।

नक्शा हारमोनियम

नं० २

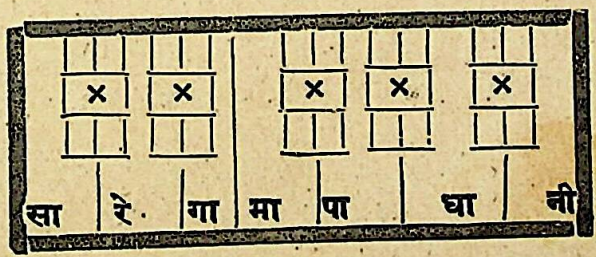

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

(तीसरी) देव साख ।

समय—दिन के दस अथवा ग्यारह बजे ।

गुण—इस रागिनी के सुनने से प्रेम उत्पन्न होता है और मनुष्य मस्त होकर अपना तन मन निछावर कर देता है ।

स्वरूप—सुन्दर स्त्री मर्दानी पोशाक पहिने, नंगी तलवार हाथ में लिये, जंगलियों की सी सूरत बनाये युद्ध के लिये तयार है ।

उम्र—बीस बर्ष ।

सरगम

सा गा मा पा धा नी ।

स्वर

सा गा मा पा धा नी सब शुद्ध पर्दे हैं ।

नक्शा हारमोनियम

नं० ३

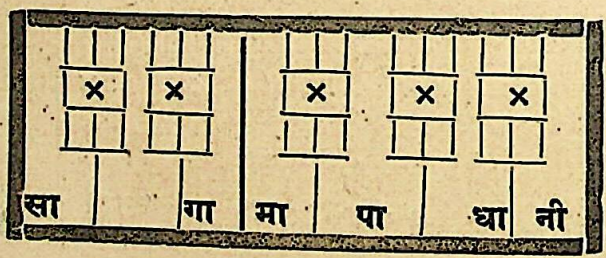

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

(चौथी) ललित रागिनी ।

समय—प्रातःकाल पाँच बजे ।

गुण—इस रागिनी के सुनने से विरह उत्पन्न होता है ।

स्वरूप—सुन्दर स्त्री, गमगीन चेहरा, नाजुक बदन, सफेद पोशाक ।

उम्र—अठारह उन्नीस वर्ष ।

सरगम

सा रे गा मा पा धा नी ।

स्वर

रे ध कोमल पर्दे हैं ।

सा गा मा नी शुद्ध [तीव्र] पर्दे हैं ।

नक्शा हारमोनियम

न० ४

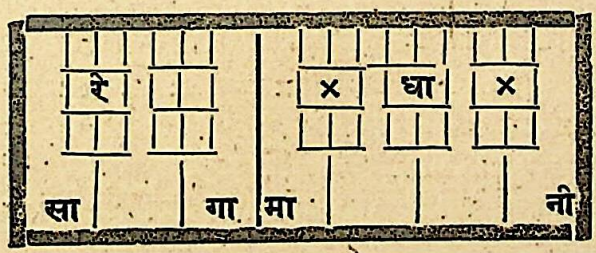

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

(पाँचवी) पटमंजरी रागिनी ।

समय—अर्ध रात्रि

गुण—इस रागिनी को सुनने से रोग शीघ्र नष्ट हो जाता है, हृदय प्रसन्न हो जाता है, क्षुधा बढ़ती है और तृष्णा कम हो जाती है ।

स्वरूप—तरुण बाला, सुन्दर रूप, धानी रङ्ग की पोशाक ।

उम्र—चौदह वर्ष ।

सरगम

सा रे गा मा पा धा नी ।

स्वर

सा रे गा मा पा धा नी सब शुद्ध तीव्र पर्दे हैं ।

नक्शा हारमोनियम

न० ५

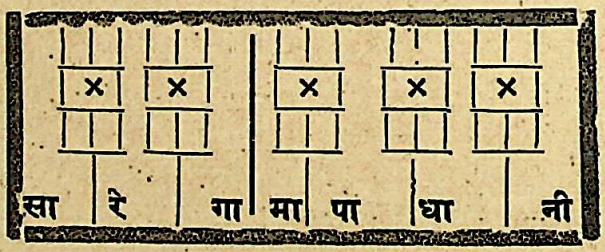

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

दीपक राग की रागिनियाँ

(पहली) देश रागिनी ।

समय—रात के दश बजे ।

गुण—इस रागिनी के सुनने से शरीर प्रसन्नता से पुलकायमान हो जाता है और हाथ पैर में बल आता है ।

स्वरूप—तरुण स्त्री, जवानी की उमंग, सुर्ख पोशाक ।

उम्र—अठारह उन्नीस वर्ष ।

सरगम

सा रे गा मा पा धा नी नी ।

स्वर

गा धा नी कोमल पर्दे हैं ।

सा रे मा पा नी शुद्ध [तीव्र] पर्दे हैं

नक्शा हारमोनियम

न०:१

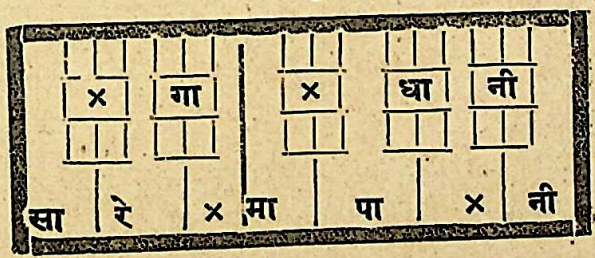

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

(दूसरी) कामोद रागिनी ।

समय—सूर्य अस्त के बाद । *

गुण—इस रागिनी के सुनने से मन स्थिर हो जाता है और ईश्वर भजन की ओर झुकता है । विशेष कर इस रागिनी का असर पपैया पर बहुत शीघ्र होता है क्योंकि वह सदा इस रागिनी की ध्वनि अलापा करता है ।

स्वरूप—सुन्दर स्त्री, आशिक मिज़ाज, ज़रद पोशाक, मीठी और गुञ्जती हुई आवाज़, वन में बैठी है ।

उम्र—बीस वर्ष ।

सरगम

सा रे गा मा पा धा नी ।

स्वर

सा रे गा मा पा धा नी सब शुद्ध [तीव्र] पर्दे हैं ।

नक्शा हारमोनियम

न० २

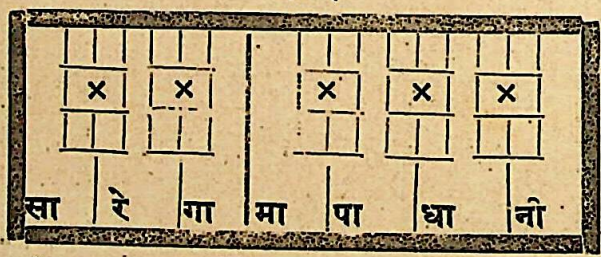

नोट-दो पहर ।

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

(तीसरी) कान्हरा रागिनी ।

समय—रात्रिका दूसरा प्रहर ।

गुण—इस रागिनी के सुनने से तबियत मस्त हो जाती है । विशेष कर इसका प्रभाव हाथी पर अच्छा होता है ।

स्वरूप—सुन्दर स्त्री वीर पोशाक पहिने हाथ में नंगी तलवार लिये गर्जती है और मस्त चाल से झूमती है ।

उम्र—बीस वर्ष ।

सरगम

सा रे गा मा पा धा नी ।

स्वर

गा नी कोमल पर्दा ।

सा रे मा पा धा शुद्ध (तीव्र) पर्दे हैं ।

नकशा हारमोनियम

न० ३

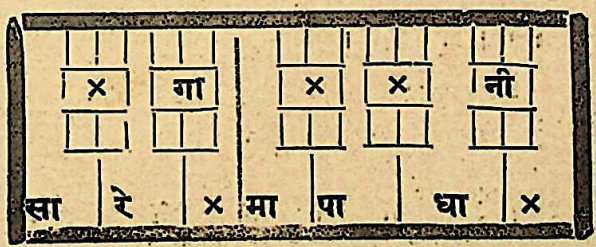

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

(चौथी) केदारा रागिनी ।

समय—अर्ध रात्रि ।

गुण—इस रागिनी के सुनने से मस्तिष्क ताज़ा हो जाता है और विपत शान्त हो जाती है ।

स्वरूप—सुन्दर स्त्री, लम्बे लम्बे केश, सुर्ख पोशाक, गोरा बदन, सारे शर में बिभूति लगाये शान्त चत होकर बैठी है ।

उम्र—बीस बाईस वष ।

सरगम

सा रे गा मा पा धा नी ।

स्वर

मा कोमल पर्दा है ।

सा रे गा मा पा धा नी (शुद्ध) तीव्र पर्दे हैं ।

नक्शा हारमोनियम

न० ४

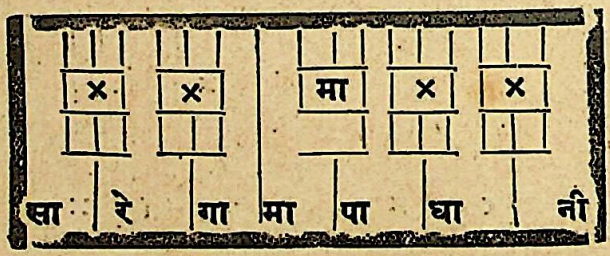

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

(पाँचवीं) नट रागिनी ।

समय—रात्रि का पहिला पहर ।

गुण—इस रागिनी के सुनने से तबियत बेचैन होती है और सच्चा आशिक मौत का शिकार होता है ।

स्वरूप—नौजवान औरत सिपाहियाना पोशाक पहिने घोड़े पर सवार मर्द की सूरत में ।

उम्र—बीस बाईस वर्ष ।

सरगम

सा रे गा मा पा धा नी शुद्ध (तीव्र) पर्दे हैं ।

नक्शा हारमोनियम

न० ५

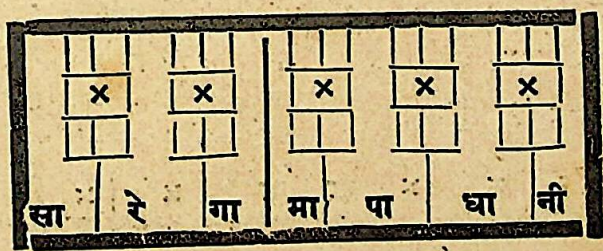

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

हारमोनियम की गतें ।

पिछले पृष्ठों में राग, रागिनी, सरगम इत्यादि लिखा गया है सीखने वाले अपनी अँगुलियोंको खूब साफ कर लें अन्यथा गत, बजाने और सुनने में आनन्द प्राप्त न होगा ।

इन गत के साथ साथ ताल और ठेका भी लिखा जाता है जिससे सीखनेवाले को बेताला होने का भय न रहे ।

(१)

गत—भैरवी

ताल—तृताल

मात्रा—१६

नक्शा हारमोनियम

नं० १

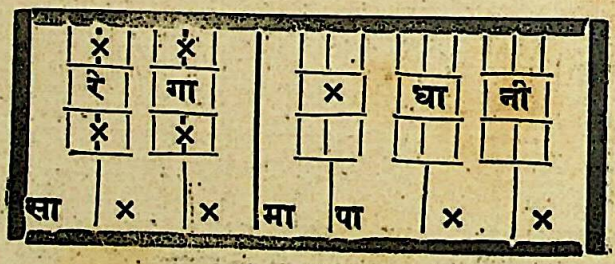

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

पो. आ. मठ
सब, वेदारण्य
"गा" को ज
१५-७-७४

सरगम

मा-मा-मा-पा-धा-मा-पा-पा-गा-गा-सा-सा-रे-मा-मा-गा-रे-रे-सा-सा ।

(ताल सरगम और ठेका)

ताल—१ २ ३

सरगम—मा-मा-मा-पा-धा-मा-पा-पा-गा-गा-सा-सा

ठेका—ता-तिं-तिं-ता-धा-धिं-धिं-ता-धा-धिं-धिं-ता ।

ताल—४ खाली १

सरगम—रे—मा—मा—गा—रे—रे—सा—सा ।

ठेका—धा-धिं—धिं—ता-धा-धिं—धिं—ता ।

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

(२)

गत-आसावरी (टोडी)

ताल-तृताल

मात्रा—१६।

नक्शा हारमोनियम

नं० २

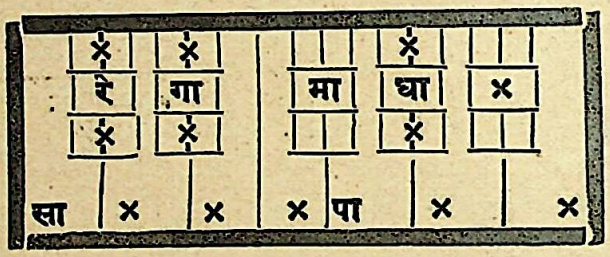

सरगम

सा-सा-रे-मा-मा-पा-पा,-धा-धा-पा,-पा-धा-मा-पा-धा-धा-पा-गा-रे-सा।

(ताल सरगम और ठेका)

ताल—१ २ ३

सरगम—सा-सा-रे-मा-मा-पा-पा,-धा-धा-पा,-पा-धा।

ठेका—ता-तिं-तिं-ता-धा-धिं-धिं-ता-धा-धिं-धिं-ता।

ताल—४ खाली १

सरगम—मा—पा—पा—धा—पा—गा—रे—सा।

ठेका—धा—धिं—धिं—ता—धा-धिं—धिं—ता।

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

गत-देश (सोरठ)

ताल-तृताल

मात्रा-१६

नक्शा हारमोनियम

नं० ३

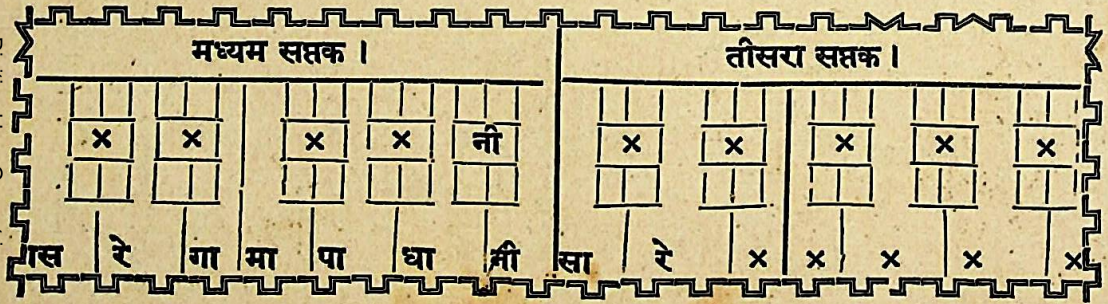

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

हारमोनियम मास्टर

सरगम

सा-सा-रे-रे-रे-मा-पा-नी-सा-सा।
ह ह
रे-रे-सा-नी-नी-धा-पा-सा-नी-सा।
ह ह ह + + ह + ह
रे-रे-सा-नी-नी-धा-पा-पा-सा-
ह + +
सा-नी-सा-सा-नी-नी-ध-पा-पा-मा-रे-गा।
ह + ह ह + +

(ताल सरगम और ठेका)

ताल—१ २ ३
सरगम—सा-सा-रे—रे—रे-मा-पा-नी-सा-सा।
४ ह
ठेका—ता-तिं-तिं-ता-धा-धिं-धिं-ता-धा-धिं।
ताल— ४ खाली १
सरगम—रे-रे-सा-नी-नी-धा-पा-सा-नी-सा।
ह ह ह + + + ह + ह
ठेका—धिं-ता-धा-धिं-धिं-ता-धा-धिं धिं ता।
ताल—२ ३ ४ खाली।
सरगम—र-रे-सा-नी-नी-धा-पा-पा-सा।
ह + +
ठेका—ता-तिं-तिं-ता-धा-धिं-धिं-ता-धा।
ताल— १ खाली २ × ३
सरगम—सा-नी-सा-सा-नी-नी-धा-पा-पा-मा-रे-गा।
ह + ह ह + +
ठेका—धिं-धिं-ता-धा-धिं-धिं-ता-धा-धिं-धिं-ता-धा।

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

हारमोनियम मास्टर

गत—सिन्दूरह

ताल—तृताल

मात्रा—१६

नक्शा हारमोनियम

नं० ४

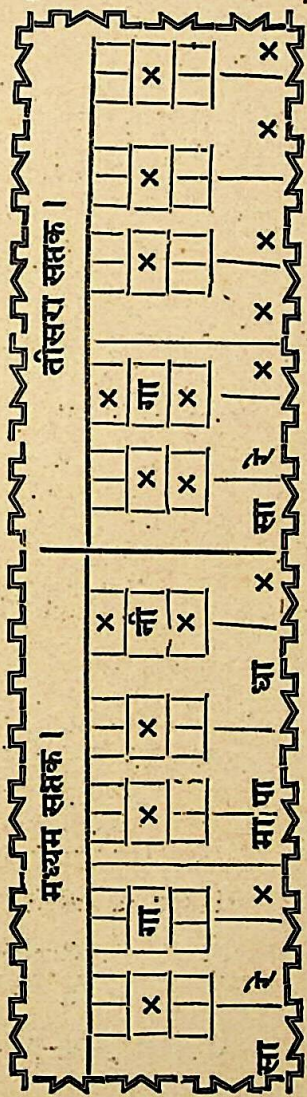

RI JAGADGURU VISHWARADHYA
NANA SIMHASAN JNANAMANDIR
LIBRARY.
ngamwadi Math, VARANASI,
Acc. No. .....
218

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

हारमोनियम मास्टर

सरगम

पा-धा-मा-पा-पा-सा-नी-सा-सा-सा-सा-सा-नी
+ ९ ९ +

सा-सा-रे-गा-रे-सा-नी।
९ ९ ९ ९ ९ +

रे-रे-सा-नी-नी-पा-मा-गा-गा-गा-रे-सा-सा-रे-सा
४ ९ ९ + +

मा-पा-सा-नी-धा।
+

(ताल सरगम और ठेका)

ताल— १ २ ३
सरगम—पा-धा-मा-पा-पा-सा-नी-सा-सा-सा-सा-सा
+ ९ ९
ठेका—ता-तिं-तिं-ता-धा-धिं-धिं-ता-धा-धिं-धिं-ता
ताल— ४ खाली। १
सरगम—नी-सा-सा-रे-गा-रे-सा-नी
९ ९ ९ ९ ९ ९
ठेका—धा-धिं-धिं-ता-धा-धिं-धिं-ता

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

ताल— २ ३ ४ खाली।

सरगम—रे-रे-सा-नो-नी-पा-मा-गा-गा-गा-रे-सा।

ठेका—ता-तिं-तिं-ता-धा-धिं-धिं-ता-धा-धिं-धिं-ता।

ताल—१ २

सरगम—सा-रे-सा-मा-पा-सो-नी-धा।

ठेका-धा-धिं-धिं-ता-धा-धिं-धिं-ता।

इस गत को अति शीघ्र बजाना चाहिये।

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

गत—केदारा

ताल—तृताल

मात्रा—१६

नक्शा हारमोनियम

नं० ५

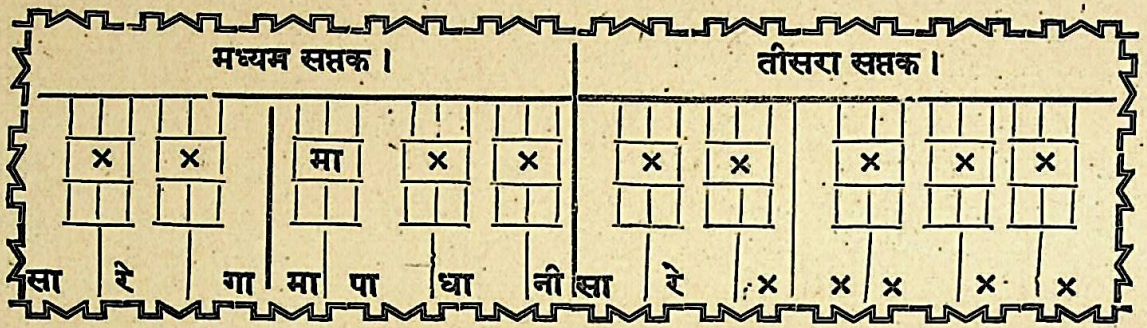

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

सरगम

पा–पा–मा–धा–पा–मा–मा–पा–पा–सा–सा–सा–सा–,
ऽ ऽ
नी–रे–रे–सा–सा–धा–नी–सा–,
ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ
धा—धा—पा—मा—मा—गा—रे—सा—सा—सा—,
मा—मा—पा—पा—पा—धा—नी।

(ताल सरगम और ठेका)

ताल—१ २ ३
सरगम—पा–पा–मा–धा–पा–मा–मा–पा–पा–सा–सा
ठेका—ता–तिं–तिं–ता–धा–धिं–धिं–ता–धा–धिं–धिं

ताल— ४ खाली १ २
सरगम—सा—सा–नी–रे—रे—सा—सा–धा—नी—सा
ऽ ४ ऽ ऽ ४ ऽ
ठेका—धिं—ता–धा–धिं–धिं–ता—धा–धिं—धिं—ता

ताल— ३ ४ खाली
सरगम—धा–धा–पा–मा–मा–गा—रे—सा–सा–सा
ठेका—ता–तिं–तिं–ता–धा–धिं–धिं—ता–धा–धिं

ताल— १ २
सरगम—मा—मा—पा—पा—पा—धा—नी।
ठेका—धिं—ता—धा—धिं–धिं—ता—धा!

इस गत को ठा में बजाना चाहिये।

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

गत–झँझौटी

ताल–तृताल

मात्रा–१६

नक्शा हारमोनियम

नं० ६

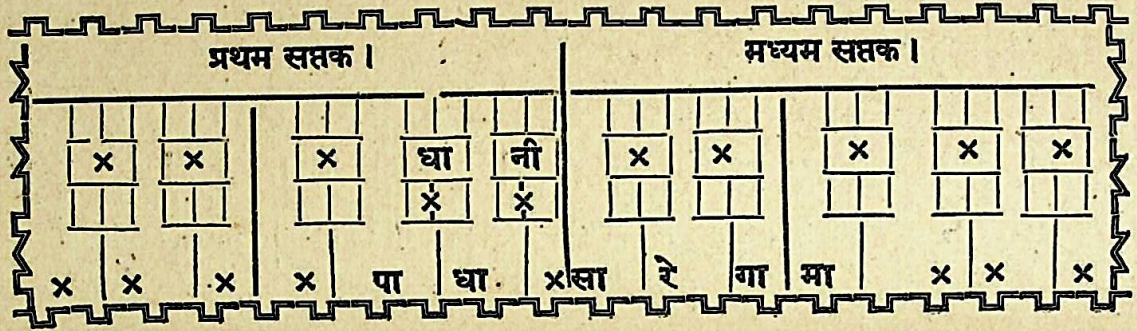

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

सरगम

ताल—१ २ ३

सरगम—पा–धा–सा–सा–रे—गा–मा–मा–ग–रे–सा–सा ।

ठेका—ता–तिं–तिं–ता–धा–धिं–धिं–ता–धा–धिं–धिं–ता ।

ताल—४ खाली १

सरगम—मा–रे–सा–रे–गा–सा–धा–नी ।

ठेका—धा–धिं–धिं–ता–धा–धिं–धिं–ता ।

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

गत—काफी

ताल—तृताल

मात्रा—१६

नक्शा हारमोनियम

नं० ७

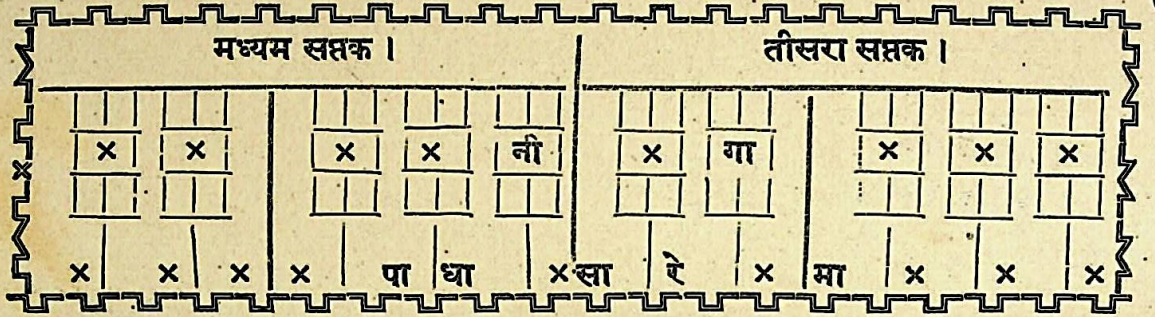

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

सरगम

पा–पा–धा–सा–सा–रे–पा–मा–गा–सा
ऽ
–

गा–गा–सा–नी–नी–धा–पा–नी–धा–नी
ऽ ऽ + + +
– –

(ताल सरगम और ठेका)

ताल— १ २ ३
सरगम—पा–पा–धा–सा–सा–रे–पा–मा–गा–सा ।
ऽ
–

ठेका——ता–ति–तिं–ता–धा–धिं–धिं–ता–धा–धिं ।

ताल— ४ खाली १
सरगम–ग–ग–सा–नी–नी–धा–पा–नी–धा–नी ।
ऽ ऽ + + +

ठेका—धिं–ता–धा–धिं–धिं–ता–धा–धिं–धिं–ता ।

इस गत को ठा में बजाना चाहिये ।

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

गत–सारंग विन्द्राबनी

ताल–तृताल

मात्रा—१६

नक्शा हारमोनियम

नं० ८

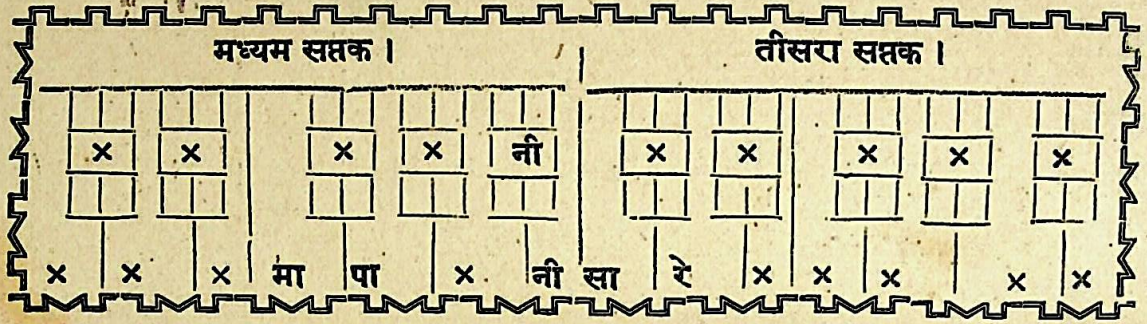

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

हारमोनियम मास्टर

सरगम

रे—रे—पा—मा—मा—पा—नी—सा—सा—नी ।
ꜝ ꜝ +
नी—नी—सा—रे—रे—मा—रे—पा—सा—नी ।
+ + ꜝ ꜝ ꜝ ꜝ +

(ताल सरगम और ठेका)

ताल— १ २ ३
सरगम—रे-रे-पा-मा-मा-पा-नी-सा-सा-नी ।
ꜝ ꜝ ४ +
ठेका—ता-तिं-तिं-ता-धा-धिं-धिं-ता-धा-धिं ।
ताल— ४ खाली १
सरगम—नी-नी-सा-रे-रे-मा-रे-पा-सा-नी ।
+ + ꜝ ꜝ +
ठेका—धिं-ता-धा-धिं-धिं-ता-धा-धिं-धिं-ता ।

श्री. बी. मल्ला[illegible] पाटे,
[illegible] वेदाग्रण [illegible]
"[illegible]" को अर्पण,
१५-७-७४

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

गत–जंगला

ताल–तृताल

मात्रा–१६

नक्शा हारमोनियम

न० ६

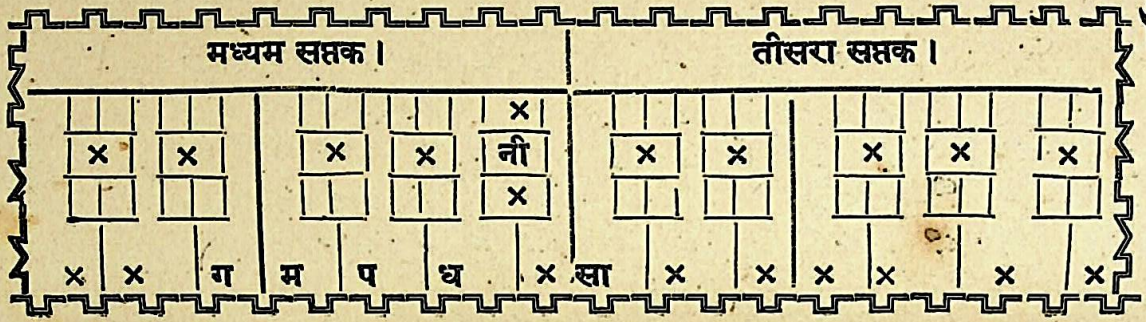

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

सरगम

गा—गा—मा—धा—धा—नी—सा—नी—धा—पा।
सा—सा—नी—धा—धा—गा—मा—पा—पा—पा।

(ताल सरगम और ठेका)

ताल— १ २ ३
सरगम—गा—गा—मा—धा—धा—नी—सा—नी—धा—पा।
ठेका—ता—तिं—तिं—ता—धा—धिं—धिं—ता—धा—धिं।

ताल— ४ १ खाली
सरगम—सा—सा—नी—धा—धा—गा—मा—पा—पा—पा।
ठेका—धिं—ता—धा—धिं—धिं—ता—धा—धिं—धिं—ता।

इस गत को अति शीघ्र बजाना चाहिये।

गायन

बाजा बजाने के साथ साथ गाना भी अत्यावश्यक है, जिस से सातों स्वरों की आवाज परिचित हो जाय और बेसुरे होने का भय न रहे। अतः अब यहाँ से गायन की चीजें लिखी जाती हैं।

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

राग—भैरव ।

ताल—तृताल ।

मात्रा—१६

समय—प्रातःकाल ।

(भजन)

जय जय पिता परम आनन्द दाता, जगत के स्वामी, तू मुक्ती पर दाता ।
अनन्त और अनादि विशेषण हैं तेरे, श्रृष्टि का स्रष्टा तू धारता संहारता ॥ जय०—

मध्यम सप्तक ।							तीसरा सप्तक ।						
						×							
×	×		×	ध	नी		×	×		×	×	×	
				×	×								
×	×	×	मा	पा	×	×	सा	×	×	मा	×	×	×

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

हारमोनियम मास्टर

सरगम

नी—नी—नी—सा—सा—सा—मा—मा—गा—रे—
+ + + ४ ४ — -
सा—सा—सा—रे—सा—नी—
-

धा—पा—मा—पा—नी—सा—गा—रे—सा ।
+ + — -

(ताल सरगम बोल और ठेका)

ताल— १ २ ३
सरगम—नी—नी—नी—सा—सा—सा—मा—मा—ग—रे—सा ।
+ + + ४ ४ — -
बोल—जय—जय—पि—ता—प—रम—आ—न—द—दा—ता ।
ठेका—ता—तिं—तिं—ता—धा—धिं—धिं—ता—धा—धिं—धिं ।

ताल— ४ खाली १
सरगम—सा—सा—रे—सा—नी ।
बोल—ज—गत—के स्वामी ।
ठेका—ता—धा—धिं—धिं ।

ताल १ २
सरगम—धा—पा—मा—मा—नी—सा—गा—रे—सा ।
+ + — -
बोल—तू—मु—क्त—क्ती—प—र—द—आ—ता ।
ठेका—ता—धा—धिं—धिं—ता—धा—धिं—धिं—ता ।

शेष सब पद उपरोक्त नियम से बजेंगे ।

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

राग—मल्हार ।

ताल—तृताल ।

मात्रा—१६

समय—वर्षा ऋतु में हर समय ।

(गाना)

(१)—घन गरजे विजुली चमके मा । घन गरजे विजुली चमके मा ।

(२)—विजुली चमके चमकि डरावे—डर पावन को लागे मा । घन गरजे० ॥

(३)—मोरमुकुट पीताम्बर धारी,—वाकी शोभा सब सों न्यारी ।

(४)—डार डार और पात पात में—बाँका जोबन दमके मा । घन गरजे० ॥

प्रथम सप्तक ।							मध्यम सप्तक ।						
×	×	×	×	धा	नी	×	×	×	×	×	×	×	×
×	×	×	मा	पा	×	नी	सा	रे	गा	मा ४	पा ४	×	×

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

हारमोनियम मास्टर

सरगम

(१)—मा–पा–पा–पा–पा–पा–गा–रे–गा–मा–पा–गा–गा–
– ꜥ – ꜥ ꜥ –
रे–,गा,–गा–रे–सा–नी–नी–सा–रे–सा–सा–नी–धा–पा
+ + +
(२)—मा–मा–नी–नी–नी–नी–सा–गा–गा–रे–सा–सा,
ꜥ ꜥ –
मा–मा–मा–गा–रे–गा–मा–पा–मा–गा–रे ।
ꜥ ꜥ ꜥ – ꜥ ꜥ ꜥ –
इसके बाद फिर नम्बर १ का सरगम बजावो ॥
(३)—सा–सा–सा–रे–रे–गा–मा–मा–मा–गा–मा,
– ꜥ ꜥ ꜥ
रे–गा–मा–रे–मा–गा–मा–रे–गा–रे ।
– ꜥ ꜥ ꜥ –
(४)—गा–रे–सा–सा–नी–नी–सा–सा–सा–
–
मा–मा–मा–मा–रे–गा–मा–पा–मा–गा–रे ।
ꜥ ꜥ ꜥ ꜥ ꜥ

इसके बाद फिर वही नम्बर १ का सरगम बजाओ ।

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

हारमोनियम मास्टर

(ताल बोल सरगम और ठेका सहित)

ताल—१ २ ३ ४ खाली

(१)—बोल—घ—न—ग—र—जे—ए—आये—बि—जु—ल—ई—च—म—के—मा

सरगम—मा-मा-पा-पा-पा-पा-गा—रे-गा—मा-पा-गा-ग

– – ९ ९

ठेका—ता—तिं—तिं—ता—धा—धिं—धिं—ता—धा-धिं-धिं-ता-धा-धिं-धिं

ताल— १ २ ३

बोल—घ—न—ग—र—जे—बि—जु—ल—ई—च—म—के—मा।

सरगम—गा-रे-सा-नी-नी-सा-रे—सा-सा—नी—धा-पा-पा

+ + +

ठेका—ता—धा—धिं—धिं—ता—धा—धिं—धिं—ता—धा—धिं-धिं-त

(२)—ताल—१ २ ३

बोल—बि—जु—ली—च—म—के—च—म—कि—ड—रा—वे।

सरगम—मा-मा—नी—नी-नी-नी-सा-गा-गा—रे—सा-सा,

९ ९ ९ ९ –

ठेका—ता-तिं—तिं—ता-धा-धिं-धिं-ता-धा-धिं-धिं-ता।

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

ताल—४ खाली १ २

बोल—ड—र—प—आ—न—न—क—व—ल—आ—गे ॥

सरगम—मा—मा—मा—गा—रे—गा—मा—पा—मा—गा—रे ॥'

ठेका—धा—धिं—धिं—ता—धा—धिं—धिं—ता—धा—धिं—धिं ॥

इसके बाद फिर नम्बर (१) बजावो।

(३) ताल—१ २ ३

बोल—मो—र—मु—कु—ट—पी—ता—म्ब—र—धा—री।

सरगम—सा—सा—सा—रे—रे—गा—मा—मा—मा—गा—मा।

ठेका—ता—तिं—तिं—ता—धा—धिं—धिं—ता—धा—धिं—धिं—

ताल— ४ खाली १

बोल—वा—की—शो—भा—सब—सों—न्या—आ—री।

सरगम—रे—गा—मा—रे—मा—गा—मा—रे—रे।

ठेका—ता—धा—धिं—धिं—ता—धा—धिं—धिं—ता।

(४)—ताल—२ ३ ४ खाली।

बोल—डा—र—डा—र—और—पात—पा—त—में।

सरगम—गा—रे—सा—सा—नी—नी—सा—सा—सा।

ठेका—धा—धिं—धिं—ता—धा—धिं—धिं—ता—धा।

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

हारमोनियम मास्टर

ताल— १ २

बोल—वा-का-जो-ओ—व-न—द-म—के—ए—भा ॥

सरगम—मा-मा-मा-मा—रे-गा-मा-पा—मा-गा—रे ॥

ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ

ठेका—धिं-धिं-ता-धा-धिंधिं-ता-धा-धिं-धिं-ता ॥

इसके बाद फिर नम्बर (१) बजाओ ।

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

राग–पहाड़ी

ताल–तृताल

मात्रा—१६

(मल्हार)

समय—तमाम दिन

राजा केवड़िया खोल रस की बूँदा गिरें । बिजुली चमके बादल गरजे,
आई घटा घन घोर–रस की बूँदा पडे. । राजा केवड़िया खोल रसकी बूँदा गिरें॥

मध्यम सप्तक ।							तीसरा सप्तक ।						
						×							
×	×		×	×	नी		×	×		×	×	×	
							×	×				×	
×	रे	×	मा	पा	धा	×	सा	रे	×	×	×	×	×
							९	९					

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

सरगम

नं० (१)—नी–नी–नी–नी–धा–पा–धा–पा–मा–रे–रे–रे–मा–पा
+ + + +

पा–धा–धा–पा–मा ।

अन्तरा

नं० (२)—मा–मा–पा–नी–नी–सा–सा–रे–सा–नी–धा ।
+ + ९ +

बाकी सब नम्बर (१) व (२) के मुताबिक बजाओ ।

(ताल बोल सरगम और ठेका)

नं० (१)ताल–१ २ ३ ४खाली

बोल—रा–आ–जा–के–व–ड़ि–या–आ–खो–ल–र–स–की–ई

सरगम—नी–नी–नी–नी–धा–पा–धा–पा–मा–रे–रे–रे–मा–पा
+ + + +

ठेका—ता–तिं–तिं–ता–धा–धिं–धिं–ता–धा–धिं–धिं–ता–धा–धिं

ताल— १

बोल—वूँ—दा—गि—रैं ।

सरगम—धा—धा—पा—मा ।

ठेका—धिं—ता—धा—धिं ।

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

अन्तरा

नं०—(२)

ताल—१ २ ३

बोल—बि—जु-ली-च-म—के-बा-द—र-ग—र—जे।

सरगम—मा-मा-पा-नी-नी-सा-सा-रे-सा-नी-धा-धा।

ठेका—ता-तिं-तिं ता-धा-धिं-धिं-ता-धा-धिं-धिं-ता।

बाकी सब नं० (१) व (२) के तुल्य बजाओ।

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

राग—भैरव।

ताल—तृताल

मात्रा—१६

समय—प्रातःकाल

(ठुमरी)

अब मोसे रार क्यों बढ़ाई डगर चलत मोसे, कीन्हीं बारा जोरी छोड़ दे कलाई+
अब मोसे रार क्यों बढ़ाई ॥ सनद पिया मग रोकत टोकत,
देख लई मैं तो तोरी चतुराई । अब मोसे रार क्यों बढ़ाई ॥

मध्यम सप्तक ।							तीसरा सप्तक ।						
		×	×	×	×		×	×		×			
×	गा		मा	धा	नी		रे	गा		मा	×	×	
		×	×	×	×		×	×					
×	×	×	मा ÷	×	×	×	सा	×	×	मा ९	×	×	×

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

हरमोनियम मास्टर

हारमोनियम मास्टर

सरगम

नं०-(१)-गा-मा-धा-नी-रे-सा-रे-सा-गा-रे-सा-धा-रे-
० ४ ० ० — —
सा-रे-नी-सा-धा-नी।

नं०-(२)-सा-गा-रे-सा-नी-धा-रे-ना-धा—मा-मा।
—:—

नं०-(३)-गा-मा-धा-नी-रे-सा-रे-सा-गा-रे-सा ।
० ४

नं०-(४)-धा-नी-रे-गा-मा-मा-मा-गा-मा-मा-मा-मा-गा-
— ४ ४ — ४ ४ — ४

नं०-(५)-रे-धा-मा-धा-धा-मा-नी-सा-रे-गा-रे-सा-नी-ध
० ०

इसके बाद नं० (३) बजाओ।

(ताल बोल सरगम और ठेका)

नं०—(१)— खाली।

ताल-- २ ३ ४

बोल--अ--ब-मो-से-रा-र-क्यों-ऊँ-ब-ढ़ा—ई-ड-ग-

सरगम—गा-मा-धा-नी-रे-सा-रे—सा-गा-रे-सा-धा-रे-
० ४

ठेका—ता-तिं-तिं-ता-धा-धिं-धिं-ता-धा-धिं-धिं-ता-धा-

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

ताल— १

बोल—र—च—ल—त—मो—से।

सरगम—सा-रे—नी-सा—धा—नी।

ठेका—धिं-धिं-ता-धा—धिं—धिं।

नं०-(२)

ताल—१ २ ३

बोल—की-न्ही-वा-रा-जो-री-छाड़-दे-क-ला-ई-

सरगम—सा-गा—रे-सा-नी-धा—रे-नी-धा-मा-मा-

ठेका—ता-तिं-तिं-ता-धा-धिं-धिं-ता-धा-धिं-धिं—

नं०-(३)

ताल—१ २ ३

बोल—अ-ब-मो-से-रा-र-क्यों-ऊँ-ब-ढ़ा-आ-ई।

सरगम—गा मा धा नी-रे-सा—रे-सा-गा-रे-सा-सा।

० ४

ठेका—ता-तिं-तिं-ता-धा-धिं-धिं-ता-धा-धिं-धिं-ता।

नं०-(४)

ताल—१ २ ३

बोल—स—न-द-पि-या—म-ग-रो-क—त-टो-ओ-

सरगम—धा-नी-रे-गा-मा-मा-मा-गा-मा-मा-मा-मा-

ठेका—ता-तिं-तिं-ता-धा-धिं-धिं-ता-धा-धिं-धिं-ता-

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

ताल—४—खाली

बोल—क—त।

सरगम—गा—रे।

ठेका—धा-धिं।

नं०-(५)

ताल—१ २ ३

बोल—दे—ख—ल—ई—आ—ई—मैं—तो—तो—री-

सरगम—रे—धा—मा-धा-धा—मा-नी—सा—रे—गा-

० ०

ठेका—ता-तिं—तिं-ता—धा—धिं-धिं—ता—धा-धिं-

ताल— ४ खाली

बोल—च—तु—रा—ई।

सरगम—रे—सा—नी—धा।

ठेका—धिं-ता—धा-धिं।

ताल—१ २ ३

बोल—अ—ब-मो-से-रा—र-क्यों-ऊँ-ब-ढ़ा-आ-ई॥

सरगम—गा—मा-धा-नी-रे—सा-रे—सा-गा-रे-सा-सा-

० ९

ठेका—ता-तिं-तिं-ता-धा-धिं-धिं-ता-धा-धिं-धिं-ता॥

नोट—इस ठुमरी को प्रातःकाल के समय बहुत ठा में बजाना चाहिये।

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

राग–देश ।

ताल–तृताल ।

मात्रा–१६

समय–रात ।

ठुमरी ।

अचानक घेरी डगर मोरी आन । ऐसे चंचल चपल छलबलिया कान ॥ अचा० ॥
दधि माखन को चोर कन्हैया, नित उठि रार मचाये मेरी दैया ।
नित उठि मोसे माँगे जोबनवाँ दान ॥ अचानक घेरी डगर मोरी आन ॥

मध्यम सप्तक ।							तीसरा सप्तक ।						
×	×	×	×	×	×	×	×						
रे	गा		मा	धा	नी		रे	×		×	×	×	
×	×	×	×	×	×		×						
		गा				नी			र				
×	×	+	×	×	×	+	सा	×	×	मा	×	×	×

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

हारमोनियम मास्टर

सरगम

नं० (१) अस्थाई ।

धा–धा–नी–नी–धा–धा–मा–गा–रे–रे–गा–गा–मा–मा–धा–मा

\+ + + + + + + + + +

अन्तरा

मा–मा–धा–सा–सा–सा–रे–रे–सा–रे–गा–रे–नी–नी–धा–धा

\+ + – ९ – + +

पुनः प्रथम से बजाइये ।

नं० (२)

धा–धा–नी–रे–रे–रे–गा–गा–मा–रे–गा,–रे–रे–रे–रे

\+ + + ९ + + + + + + + +

गा–रे–गा–मा–गा–रे–सा–नी,–मा–गा–मा–रे

\+ + + + + + + + + +

गा–सा–रे–नी–सा–धा–नी–धा ।

\+ ९ ९

बाकी नम्बर (१) के तुल्य बजाइये ।

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

हारमोनियम मास्टर

(ताल बोल सरगम और ठेका सहित)

नं० (१) स्थाई

ताल- १ २ ३

बोल-अ-चा-आ-न-क—घे—ए-ए-री-ड—ग—र

सरगम-धा-धा-नी-नी-धा-धा-मा-गा-रे—रे—गा-गा

+ ÷ + + + ÷

ठेका-ता-तिं-तिं-ता-धा-धिं-धिं-ता-धा-धिं-धिं-ता

ताल-४ खाली

बोल-मो—री—आ—न।

सरगम-मा—मा—धा—मा।

ठेका—धा—धिं—धिं—ता।

अन्तरा

ताल— १ २ ३ ४ खाली

बोल-ऐ-सो-चन-च—ल-त्र-प-ल-छ-ल-च-लि-या

सरगम-मा-मा-धा-सा-सा-सा-रे-रे-सा-रे-गा-रे-नी

+ + ४ ४ ४ + +

ठेका-ता-तिं-तिं-ता-धा-धिं-धिं-ता-धा-धिं-धिं-ता-धा

ताल—

बोल—का—आ—न।

सरगम—नी—धा—धा।

ठेका—धिं—धिं—ता।

नं० (२) पुनः प्रथम से बजाइये।

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

ताल—१ २ ३

बोल—द-धि-मा-ख-न-को-चो-र-क-न्है-या

सरगम—धा-धा-नी—रे-रे-रे-गा-गा-मा-रे-गा,

- - - ÷ ÷ + +

ठेका-ता-तिं-तिं--ता-धा-धिं-धिं-ता-धा-धिं-धिं

ताल— ४ खाली. १ २

बोल-नि-त-उ-ठि-रा—र-म-चाये-मो-री-दै-या

सरगम-रे—रे-रे—रे-गा-रे-गा-मा—गा-रे-सा-नी

+ + + + + + + + ÷ +

ठेका-ता-धा-धिं-धिं-ता-धा-धिं-धिं--ता-धा-धिं-धिं

ताल— ३ ४ खाली १

बोल-नि-त-उ-ठि-मो-से-माँ—गे-जो-व—ना-दा-न

सरगम-नी-मा-गा-मा-रे-गा-सा—रे-नी-सा-धा-नी-धा

÷ + + —

ठेका-ता-धा-धिं-धिं-ता-धा-धिं-धिं-ता-धा-धिं-धिं-ता

पुनः प्रथम से बजाइये ।

नोट-यह ठुमरी ठा में बजाने से बहुत अच्छी ज्ञात होगी ।

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

राग–सिन्ध

ताल–चौताल

मात्रा १२

अर्धमात्रा २४

समय–शाम।

(होली)

नं० (१) पालागों कर जोरी श्याम मोसे खेलो न होरी—
गौवें चरावन मैं निकसी थी सास नन्द की हूँ चोरी ॥
सगरी चुनरिया रँग से भिगोई ॥ श्याम० ॥

नं० (२) छीनी झपट मोरी हाथ से गागर जोर से बहियाँ मरोरी—
दिल धड़कत है साँस बढ़त है—देह कँपत गोरी गोरी ॥श्याम पालागों करजोरी॥

प्रथम सप्तक।							मध्यम सप्तक।						
				ॠ	ॠ			ॠ		ॠ			
×	×	×		धा	नी		×	गा		धा		×	
				×	×			ॠ		ॠ			
				पा				गा		मा	पा		
×	×	×	मा	९	×	×	सा	रे	ॠ	÷	÷	×	×

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

हारमोनियम मास्टर

सरगम

स्थायी

मा-पा-धा-नी-नी-सा-सा-सा-सा-सा-नी-सा-गा-रे-सा-नी-धा-पा-मा
४ ० ० ० + ४ ४

[पुनः प्रथम से बजाइये]

अन्तरा

पा-पा-पा-पा-पा-पा-धा-पा-मा-गा-मा-पा-धा-पा-मा-गा-रे
÷ ÷ ÷ ÷ ÷ + + ÷ + + +

सा-रे-गा-मा,-गा-गा-गा-गा-रे-रे-सा-रे-गा-मा-पा-मा-गा-
÷ × × × × + —

सा,-गा-गा-मा-रे-सा-गा-गा-मा-पा-मा-गा-रे-गा-रे-सा
+ + + + + +

शेष नम्बर (१) (२) की भाँति बजाइये।

(ताल बोल सरगम और ठेका)

सम

ताल—१ २ ३ ४ १

बोल-पा-ला-गों-क-र-जो-री-शा-आ-म-मो-से-खे-लो-ना

सरगम-मा-पा-धा-नी-नी-सा-सा-सा-सा-सा-नी-सा-गा-रे-सा
४ ० ० ० ० ×

ठेका-धी(तृक)धी-ना-धी-धी-ना(तृक)तू-ना-(कत्)-ता-धी(तृक)धी

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

ताल— २
बोल—हो—र—ई—ई
सरगम—नी—धा—पा—मा
४ ४
ठेका—ना-धी-धी-ना—

पुनः प्रथम से बजाइये ।

अन्तरा

सम
ताल-१ २ ३ ४ १
बोल-गौ-वें-च-रा-व-न-मैं-नि-क-सी—ई—थी-सा-स-
सरगम-पा-पा-पा-पा-पा-पा-धा-पा-मा-गा—मा-पा-धा-पा-
+ + + + + + + +
ठेका-धी-(तृक)धी-ना-धी-धी-ना(तृक)-तू-ना-(कत्)-ना-धी-(तृक)

ताल— २ ३
बोल—न—न—द-की-हूँ—चो—ओ—री ।
सरगम—मा-गा—रे-सा-रे—गा—मा—मा ।
+
ठेका—धी-ना-धी-धी-ना-[तृक]-तू—ना ।

सम
ताल—१ २ ३ ४ १
बोल—स—ग—अ-री-चु-न-रि-या-मो-री-रँ-ग-से-भि
सरगम—गा—गा-गा-गा-रे—रे-सा-रे-गा-मा-पा-मा-गा-रे
+ + + + + +
ठेका-धी(तृक)धी-ना-धी-धी-ना(तृक)तू-ना(कत्)-ना-धी(तृक)

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

ताल—

बोल—गो—ई

सरगम—सा—सा।

ठेका—धी—ना।

ताल— १. २ ३

बोल—शा—आ—म—मो—से—खे—लो—न—हो—

सरगम—गा—मा—रे—सा—गा—मा—पा—मा—गा—

\+ + +

ठेका—धी-(तृक)-धी—ना—धी—धी—ना-(तृक)-तू

ताल— ४ सम

बोल—र—ई—ई—

सरगम—गा—रे—सा।

ठेका—ना-(कत्)-ना।

शेष नम्बर (१) व (२) की भाँति बजाइये।

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

(गाना नं० १)

राग—कौन्सिया

ताल—नकटा

मात्रा—८

अर्धमात्रा १६

समय—दोपहर ।

(दादरा)

पिया देखे बहुत दिन बीते । जियरा लुभाये—विरहा सतावे,
पिया देखे बहुत दिन बीते ॥

मध्यम सप्तक ।								तीसरा सप्तक ।							
							×			×					
							नी	×		ग	×	×	×		
							×			×					
			मा								मा				
×	×	×	÷ पा	धा	×	सा	रे	×			ग	×	×	×	

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

हारमोनियम मास्टर

सरगम

धा-नी-रे-सा-नी-धा-पा-मा-पा-नी-धा ।
× × ×

धा-नी-सा-गा-रे-सा-नी-धा
+ +

धा-नी-रे-सा-नी-धा-पा-मा-नी-धा ।
+ + +

(ताल बोल सरगम और ठेका)

ताल—१ २ खाली १
बोल—पि—या-देखे-ब—हु—त-दि-न—बी-ते ।
सरगम—धा-नी-रे—सा-नी-धा-पा-मा—नी-धा
ठेका—धा-धा-धे-धिन-ता-ता-ते-तिन-धा-धा

ताल—१ २ १
बोल—जि-य—रा-लु—भा-ये—वि-र—हा—स-ता-वे ॥
सरगम—धा-नी-सा-गा—रे-सा-सा-नी—धा—नी-रे-सा॥
ठेका—धा-धा-धे-धिन-ता-ता-ते-तिन-धा—धा-धे-धिन॥

ताल—१ २ १
बोल—पि-या-देखे-ब-हु—त-दि-न—बी-ते ॥
सरगम—धा-नी-रे—सा-नी-धा-पा-मा—नी-धा ॥
ठेका—धा-धा-धे-धिन-ता-ता-ते-तिन-धा-धा ॥

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

(गाना २)

आवन कहि गये अजहु न आये, सूनी सेज मोहिं डराये।
राम पिया से वेगि मिलाये, पिया देखे बहुत दिन बीते ॥

सरगम

मा–पा–मा–नी–धा–धा–नी–नी–नी–नी–सा–नी–धा
÷ +
सा–नी–सा–सा–धा–धा–नी–सा–नी–धा–मा–पा
+
मा–पा—गा—रे–गा–रे—सा–नी–धा–धा
+ –
धा–नी–रे–सा–नी–धा–पा–मा–नी–धा।
+

(ताल बोल सरगम और ठेका)

ताल—१ २ खाली खाली
१ २
बोल—आ–व–न—क–हि–ग—ये–अ–ज—हु—न–आ–ये
सरगम—मा–पा–मा–नी–धा–धा–नी–नी–नी–नी–सा–नी–धा
ठेका—धा–धा–धे–धिन–ता—ता–ते–तिन–धा–धा–धे–धिन–ता
ताल—१ २ खाली १
बोल—सू—नी–से—ए–ज—मो—हि–ड—रा—वे–ए–ए।
सरगम—सा–नी–सा–सा–धा–धा—नी–सा–नी–धा–मा–पा
ठेका—ता—ते–तिन–धा–धा—धिन–धिन–ता—ता–ते–तिन धा

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

ताल—२ खाली १ २ खाली

बोल—रा-म—पि—या-से—बे-गि—मि-ला-ये

सरगम—मा-पा-गा—रे-गा—रे-सा—नी-धा-धा

÷

ठेका—धा-धी-धिन-ता-ता—ता-तिन-धा-धा-धा

ताल— १ २ खाली

बोल—पि—या—देखे-ब—हु—त—दि-न—बी-ते।

सरगम—धा—नी—रे—सा-नी—धा—पा-मा—नी-धा।

+

ठेका—धिन-ता-ता-तिन-तिन-धा-धा-धे-धिन-ता।

नोट—उपरोक्त गायन दो तीन मर्त्तबा बजाना चाहिये।

(गाना न० ३)

ताल-दादरा

न० (१) क्या कहूँ किस से कहूँ हाय फिसाना अपना।
न० (२) वक्त बाद का है यह रोना व रुलाना अपना॥
न० (३) कोई बदख्वाह था दुश्मन वह बेगाना अपना।
बुते नादान था जिसे समझे याराना अपना॥
याद आता है हमे हाय ज़माना अपना।

CC-0: Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

हारमोनियम मास्टर

सरगम

नं० (१)—ना—मा—पा—धा—धा—धा—धा—नी
÷

नी—नी—धा—पा—धा—पा—नी—धा

(नम्बर (२) व (३) नम्बर (१) के सरगम पर बजाइये)

धा—नी—धा—नी—सा—सा—रे—सा

धा—सा—सा—सा—गा—सा—रे—सा

नी—धा—नी—नी—नी—नी—नी—रे

सा—नी—नी—धा—पा—धा—पा—नी—धा

(ताल बोल सरगम और ठेका)

नं०-१ताल-१ २ १ २

बोल—क्या-क-हूँ-कि—स-से-क-हूँ-हा-य-फि

सरगम—मा—मा-पा-धा—धा-धा-धा-नी नी-नी-धा
÷ ÷

ठेका—धा-धिं-ना-धा—तिं-ना-धा-धिं-ना-धा-तिं

ताल—१ २

बोल—सा—ना—अ—प—ना ।

सरगम—पा—धा—पा-नी—धा ।

ठेका—ना—धा—धिं-ना—धा ।

नम्बर (२) और नं० (३) नं० १ की भाँति बजाइये ।

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

ताल—१ २ १ २
बोल—बु-ते-न-आ-दान-था-जि-से-सम-झे-या
सरगम—धा-नी-धा-नी-सा-सा-रे-सा-धा-सा-सा
ठेका—धा-धिं-ना-धा-तिं-ना-धा-धिं-ना-धा-तिं

ताल— १ २
बोल—रा—ना—अ—प—ना।
सरगम—सा—गा—सा—रे—सा।
ठेका—ना—धा—धिं—ना-धा।

ताल—१ २ १ २
बोल—या-द-आ-ता-है—ह-में-हा-य-ज़-मा
सरगम—नी-धा-नी-नी-नी-नी-रे-सा-नी-नी-धा
ठेका—धा-धिं-ना-धा-तिं-ना-धा-धिं-ना-धा-तिं

ताल— १ २
बोल—आ—ना—अ—प—ना।
सरगम—पा—धा—पा—नी—धा॥
ठेका—ना—धा—धिं—ना—धा।

(गाना नं० ४)

ताल—नकटा

पिया आवो दरश दिखावो।
जियरा लुभावो रिझावो॥
हम हारे मोहन तुम जीते।
पिया देखे बहुत दिन बीते॥

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

सरगम

मा-गा-मा-मा—रे—गा-गा-मा-रे-रे ।
नी-सा-सा-धा-नी—नी-पा-धा-धा ॥

खाली

ताल—१ २ १
बोल—पि-या-आ-वो-द-र-श-दि-खा-वो ।
सरगम्—मा-गा-मा-मा-रे-गा-गा-मा-रे—रे ॥
÷ ÷ ÷
ठेका—धा-धा-धे-धिन-ता-ता-ते-तिन-धा-धा ॥

ताल—१ २
बोल—जि-य—रा-लु-भा-वो-रि-झा-वो ।
सरगम—नी-सा-सा-धा-नी-नी-पा-धा-धा ।
ठेका—धे-धिन-ता-ता-ते-तिन-धा-धा-धे ।

हम हारे मोहन तुम जीते ।
पिया देखे बहुत दिन बीते ॥

(यह दोनों कड़ी गाना न० १ के सरगम पर बजेगी)

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

राग—देश

ताल—कौव्वाली

मात्रा—८

समय—शाम

(ग़ज़ल)

कहाँ ले जाउँ दिल दोनों जहाँ में उसकी मुश्किल है।
यहाँ परियों का मजमा है वहाँ हूरों की महेफिल है॥
इलाही कैसी कैसी सूरतें तूने बनाई है।
कि हर सूरत कलेजे से लगा लेने के काबिल है॥
हजारों दिल मसल कर पाँवसे झुँझला के फरमाया।
लो पहिचानो तुम्हारा इन दिलों में कौनसा दिल है॥
बलायें क्यों न ले मकतल में झुक झुक कर मेरी गर्दन।

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

कि बाँकी तेग़ है बाँकी अदा है बाँका क़ातिल है ॥
दिल लेते ही शीशा की तरह पत्थर पै दे पटका।
मैं कहता रहगया ज़ालिम मेरा दिल है मेरा दिल है ॥

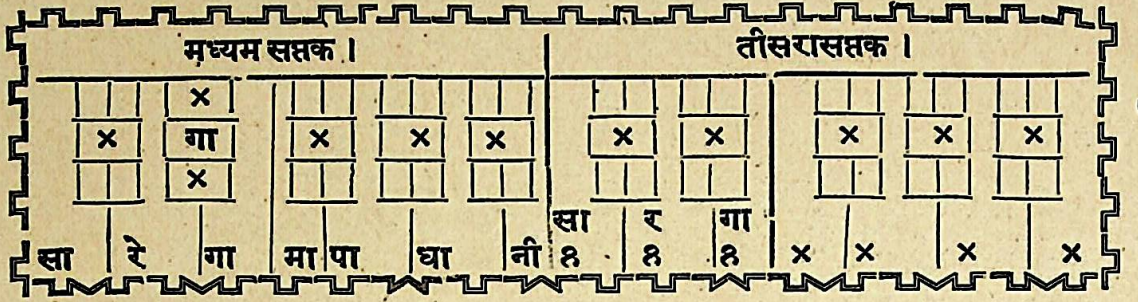

सरगम

स्थाई

सा–सा–सा–सा–नी–सा–रे–सा–नी–धा–पा–मा–गा–रे–सा–रे–गा–गा–रे–सा
ꣻ ꣻ ꣻ ꣻ ꣻ

अन्तरा

सा–सा–सा–सा–नी–धा–नी–सा–पा–पा–धा–सा–रे–गा–रे–सा–नी–धा–पा–धा।
ꣻ ꣻ ꣻ ꣻ ꣻ ꣻ ꣻ ꣻ ꣻ

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

हारमोनियम मास्टर

(ताल बोल सरगम और ठेका)

स्थाई

ताल—१ २ खाली १ २खाली
बोल—क-हाँ—ले-जाव-ऊँ-दिल-दो-ओ-नों-ज-हाँ-आँ
सरगम—सा-सा-सा-सा-नी-सा-रे-सा-नी-धा-पा-धा-पा
ह ह ह ह ह
ठेका—धा-धा-धे-धिन-ता-ता-धे-धिन-धा-धा-धे-धिन-ता
ताल— १ २ खाली
बोल—में—ये—उ—स-की-मु-शिक-ल—है।
सरगम—मा-गा—रे—सा-रे-गा-गा—रे-सा।
ठेका—ता-ते-तिन—धा-धा-धे-धिन—ता-ता।

अन्तरा।

ताल—१ २ खाली। १
बोल—इ—ला-ही-कै—सी-कै-सी-सू—र—तें-तू-
सरगम—सा-सा-सा-सा-नी-धा-नी-सा-पा-पा-धा-
ह ह ह ह
ठेका—धा-धा-धे-धिन-ता-ता-धे-धिन-धा-धा-धे-
ताल— २ खाली १
बोल—ऊ—ने—व-ना—ई—हैं—यें-यें—ये।
सरगम—सा-रे-गा—रे-सा-नी-धा-पा-धा।
ह ह ह ह ह
ठेका—धिन-ता-ता-धे-धिन-धा-धा-धे-धिन।

नोट-ग़ज़ल के सब पहले पद अन्तरा के ढंग पर बजाने चाहियें औ सब अन्त के पद स्थाई के ढंग पर अच्छे होंगे। परन्तु अन्तरे को कम से कमर ाँच बार कह कर फिर स्थाई बजाना चाहिये।

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

राग-सिन्धुभैरवी

ताल-कौव्वाली

मात्रा—८

समय—शाम

(ग़ज़ल)

चखादे चाशनी ऐ शरबते दीदार थोड़ी सी।
दमे आखिर तो करले ख़ातिरे बीमार थोड़ी सी॥
वह है बे ज़ायका शर्बत अगर तुर्शी न शामिल हो।
विसाले यार में भी चाहिये तकरार थोड़ी सी॥
ताम्मुल शिर झुकाने में किया कब मैंने ऐ क़ातिल।
मियाँ से वह गई खिचकर के क्यों तलवार थोड़ी सी॥

मध्यम सप्तक

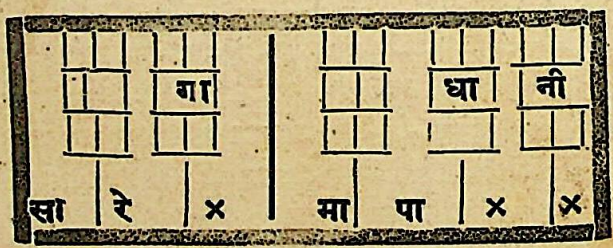

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

हारमोनियम मास्टर

सरगम

स्थाई

सा—सा—रे—मा-मा—मा-गा—पा

मा—मा—गा—रे—रे—गा—रे—सा

अन्तरा

धा-धा-धा-धा-धा-पा-नी-धा

धा-पा-मा-पा-धा-धा-पा-मा

(ताल बोल सरगम और ठेका)

स्थाई

खाली

ताल—१ २ १

बोल—च-खा-दे-चा-श-नी-ऐ-शर-व—ते-दो-दा

सरगम—सा-सा-रे-मा-मा-मा-गा-पा-मा—मा-गा-रे

ठेका—धा-धा-धे-धिन-ता-ता-धे-धिन-धा-धा-धे-धिन

खाली

ताल—२

बोल—र—थो—ड़ी—सी।

सरगम—रे—गा—रे—सा।

ठेका—ता—ता—ते-तिन।

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

अन्तरा

खाली

ताल—१ २ १

बोल—वह-हैवे-जा-य-का-शर-व—त-अ—ग—र

सरगम—धा-धा-धा-धा-धा-पा-नी-धा-धा—पा-मा

ठेका—धा-धा-धे-धिन-ता-ता-धे-धिन-धा-धा-धे

ताल— २

बोल—तुरशी-नशा-मि-ल-हो ।

सरगम—पा——धा-धा-पा-मा ।

ठेका—धिन——ता-ता-धे-धिन ।

नोट—दूसरे पदों को स्थाई के ढंग पर और पहिले पदों को अन्तरे के नियम पर बजाइये ।

और एक आवश्यक यह बात है कि इस ग़ज़ल को दुगुन लय में बजाने से अत्युत्तम होगा ।

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

राग—भैरवी

ताल—कौव्वाली

मात्रा—८

समय-प्रातःकाल

(ग़ज़ल)

निगाहे यार बदमस्ती में भी हुशियारी कैसी है। मेरा दिल छीन लेने के लिये तैयार कैसी है॥
जिगरमें चुभगई पहेलूमें उतरी दिलमें जाखटकी। गज़बकी चुलबुली चंचल निगाहे यार कैसी है॥
अदायें जान लेती हैं निगाहें तेग़ कातिल पर। शहादत शिर कटानेके लिये तैयार कैसी है॥

प्रथम सप्तक।							मध्यम सप्तक।						
				×	×			×					
×	×		×	धा	नी		रे	गा		×	×	×	
				×	×			×		×			
×	×	×	×	×	×	×	सा	×	×	मा	×	×	×

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

हारमोनियम मास्टर

सरगम

स्थाई

सा-सा-सा-सा-सा-सा-गा-रे-सा-नी

नी-सा-नी-धा-नी-रे—गा-मा-गा-रे-सा।

अन्तरा

सा-सा-रे-मा-मा-मा-मा-मा-गा

रे-सा-सा-गा-गा-मा-गा-रे-सा।

(ताल बोल सरगम और ठेका)

स्थाई

खाली

ताल—१ २ १

बोल—नि-गा—हे-या--र--व--द-म-स--ती-में-भी

सरगम—सा-सा-सा-सा-सा-सा-गा-रे-सा-नी-नी-सा

ठेका—धा-धा-धे-धिन-ता-ता-धे-धिन-धा-धा-धे-धिन

खाली खाली

ताल—२ १ २

बोल—ई—हु-शि-या-आ-र—कै-सी-है।

सरगम—नी-धा-नी रे--गा-मा-गा—रे-सा।

ठेका—ता-ता-ते-तिन-धा-धा-धे-धिन-ता।

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

अन्तरा

खाली

ताल—१ २ १

बोल—जि-गर-में-चु-भ-गई-प—हे—लू-में-उत-री

सरगम—सा-सा-रे-मा-मा-मा-मा-मा-गा—रे-सा-सा

ठेका—धा-धा-धे-धिन-ता-ता-धे-धिन-धा-धा-धे-धिन

खाली

ताल—२ १

बोल—दिल—में—जा—आ—खट—की।

सरगम—गा—गा—मा—गा—रे—सा।

ठेका—ता—ता—धे—धिन—धा—धा।

नोट—दूसरे सब पदों को स्थाई के ढंग पर बजाना चाहिये और पहले पद अन्तरे के ढंग पर चलेंगे।

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

राग—कल्यान

ताल—मुग़ली

मात्रा—१४

समय—शाम

ग़ज़ल

ले गया वह दिलरुबा दिल आहे दिल अफ़सोस दिल ।
यह गया दिल वह गया दिल आहे दिल अफ़सोस दिल ॥
मैं न कहता था परेशाँ होगा दरे सौदाये जुल्फ़ ।
ऐ गिरफ्तारे बला दिल आहे दिल अफ़सोस दिल ॥
लग गई किसकी नज़र जो हो गया यों मुज़ महेल ।
था भला चंगा मेरा दिल आह दिल अफ़सोस दिल ॥
नक्द को दिल की समझ कर आहे उस दिलवरने आज ।

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

बे दरम सस्ता लिया दिल आहे दिल अफ़सोस दिल ।
मैं न कहता था बुतों से ऐ दिले कमतर न मिल ॥
फिर खुदा की जो रज़ा दिल आहे दिल अफसोस दिल ॥

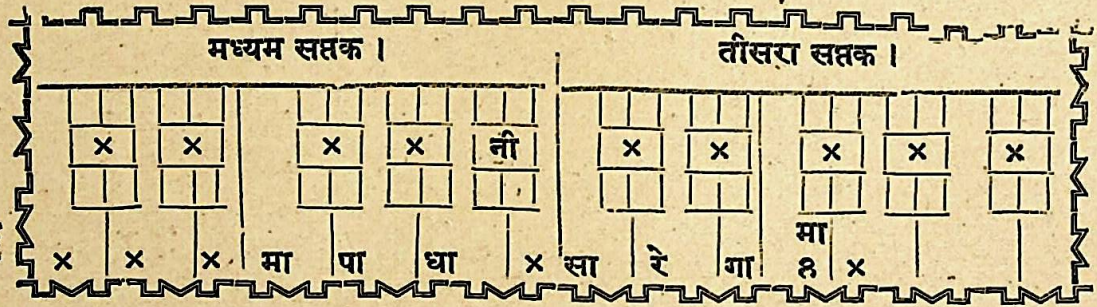

सरगम

स्थाई

धा-पा-मा-मा-पा-पा-धा-धा-सा-सा-रे-सा-धा-पा-धा ।

अन्तरा

सा-सा-रे-गा-मा-मा-मा-मा-गा-रे-सा-रे-गा-रे-सा-नी-धा-पा-धा ।
ऽ ऽ ऽ ऽ

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri.

हारमोनियम मास्टर

(ताल बोल सरगम और ठेका)

स्थाई

खाली

ताल—१ २ ३

बोल—ले-ग-या-वह-दिल-रु-बा-दिल-आ-हे-दिल-अफ

सरगम—धा-पा-मा-मा—पा-पा-धा-धा—सा-सा-रे—सा

ठेका—धी-न-धी-न—धि-ग-ति—र—कि-ट-ता—न

ताल— १

बोल—सो—स—दिल ।

सरगम—धा—पा—धा ।

ठेका—ता—क—धी

(अन्तरा)

ताल—१ २ खाली ३

बोल—मैं—न-क—ह-ता-था-प—रे—शाँ-हो-गा

सरगम—सा-सा-रे-गा-मा-मा-मा-मा—गा-रे-सा

ठेका—धी-न-धी-न—धि-ग-ति—र—कि-ट-ती

ताल— १ २

बोल—आ-द-रे—सौ-दा-ये-जु—रफ ।

सरगम—रे—गा-रे—सा-नी-धा-पा—धा ।

ठेका—न—ता-क-धि-न-धि-न—धि ।

नोट—शेष ग़ज़ल उपरोक्त ढंग पर बजाइये ।

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

हारमोनियम मास्टर

रागिनी योगिया-आसावरी ।

ताल पश्तो ।

मात्रा—१४

समय—१० बजे तक

ग़ज़ल

दिल हम किसी परी से न हरगिज़ लगायेंगे ।
हम भी परी रूखों से परे घर बनायेंगे ॥
मन्दिर में बुत को पूजने हरगिज़ न जायेंगे ।
हम दूर डेढ़ ईंट की मसजिद बनायेंगे ॥
हम उस जगह से हिल के कहीं को न जायेंगे ।
जिनको गरज़ हो दौड़े हुए आप आयेंगे ॥
मर जायें शिर को फोड़ के फरहाद बन के हम ।
शीरीं की तलख़ बात न हरगिज़ उठायेंगे ॥
फरहाद सिर पटकता हुआ पीछे आयगा ।
हम जान शीरीं पहिले ही अपनी गवायेंगे ॥

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

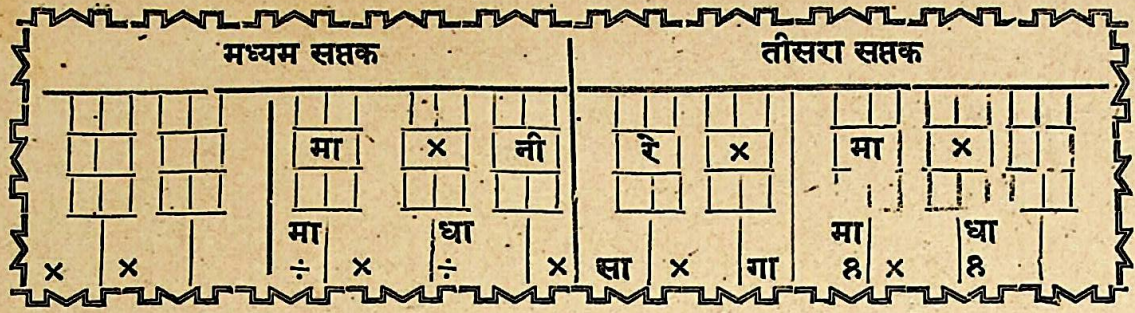

सरगम

स्थाई

मा–मा–नी–रे–सा–गा–रे–सा–नी–धा–मा–मा–धा–मा–मा ।
÷ ÷ ÷ ÷ ÷ ÷ ÷ ÷

अन्तरा

सा–सा–रे–मा–मा–मा–मा–मा–सा–रे–मा–मा–मा–धा–मा–मा ।
ह ह ह ह ह ह ह ह ह ४–ह

स्थाई

सा–रे–मा–गा–रे–सा–गा–रे–सा–नी–धा–मा–मा–धा–मा–मा ।
ह ÷ ÷ ÷ ÷ ÷ ÷

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

हारमोनियम मास्टर

(ताल बोल सरगम और ठेका)

अस्थाई

ताल—१ २ खाली ३

बोल—दिल-हम-कि-सी-प-री-से-न-ह-र-गिज़-ल-गा

सरगम—मा—मा—नी-रे-सा-गा-रे-सा-नी-धा-मा—मा

÷ + + ÷

ठेका—धी—न—धी-न-धि-ग-ति-र-कि-ट—ती—न

ताल— १

बोल—य—यें—गे ।

सरगम—धा-मा-मा ।

÷ +

ठेका—ता-क-धी ।

अन्तरा

ताल— १ २ खाली ३

बोल—म-न्दिर-में-बुत-को-पू-ज-ने-हर-गिज-न-जा

सरगम—सा-सा—रे-मा-मा-मा-मा-मा-सा—रे-मा-मा

० ४ ४ ४ ४ ४ ४ ४

ठेका—धी-न—धी-न-धि-ग-ति-र—कि—ट-ती-न

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

ताल— १

बोल—आ—आ—यें—गे ।

सरगम—मा—धा—मा—मा ।

४ ४ ४ ४

ठेका—ता—क—धी—न ।

स्थाई

ताल—१ २ ३ खाली

बोल—हम—दू—र—डे—ढ़—ईं—ट—की—म—स

सरगम—सा—रे—मा—गा—रे—सा—गा—रे—सा—नी

४

ठेका—धो—न—धी—न—धि—ग—ति—र—कि—ट

ताल— १

बोल—जिद—ब—ना—आ—यें—गे ।

सरगम—धा—मा—मा—धा—मा—मा ।

÷ ÷ ÷ ÷ ÷ ÷

ठेका—ती—न—ता—क—धी—न ।

नोट-शेष सब गज़ल अन्तरे के दोनों पद के अनुसार बजाइये कारण कि दो स्थाई स्थिर की गई हैं ।

इस गज़ल को बजाने में सीखने वाले न घबरायँ वरन्, सावधानी पूर्वक धीरे धीरे बजाते जायँ ।

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

राग—भैरवी ।

ताल—दादरा ।

मात्रा—६

समय—प्रातःकाल ८ बजे ।

ग़ज़ल

नमाज़ किसकी कहाँ का रोज़ा अभी तो शग़ले शराब में हूँ ।
ख़ुदा की याद आये किस तरह से बुतों के क़हेरों अज़ाब में हूँ ॥
शराब का शग़ल हो रहा है बग़ल में पाता हूँ मैं किसी को ।
मैं जागता हूँ कि सो रहा हूँ ख़याल में हूँ कि ख़्वाब में हूँ ॥
न छेड़ इस वक़्त मुझको वाइज़ नहीं है मौका यह गुफ़्तगू का ।
सवार जाता है वह शराबी मैं हाज़िर उसकी रक़ाब में हूँ ॥

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

कभी नमाज़ी कभी शराबी कभी हूँ रिन्द और कभी हूँ ज़ाहिद।
खुदा का डर है बुतों का खटका अजब तरह के अज़ाब में हूँ ॥
क़यामत आने का खौफ़ क्या है तरद्दुद व फ़िक्र क्या है आख़ा।
हिसाब क्या कोई मुझसे लेगा बताओ मैं किस हिसाब में हूँ ॥

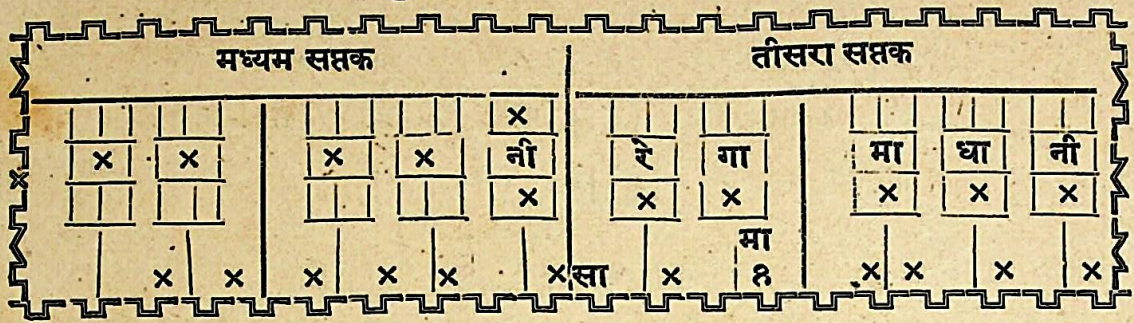

सरगम

गा—रे—गा—मा—मा—मा—मा—गा—मा—नी—धा।

मा—मा—मा—मा—गा—रे—गा—मा—गा—रे—सा—नी।

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

हारमोनियम मास्टर

(ताल बोल सरगम और ठेका)

ताल—१ २ १ २
बोल—न—मा-ज़-कि-स-की—ई—क-हाँ-का-आ
सरगम—गा—रे-गा-मा-मा-मा-मा—गा-मा-नी-धा

ठेका—धा-धिं-ना-धा-तिं-ना-धा-धिं-ना-धा-तिं
ताल— १ २ १ २
बोल—रो-ज़ा-अ-भी-तो-श-ग—ले-श-राब-मैं-हूँ ।
सरगम—मा-मा-मा-मा-गा-रे-गा-मा-गा—रे-सा-नी ।
+
ठेका—ना-धा-धिं-ना-धा-धिं-ना-धा-तिं—ना-धा-धिं ।

नोट—इसके बाद सब ग़ज़ल उपरोक्त ढंग से बजाइये ।

टी. जी. [illegible]
स्व. वेदाराण्य [illegible]
"[illegible]" को अर्पण,
१५-७-७४

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

राग–रामायण ।

ताल–तृताल ।

मात्रा–१६

अर्धमात्रा–३२

समय–हरसमय

रामायण किष्किन्धाकाण्ड

आगे चले बहुरि रघुराई । ऋष्य मूक पर्वत नियराई ॥
तहँ रह सचिव सहित सुग्रीवा । आवत देखि अतुलबल सीवा ॥
अति सभीत कह सुनु हनुमाना । पुरुष युगुल बलरूप निधाना ॥
धरि बटुरूप देखु तैं जाई । कहेसु मोहिं जिय सैन बुझाई ॥
पठवा बालि होइ मन मैला । भागौं तुरत तजौं यह शैला ॥
विप्र रूप धरि कपि तहँ गयऊ । माथ नाय पूछत अस भयऊ ॥
को तुम श्यामल गौर शरीरा । क्षत्रिय रूप फिरहु वन बीरा ॥
कठिन भूमि कोमल पद गामी । कवन हेतु वन विचरहु स्वामी ॥

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

मृदुल मनोहर सुन्दर गाता । सहत दुसह वन आतप वाता ॥
की तुम तीनि देव महँ कोऊ । नर नारायण की तुम दोऊ ॥

दोहा--जग कारण तारण भवहिं, भंजन धरणी भार ।
को तुम अखिल भुवन पति, लीन्ह मनुज अवतार ॥

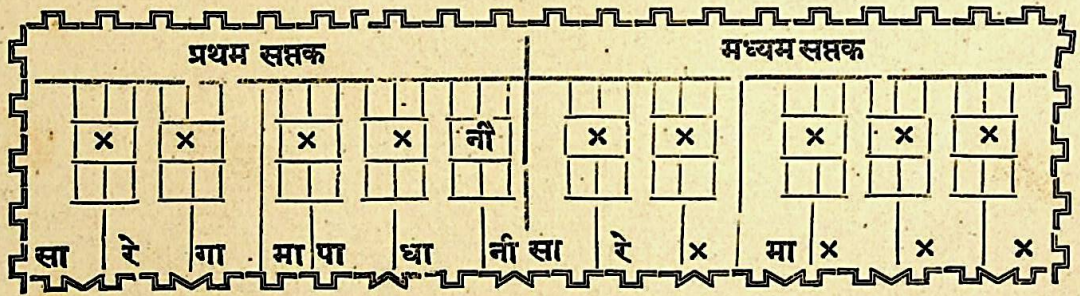

सरगम

स्थाई

सा-सा-सा-नी-सा-रे-सा-नी-धा-पा-मा-मा-पा-धा-नी-धा-पा-धा-पा-मा ।

अन्तरा

गा-गा-मा-मा-मा-पा-पा-नी-धा-पा-धा-पा-मा ।

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

हारमोनियम मास्टर

(ताल, बोल, सरगम और ठेका)

स्थाई

ताल—१ २ ३ ४

बोल—आ-गे—च-ले—ग-हु—रि-र-घु-रा-आ-आ-आ

सरगम—सा-सा-सा-नी-सा-रे-सा-नी-धा-पा-मा-मा-पा

ठेका—ता-तिं-तिं-ता-धा-धिं-धिं-ता-धा-धिं-धिं-ता-धा

ताल— १

बोल—आ—ह—ई—ई—ई—ई—ई।

सरगम—धा—नी-धा-पा-धा-पा-मा।

ठेका—धिं-धिं-ता-धा-धिं-धिं-ता।

अन्तरा

ताल—१ २ ३ ४खाली

बोल—ऋ-ष्य-मू-क—प—र्व-त-नि-य-रा-आ-आ-ई॥

सरगम—गा-गा-मा-मा-मा-पा-पा-नी-धा-पा-धा-पा-मा॥

ठेका—ता-तिं-तिं-ता-धा-धिं-धिं-ता-धा-धिं-धिं-ता-धा॥

नोट—जब तक आ आ आ की अलाप नहीं निकलेगी चौपाई अच्छी नहीं लगेगी। शेष उपरोक्त ढङ्ग से बजाइये।

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

राग—कोन्सिया ।

ताल—तृताल ।

मात्रा—१६

अर्धमात्रा—३२

समय—माध्यान्ह काल (दोपहर)

(भजन)

राम भजन क्यों छोड़ दिया,तूने राम भजन क्यों छोड़ दियारे—राम० ॥
झूठे जग में मन ललचाकर, असल जीवन क्यों छोड़ दियारे—राम० ॥
क्रोध न छोड़ा मोह न छोड़ा, सत्य वचन क्यों छोड़ दियारे—राम० ॥
राम भजन क्यों छोड़ दिया, तूने राम भजन क्यों छोड़ दियारे—राम० ॥

मध्यम सप्तक ।							तार सप्तक ।						
						नी		गा					
×	×	×	×	×	×	×	×	×	×	×	×	×	×
							सा	रे	मा				
×	×	×	मा	पा	धा	×	४	४	४	×	×	×	×

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

सरगम

मा–पा–मा–नी–धा–धा–धा–धा–नी–नी–सा–सा–नी–धा
\+ + + ० ० +

नी–सा–सा–सा–रे–गा–रे–सा–नी–सा–नी–धा ।
\+ ० ० ० ० — ० ० + ० +

सरगम अन्तरा

नी–नी–गा–रे–रे–रे–गा–गा–गा–गा–गा–रे–सा–सा
\+ + – ० ० ० – – – ० – ० ० ०

नी–नी–सा–सा–सा–रे–गा–रे–नी–सा–नी–धा ॥
\+ + ० ० ० ० – ० + ० +

(ताल, बोल सरगम, और ठेका)

स्थाई

ताल—१ २

बोल—र—आ—म—भ—जन क्यों

सरगम—मा—पा—मा–नी–धा–धा–धा–धा
\+

ठेका—ता–तिं—तिं–ता–धा–धिं–धिं–ता

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

ताल—३ ४ खाली

बोल—छो—ड़—दि—या—तू—ने।

सरगम—नी—नी—सा—सा—नी—धा।

\+ + ९ ९ +

ठेका—धा—धिं—धिं—ता—धा—धिं।

ताल— १

बोल—रा—म—भ—ज—न—क्यों

सरगम—नी—सा—सा—सा—रे—गा

\+ ९ ९ ९ ९ —

ठेका—धिं—ता—धा—धिं—धिं—ता

ताल—२ ३

बोल—छो—ड़—दि—इ—या—रे।

सरगम—रे—सा—नी—सा—नी—धा।

९ ९ + ९ +

ठेका—धा—धिं—धिं—ता—धा—धिं

अन्तरा

ताल— ४ खाली १

बोल—भू—उ—ये—ज—ग—में—म—न—ल—ल

सरगम—नी—नी—गा—रे—रे—रे—गा—गा—गा—गा

ठेका—धिं—ता—धा—धिं—धिं—ता—धा—धिं—धिं—ता

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

हारमोनियम मास्टर

ताल—२

बोल—च—आ—क—र।

सरगम—गा—रे—सा—सा।

ठेका—धा—धिं—धिं—ता।

ताल—३ ४ खाली

बोल—अ—स—ल—जी—व—न

सरगम—नी—नो—सा—सा—सा—रे

ठेका—धा—धिं—धिं—ता—धा—धिं

ताल— १

बोल—क्यों—छो—ड़—दि—या—रे।

सरगम— गा—रे—नी—सा—नी—धा।

ठेका— धिं—ता—धा—धिं—धिं—ता।

शेष पद उपरोक्त ढंग पर बजेंगे।

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

राग--मल्हार

ताल—तृताल

मात्रा—१६

अर्धमात्रा—३२

समय—रात्री

(ठुमरी)

(१) बैयाँ ना पकड़ो मोरी मुरकी कलाई रे० बैयाँ--
(२) कर पकड़त मोरी चोली मसकाई रे ॥ बैयाँ ॥
(३) अरज वरज मोरी एक न मानी,
(४) हैदर पिया की मैं तो देहुँ दुहाई रे ॥ बैयाँ ॥

मध्यम सप्तक																							
×	×		×	×	नी																		
					+																		
×	×	गा	मा	पा	धा	×	सा	रे	गा	मा	पा	×											
							४	४	४	४	४												

तार सप्तक

×	गा		×	×	×																		
	–																						

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

सरगम

(१)पा–धा–पा–नी–धा–पा–मा–गा–मा–पा–पा–धा–नी–सा–नी
+ + ह +

(२)सा–मा–गा–गा–मा–पा–मा–गा–रे–सा–पा–धा––सा–नीनी
ह ह ह ह ह ह ह — ह ह + ह +

(३)सा–सा–सा–सा–रे–रे–गा–गा–मा–मा–मा–गा–मा,
ह ह ह ह ह ह ह ह ह ह ह ह ह

(४)सा–मा–गा–मा–मा–मा–गा–रे–सा–पा–धा–नी–सा–नी
ह ह ह ह ह ह – ह ह + ह +

(ताल, बोल सरगम, और ठेका)

(१) ताल—१ २
बोल—वै—याँ—न—प—क—ड़ो—मो—री
सरगम—पा—धा—पा–नी—धा—पा—मा—गा
+
ठेका—धा—धिं–धिं–ता–धा—धिं–धिं–ता
ताल—३ ४ खाली
बोल—मु—र—की—क—ला—ई—रे।
सरगम—मा—पा—पा—धा—नी—सा–नी।
+ ह +
ठेका—धा–धिं––धिं—ता—धा–धिं–धिं।

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

(२) ताल— १ २

बोल—क—र—प—क—ड़—त—मो—री—चो

सरगम—सा—मा—गा—गा—मा—पा—गा—गा—रे

ठेका—ता—धा—धिं—धिं—ता—धा—धिं—धिं—ता

ताल—३ ४ खाली

बोल—ली—म—स—का—ई—रे।

सरगम—सा—पा—धा—नी—सा—नी।

ठेका—धा—धिं—धिं—ता—धा—धिं।

(३) ताल— १

बोल—अ—र—ज—व—र—ज—

सरगम—सा—सा—सा—सा—रे—रे—

ठेका—धिं—ता—धा—धिं—धिं—ता—

ताल—२ ३

बोल—मो—री—ए—क—न—मा—नी,

सरगम—गा—गा—मा—मा—मा—गा—मा,

ठेका—धा—धिं—धिं—ता—धा—धिं—धिं,

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

(४) ताल— ४ खाली १

बोल—है—द—र—पि—या—की—मैं—तो—दे-

सरगम—सा-मा-गा-मा—मा—मा—गा—रे—सा-

ठ ठ ठ ठ ठ ठ — ठ ठ

ठेका—ता-धा-धिं-धिं—ता—धा—धिं—धिं-ता-

ताल—२ ३

बोल—त—दु—हा—ई—रे ॥

सरगम—पा—धा—नी—सा-नी ॥

+ ठ +

ठेका—धा-धिं-धिं-ता-ता ॥

एक एक कड़ी के बाद पुनः (बैयाँ ना पकड़ो···) बजाइये।

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

राग–काफी

ताल–तृताल

मात्रा—१६

अर्धमात्रा–३२

(ठुमरी)

(१) पिया के पास कैसे जाऊँ सखीरी—
(२) आली पिया बिना इक घड़ी पल छिन जिया घबरावे—
(३) मोको नींद न आवे० । पिया के पास० ॥
(४) रैन अँधेरी कारी बिजुरी सी चमके—
(५) घटा घूम रही बूँदन पड़त–पिया के पास० ॥

मध्यम सप्तक								तार सप्तक							
×	×	×	मा	पा	×	×	सा	×	×	मा	×	×	×	+
×		गा +		धा +		नी +		रे —	गा —		×	×	×	

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

हारमोनियम मास्टर

सरगम–स्थाई

(१) गा–गा–गा–मा–धा–धा–नी–धा–नी–धा–नी–सा–
+ + + + + + + + + + ९

(२) रे–गा–सा–रे–सा–गा–सा–रे–नी–सा–नी–
– – ९ – ९ – – + ९ +

रे–सा–नी–धा–गा–रे–सा–नी–धा
– ९ + + – – ९ + +

(३) पा–धा–नी–सा–नी–नी–मा–मा–
+ + ९ + +

(पिया के पास नं० १ का सरगम)

सरगम–अन्तरा

(४) धा–धा–धा–नी–नी–रे–रे–गा–गा–गा–गा–गा–गा–गा–
+ + + + + – – – – – – – – –

(५) सा–रे–गा–मा–गा–रे–सा–सा–रे–सा–
९ – – ९ – – ९ ९ – ९

नी–धा–मा–मा–गा–गा–गा–गा–गा–
+ + + + + + +

(पिया के पास नं० १ का सरगम बजाइये)

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

हारमोनियम मास्टर

(ताल, बोल, सरगम और ठेका)

स्थायी

(१) ताल—१ २

बोल—पि-या-के-पा—स-कै-से-जा—

सरगम—गा-गा-गा-सा-धा-धा-नी-धा—

\+ + + + + + +

ठेका—धा-धिं-धिं-ता-धा-धिं-धिं-ता-

ताल—३

बोल—ऊँ—स—खी—री—

सरगम—नी—धा-नी—सा—

\+ + + ९

ठेका—धा-धिं-धिं—ता—

(२) ताल—४ खाली १

बोल—आ-ली-पि—या—बि—न-ए—क-

सरगम—रे—गा-सा—रे—सा—गा-सा-रे-

\- - ९ - ४ - ९ -

ठेका—धा-धिं-धिं-ता—धा—धिं-धिं-ता-

ताल—२ ३

बोल—घ—ड़ी—प-ल-छि—न-

सरगम—नी-सा—नी-रे-सा—नी-

\+ ९ + - ९ +

ठेका—धा-धिं-धिं-ता-धा-धिं-

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

ताल— ४ खाली

बोल—जि—या—घ-व—रा-वे

सरगम—धा—गा—रे-सा-नी-धा

\+ — — ६ + +

ठेका—धिं—ता-धा-धिं-धिं-ता

(३) ताल—१ २

बोल—मो-को—नीं-द—न-आ-वे

सरगम—पा—धा-नी-सा-नी-नी-मा-भा

\+ + ६ + +

ठेका—धा-धिं-धिं-ता-धा-धिं-धिं-ता

(पिया के पास.....नं० १ पर बजेगा)

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

अन्तरा

(४) ताल—१ २

बोल—रै—न—अँ—धे—री—का—री—बि-

सरगम—धा-धा—धा—नी—नी—रे—रे—गा-

\+ + + + + — — —

ठेका—धा-धिं-धिं-ता—धा—धिं-धिं-ता-

ताल—३ ४ खाली

बोल—जु—री—सी—च—म—के ।

सरगम—गा—गा—गा—गा—गा—गा ।

— — — — — —

ठेका—धा-धिं—धिं—ता—धा-धिं ।

(५) ताल— १ २

बोल—घ—टा—घू—उ—म—र—ही-

सरगम—सा—रे—गा—मा—गा—रे—सा-

ऽ — — ऽ — — ऽ

ठेका—धिं-ता—धा-धिं-धिं—ता-धा-

ताल— ३

बोल—बू—उँ—द—न—प—ड़—त-

सरगम—सा-रे—सा-नी—धा—मा-मा-

ऽ — + +

ठेका—धिं-धिं-ता-धा-धिं-धिं-ता-

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

हारमोनियम मास्टर

ताल—४ खाली १

बोल—मैं-तो-पि-या-के पास कैसे जाऊँ { (इसी सरगम
सरगम—गा-गा-गा-गा-गा { पर बजाइये)

+ + + + +

ठेका—धा-धिं-धिं-ता-धा ॥

प्रिय पाठक गण !

अब अगले पृष्ठों में हारमोनियम के नक्शे नहीं दिये जायँगे। पाठकगण बगैर नक्शे के अभ्यास करें, कोई कठिन नहीं है। परन्तु, प्रथम सप्तक, मध्यम सप्तक और तार सप्तक के स्वरों के जो चिन्ह हैं उन्हें भली भाँति स्मरण करलें नहीं तो स्वर समझने में असुविधा उत्पन्न हो जायगी और गायन बजा न सकेंगे।

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

राग—सिन्धु भैरवी

ताल—दादरा

मात्रा—६

अर्धमात्रा—१२

समय—सायंकाल

(ग़ज़ल)

नामे खुदा प मुल्को माल हमने दिया जो हो सो हो।
ऐशो तरब फ़क़ीर हो तर्क किया जो हो सो हो॥
बख्शा था तूने किर्रोफर तख्तो सिपह ताज़ो ज़र।
मैंने वह तेरे नाम पर सदके किया जो हो सो हो॥
इश्क खुदा में सुर्खरू हूँ मैं यही है आरज़ू।
शिर को कटा बहा लहू दूँगा फिदा जो हो सो हो॥
तुझ पै फिदा है जानो तन तुझ से लगी है अब लगन
मिस्ल ज़रीफ बे वतन अब तो हुआ जो हो सो हो॥

(इस गायन में मध्यम सप्तक और तार सप्तक के सब तीव्र (सफेद) पर्दे हैं।)

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

हारमोनियम मास्टर

सरगम स्थायी

रे-मा-मा-मा-पा-धा-रे-सा-धा-
ऽ ऽ

धा-पा-मा-पा-धा-पा-मा।

सरगम अन्तरा

सा-सा-सा-सा-रे-मा-मा-मा-गा-गा-रे-सा-रे-गा-रे-सा
ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ

(ताल, बोल, सरगम और ठेका)

स्थाई

ताल—१ २ १ २
बोल—ना-मैं-खु-दा-पै-मुल-को-माल-हम-ने-
सरगम—रे-मा-मा-मा-पा-धा—रे—सा—धा-धा-
ऽ ऽ
ठेका—धा-धिं-ना-धा-तिं-ना—धा—धिं—ना-धा-
ताल— १ २
बोल—दि—या—जो—हो—सो—हो।
सरगम—पा—मा—पा—धा—पा—मा।
ठेका—तिं—ना—धा—धिं—ना—धा।

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

अन्तरा

ताल—१ २ १

बोल—ब-ख्शा-था-तू—ने-किर्रों-फ-

सरगम—सा-सा-सा-सा-रे—मा-मा-

ठेका—धा-धिं—ना-धा-तिं—ना-धा-

ताल— २ १ २

बोल—र—त-ख्तो-सि-प-ह-ता-जो-जर।

सरगम—मा-गा-गा—रे-सा-रे-गा-रे—सा।

ठेका—धिं-ना-धा-तिं-ना-धा-धिं-ना-धा।

(नोट—सम्पूर्ण गायन उपरोक्त नियम से बजाइये)

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

राग—माँड

ताल—पश्तो

मात्रा—१४

अर्धमात्रा—२८

समय—सायंकाल

(ग़ज़ल)

सब राज पाट छोड़के जंगल को चलते हैं।
सब को सलाम करते हैं घर से निकलते हैं॥
कुछ राज ताज तख्त के जाने का गम नहीं।
लेकिन बचन को अपने नहीं हम बदलते हैं॥
ऐ अहले वज्म आखिरी तुमको सलाम है।
अपना बचन निभाने को हम बन को जाते हैं॥

(इस गायन में मध्यम सप्तक और तार सप्तक के सब तीव्र (सफेद) पर्दे हैं)

सरगम स्थायी

सा-रे-मा-मा-पा-धा-पा-मा-मा-पा-गा-रे-सा-गा-रे-सा।

(सरगम अन्तरा)

पा-पा-पा-धा-धा-सा-सा-सा-सा-नी-धा-पा-नी-धा-प-पा
ऽ ऽ ऽ ऽ

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

हारमोनियम मास्टर

(ताल, बोल, सरगम और ठेका)

स्थाई

ताल—सम १ २

बोल—सब-रा-ज-पा—ट-छो-ड़—के-ज—

सरगम—सा—रे-मा-मा-पा-धा-पा-मा-मा—

ठेका—ती—न-ता-क-धी—न-धी—न-धी—

ताल— सम

बोल—न-गल-को-च-ल-ते—हैं ।

सरगम—पा-गा—रे-सा-गा-रे-सा ।

ठेका—ग-ति—र—कि-ट-ति-न ।

अन्तरा

ताल— १ २

बोल—कुछ-रा-ज-ता—ज—त-ख्त-

सरगम—पा—पा-पा-धा—धा—सा-सा-

ऽ ऽ

ठेका—ता—क-धी-न—धी-न—धी-

ताल— सम

बोल—के—जा-ने-का—ग-म-न—हीं-है ।

सरगम—सा—सा-नी-धा-पा-नी-धा-पा-पा ।

ऽ ऽ

ठेका—ग—ति—र-कि—ट-ति—न—ता-क ।

(नोट-सम्पूर्ण गायन उपरोक्त नियम से बजाइये)

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

राग—पहाड़ी

ताल तृताल

मात्रा—१६

अर्धमात्रा—३२

समय—दिवस

(ग़ज़ल)

शर्म थी आँख में पर्दे से निकलते क्यों कर ।
न सही शर्म नज़ाकत से वह चलते क्यों कर ॥
न नजाकत सही मेंहदी लगाये होंगे ।
फिर वह तलवे से दिले ज़ार को मलते क्यों कर ॥
न सही मेंहदी किसी ग़ैर से वादा होगा ।
सादिकुल्क़ौल थे वादे को बदलते क्यों कर ॥
न सही वादा लटें शाने पर लटकी होंगी ।
बोझ लेकर के वह चलते तो सँभलते क्यों कर ॥

(इस गायन में प्रथम सप्तक और मध्यम सप्तकके सम्पूर्ण तीव्र (सफेद) पर्दे हैं ।)

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

हारमोनियम मास्टर

(सरगम स्थाई)

गा-गा-गा-रे-रे-सा-सा-सा-नी-
धा-पा-पा-धा-नी-सा-नी-धा।

(सरगम अन्तरा)

पा-पा-पा-धा-सा-सा-सा-रे-सा-
सा-सा-रे-गा-रे-सा-नी-धा।

(ताल, बोल, सरगम और ठेका)

स्थाई

ताल—१ २ ३
बोल—श-र्म—थी-आँ-ख—में—प—र—दे
सरगम—गा-गा—गा—रे—रे—सा—सा-सा-नी
ठेका—ता-तिं-तिं—ता-धा-धिं-धिं-ता-धा
ताल— ४ खाली १
बोल—से-नि-क—ल-ते—क-यों-कर।
सरगम—धा-पा-पा-धा-नी—सा-नी-धा।
ठेका—धिं-धिं-ता-धा-धिं-धिं-ता-धा।

(फिर वह तलवे से...इत्यादि सब गायन स्थायी के सरगम पर बजाइये)

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

अन्तरा

ताल—१ २ ३

बोल—न—स-ही—मैंह-दी-कि-सी-ई-गै

सरगम—पा-पा-पा—धा-सा-सा-सा-रे-सा

ठेका—धिं-धिं-ता—धा-धिं-धिं-ता-धा-धिं

ताल— ४ खाली १

बोल—र—से—वा-दा-होगा-गा-आ-आ ।

सरगम—सा-सा—रे-गा—रे—सा-नी-धा ।

ठेका—धिं-ता—ता-तिं-तिं—ता-धा-धिं ।

बोझ लेकर के...यहाँ तक अन्तरे के सरगम पर बजाइये ।

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

राग—ज़िला

ताल—दादरा

मात्रा—६

अर्धमात्रा—१२

समय—समस्त दिवस

(गायन)

सुनो जी ! ओढ़ ली जब हमने लोई ।
कहो ! फिर क्या करेगा हमारा कोई ॥
हसीनों की सदा चाहे ज़क़न में ।
बड़ों के नाम की लुटिया डुबोई ॥
था जब तक गाँठ में पैसा थे सब यार ।
नहीं अब पूछता कौड़ी को कोई ॥

इस गायन में मध्मम सप्तक और तार सप्तक के पर्दे हैं ।

(स्वर)

रे—गा—मा—पा—धा—नी—सा—रे
+ ९ ९

मध्यम सप्तक का कोमल पर्दा—नी
+

„ „ का तीव्र (सफेद) पर्दा—रे—गा—मा—पा—धा

तार „ „ „ „ „—सा—रे
९ ९

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

हारमोनियम मास्टर

सरगम–स्थायी

नी–नी–नी–धा–पा–पा–मा–धा–पा–मा–गा–रे ।
+ + + ९

सरगम–अन्तरा

मा–पा–पा–पा–नी–नी–सा–नी–रे–सा–नी–धा–पा–मा–पा ।
+ + ९ + ९ ९ +

(ताल, बोल, सरगम और ठेका)

स्थाई

ताल—१ २
बोल—सु—नो–जी–ओ—ढ़–ली
सरगम—नी—नी–नी–धा—पा–पा
+ + +
ठका—धा—धिं–ना–ता—तिं–ना
ताल—१ २
बोल—ज—ब—हम–ने–लो–ई ।
सरगम—मा—धा—पा–मा–गा–रे ।
९
ठेका—धा–धिं—ना–ता–तिं–ना ।

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

अन्तरा

ताल--१ २ १

बोल--ह--सी--नो--की--स--अ--दा-

सरगम--मा--पा--पा--पा--नी--नी--सा-

+ + ४

ठेका--ता--तिं--ना--धा--धिं--ना--ता-

ताल-- २ १

बोल--चा--हे--ज-अ--क--न--मैं--ऐ।

सरगम--नी--रे--सा-नी-धा--पा--मा--पा।

+ ४ ४ +

ठेका--तिं--ना--धा-धिं-ना-ता-तिं--ना।

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

राग—भैरवी

ताल—कहरवा

मात्रा—८

अर्धमात्रा—१६

समय—प्रातःकाल

(गजल)

ये कैसे बाल बिखरे हैं ये सूरत क्यों बनी गम की।
तुम्हारे दुश्मनों को क्या पड़ी है मेरे मातम की॥
न मिलियेगा न मिलियेगा कोई हम मर न जायेंगे।
खुदा का शुक्र है पहले मोहब्बत आपने कम की॥

(इस गायन में मध्यम सप्तक के पर्दे हैं)

(स्वर)

सा—रे—गा—मा—पा—धा।
+ + +

मध्यम सप्तक का कोमल (काला) पर्दा—रे—गा—धा
+ + +

" " " तीव्र (सफेद) "—सा—मा—पा

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

सरगम–स्थायी

सा–गा–रे–सा–मा–मा मा–मा–मा–गा–गा–मा–
+ + + +
पा–मा–गा–मा–रे–सा–सा–रे–गा–सा–रे–सा ।
+ + + + +
सा–रे–सा–मा–मा–मा–गा–गा–मा–पा–मा–
+ + +
गा–मा–रे–सा–सा–रे–गा–सा–रे–सा ।
+ ÷ + + +

सरगम–अन्तरा

धा–पा–पा–धा–पा–गा–पा–पा–पा–मा–मा–पा–धा–
+ + + +
धा–पा–गा–मा–पा–धा–पा–मा ।
+ + +
सा–रे–सा–मा–मा–मा–गा–मा–पा–मा–गा–
+ + +
रे–सा–सा–रे–गा–सा–रे–सा ॥
+ + + +

(ताल, बोल, सरगम और मात्रा ठेका)

स्थाई

ताल—सम २
मात्रा—१—२—३—४—५—६
बोल—थे—कै—इ—से—बा—ल
सरगम—सा–गा—रे—सा–मा–मा
+ +
ठेका—धा–धी—न–धी—न—क

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

हारमोनियम मास्टर

ताल— १ सम

मात्रा—७—८—१—२—३—४—५—

बोल—बि—ख—रे—ए—हैं-ये-ए—

सरगम—मा—मा-मा—गा-गा-मा-पा

+ +

ठेका—ध—ट—धा—धी—न—धी-न

ताल— १ सम—

मात्रा—६—७—८—१—२—३—४—५—६—७—८

बोल—ए—सू—उ—र—अत्-क्यों—ब—नी—ग—म—की।

सरगम—मा—गा—मा—रे—सा—सा—रे—गा—सा—रे—सा।

+ + + + +

ठेका—क—ध—ट—धा—धी—न—धी—न—क—ध—ट।

ताल—१ सम

मात्रा—१—२—३—४—५—६—७—८

बोल—तु—म्हा—रे—दु—श्म—नों—को—क्या—

सरगम—सा—रे—सा—मा—मा—मा—गा—गा—

+ + +

ठेका—धा—धी—न—धी—न—क—ध—ट—

ताल—सम २

मात्रा—१—२—३—४—५।

बोल—आ—आ—प—ड़ी—ई।

सरगम—मा—पा—मा—गा—मा।

+

ठेका—धा—धी—न—धी—न।

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

हारमोनियम मास्टर

ताल— १ सम

मात्रा—६—७—८—१—२—३—४—५।

बोल—है—ए—मे—रे—मा—त—म—की।

सरगम—रे—सा—सा—रे—गा—सा—रे—सा।

\+ + + +

ठेका—क—ध—ट—धा—धी—न—धी—नक।

अन्तरा

ताल—१ सम

मात्रा—१—२—३—४—५—६—७—८—

बोल—न—मि—लि—ये—गा—न—मि—लि—

सरगम—धा—पा—पा—धा—पा—गा—पा—पा—

\+ + +

ठेका—धा—धी—न—धी—न—क—ध—ट—

ताल—सम १

मात्रा—१—२—३—४—५—६—७—८—

बोल—ये—ए—गा—आ—आ—को—ई—हम—

सरगम—पा—मा—मा—पा—धा—धा—पा—गा—

\+ + +

ठेका—धा—धी—न—धी—न—क—ध—ट—

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

हारमोनियम मास्टर

ताल—सम

मात्रा—१—२—३—४—५।

बोल—मर—न-जा—यें—गे।

सरगम—मा-पा-धा—पा—मा।

\+

ठेका—धा-धी-न—धी—न।

ताल—सम १

मात्रा—१—२—३—४—५—६—७—८—

बोल—खु-दा-का—शु—क्र—है—प—ह—

सरगम—सा-रे-सा—मा—मा-मा-गा—मा—

\+ +

ठेका—धा-धी-न—धी—न—क—ध—ट—

ताल—१ सम

मात्रा—१—२—३—४—५—६—७—८—

बोल—ले-मो—ह—ब्ब—त-आ—प—ने—

सरगम—पा-मा-गा—रे—सा-सा-रे—गा—

\+ + + +

ठेका—धा-धी-न—धी—न-क—ध—ट—

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

हारमोनियम मास्टर

ताल—१

मात्रा—१—२—३ ।

बोल—क—म—की ।

सरगम—सा—रे—सा

+

ठेका—धी-न-धी ।

नोट—पहले सरगम अच्छी तरह बजा लीजिये फिर गाना बजाइये जिससे सरगम याद हो जाय और बजाने में असुविधा उत्पन्न न हो ।

मात्रा—मात्रा से अर्धमात्रा दून में होती हैं । ८ मात्रा की अर्धमात्रा १६ अर्थात् १ मात्रा पर दो मात्रा—

मात्रा—१—२—३—४—५—६—७—८

अर्धमात्रा—१,२-३,४-५,६-७,८-९,१०-११,१२-१३,१४-१५,१६

स्वर पहिचानने के निशान भली भाँति याद होने चाहिये नहीं तो बजानाही नहीं वरन् स्वर पहिचानना भी असम्भव है ।

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

राग–पीलू ।

ताल–कहरवा ।

मात्रा—८

अर्धमात्रा–१६

ठुमरी ।

गोरी धीरे चलो गगरी छलक न जाय ।
सिर पर घड़ा घड़े पर गागर, पतलीकमर बल खाय न जाय ।
(इस गायन में प्रथम सप्तक और मध्यम सप्तक के पर्दे हैं ।)

स्वर—नी–सा–रे–गा–मा–पा–धा ।
४ + +

प्रथम सप्तक का तीव्र (सफेद) पर्दा नी ।
४

मध्यम सप्तक का कोमल (काला) पर्दा गा—धा ।
+ +

मध्यम सप्तक का तीव्र (सफेद) पर्दा सा–रे–मा–पा ।

सरगम स्थायी ।

नी–सा–रे–गा–रे–गा–सा–रे–पा–मा–गा–रे–सा–नी–सा ।
४ +

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

सरगम अन्तरा

नी–सा–गा–मा–पा–पा–गा–गा–मा–पा–गा–रे–सा,
४ + + + +
गा–मा–पा–पा–पा–पा–धा–पा–गा–गा–मा।
+ + + +

(ताल, मात्रा, बोल, सरगम औरठेका)

स्थायी

ताल—१ सम
मात्रा—१—२—३—४—५—६—७—८
बोल—गो–री—धी–रे—च—लो—ग–ग–
सरगम—नी–सा—रे–गा—रे–गा—सा–रे–
४ + +
ठेका—धा–धी–न—धी—न–क—ध—ट–
ताल—सम १
मात्रा—१—२—३—४—५—६—७—८–
बोल—री—छ—ल—क—ना–जा–जा—य–
सरगम—पा—मा–गा—रे–सा–नी–सा–सा–
+ ४
ठेका—धा–धी—न—धी–न–क–ध–ट–

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

अन्तरा

ताल—१ सम
मात्रा—१—२—३—४—५—६—७—८—
बोल—सि—र—प—र—घ—ड़ा—घ—ड़े—
सरगम—गी—सा—गा—मा—पा—पा—गा—गा—
४ + + + +
ठेका—धा—धी—न—धी—न—क—ध—ट—
ताल—सम १
मात्रा—१—२—३—४—५—
बोल—प—र—गा—ग—र,—
सरगम—मा—पा—गा—रे—सा—
+
ठेका—धा—धी—न—धी—न—
ताल—१ सम
मात्रा—६—७—८—
बोल—प—त—ली—
सरगम—गा—मा—पा—
+
ठेका—क—ध—ट—
ताल—सम १
मात्रा—१—२—३—४—५—६—७—८
बोल—क—म—र—व—ल—खाय-ना-जाय ॥
सरगम—पा—पा—पा—धा—पा—गा—गा—मा ॥
+ + +
ठेका—धा—धी—न—धा—न—क—ध—ट

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

राग–भैरवी

ताल–दादरा

मात्रा–६

अर्धमात्रा–१२

समय—प्रातःकाल।

गायन

आये ना वीरन तोर री ननदिया रे, जिया न माने न मोर।
रघु पिया तोरे गुन नहीं जाने रे हाँ। लाख कही कर जोर री॥

(इस राग में सप्त स्वर हैं। गायन में प्रथम सप्तक
और मध्यम सप्तक के पर्दे हैं।)

स्वर—(धा)–सा–रे–गा–मा–पा–धा–नी।

o + + + +

मध्यम सप्तक का कोमल (काला) पर्दा–रे–गा–धा–नी।

+ + + +

मध्यम सप्तक का तीव्र (सफेद)–पर्दा—सा–मा–पा।

प्रथम सप्तक का कोमल (काला)–पर्दा—धा।

o

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

हारमोनियम मास्टर

सरगमस्थायी

पा-पा-पा-पा-धा-नी-पा-धा-पा-मा-मा-मा-गा-मा-गा-
+ + + + +

रे-गा-रे-सा-रे-सा-सा-मा-मा-पा-गा-मा-गा-रे-सा-सा
+ + + + + + +

सरगम अन्तरा

धा-सा-रे-गा-मा-रे-गा-पा-पा-पा-धा-मा-पा-धा-पा-
० + + + + + +

मा-गा-रे-सा-पा-पा-धा-पा-धा-नी-पा-धा-पा-मा-पा
+ + + +

(ताल मात्रा बोल सरगम और ठेका)

स्थायी

ताल—१ २
मात्रा—१—२—३—४—५—६
बोल—आ-ये-ना-वी—र—न—
सरगम—पा—पा-पा-पा-धा—नी—
+ +
ठेका—धा-धिं-ना-ता-तिं-ना—

ताल—१ २
मात्रा—१—२—३—४—५—६
बोल—तो-ओ—र-री—ई—न-
सरगम—पा-धा—पा-मा—मा-मा-
+
ठेका—धा-धिं-ना-ता-तिं-ना-

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

ताल—१ २
मात्रा—१—२—३—४—५—६
बोल—न—दि—या—आ—आ—रे—
सरगम—गा—मा—गा—रे—गा—रे—
+ + + + +
ठेका—धा—धिं—ना—ता—तिं—ना—
मात्रा—१—२—३—४—५—६
बोल—ए—ए—ए—जि—या—ना—
सरगम—सा—रे—सा—सा—मा—मा
+
ठेका—धा—धिं—ना—ता—तिं—ना—
ताल—१ २ १
मात्रा—१—२—३—४—५—६—१
बोल—आ—मा—आ—ने—न—मो—र।
सरगम—पा—गा—मा—गा—रे—सा—सा।
+ + +
ठेका—धा—धिं—ना—ता—तिं—ना—धा।

अन्तरा

ताल—१ २
मात्रा—१—२—३—४—५—६
बोल—र—घु—पि—या—आ—तो—
सरगम—धा—सा—रे—गा—मा—रे—
० + +
ठेका—धा—धिं—ना—ता—तिं—ना—

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

ताल—१ २

मात्रा—१—२—३—४—५—६—

बोल—रे—गु—न—न—हीं—जा—

सरगम—गा—पा—पा—पा—धा—मा—

\+ +

ठेका—धा—धिं—ना—ता—तिं—ना—

ताल—१ २ १

मात्रा—१—२—३—४—५—६—१

बोल—आ—आ—आ—आ—ने—रे—हा ।

सरगम—पा—धा—पा—मा—गा—रे—सा ।

\+ + +

ठेका—धा—धिं—ना—ता—तिं—ना—धा ।

ताल— २

मात्रा—२—३—४—५—६

बोल—ला—ख—क—ही—क—

सरगम—पा—पा—धा—पा—धा—

\+ +

ठेका—धिं—ना—ता—तिं—ना—

मात्रा—१—२—३—४—५—६

बोल—र—जो—ओ—री—री—ई ॥

सरगम—नी—पा—धा—पा—मा—पा ॥

\+ +

ठेका—धा—धिं—ना—ता—तिं—ना ॥

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

राग-जिल्हा

ताल-दादरा

मात्रा-६

अर्धमात्रा-१२

(गाना)

आन वान जिया में लागी
प्यारे चित चोर,
मन में वसी कैसी फँसी।
पड़न लागी छिपके पैयाँ,
तुम रहो मेहरवान सैयाँ।
तुम बिन मोहें कल ना पड़े,
तुम्हारे कारन जायेंगे जिया॥

(इस गायन में प्रथम सप्तक और मध्यम सप्तक के पर्दे हैं)

स्वर—सा-रे-गा-मो-पा-धा-नी।

प्रथम सप्तक का कोमल (काला) पर्दा नी।

o

मध्यम सप्तक का कोमल (काला) पर्दा-गा।

+

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

सरगम स्थायी

रे–सा–गा–रे–नी–सा–रे–नी–धा–नी–मा–नी–धा–नी–सा ।
+ ० ० ० ० ०
गा–रे–सा–नी–धा–नी–गा–रे–सा–नी–धा–नी
० ० + ० ०

सरगम अन्तरा

सा–सा–सा–गा–रे–गा–गा–मा–पा–गा–मा ।
सा–गा–गा–मा–पा–मा–गा–सा–रे–सा ।
+
सा–पा–पा–पा–गा–मा–गा–रे–सा–रे–सा ।
+
गा–रे–सा–नी–धा–नी–रे–सा–रे–गा ॥
+ ० ० +

(ताल, मात्रा, बोल, सरगम और ठेका)

स्थायी

ताल—१ २
मात्रा—१—२—३—४—५—६—
बोल—आ—न—वा—न—जि—या—
सरगम—रे—सा—गा—रे—नी—सा—
+ ०
ठेका—धा—धिं—ना—ता—तिं—ना—

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

हारमोनियम मास्टर

ताल—१ २

मात्रा—१—२—३—४-

बोल- मैं—ला-आ—गी ।

सरगम—रे—नी—धा-नी ।

० ०

ठेका—धा-धिं-ना—ता ।

ताल— . . १

मात्रा—५—६—१—२—३

बोल—प्या-रे-चि-त-चोर ।

सरगम—मा-नी—धा-नी-सा ।

० ०

ठेका—तिं—ना-धा-धिं-ना ।

ताल—२ १ २ १

मात्रा—४—५—६—१—२—३—४—५—६—१—२—३

बोल—म—न—मैं—व-सी-ई—कै—ए-सी-फँ—सी-ई ॥

सरगम—गा-रे-सा-नी-धा-नी-गा-रे-सा-नी-धा-नी ॥

+ ० ० + ० ०

ठेका—ता-तिं-ना-धा-धिं-ना-ता-तिं-ना-धा-धिं-ना ॥

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

अन्तरा

ताल—१ २ १ २

मात्रा—१--२—३--४—५ -६--१—२--३—४—५

बोल—प—ड़—न—ला—आ—गी—छि—प—के—प—याँ ।

सरगम—सा—सा—सा—गा-रे—गा—गा—मा—पा—गा-मा ।

ठेका—ता-तिं—ना-धा-धिं-ना—ता-तिं—ना—धा-धिं ।

ताल— १ २ १

मात्रा—६--१—२--३—४—५--६—१—२—३

बोल—तु—म—र—हो—मे-हर—वा—न—सै-याँ ।

सरगम—सा—गा—गा—मा—पा-मा—गा-सा—रे-सा ।

+

ठेका—ना-ता—तिं-ना-धा-धिं—ना-ता-तिं-ना ।

ताल—२ १ २ १

मात्रा—४—५—६—१—२—३—४—५—६—१—२

बोल—तु—म—बि—न—मो—हें—क—ल—ना—प—ड़े

सरगम—सा-पा-पा—पा—गा—मा-गा—रे—सा-रे—सा

+

ठेका—धा-धिं-ना-ता-तिं—ना-धा-धिं-ना-ता-तिं ।

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

हारमोनियम मास्टर

ताल— २ १ २

मात्रा—३—४—५—६—१—२—३—४—५—६

बोल—तु-म्हा-रे-का-र-न-जा-यँ गे-जि-या ॥

सरगम—गा—रे-सा-नी-धा-नी—रे—सा—रे-गा ॥

\+ ० ० +

ठेका—ना-धा-धिं-ना-ता-तिं-ना—धा-धिं-ना ॥

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

राग–देश

ताल–दादरा

मात्रा—६

अर्धमात्रा–१२

(गाना)

मानत नाहीं लँगर घटी करत रार मग में ।
ऐसोरी घटी नन्द के लाल नाहीं मानत रँग में ॥
वाट चलत छेड़त कान्ह, वृजकिशोर मुकुटधार ।
करके कान्ह वृज विहार, आये मग मग में ॥

(इस गायन में प्रथम सप्तक मध्यम सप्तक और तार सप्तक के पर्दे हैं)

आरोह

सा—रे—मा—पा—नी—सा ।

अवरोह

सा–नी–धा–पा–मा–गा–रे–सा ।
+

प्रथम सप्तक का तीव्र (सफेद) पर्दा—नी ।
४

मध्यम » » कोमल (काला) पर्दा—नी ।
+

तार सप्तक » तीव्र (सफेद) पर्दा—सा–रे–
४ ४

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

हारमोनियम मास्टर

सरगम स्थायी

सा-नी-रे-सा-नी-धा-प-ध-प-म-गा-मा-रे-सा-
ऽ ऽ ऽ +
ना-सा-मा-गा-रे-म-म-म-पा-धा-नी-सा-नी-
४
सा-सा-सा-नी-सा-नी-सा-नी-धा-पा ।
ऽ ऽ ४ ऽ ऽ +

सरगम अन्तरा

रे-मा-पा-नी-नी-नी-सा-रे-सा-सा ।
ऽ ऽ ऽ ऽ
पा-नी-सा-रे-सा-नी-सा-रे-नी-धा-पा ।
ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ
मा-रे-मा-मा-पा-नी-धा-पा-मा-पा ।
रे- +
रे-मा-पा-पा-मा-गा-रे ॥

(ताल, मात्रा, बोल, सरगम और ठेका)

स्थाई

ताल—१ २ १ २
मात्रा—१—२—३—४—५—६—१—२—३—४
बोल—मा-न—त—ना-आ—हीं—लँ—ग—र—धो
सरगम—सा—नी—रे-सा—नी-धा—पा-धा—पा-मा
ऽ ऽ ऽ +
ठेका—धा-धिं-ना-ता-तिं-ना-धा-धिं-ना-ता

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

हारमोनियम मास्टर

ताल— १ २ १

मात्रा—५—६—१—२—३—४—५—६—१—२—३

बोल—ई—ट—क—र—त—रा—आ—र—म—ग—में।

सरगम—गा—मा—रे—गा—रे—सा—नी—सा—मा—गा—रे।

४

ठेका—तिं—ना—धा—धिं—ना—ता—तिं—ना—धा—धिं—ना।

ताल—२ १ २ १

मात्रा—४—५—६—१—२—३—४—५—६—१

बोल—ऐ—सो—री—धी—ट—न—न्द—के—ला—ल

सरगम—मा—मा—मा—पा—धा—नी—सा—नी—सा—सा—

४ ४

ठेका—ता—तिं—ना—धा—धिं—ना—ता—तिं—ना—धा—

ताल— २ १

मात्रा—२—३—४—५—६—१—२—३

बोल—ना—हीं—मा—न—त—रं—ग—में।

सरगम—सा—नी—सा—नी—सा—नी—धा—पा।

४ ४ ४ +

ठेका—धिं—ना—ता—तिं—ना—धा—धिं—ना।

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

अन्तरा

ताल—१ २ १ २

मात्रा—१—२—३—४—५—६—१—२—३—४

बोल—वा—ट—च—ल—त—छे—ड़—त—का—न्ह।

सरगम—रे—मा—पा—नी—नी—नी—सा—रे—सा—सा।

ठेका—ता—तिं—ना—धा—धिं—ना—ता—तिं—ना—धा।

ताल— १ २ १

मात्रा—५—६—१—२—३—४—५—६—१—२—३

बोल—वृ—ज—कि—शो—र—मु—कु—ट—धा—आ—र।

सरगम—पा—नी—सा—रे—सा—नी—सा—रे—नी—धा—पा।

ठेका—धिं—ना—ता—तिं—ना—धा—धिं—ना—ता—तिं—ना।

ताल—२ १ २ १

मात्रा—४—५—६—१—२—३—४—५—६—१—२

बोल—क—र—के—का—न्ह—न—वृ—ज—वि—हा—र।

सरगम—रे—मा—रे—मा—मा—पा—नी—धा—पा—मा—पा।

ठेका—ता—तिं—ना—धा—धिं—ना—ता—तिं—ना—धा—धिं।

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

हारमोनियम मास्टर

ताल— २ १

मात्रा—३—४—५—६—१—२—३

बोल—आ—ये—म—ग—म—ग—में ॥

सरगम—रे—मा—पा—पा—मा—गा—रे ॥

ठेका—ना—ता—तिं—ना—धा—धिं—ना ॥

नोट—उपरोक्त गायन में आरोह में—गान्धार—[गा]—और धैवत—[धा] नहीं लगता है। परन्तु अवरोह में सब स्वर लगते हैं।

१ आरोह और अवरोह का बयान पिछले किसा पृष्ठ में हो चुका है।

२ सब से पहले सरगम बजाइये फिर गाने पर झुकिये।

३ तबले के साथ हारमोनियम बजाइये।

४ यदि तबले का साथ न हो सके तो गाना बजाते समय पैर से ताल दीजिये।

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

रागिनी-भैरवी

ताल-कहरवा

मात्रा—८

अर्धमात्रा-१६

(गायन)

बहुतेरा समझायो री लाखन वार ॥
लाख कही मोरी एक न मानी।
समझ समझ पछतायो री लाखन वार ॥

(इस गायन में मध्यम सप्तक और तार सप्तक के पर्दे हैं)

स्वर—सा-रे-गा-मा-पा-धा-नी-सा।
+ + + + ९

मध्यम सप्तक का कोमल पर्दा—रे-गा-धा-नी।
+ + + +

तार „ „ „ „—रे
–

„ „ „ तीव्र (सफेद) पर्दा—सा।
९

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

हारमोनियम मास्टर

सरगम स्थायी

पा–पा–धा–पा–मा–गा–गा–सा–सा–गा–
+ + + +
मा–गा–मा–पा–गा–रे–सा–रे–सा ।
+ + +

सरगम अन्तरा

गा–मा–धा–नी–सा–रे–सा–नी–सा–सा–रे–सा–
+ + + ९ – ९ + ९ ९ – ९
नी–धा–पा । पा–पा–पा–पा–पा–धा–पा–मा–गा–
+ +
सा–सा–गा–मा–गा–मा–पा–गा–रे–सा–रे–सा ।

(ताल, मात्रा, बोल, सरगम और ठेका)

स्थायी

ताल—१ सम १
मात्रा—१—२—३—४—५—६—७—८—१—
बोल—बहु–ते–रा—आ–आ–स—म—अ—झा—
सरगम—पा–पा–धा—पा–मा–गा—गा–सा–सा—
+ + +
ठेका—धा–धी–न—धी–न–का—ध–ट—धा—

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

ताल— सम १

मात्रा—२—३—४-५-६-७—८—१—२—३

बोल—ओ-ओ-री-ई-ई-ला-आ-ख—न-धार।

सरगम—गा—मा-गा-मा-पा-गा-रे—सा—रे-सा।

\+ + + ÷

ठेका—धी—न-धी-न-क-ध—ट—धा-धी-न।

अन्तरा

ताल—सम १

मात्रा—१—२—३—४—५—६—७—८—

बोल—ला-आ-ख—क—ह्री-मो-री—ए—

सरगम—गा—मा-धा-नी-सा—रे-सा—नी

\+ + + + — ९ +

ठेका—धा-धी-न-धी—न—क-ध—ट—

ताल—सम १

मात्रा—१—२—३—४—५—६—७

बोल—क—न—मा-आ-आ-नी—ई।

सरगम—सा-सा—रे—सा—नी-धा-प।

९ ९ — ९ + +

ठेका—धा-धी—न—धी-न—क-ध।

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

हारमोनियम मास्टर

ताल-- सम १

मात्रा—द—१—२—३—४—५—६—७—

बोल—स—म-झ—स-म-झ—अ—अ—

सरगम—पा—पा-पा-पा—पा-धा-पा-मा—

ठेका—ट—धा-धी-न—धी—न—क-ध—

ताल— सम १

मात्रा—द—१—२—३—४—५—६—७—

बोल—प—छ—ता—यो-ओ—री—ई—ई—

सरगम—गा—सा-सा—गा-मा—गा—मा-पा—

ठेका—ट-धा—धी—न—धी—न—क—ध—

ताल— सम

मात्रा—द—१—२—३—४ ॥

बोल—ला-आ-ख—न-वार ॥

सरगम—गा—रे-सा—रे—सा ॥

ठेका—ट—धा-धी-न—धी ॥

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

राग-भैरवी

ताल-तृताल

मात्रा-१६

अर्धमात्रा-३२

समय—प्रातःकाल

(गाना)

१ किस तरह चलने पै तैयार मेरी जान हूं मैं।
२ तू परीज़ाद है चालाक और इंसान हूँ मैं॥
३ उड़के तू जायगी इक पल में परस्तान के बीच।
४ हाथ फैलाके मैं रह जाउँगा अरमान के बीच॥
५ कोई उड़ चलने की तदबीर बतादे मुझको।
६ पर किसी देव के तू नोच के लादे मुझको॥

[इस गायन में मध्यम सप्तक और तार सप्तक के पर्दे हैं]

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

हारमोनियम मास्टर

(स्वर)

गा—मा—पा—धा—नी—सा—रे।
+ + + + ९ –

मध्यम सप्तक का कोमल (काला) पर्दा–गा–पा–धा–नी।
+ + + +

तार „ „ „ „ „–रे।
–

„ „ „ तीव्र (सफेद) „–सा।
९

सरगम–स्थायी

गा–मा–धा–नी–नी–नी–नी–सा–धा–नी–सा–रे–सा–नी–धा।
+ + + + + + ९ + + ९ – ९ + +

सरगम–अन्तरा

सा–सा–रे–सा–नी–धा–नी–धा–
९ ९ – ९ + + + +

मा–मा–मा–गा–धा–मा–मा।
+ +

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

हारमोनियम मास्टर

(ताल, मात्रा, बोल, सरगम और ठेका)

स्थायी

(१) ताल—१ २

मात्रा—१—२—३—४—५—६—७

बोल-किस-त-रह-चलने पै तई—

सरगम—गा-मा-धा-नी-नी-नी-नी—

\+ + + + + +

ठेका—ता-तिं-तिं-ता-धा-धिं-धिं—

ताल— ३ ४ खाली

मात्रा—८—९-१०-११-१२-१३-१४-१५

बोल—या-र-मे—री-जान हूँ-ऊँ-मैं।

सरगम—सा-धा-नी-सा—रे-सा-नी-धा।

ऽ + + ऽ - ऽ + +

ठेका—ता-धा-धिं-धिं—ता-धा-धिं-धिं।

(२) ताल—१ २

मात्रा—१—२—३—४—५—६—७—८

बोल—तू पर—ई-जा—द—है-चा-ला-

सरगम—सा-सा-रे-सा-नी-धा-नी-धा-

ऽ ऽ - ऽ + + + +

ठेका—ता-तिं-तिं-ता-धा-धिं-धि-ता-

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

ताल—३ ४ खाली

मात्रा—९-१०—११-१२—१३-१४-१५-१६

बोल—क-और-इन-सान-हूँ-ऊं—ऊं-मैं ॥

सरगम—मा-मा—मा—गा-धा-मा—मा-मा ॥

÷ +

ठका—धा-धिं—धिं-ता-धा-धिं—धिं-ता ॥

नोट—उड़के तू जायगी ..... स्थायी के सरगम पर वजाइये ।

हाथ फैला के मैं ..... अन्तरे के " " "

उपरोक्त स्थायी और अन्तरे के नियम के अनुसार शेष गायन वजेगा ।

सबसे पहले सरगम कमसे कम दस वीस बार वजाइये और साथही सरगम मुह से भी कहते जाइये जिससे हर एक सप्तक के पर्दों की आवाज ध्यान में आजावे ।

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

रागिनी—काफी

ताल—तृताल

मात्रा—१६

अर्धमात्रा—३२

(गाना)

बाजी बाजी बन्सी अधर श्याम,
कि बरन मोरी निंदिया गमाये डारी।
नाहीं कल कैसे जाऊं पड़त मोहन,
बिन दरस तिहारे॥
सुनत मधुर धुन हरत मुनिन मन,
कैसे जाऊं मिलने को
जिया की कसक मैं तो बिरह की मारी॥

(इस गायन में प्रथम सप्तक मध्यम सप्तक और तार सप्तक के पर्दे हैं। जिस स्वर के नीचे कुछ निशान न हों वह शुद्ध (सफेद) पर्दे हैं।)

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

हारमोनियम मास्टर

स्वर—सा—रे—गा—मा—पा—धा—नी—सा।
+ ० ०

प्रथम सप्तक का कोमल (काला) पर्दा—नी।
०

मध्यम „ „ „ „ गा—नी।
+ +

तार सप्तक का तीव्र (सफेद) पर्दा—सा—रे।
० ०

सरगम स्थायी

सा—नी—सा—रे—रे—गा—मा—पा—मा—पा।
४ +

पा—धा—मा—पा—गा—मा—पा—धा—नी—सा—नी—धा—पा—पा।
+ ० +

मा—नी—धा—नी—पा—धा—मा—पा—गा—मा—गा
+ +

पा—मा—मा—गा—रे—सा—रे—गा—मा—गा—रे॥
+ + +

सरगम अन्तरा

गा—मा—धा—नी—सा—नी—सा—सा—सा—नी
० ० ० ०

सा—रे—सा—नी—धा—धा।
० ० ० +

सा—नी—सा—सा—नी—धा—नी—पा—गा—मा—गा
+ +

पा—गा—मा—गा—रे—सा—रे—गा—मा—गा—रे।
+ + +

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

हारमोनियम मास्टर

(ताल, मात्रा, बोल, सरगम और ठेका)

स्थाई

ताल—१ २ ३ सम

मात्रा—१—२—३—४—५—६—७—८—९—१०

बोल—बा—जी—बा—जी—वं—सी—अ—ध—र—श्याम ।

सरगम—सा—नी—सा—रे—रे—गा—मा—पा—मा—पा ।

० +

ठेका—धा—धिं—धिं—ता—ता—तिं—तिं—ता—धा—धिं ।

ताल— ४ खाली

मात्रा—११—१२—१३—१४—१५—१६

बोल—कि—व—र—न—मो—री

सरगम—पा—धा—मा—पा—गा—मा—

ठेका—धिं—ता—धा—धिं—धिं—ता—

ताल—१ २

मात्रा—१—२—३—४—५—६—७—८

बोल—नि—न्दि—या—ग—मा—ये—डा—री ।

सरगम—पा—धा—नी—सा—नी—धा—पा—पा ।

+ ९ +

ठेका—ता—तिं—तिं—ता—धा—धिं—धिं—ता ।

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

ताल—३ सम ४ खाली

मात्रा—९-१०-११-१२-१३-१४-१५-१६-

बोल—ना-ही-क-ल-कै-से-जा-ऊँ-

सरगम—मा-नी-धा-नी-पा-धा-मा-पा-

\+ +

ठेका—धा-धिं-धिं-ता-धा-धिं-धिं-ता-

ताल—१ २ ३ सम

मात्रा—१—२—३—४—५—६—७—८—९-

बोल—प—ड़—त—मो—ह—न—वि—न—द-

सरगम—गा—मा—गा—पा—मा—मा—गा—रे—सा-

\+

ठेका—धा-धिं-धिं-ता-धा-धिं-धिं-ता-धा-

ताल— ४ खाली

मात्रा—१०-११-१२-१३-१४-१५-१६

बोल—ह—स—ति-हा—रे—ए—ए-

सरगम—रे—गा- मा-गा—रे—रे—रे ।

\+ +

ठेका—धिं-धिं-ता-ता-तिं-तिं-ता ।

स्वर के नीचे जो सप्तक के स्वर पहिचानने के निशान हैं भली भाँति ध्यान में रखिये । प्रथम स्थायी और अन्तरे के सरगम बजाते समय मुँह से भी कहते जाइये फिर गाना बजाइये ।

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

अन्तरा

ताल—१ २

मात्रा—१—२—३—४—५—६—७—८

बोल—सु—न—त—म—धु—र—धु—न—

सरगम—गा—मा—धा—नी—सा—नी—सा—सा—

४ ४ ४

ठेका—धा—धिं—धिं—ता—धा—धिं—धिं—ता—

ताल—३ ४ खाली

मात्रा—९—१०—११—१२—१३—१४—१५—१६—

बोल—ह—र—त—मु—नि—न—म—न।

सरगम—सा—नी—सा—रे—सा—नी—धा—धा।

४ ४ ४ ४ +

ठेका—धा—धिं—धिं—ता—धा—धिं—धिं—ता।

ताल—१ २ ३

मात्रा—१—२—३—४—५—६—७—८—९—१०—११

बोल—कै—से—जा—ऊँ,—मि—ल—ने—को,—जि—या—को

सरगम—सा—नी—सा—सा—नी—धा—नी—पा,—गा—मा—गा

+ +

ठेका—धा—धिं—धिं—ता—धा—धिं—धिं—ता—धिं—धिं—धिं

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

हारमोनियम मास्टर

ताल— ४ खाली

मात्रा—१२-१३-१४-१५-१६-

बोल—क—स—क—मैं—तो—

सरगम—पा—गा—मा—गा—रे—

\+

ठेका—ता-धा-धिं-धिं-ता—

ताल—१ २

मात्रा—१—२—३—४—५—६।

बोल—वि—ए-ह—की-मा-री।

सरगम—सा-रे-गा-मा-गा—रे।

\+ \+

ठेका—धा-धिं-धिं-ता-धा-धिं।

CC-0: Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

राग–भीमपलाश्री ।

ताल–तृताल

मात्रा–१६

अर्धमात्रा–३२

समय—

ठुमरी

कृष्ण मुरारी विनती करत कर हारी ।
चुरियाँ करकी वँगुरी मुरकी छतिया धरकी लाज न आयी ॥
निठुर कन्हाई ठिठोली करत डरत नाहीं मैं तो हारी ।
सबही नर नारी देखत लाज आत इतउत काहेको मोसे करत ॥
आये सो जाने दे अबकी बार मिलोगी रात सुनूँगी बात ।
रहोंगी साथ घरको जाने दे बतिया आने दे ।
सास सुने तो देंगी गारी ॥

(इस गायन में प्रथम सप्तक मध्यम सप्तक और तार सप्तक के पदें हैं)

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

आरोह और अवरोह में रिषभ (रे) और धैवत (धा) वर्ज करना पड़ता है। परन्तु गाते समय रे और धा दोनों स्वर लगाते हैं।

(जिन स्वरों के नीचे कोई भी निशान न हों उन्हें तीव्र (सफेद) पर्दे समझिये।)

स्वर

आरोह—सा—गा—मा—पा—नी—सा।
+ + ♯

अवरोह—सा—नी—पा—मा—गा—सा।
♯ + +

प्रथम सप्तक कोमल (काला) पर्दा—नी।
०

मध्यम " " " —गा—धा नी—
+ + +

तार सप्तक " " —रे—गा—
— —

तार सप्तक का तीव्र (सफेद) पर्दा—सा—रे—मा—पा।
♯ ♯ ♯ ♯

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

हारमोनियम मास्टर

सरगम स्थायी

[१]–नी–नी–पा–नी–पा–गा–मा–पा–नी–नी–पा–गा–गा–नी–सा
+ + + + +

[२]–नी–सा–सा–गा–सा–गा–मा–पा–पा–नी–पा–नी।
० + + + +

[३]–पा–नी–पा–नी–सा–सा–नी–सा–गा–गा–गा–सा–नी–पा।
+ + ह ह + ह ह ह ह +

[४]–पा–सा–सा–सा–नी–सा–पा–सा–सा–सा–नी–सा–पा–नी–पा
ह ह + ह ह ह ह + ह +

मा–मा–पा–गा–गा–गा–नी–नी–सा।
+ + + ० ०

सरगम अन्तरा

(१) मा–मा–मा–पा–पा–नी–पा–नी–सा–सा–गा–गा–नी–सा।
ह ह – ह + ह

(२) नी–सा–गा–मा–पा–मा–पा–गा–मा–गा–सा–सा।
+ ह – ह ह ह ह – ह – ह ह

(३) सा–नी–पा–मा–पा–नो–पा–मा–गा–सा।
ह + + +

(४) पा–सा–सा–सा–सा–नी–सा–नी–सा–सा।
ह ह ह ह + ह ह

(५) मा–पा–मा–पा–पा–मा–मा–मा–पा–पा–नी।
+

(६) पा–नी–सा–सा–नी–सा–मा–सा–सा–नी–पा–मा–पा–गा–मा
+ ह ह + ह ह ह + + +

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

हारमोनियम मास्टर

(ताल, मात्रा, बोल, सरगम और ठेका)

स्थायी

(१) ताल—१ २

मात्रा—१—२—३—४—५—६—७—८—

बोल—कृ—ष्ण—मु—रा—री—वि—न—ती-

सरगम—नी—नी—पा—नी—पा—गा—मा—पा-

\+ + + +

ठेका—ता—तिं—तिं—ता—धा—धिं—धिं—ता-

ताल—३ ४ खाली

मात्रा—९—१०—११—१२—१३—१४—१५

बोल—क—र—त—क—र—हा—री।

सरगम—नी—नी—पा—गा—गा—नी—सा।

\+ + + +

ठेका—धा—धिं—धिं—ता—धा—धिं—धिं।

(२) ताल— १ २ ३

मात्रा—१६—१—२—३—४—५—६—७—८—९—१०—११

बोल—चु—रि—याँ—क—र—की—वँ—गु—री—मु—र—की।

सरगम—नी—सा—सा—गा—सा—गा—मा—पा—पा—नी—पा—नी।

० + + + +

ठेका—ता—धा—धिं—धिं—ता—धा—धिं—धिं—ता—धा—धिं—धिं-

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

(३) ताल— ४ खाली १

मात्रा—१२-१३-१४-१५-१६-१-

बोल—छ—ति—या-ध—र-की-

सरगम—पा—नी-पा-नी-सा-सा-

\+ + ० ०

ठेका—ता—धा-धिं-धिं-ता-धा-

ताल— २ ३

मात्रा—२—३—४—५—६—७—८—९

बोल—ला-आ-आ-आ-ज—न—आ-ई ।

सरगम—नी—सा-गा-गा-गा—सा—नी-पा ।

\+ ० ० - ० ० +

ठेका—धि-धिं-ता-धा-धिं-धिं-ता-धा ।

(४) ताल— ४ खाली १

मात्रा—१०-११-१२-१३-१४-१५-१६-१-२-

बोल—नि-ठु-र-क-न्हा-ई—ठि—ठो-ली-

सरगम—पा-सा-सा-सा-नी-सा-पा-सा-सा-

\- ० ० + ० ० ०

ठेका—धिं-धिं-ता-धा-धिं-धिं-ता-धा-धिं-

ताल— २ ३

मात्रा—३—४—५—६—७—८—९-१०-११-

बोल—क—र—त—ड—र—त—ना-आ-ई-

सरगम—सा—नी-सा—पा—नी-पा—मा-मा-पा-

० + ० +

ठेका—धिं-ता-धा—धिं-धिं-ता-धा-धिं-धिं-

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

ताल— ४ खाली १

मात्रा—१२-१३-१४-१५-१६—१ ॥

बोल—मैं—ए—तो-हा—आ-री ॥

सरगम—गा—गा—गा-नी—नी-सा ॥

\+ + ० ०

ठेका—ता—धा—धिं-धिं—ता-धा ॥

अन्तरा

(१) ताल—१ २

मात्रा—१—२—३—४-५—६—७—८-

बोल—स—ब-ही—न-र—ना—री—दे-

सरगम—मा—मा-मा—पा-पा-नी—पा—नी-

ठेका—धा-धि-धिं-ता-धा-धिं-धिं-ता-

ताल—३ ४ खाली

मात्रा—९—१०-११-१२-१३-१४

बोल—ख—त—ला-ज—आ-त ।

सरगम—सा-सा—गा-गा-नी-सा ।

\. ४ . ४ ४ ४ + ४

ठेका—धा-धि—धिं-ता-धा-धिं ।

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

(२) ताल— १

मात्रा—१५-१६-१-२-३—४-

बोल—इ—त—उ-त-का-हे-

सरगम—नी-सा-गा-मा-पा-मा-

+ ० — ० ० ०

ठेका—धिं-ता-धा-धिं-धिं-ता-

ताल—२ ३

मात्रा—५—६—७—८—९—१० ।

बोल—को-मो-से—क—र—त ।

सरगम—पा-गा-मा—गा-सा-सा ।

० — ० — ० ०

ठेका—धा-धिं-धिं-ता-धा-धिं ।

(३) ताल— ४ खाली १

मात्रा—११—१२—१३—१४—१५—१६—१—२—३—४

बोल—आये-सो—जा—ने—दे—अ—ब-की—बा—र

सरगम—सा—नी—पा—मा—पा—नी—पा-मा-गा-सा

० + + +

ठेका—धिं—ता—धा—धिं-धिं-ता—धा—धिं-धिं-ता

(४) ताल—२ ३ ४ खाली

मात्रा—५—६—७—८—९—१०-११-१२-१३-१४

बोल—मि-लो-गी—रा-त—सु-नो—गी-बा-त ।

सरगम—पा-सा-सा—सा-सा-नी-सा—नी-सा-सा ।

० ० ० ० ० + ० ०

ठेका—धा-धिं-धिं-ता-धा-धिं-धिं-ता—धा-धिं ।

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

(५) ताल— १ २ ३

मात्रा—१५-१६—१--२--३—४--५—६--७—८—९

बोल—र--हों—गी-सा-थ--घ—र-को—जा—ने—दे ।

सरगम—मा—पा--मा--पा-पा-मा—मा-मा—पा--पा-नी ।

+

ठेका—धिं—ता-धा-धिं-धिं-ता-धा-धिं-धिं-ता-धा ।

(६) ताल— ४ खाली १

मात्रा—१०-११-१२-१३-१४-१५-१६—१

बोल—र—ति--या-आ—ने—दे-सा—स

सरगम—पा—नी-सा-सा—नी-सा-मा—सा

× ० ० + ० ० ०

ठेका—धिं--धिं-ता-धा--धिं-धिं-ता—धा

ताल— २

मात्रा—२—३—४—५—६—७—८

बोल—सु--ने--तो—दें--गी-गा--री ॥

सरगम—सा-नी-पा—मा-पा-गा-मा ॥

० + +

ठेका—धिं-धिं-ता-धा-धिं-धिं-ता ॥

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

रागिनी-देश ।

ताल—तृताल ।

मात्रा-१६

अर्धमात्रा-३२

समय-रात दस बजे ।

(ठुमरी)

पनियां जो भरन गई बीच डगर मोहे घेरे रे ।
ऐसो चञ्चल छैल मोरी मानत नाहीं हाँ,
काहू की कही रे ॥

बाट चलत छेड़त है ग्वालिन ।
ठिठोली करत ऐसो बांको छैल हाँ,
सिर की मटकिया फोर डारी सखीरे ॥

(इस गायन में प्रथम सप्तक मध्यम सप्तक और तार सप्तक के पदें हैं ।)

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

हारमोनियम मास्टर

(जिन स्वरों के नीचे कोई भी निशान न हों उन्हें तीव्र (सफेद) पर्दे समझिये ।)

(स्वर)

आरोह—सा—रे—मा—गा—नी—सा ।

अवरोह—सा—नी—धा—पा—मा—गा—रे—सा ।
+

मध्यम सप्तक का कोमल (काला) पर्दा—नी ।
+

प्रथम " " तीव्र (सफेद) "—नी ।
४

तार " " " "—सा-रे ।
ह ह

सरगम स्थाई

(१) नी-सी-पा-नी-सा-रे-सा-नी-धा-पा-गा-मा,
ह ह ह +

(२) गा-रे-गा-सा-सा-रे-रे-मा-पा-नी-सा-पा ।
ह

(३) मा-गा-रे-गा-रे-मा-गा-रे-नी-सा-रे-मा-मा-पा-नी-सा
४ ह

(४) सा-नी-सा-सा-रे-सा-नी-धा-पा ॥
ह ह ह ह ह +

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

हारमोनियम मास्टर

सरगम अन्तरा

(१) मा-मा-मा-पा-पा-नी-पा-नी-सा-रे-सा-नी-सा- रे
ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ

(२) पा-सा-नी-सा-नी-सा-नी-सा-रे-सा-नी-धा-नी-पा ।
ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ + +

(३) रे-रे-मा-मा-पा-पा-नी-सा-नी-सा-नी-सा-सा-रे-सा-नी-धा- पास

(ताल, मात्रा, बोल, सरगम और ठेका)

स्थायी

(१) ताल—१ २ ३

मात्रा—१—२—३—४—५—६—७—८—९—१०—११—१२

बोल—ए—नि—या—आ—आ—आ—जो—भ—र—न—ग—ई,

सरगम—नी—सा—पा—नी—सा—रे—सा—नी—धा—पा—गा—मा,
ऽ ऽ ऽ ऽ +

ठेका—धा-धिं-धिं-ता-धा-धिं-धिं-ता-धा- धिं-धिं-ता

(२) ताल—४ खाली १ २

मात्रा—१३-१४-१५-१६-१—२—३—४—५—६—७—८

बोल—वो—ई—ई—च-ड—ग—र—मो-हें-घे—रे-रे।

सरगम—गा—रे—गा-सा-सा-रे—रे—मा-पा-नी-सा-पा।
ऽ

ठेका—धा-धिं-धिं-ता-धा-धिं-धिं-ता-धा-धिं-धिं-ता।

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

(३) ताल—३ ४ खाली

मात्रा—९—१०-११-१२-१३-१४-१५-१६

बोल—ऐ—सो—च—च—ल—छ—ए—ल

सरगम—मा—गा—रे—गा—रे—मा—गा—रे

ठेका—धा-धिं-धिं-ता—धा-धिं-धिं-ता

ताल—१ २

मात्रा—१—२—३—४—५—६—७—८

बोल—मो-री—मा—न—त—ना—हीं—हाँ

सरगम—नी-सा—रे-मा—मा-पा—नी-सा।

ठेका—धा-धिं-धिं-ता-धा-धिं-धिं-ता।

(४) ताल—३ ४ खाली १

मात्रा—९—१०-११-१२-१३-१४-१५-१६-१

बोल—का-हू—की—क-ही—ई—ई—ई—रे ॥

सरगम—सा-नी-सा—सा-रे—सा-नी-धा-पा ॥

ठेका—धा-धिं-धिं-ता-धा-धिं-धिं-ता-धा ॥

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

अन्तरा

(१) ताल—१ २

मात्रा—१—२—३—४—५—६—७—८

बोल—वा—ड़—च—ल—त—छे—ड़—त

सरगम—मा—मा—मा—पा—पा—नी—पा—नी

ठेका—धा—धिं—धिं—ता—धा—धिं—धिं—ता

ताल—३ ४ खाली

मात्रा—९—१०—११—१२—१३—१४

बोल—है—ए—ग्वा—आ—लि—न ।

सरगम—सा—रे—सा—नी—सा—सा ।

ठेका—धा—धिं—धिं—ता—धा—धिं ।

ताल— १ २

मात्रा—१५—१६—१—२—३—४—५—६

बोल—ठि—ठो—ली—क—र—त—ऐ—सो

सरगम—पा—सा—नी—सा—नी—सा—नी—सा

ठेका—धिं—ता—धा—धिं—धिं—ता—धा—धिं

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

ताल— ३

मात्रा—७—८—९—१०—११—१२

बोल—वा—आ—को—छें—ल—हाँ।

सरगम—रे—सा—नी—धा—नी—पा।

० ० + +

ठेका—धिं—ता—धा—धिं—धिं—ता।

(३) ताल—४ खाली १ २

मात्रा—१३—१४—१५—१६—१—२—३—४—५—

बोल—सि—र—की—म—ट—कि—या—फो—र—

सरगम—रे—रे—मा—मा—पा—पा—नी—सा—नी—

ठेका—धा—धिं—धिं—ता—धा—धिं—धिं—ता—धा—

ताल— ३ ४ खाली

मात्रा—६—७—८—९—१०—११—१२—१३—१४

बोल—डा—री—स—खो—रे—ए—ए—ए—ए।

सरगम—सा—नी—सा—सा—रे—सा—नी—धा—पा।

ठेका—धिं—धिं—ता—धा—धिं—धिं—ता—धा—धिं।

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

रागिनी-मुलतानी

ताल-तृताल

मात्रा—१६

अर्धमात्रा-३२

गत

[इस रागिनी में प्रथम सप्तक, मध्यम सप्तक और तार सप्तक के कोमल और तीव्र पर्दे हैं ।]

आरोह

ना—सा—गो—मा—पा—धा—नी—सा ।

अवरोह

सा—नी—धा—पा—मा—गा—रे—सा ॥

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

हारमोनियम मास्टर

प्रथम सप्तक का तीव्र [सफेद] पर्दा—नी।

ऽ

मध्यम सप्तक का कोमल [काला] पर्दा—गा—धा।

+ +

तार सप्तक का तीव्र [सफेद] पर्दा—सा।

ऽ

[जिस स्वर के नीचे कोई निशान न हो उसे शुद्ध स्वर (सफेद पर्दा) समझिये।]

सबसे पहले स्वर [पर्दे] के निशान अच्छी तरह से समझ लीजिये।

सरगम स्थायी

नी—सा—गा—मा—पा।

४ +

धा-मा-पा-गा-मा-पा-नी-सा-रे-सा-नी-धा-पा।

+ + ऽ ऽ ऽ +

मा—पा—मा—गा—मा—पा—मा—गा—रे—सा॥

+ + +

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

सरगम अन्तरा

पा-मा-गा-मा-नी-सा-धा-नी-पा-धा-मा-पा
+ ४

पा-मा-पा-सा-सा-सा-सा-नी-सा-मा-गा-रे-सा-नी-सा ।
४ ४ ४ ४ ४ + + ४

(ताल, मात्रा, सरगम और ठेका)

स्थायी

ताल—१ २ ३
मात्रा—१—२—३—४—५—६—७—८—९—
सरगम—नी-सा-गा-मा-पा-धा-मा-पा-गा-
४ + + +
ठेका—धा-धिं-धिं-ता-धा-धिं-धिं-ता-धा-

ताल— ४ खाली १
मात्रा—१०-११-१२-१३-१४-१५-१६-१—२
सरगम—मा—पा-नी-सा-रे—सा-नी-धा-पा-
४ ४ ४ +
ठेका—धिं-धिं-ता-धा-धिं-धिं-ता-धा-धिं-

ताल— २ ३
मात्रा—३—४—५—६—७—८—९-१०-११-१२
सरगम—मा-पा—मा-गा-मा-पा-मा-गा-रे—सा ॥
+ + +
ठेका—धिं-ता-धा-धिं-धिं-ता-धा-धिं-धिं-ता ॥

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

अन्तरा

ताल—१ २ ३

मात्रा—१—२—३—४—५—६—७—८—९—१०—११—१२

सरगम—पा—मा—गा—मा—नी—सा—धा—नी—पा—धा—मा—पा

\+ ०

ठेका—ता—तिं—तिं—ता—धा—धिं—धिं—ता—धा—धिं—धिं—ता

ताल—४ खाली १

मात्रा—१३—१४—१५—१६—१—२—३—४

सरगम—पा—मा—पा—सा—सा—सा—सा—नी—

० ० ० ०

ठेका—धा—धिं—धिं—ता—धा—धिं—धिं—ता—

ताल—२ ३

मात्रा—५—६—७—८—९—१०—११—१२

सरगम—सा—मा—गा—रे—सा—नी—सा—सा ॥

० + + ४

ठेका—धा—धिं—धिं—ता—धा—धिं—धिं—ता ॥

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

थियेट्रिकल गायन

प्रिय पाठकगण !

अब यहाँ से थियेटर की चीज़ें मय नक्शे के साथ लिखी जाती हैं । जब हारमोनियम सीखने वाले का हाथ चालू हो जाय और अँगुलियों में लचक पैदा हो जाय तब बाजे में बोल निकालना अत्यन्त सरल है परन्तु स्वरों की आवाज स्मरण करनी पड़ेगी प्रथम बार बोल निकालना कुछ कठिन ज्ञात होता है। इस कारण कुछ उदाहरण थियेट्रिकल गाने के दिये जाते हैं सीखने वाले को चाहिये कि इनको बाजेमें निकालें जब तीन चार मिसरे निकल आयें और उसके सब नियम समझमें आ जायँ तब आगे पूरे गायनके बोल निकालने प्रारम्भ करें।

खेल भुलभुलैया ।

ताल—तृताल

गाना

दिलदार यार छैला से नैना लड़ायेंगे—

नं०—१

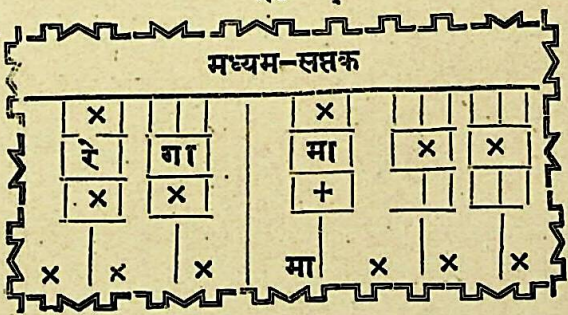

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

हारमोनियम मास्टर

सरगम

मा—मा—गा—मा—मा—मा—गा—रे—गा
+ + + +
मा—मा—मा—मा—गा—मा।
+ + + + +

(सरगम बोल)

सरगम—मा—मा—गा-मा-मा-मा-गा-रे-गा-मा-मा
+ + + + + +
बोल—दिल-दार-र—या-र—छै-ये-ला-से-नै-ना
सरगम—मा—मा—मा—गा—मा।
+ + + +
बोल—ल—ड़ा—आ—यें—गे।

सूचना-पिछले किसी पृष्ठ में संकेत के चिन्ह लिखे गये हैं कि कौन स्वर किस सप्तक का है सीखने वाले को चाहिये कि वह उन चिन्हों को भली प्रकार समझ लें अन्यथा सरगम ही नहीं वरन् बोल निकलना भी असम्भव है।

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

खेल दिलफ़रोश

गाना

तुम्हें दूँगा मैं वाकी खवरिया जान।

ताल—दादरा

नं०—२

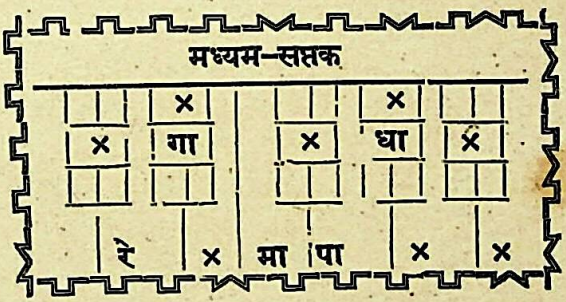

सरगम

गा-रे-गा-मा-मा-मा-मा-पा-धा-पा-धा।

(बोल और सरगम)

बोल—तु-म्हें-दूं-गा-मैं-वा-की-ख-बरि-या-जान।

सरगम—गा-रे-गा-मा-मा-मा-मा-पा-धा—पा-धा।

नोट—इस गाने को जहाँ तक हो सके शीघ्र बजाइये।

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

खेल—हरिश्चन्द्र

गाना

हजारा मेरे कान की मोती।

ताल—कहरवा

नं०—३

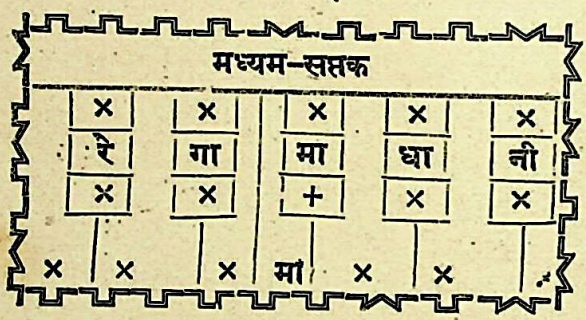

सरगम

मा—मा—मा—धा—नी—धा—मा—मा—रे—गा—मा।
\+ + +

(बोल और सरगम)

बोल—ह-जा-रह-मे—रे—का-न-की-मो-ओ-ती।

सरगम—मा-मा-मा-धा-नी-धा-मा-मा-रे-गा-मा।
\+ + +

[१] प्रथम सरगम बजाना चाहिये जब सरगम याद हो जाय और बिना देखे बजने लगे तब बोल निकालना सरल हो जायगा।

[२] इस गाने को ठा में बजाइये।

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

खेल-इन्द्रसभा

गाना

अगिया लागी सुन्दर बन जल गयो रे—

(ताल-कहरवा)

नं—४

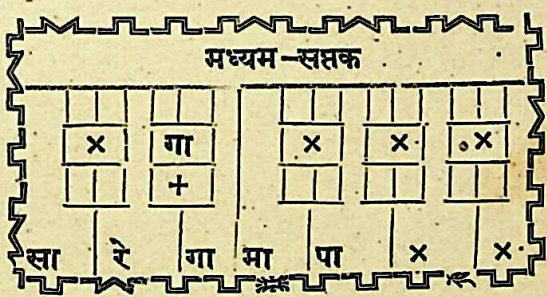

सरगम

सा-सा-रे-गा-रे-गा-मा-पा-पा-गा-मा-गा-रे-सा
+ + + +

(बोल और सरगम)

बोल—अगि-या-ला-गी-सु-न्द-र-व-न-ज-ल-ग-यो-रे
सरगम—सा—सा-रे—गा-रे-गा-मा-पा-पा-गा-मा-गा-रे-सा
+ + + +

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

खेल-चूँ चूँ का मुरब्बा

गाना

मैं तो भर नखरे से आई करती छुल और ठट्टा—

ताल-कौव्वाली

नं०—५

(नाच)

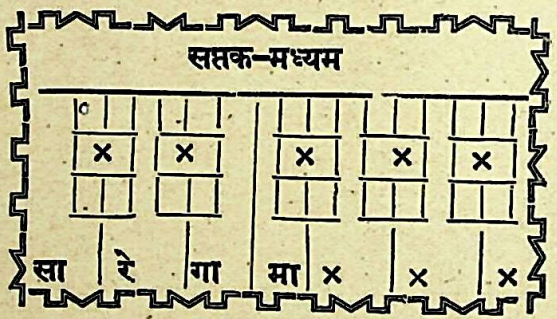

सरगम

सा-सा-रे-गा-रे-सा-रे-गा-मा-मा-गा-रे-रे-सा-सा।

(बोल और सरगम)

बोल-मैं-तो-भर-न-खरे-से-आ-ई-कर-ती-छुल-औ-र-ठ-ट्टा

सरगम-सा-सा-रे-गा-रे-सा-रे-गा-मा-मा-गा०रे-रे-सा-सा

नोट-इस गाने के एक एक बोल को अलग अलग बजाइये।

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

खेल—ज़हरी अँगूठी

गाना

है दिल बुरी बला-कहूँ मैं दोस्त क्या—

ताल—दादरा

नं—६

(सब कोमल पर्दे)

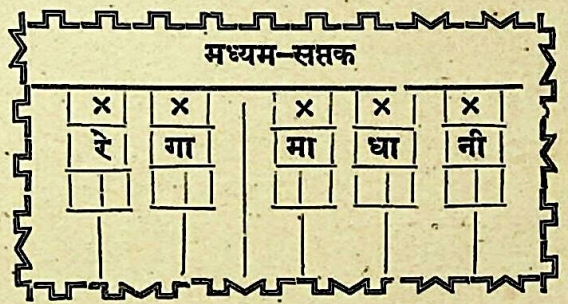

सरगम

रे-मा-धा-नी-धा-मा-गा-मा-धा-नी-धा-मा

(बोल और सरगम)

बोल—है-दिल-बु-री—ब—ला—क—हूँ-मैं-दो-स्त-क्या

सरगम- -रे-मा—धा-नी-धा-मा—गा—मा-धा-नी-धा-मा

सूचना-इस गाने को आरम्भ करने से पहिले हारमोनियम बाजे की सिर्फ ट्रेमल चाभी को खोलिये जो कि थरथरी आवाज़ पैदा करती है।

नोट-बहुत धीरे अँगुलियाँ चलाइये।

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

खेल-हामाँ

गाना

अजी साहब नतीजा मिल जायगा—

ताल-कौव्वाली

नं०—७

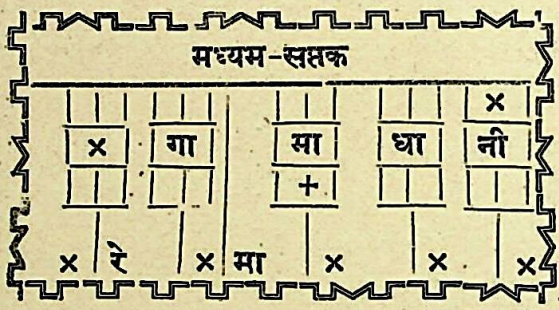

सरगम

मा—मा—गा—रे—रे—गा—नी—धा—मा—मा—गा
+

(बोल और सरगम)

बोल—अ-जी-सा-हब-न-ती-जा-मिल-जा-ये-गा

सरगम—मा-मा-गा-रे—रे-गा-नी—धा-मा-मा-गा
+

नोट—बहुत शीघ्र बजाइये ।

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

खेल—चन्द्रावली

गाना

लज्जा रखलो ओ शंकर—

ताल—तृताल

नं०—८

मध्यम सप्तक			तसीरा सप्तक				
			×	×			
×			धा	ना			
			–	–			
×	×	गा	मा	पा	×	×	सा

सरगम

धा—नी—धा—पा—मा—गा—मा—धा—धा—नी—सा,
ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ४

(बोल और सरगम)

बोल—ल-जी-या-आ—र-ख-ले—ओ—श-न—कर
सरगम—धा-नी-धा-पा-मा-गा-मा-धा-धा-नी—सा
ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ

नोट—बहुत ठा में बजाइये।

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

खेल-असीरेहिर्स

गाना

हाय मुझे दर्दे जिगर ने सताया—

ताल-दादरा

नं०—६

मध्यम सप्तक				तीसरा सप्तक		
		गा			धा	नी
					–	–
×	×			पा ×	×	×

सरगम

पा-सा-नी-सा-धा-नी-धा-पा-मा-गा-मा-धा-पा

ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ

(बोल और सरगम)

बोल—हा—य-मु-झे-दर—दे-जि-ग—र—ने-स—ता-या

सरगम—पा-सा-नी-सा-धा-नी-धा-पा-मा-गा-मा-धा-पा

ऽ ऽ ऽ ऽ

सूचना—प्रथम सरगम बजाइये फिर बोल निकालिए।

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

तमाशा—चूँ चूँ का मुरब्बा

राग—कल्याण

ताल—चाचर

मात्रा—८

ईश्वर प्रार्थना (कोरस)

गाना

(१) तू है परवर दिगार—साईं तू सिरजन हार।

(२) मालिक जग संसार—तू है परवर दिगार—।

(३) हम सब तुझ पै निसार—कुदरत,नुदरत की वहार—

(४) गुल बन गुल तर हज़ार—तू है परवर दिगार—।

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

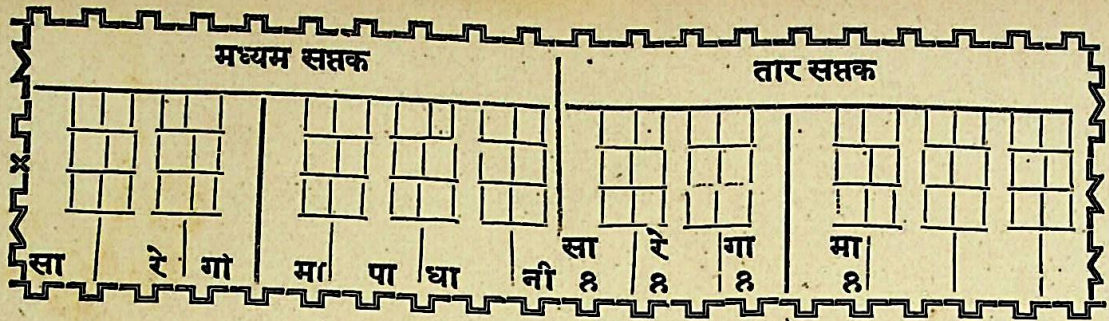

सरगम

[१]—धा-पा-गा-मा-गा-मा-गा-रे-सा,-सा-सा-रे-गा-गा-पा-मा-गा-रे-सा ।

[२]—सा-नो-धा नी-धा पा-मा-पा-गा-रे-गा,—तू है परवर……

[३]—पा-पा-पा-पा-धा-पा-सा-सा-रे-सा-सा,-धा-धा-सा-सा-रे-रे—

गा-मा-गा-गा-रे-सा ।

[४]—सा-सा-नी-धा-नी-धा-पा-मा-पा-मा-गा-रे-सा,-तू है परवर……

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

हारमोनियम मास्टर

(ताल, बोल, सरगम और ठेका)

(१) खाली

ताल—१ २ ३ ४ १ २

बोल—तू - है—प—र—व—र—दि—गा—र,—सा-ईं-

सरगम—धा-पा—गा-मा-गा—मा-गा—रे--सा,-सा-सा-

ठेका —धा-धिन-तिग-तिन-ता-तिन-धिग-धिन-धा-धिन-तिग

खाली

ताल— ३ ४ १ २

बोल—तू—सि—र—ज—(न)—न—हा—र।

सरगम - रे—गा—गा—पा—मा—गा—रे—सा।

ठेका—तिन-ता-तिन-धिग-धिन-धा-धिन-तिग

(२) खाली

ताल—१ २ ३ ४ १ २

बोल—मा-लि-क-ज-ग-स-(स)-न-सा-आ-र,

सरगम—सा-नी-धा-नी-धा-पा-मा-पा-गा-रे-गा-तूहैपरवर

ठेका—धा-धिन-तिग-तिन-ता-तिन-धिग-धिन-धा-धिन-तिग

(३) सम खाली

ताल—१ २ ३ ४ १ २

बोल—ह—म-स—ब-तु—झ—प र—नि—सा—र—कु

सरगम—पा—पा-पा-पा-धा-पा-सा-सा-रे—सा-सा-धा

ठेका-धा-धिन-तिग-तिन-ता-तिन-धिग-धिन-धा-धिन-तिग-तिन

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

खाली खाली

ताल— ३ ४ १ २ ३ ४

बोल—द—र—त—नु—द—र—त—की—व—हा—र

सरगम—धा-सा-सा—रे—रे—गा—मा—गा—गा—रे—सा

ठेका—ता-तिन-धिग-धिन-धा-धिन-तिग-तिन-ता-तिन-धिग

खाली

(४) ताल—१ २ ३ ४ १ २ ३

बोल—गु—ल-व—न-गु-ल-त-(आ)-र-ह-ज-आ-र

सरगम—सा-सा-नी-धा-नो-धा-पा-मा-पा-मा-गा-रे-सा-तू है

ठेका-धा-धिन-तिग-तिन-ता-तिन-धिग-धिन-धा-तिन-तिग-तिन-ता

नोट—इस गायन को ठा में बजाइये ।

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

नं०—(२)

राग—भैरवी

ताल—तृताल

मात्रा—१६

समय—प्रातःकाल—थियेटर के लिये हर समय।

गाना

(१) भरके पिला दे शराब यार शाकिया—
(२) घोड़े सवार हूँ—चौड़ी वरदार हूँ—घोड़े फटकार हूँ—
भर के पिला दे० ॥
(३) ऐसी रंगीली खेज हो—दिल जिससे सबका तेज हो—
जादू भरा हो चश्म में और तन में—खून आमेज़ हो।
थोड़ी सी और है शीशे में साकिया—भरके पिला दे० ॥

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

शैर (ठेका बन्द)

(४) मय होवे कुञ्ज बाग हो शाक़ी हो माहे वश—
कोई मुखिल न हो वहाँ वायस हिजाब का।
गर्दन में हाथ डाल के वह शोख बे हिजाब—
मुँह से लगादे मेरे प्याला शराब का॥

गाना (ठेका शुरू)

(५) शवाब हो कवाब हो और शैर हो फिरा किया।
भरके पिला दे शराब यार शाकिया॥

मध्यम सप्तक।							तीसरा सप्तक।						
		×	×	×	×		×	×		×	×	×	
×	गा		मा	धा	नी		रे	गा		×	×	×	
	+		+					−					
× ×		×	मा ÷	×	×	×	सा	×	×	मा ९	×	×	×

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

हारमोनियम मास्टर

(१) मा-नी-नी-धा-धा-धा-मा-मा-मा-मा-गा-मा-मा ।

+ + +

(२) गा-गा-गा-मा-मा-मा-मा-धा-मा-मा-मा,-मा-धा-मा-मा-भर"

+ + + + + +

(३) सा-सा-सा-सा-मा-गा-रे-सा,-मा-गा-रे-सा-मा-गा-रे-सा ।

ꜱ ꜱ ꜱ ꜱ ꜱ ꜱ ꜱ ꜱ ꜱ

रे-सा-नी-नी-सा-नी-धा-धा-नी-धा-मा-मा-गा-मा-मा-मा

+

इसके बाद का पद नं० (१) के मुताबिक बजाइये ।

शैर ठेका बन्द

(४)सा-सा-सा-सा-सा-सा-सा-सा-सा-सा-सा-सा-सा-मा

ꜱ

तान-गा-रे-सा-नी-धा-मा-मा ।

+

धा-धा-धा-धा-धा-धा-धा-धा-धा-नी-धा-मा-मा-गा-मा

+ +

सा-सा-सा-सा-सा-सा-सा-सा-सा-सा-सा-सा

सा-नी-सा—रे—सा-नी-धा-मा—गा-मा-मा-मा

+

मा-मा-मा-मा-मा-मा-मा-धा-मा-मा-मा-गा-मा

+

इसके बाद का पद न० (१) के मुताबिक बजाइये और पुनः प्रथम से बजाइये ।

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

हारमोनियम मास्टर

(ताल, बोल, सरगम और ठेका)

(१) ताल—१ २ ३ खाली ४

बोल—भर-के-पं-ला-दे-श-रा-आ-ब-या-र-साकि-या

सरगम—मा-नी-नी-धा-धा-धा-मा-मा-मा-मा-गा-मा—मा

\+ + + + +

ठेका—ता-तिं-तिं-ता-धा-धिं-धिं-ता-धा-धिं-धिं-ता—धा

(२) ताल— १ २

बोल—घोड़े-स-वा-आर-हूँ-चौ-ड़ी-वर-दार-हूँ,-

सरगम—गा—गा-गा—मा-मा-मा-मा-धा-मा-मा,-

\+ + + + +

ठेका—धिं-धिं-ता—धा-धिं-धिं-ता-धा-धिं-धिं

ताल— ३

बोल—को—ड़े-फट-कार-हूँ ।

सरगम—मा—मा-धा—मा-मा ।

\+ + + +

ठेका—ता—धा-धिं—धिं-ता ।

इसके बाद न० (१)

(३) ताल—१ २ ३

बोल—ऐ-सी-रं-गी-ली-खे-ज-हो,-दिल-जिस-से

सरगम—सा-सा-सा-सा-मा-गा-रे-सा,—मा—गा—रे

\+ + +

ठेका—ता-तिं-तिं-ता-धा-धिं-धिं-ता—धा—धिं—धिं

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

ताल ४ खाली

बोल—सब—का—ते—ज—हो।

सरगम—सा—मा—गा—रे—सा।

ठेका—ता—धा—धि—धिं—ता।

खाली

ताल—१ २ ३

बोल—जा-दू-भ-रा-हो-चश-म-में-और-दिल-में

सरगम—रे-सा-नी-नी-सा-नी-धा-धा-नी—धा-मा

+

ठेका—ता-तिं-तिं-ता-धा-धिं-धिं-ता-धा-धिं-धिं

ताल— ४ खाली

बोल—खून—आ—मे—ज—हो।

सरगम—मा—गा—मा—मा—मा।

+ +

ठेका—ता—धा—धिं—धिं—ता।

इसके बाद का पद न० [१] के मुताबिक बजाइये और न० [१] पुनः बजाइये।

शैर (ठेका बन्द)

(४)

बोल—मय होवे कुञ्ज बाग हो साकी हो माहे-

सरगम—सा × १३

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

बोल—वश-आ-आ-आ-आ-आ-आ-आ

सरगम—मा—गा—रे—सा-नी-धा-मा-मा

ह ह ह +

बोल—कोई मुखिल न हो वहाँ वा-यस-हि-ज-आ-ब-का

सरगम— धा × ६ -नी-धा-मा-मा-गा-मा

+ +

बोल—गर्दन में हाथ डाल के वह शोखवे

सरगम— सा×१३

बोल—हि-ज-आ-ब-आ-आ-आ-आ-आ-

सरगम—नी-सा-रे-सा-नी-धा—मा-गा-मा-

+ +

बोल—मुँह से लगा दे मेरे प्याला-शर-अब-का-आ-आ

सरगम— मा×६ -धा—मा—मा-गा-मा

+ +

[शीघ्र बजाइये]

[ठेका गुरु] इसके बाद का पद न० [१] के मुताबिक बजाइये और पुनः प्रथम से बजाइये।

नोट—इस टुकड़े को ध्यान से देखिये चार पाँच बार बजाने से अच्छी तरह समझ में आ जायगा।

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

(तमाशा—असोरहिर्स)

राग—कौसिया

ताल—कौव्वाली

मात्रा—८

इस गाने में मर्द (मेल) औरत (फिमेल) दोनों हैं।

गाना

न० (१) तोरी छलवल है प्यारी तोरी कल वल है न्यारी
करो बातें न मोसे सँवरिया जान—
तोरी जुल्फें हैं काली तोरे गालों पै लाली
तोरी नैनों की लागी कटरिया जान—

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

न० (२) जावो जावो नादान हम न बनावो जान-
नैनों से नैना मिलावो मेरी जान-
जरा सीने से सीना मिलावो मेरी जान-

न० (३) छोड़ो जी हाथ-नहीं होगी यह बात-
करो औरों से घात—

न० (४) ऐजी वाह वाह वा-वाह वाह वा-वाह वाह वा-तेरी छल बल...

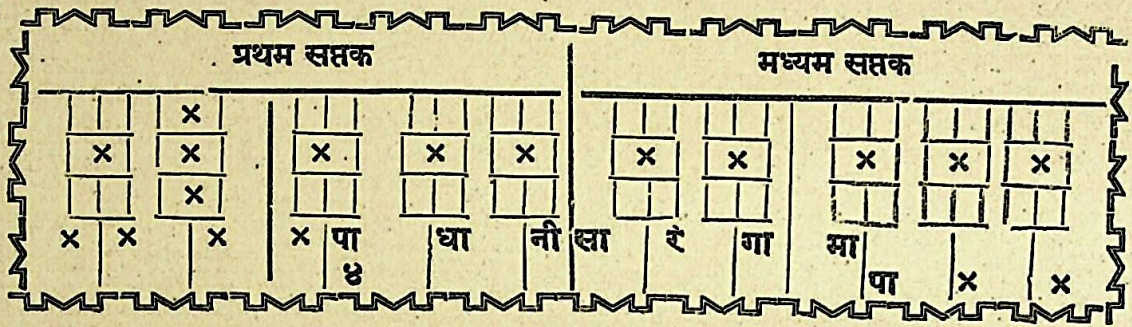

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

हारमोनियम मास्टर

(ताल, बोल, सरगम और ठेका)

नं० (१) खाली खाली

ताल–१ २ १ २

बोल–तो–री–छल वल–है–प्या–री–तो–री–कल–वल–है–न्या–री

सरगम–सा–रे—गा–गा–गा–गा–गा–मा–गा—रे—रे–रे—रे–रे

ठेका–धा–धा–धे–धिन–ता–ता–धे–धिन–धा–धा–धे–धिन–ता–ता

खाली

ताल— १ २ १

बोल—क–रो–बा—तें—न–मो–से–स–वँ–रि–या–जान–

सरगम—गा–रे–सा—सा–सा–सा–रे–सा–नी–धा–नी–सा–

ठेका—धे–धिन–धा–धा–धे–धिन–ता–ता—धे–धिन–ता–ता–

इसके बाद का पद न० (१) के मुताबिक बजाइये ।

+

न० (२) खाली खाली

ताल—१ २ १ २

बोल—जा–वो–जा–वो–ना–दा–न–ह–मे–न–व–नावो–जान,

सरगम—पा–धा–पा–सा–नी–नी–नी–सा–सा–सा–रे–सा—नी

४ ४

ठेका—धा–धा–धे–धिन–ता–ता–धे–धिन–धा–धा–धे–धिन–ता

+

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

×

न० (२)

ताल— १ खाली २

बोल—नैं-नों-से—नैं-ना-मि-ला-वो-मे-री-जान

सरगम—मा-मा-मा—मा-पा-मा-गा—रे-सा-रे-गा

ठेका—ता-धे-धिन-धा-धा-धे-धिन-ता-ता—धे-धिन

×

इसके बाद का पद न० (२) के मुताबिक बजाइये।

०

नं०-(३) खाली

ताल—१ २ १

बोल—च-लो-छो-ड़ो-जी-हाथ-न-हीं होगी वह-बा-त

सरगम—गा-गा-गा-गा-गा—गा-मा-गा—रे—रे—रे—रे

ठेका—धा-धा-धे-धिन-ता—ता-धे-धिन-धा-धा-धे-धिन

ताल—२ खाली १

बोल—क—र—व—और—से—घात।

सरगम—गा—रे—सा—सा—सा—सा।

ठेका—ता-ता—धे—धिन धा—धा।

÷

न० (४) खाली खाली

ताल—२ १ २ १

बोल-ऐ-जी-वा-ह-वा-ह-वा-वाह-वाह-वा-वाह-वाह-वाह

सरगम-सा-रे-मा-रे-सा-रे—गा-सा—रे—सा-नी—धा-नी-सा

ठेका-धा-धा-धे-धिन-ता-ता-धे-धिन-धा—धा—धे-धिन-ता-ता

तेरी छलबल है प्यारी पुनः प्रथम से बजाइये।

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

तमाशा—सत्यहरिश्चन्द्र ।

राग—सिन्धुरा

ताल—चाचर

मात्रा—८

समय—दिन के दस बजे—

[थियेटर के लिये हर समय]

ग़ज़ल

खिलाता रंग है क्या क्या मुकद्दर का बदल जाना ।
कभी खूने जिगर पीना कभी लख़्ते जिग़र खाना ॥

हरमोनियम मास्टर

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

यह क्या दिल में फलक पीरना हजार के आया ।
छुड़ाया रंज देने को सभी अपना व वेगाना ॥
ऐ ईश्वर कौन पाप हमने किया है पृथ्वी पै जो ।
फिराता है तू यों हमको छुड़ाकर ताज शाहाना ॥
बचन पर अपने हैं साबिर तू सुन फ़रियाद परमेश्वर ।
तजा सब ऐश व सुख अपना बसाया आके बीराना ॥
नज़ीर अब मेहर हो हरि की विपति टलजाये जो शिरकी ।
नहीं इस जीने से बेहतर है हमको मौत आजाना ॥

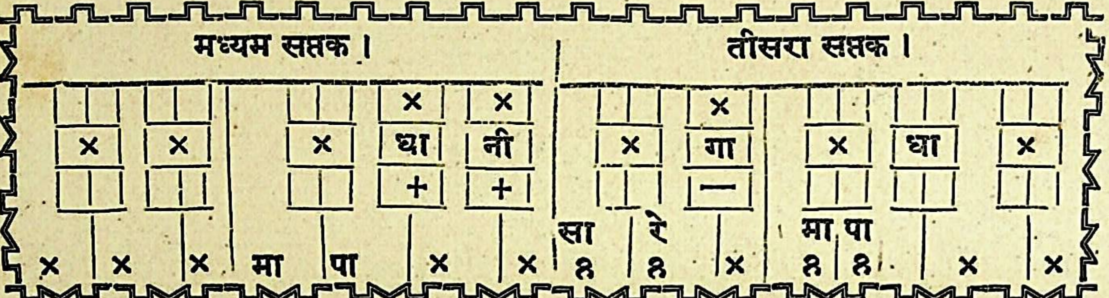

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

हारमोनियम मास्टर

(ताल, बोल, सरगम और ठेका)

स्थाई

खाली

ताल—१ २ ३ ४ १ २

बोल—खि-ला-ता—रं-ग-है-क्या-क्या-मु-कद-दर

सरगम—मा-पा-नी-सा-नी-सा-मा—गा—रे-सा-नी

४

ठेका—धा-धिन-तिग-तिन-ता-तिन-धिग-तिन-धा-धिन-तिग

खाली

ताल— ३ ४ १

बोल—का—ब—द—ल—जा—आ—ना

सरगम—धा—नी-सा—नी-धा—पा—मा

\+ +

ठेका—तिन-ता-तिन-धिग-तिन-धा-धिन

दुबारा स्थाई नी से आरम्भ कीजिये जिसमें अन्तरा के साथ ठीक मिल जावे।

ताल—१ २ ३

बोल—छु—ड़ा—या—रं—ज } पुनः उपरोक्त स्थाई के
सरगम—नी—नी—नी—सा-नी } सरगम पर बजाइये।

ठेका—धा-धिन-तिग-तिन-ता

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

अन्तरा

ताल—१ २ ३ ४ खाली १ २

बोल—ब-चन-पर-अप-ने-हैं-स-आ-बिर-तू-सुन

सरगम—नी-सा-गा—मा-गा-धा-पा-गा-मा-गा—गा

ठेका—धा-धिन तिग-तिन-ता-तिन-धिग-तिन-धा-धिन-तिग

ताल— ३ ४ खाली १

बोल—फर—या—द—प—र—में—ए—श्वर

सरगम—रे—गा—मा—पा—मा-गा—रे—सा

ठेका—तिन-ता-तिन-तिन-धिग-धिन-धा-धिन-तिग

शेष इसी ढङ्ग से बजाइये।

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

तमाशा—शकुंतला

राग—खम्माच

ताल—दादरा

मात्रा—६

समय—तीसरा पहर (थियेटर के लिये हर समय)

ठुमरी

आवो गुइयाँ लपक लपक चलो पानी भर लायें फिर आयें—
बेला चमेली जूही केतकी सबमें गगरी झुकाय—आवो गुइयाँ—
फिर सब सखियाँ चुन चुन कलियाँ भर भर लायें डलियाँ—
हार बनायें गजरे गुधायें बाग में रंग रचायें—आवो गुइयाँ—

मध्यम सप्तक						तीसरा सप्तक					
			×		×		×		×		
					नी				×		×
										–	
×	×	×	मा	पा	धा	नी	सा	रे	गा ९	मा ९	पा ९	धा ९	×

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

हारमोनियम मास्टर

स्थाई

सम सम

ताल—१ २ १ २ १

बोल—आ-वो-गुइ-याँ-ल-प-क-ल-प-क-च-लो-पा-नी

सरगम—गा-गा-मा-मा-सा-रे,-सा-मा-गा-रे सा-रे,-नी-सा

० ० ० +

ठेका—ता-तिं-ना-धा-धिं-ना-ता-तिं-ना-धा-धिं-ना-ता-तिं

सम

ताल— २ १ २

बोल—भ—र—ला—यें—फि—र—आ—यें।

सरगम—रे—सा—नी—धा,—नी—धा—पा—मा।

+

ठेका—ना-धा-धिं—ना—ता—तिं—ना—धा।

ताल—१ सम १ सम १

बोल—वे-ए-ला-चम-वे-लो-जू-ऊ-ही-के-त-की-स-ब

सरगम—मा-नी-धा-नी-सा-सा-गा-गा-गा-मा-मा-मा-पा-पा

० ० ० ० ०

ठेका—ता-तिं-ना-धा-धिं-ना-ता-तिं-ना-धा-धिं-ना-ता-तिं

ताल— सम १ २

बोल—मैं—गग—री—भु—का—आ—आ—ये।

सरगम—पा—धा—धा—पा—मा—ग—रे—सा।

० ० ०

ठेका—ना—धा—धिं—ना—ता—तिं—ना—धा।

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

अन्तरा

ताल—१ सम १ सम १
बोल—फि-र-स--ब-स—खि-याँ-चु-न-चु-न-कलि-याँ
सरगम—नी-नी-सा-सा-गा-गा-मा-मा-मा-मा-मा-मा-पा
+ + ० ० ० ० ० ० ०
ठेका—ता-तिं-ना-धा-धिं-ना-ता-तिं-ना-धा-धिं-ना-ता

ताल— सम १
बोल—भर-भर-ला—यें—ड—लि—याँ—न ।
सरगम—पा—पा—धा—पा-मा गा—रे—सा ।
० ० ० ०
ठेका—तिं—ना—धा—धिं-ना—ता-तिं-ना ।

ताल—सम १ सम १ सम
बोल—हा-र-व-ना-यें-गज-रे-गुँ ध-आ-यें-बा-ग-में
सरगम—मा-नी-धा-नी-सा-गा-गा—गा—मा-मा-पा-पा-पा
० ० ० ० ०
ठेका—धा-धिं-ना-ता-तिं-ना-धा-धिं-ना-ता-तिं-ना-धा

ताल— १ सम
बोल—रं—ग—र—चा—आ—आ—यें ।
सरगम—धा-धा-पा—मा—गा—रे—सा ।
० ०
ठेका—धिं-ना-ता—तिं—ना—धा—धिं ।

सूचना—इस गीत को कई बालिका मिल कर गाती हैं ।

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

हरिश्चन्द्रलीला

नाच रासधारी

गायन

कितनिक दूर तोरी काशी रे सुनु परिडत
कितनिक दूर तोरी काशी—
राह चलत मोरे छाले रे पड़ गये
हम महलन के बासी–सुनु परिडत
कितनिक दूर तोरी काशी—

प्रथम सप्तक							मध्यम सप्तक						
×	×		मा	धा	×		रे	गा		मा	×	×	
								+		+			
×	×	×	×	×	×	नी	सा	×	गा	×	×	×	×

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

सरगम

गा—गा—गा—गा—गा—रे—रे—गा—नी—रे—गा—रे—
\+ + + + + +
नी-नी-धा-रे-रे-नी-नी-धा-मा-धा-नी-नी-धा-मा-मा
रे-गा-मा-मा-धा-मा-मा-मा-मा-मा-गा-रे-गा
\+ + + + + +

(बोल और सरगम)

न०-(१)

बोल—कि—त—निक-दू—र—तो-री-य-का-शी-रे

सरगम—गा—गा—गा—गा—गा—रे—रे-गा-नी-रे-गा
\+ + + + + +

बोल—सुन-पन-डि-त-कित-नी-क-दू—ऊ—र-तो-री

सरगम—रे—नी-नी-धा—रे—रे-नी-धा-मा—धा—नी

बोल—का—आ—आ—शी

सरगम—नी—धा—मा—मा

बोल—रा-ह-च-ल-त-मो-रे-छा-ले-रे-पड़-ग-ये

सरगम—रे-गा-मा-मा-धा-मा-मा-मा-मा-मा-गा-रे-गा
\+ + + + + +

बोल—ह-म-म-ह-ल-न-के—रे—बा-आ-आ-सी

सरगम—रे—रे-नी-नी-धा-मा-धा-नी-नी-धा-मा-मा

इसके बाद का पद न० (१) के मुताबिक बजाइये।

सूचना—न० (१) शीघ्र बजाइये अन्यथा आनन्द नहीं आवेगा।

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

रास लीला

नाच रासधारी

गायन

× श्री राधे रानी दे डालो न बाँसुरी मोरी श्री राधे रानी.....

(१) काहे से गाऊँ राधे, काहे से बजाऊँ काहे से लाऊँ गौवें घेरी–श्री राधे रानी...

(२) मुख से गावो कान्हा हाथ से बजावो लठिया से लावो गौवें घेरी–श्री राधे रानी...

(३) रूपे की नाहीं राधे सोने की नाहीं हरे हरे बाँस की पोरी–श्री राधे रानी...

मध्यम–सप्तक										तीसरा सप्तक									
×		×		×		×		×		×		×							
रे		गा		मा		धा		नी		रे		गा		×		×		×	
+		+		+		×		+		—		—							
×	×	×	मा	×	×		नी		सा		×	×	मा ४		×		×	×	

हारमोनियम मास्टर

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

सरगम

×रे-रे-गा-मा-धा-नी-धा-नी-धा-मा-मा
+
गा-रे-रे-गा-मा-मा-मा-धा-मा-गा-रें-रे ।
+ +
(१) धा-धा-नी-सा-रे-गा-मा-गा-रे-सा-सा-नी
ह ह ह ह ह
सा-सा-रें-गा-रे-सा-धा-नी-नी-नी-नी-नी-धा-धा-
ह ह ह
नी—मा—मा—धा—
+ +
(धा-नी-नी-धा-मा-मा मा-मा-गा-रे-गा)-धा-धा-मा-
+ +
मा-गा-रें-रे-गा-मा-मा-मा-धा-मा-मा-गा-रे-रे-
+ +

(बोल और सरगम)

×
बोल—श्री-रा-धे-रा-नीं-दे--दे-डा-लो-न-न-वाँ-सु-
सरगम—रे-रे-गा-मा-धा-नी-धा-नी-धा-मा-मा-गा-रे-रे-गा-
+
बोल—री-मो-ओ-ओ-ओ-ओ-ओ-री
सरगम—मा-मा-मा-धा-मा-गा—रे—रे।
+ +

लय

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

हारमोनियम मास्टर

(१)

बोल—का-हे-से-गा-ऊँ-ऊँ-ऊँ-रा-धे-का-हे-से-ब-जा

सरगम—धा-धा-नी-सा-रे-गा-मा-गा-रे--सा-सा-नी-सा-सा

ह

लय

बोल—आ-आ-आ-आ-ऊँ-का-हें-से-ला-ऊँ-गौ-वें-ये

सरगम—रे—गा—रे—सा-धा-नी-नी-नी-नी-नी-धा-धा-नी

ह ह ह

लय लय

बोल—धे—ए—री।

सरगम—मा-मा—धा।

+ +

बोल—शि—री—रा—धे—रा—नी } —दे—डा।

सरगम—धा-नी-नी-धा-मा-मा-मा-मा-गारे-गी } —धा-धा।

+ +

बोल-शे-न-अ-व-बा-सु-री-मो-ओ-ओ-ओ-ओ-अ-री

सरगम-मा-मा-गा-रे-रे-गा-मा-मा-मा-धा-मा-गा--रे--रे

+ +

(इसके बाद के पद न० [१] के मुताबिक बजाइये।)

सूचना-(१) जहाँ जहाँ शब्दों के नीचे ऐसी—लकीर खींची है वह लय का स्थान है इस लिये अंगुलियों को बहुत फुर्ती से चलाना अत्यावश्यक है।

(२) प्रथम सरगम बजाइये फिर बोल पकड़िये।

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

नाच इन्द्रसभा

गाना

इंसान का काम हुस्न पै मेरे तमाम है।
जोड़ा है सुर्ख लाल परी मेरा नाम है॥
आशिक़ को कत्ल करती हूँ अबरू के तेग़ से।
दिनरात हमको खून बहाने से काम है॥

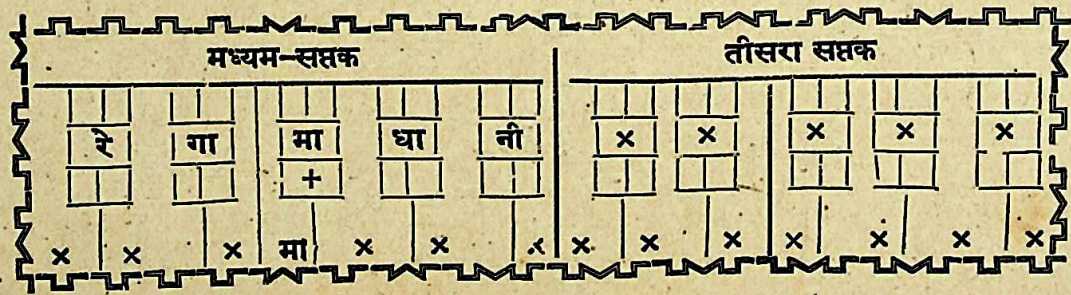

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

हारमोनियम मास्टर

सरगम

मा-मा-गा-रे-गा-गा-मा-मा-मा-मा-मा-मा-धा-नी-नी
+ + + + +
लय लय

धा-मा-मा-गा-गा-मा
+ +
लय

रे-गा-गा-गा-धा-मा-धा-मा-मा-मा-गा-मा-मा-मा
+ + +
लय लय लय

मा-मा-धा-मा-मा-गा-रे।
+ +

बोल—इ—न-सा-न-का-का-म—हुस्न —पै—मे—ये
सरगम—मा—मा-गा-रे-गा-गा-मा-मा-मा-मा-मा-मा
+ + + + +
लय

बोल— रे त मा म है
सरगम—म-धी—नी—नी—धा—मा—मा—गा—गा—मा
+ + +
लय लय

बोल—जो-ड़ा-है-सु-र्ख-ला-आ-ल—प-अ-री-मे-रा
सरगम—रे-गा-गा-गा-धा-मा-धा-मा-मा-मा-गा-मा-मा
+ + +

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

बोल—ना—आ—आ—आ—आ—म—है।

सरगम—मा—मा—धा—मा—मा—गा—रे।

\+ \+

लय

[इसके बाद का पद उपरोक्त ढंग से बजाइये]

सूचना—मा पर अँगूठा दबा रहेगा।

यह गाना फोल्डिङ्ग हारमोनियम पर अच्छा बजेगा।

नोट—तीसरे सप्तक पर अन्तरा बजाइये पद और सरगम यही रहेंगे।

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

नाच-तवायफ

गाना

(ठुमरी और दादरा मिला हुआ)

घट छाँडो साँवलिया भरूँ गगरी । भरूँ गगरी रे भरूँ गगरी—घट०—
गई थी बजरिंया में ले आई हलदी । मोरे बाला से जोबना पर छाई ज़रदी—घट०—
गई थी बजरिया ले आई गगरी । मोरे प्यारे सिपहिया ने तोड़ी गगरी—घट०—

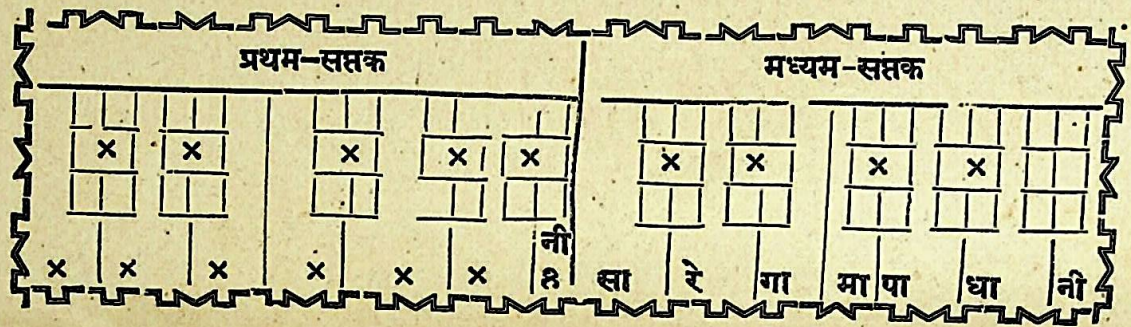

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

हारमोनियम मास्टर

सरगम

मा-गा-मा-मा-गा-रे-सा-नी-नी-रे-रे-गा-मा
४ ४

[पुनः प्रथम से बजाइये]

अन्तरा

मा-मा-मा-पा-धा-धा-पा-नी-नी-नी-नी-धा—
४ ४ ४ ४

पा-पा-नी-नी-नी-धा-धा-पा-मा-गा-रे-गा-मा

मा-पा-मा-गा-रे-गा-मा—

[पुनः प्रथम से बजाइये]

(बोल और सरगम)

स्थाई

बोल—घ—ट-छाँ-ड़ो-सां-व-लि-या-भ-रूँ-ग-ग-री

सरगम—मा-गा-मा-मा-गा-रे-सा-नी-नी-रे—रे-गा-मा
४

[पुनः प्रथम से बजाइये]

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

नाच-तवायफ

गाना

(ठुमरी और दादरा मिला हुआ)

घट छाँड़ो साँवलिया भरूँ गगरी । भरूँ गगरी रे भरूँ गगरी—घट०—
गई थी बजरिया में ले आई हलदी । मोरे बाला से जोबना पर छाई ज़रदी—घट०—
गई थी बजरिया ले आई गगरी । मोरे प्यारे सिपहिया ने तोड़ी गगरी—घट०—

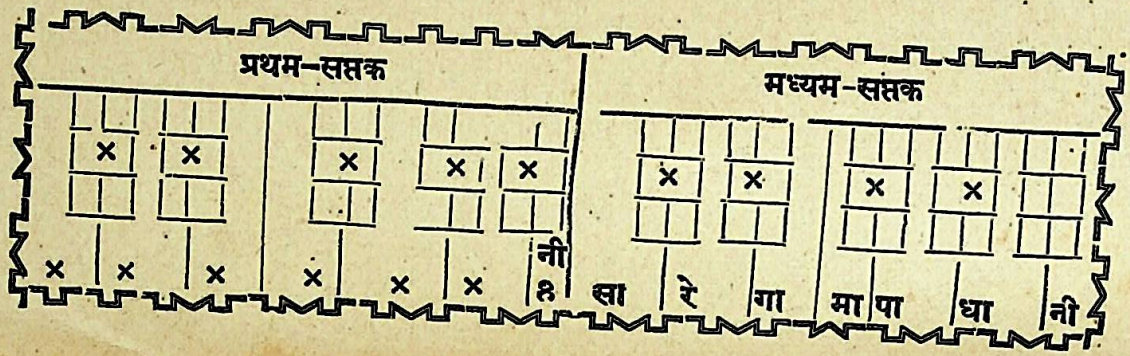

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

हारमोनियम मास्टर

सरगम

मा–गा–मा–मा–गा–रे–सा–नी–नी–रे–रे–गा–मा
४ ४

[पुनः प्रथम से बजाइये]

अन्तरा

मा–मा–मा–पा–धा–धा–पा–नी–नी–नी–नी–धा—
४ ४ ४ ४

पा–पा–नी–नी–नी–धा–धा–पा–मा–गा–रे–गा–मा

मा–पा–मा–गा–रे–गा–मा—

[पुनः प्रथम से बजाइये]

(बोल और सरगम)

स्थाई

बोल—घ—ट–छाँ–ड़ो–सां–व–लि–या–भ–रूँ–ग–ग–री

सरगम—मा–गा–मा–मा–गा–रे–सा–नी–नी–रे—रे–गा–मा
४

[पुनः प्रथम से बजाइये]

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

अन्तरा

बोल—ग—ई-थी-ब-जरि-या-में—ले-आ-ई-हल-दी

सरगम—मा-मा-मा-पा-धा-धा-पा-नी-नी-नी-नी-धा

बोल—मो-रे-वा-ले-से-जोब-ना-पै-छा-ई-ज-र-दी

सरगम—पा-पा-नी-नी-नी-धा-धा-पा-मा-गा-रे-गा-मा

बोल—अ—रे—छा—ई—ज—र—दी।

सरगम—मा—पा—मा—गा—रे—गा—मा।

[पुनः प्रथम से बजाइये]

नोट—ठा में बजाइये।

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri.

तमाशा-मोहिनी बी. ए.

गायन

(१) मन मैल मिटै तन तेज बढ़े दे रंग भंग का लोटा।
सौ रोग टले सौ सोग जले करे भंग अंग को मोटा॥
अब तार जमे आज़ार रमे तो हाथ बढ़े जी मोटा।
तन साफ मन साफ हो साफ आदमी खोटा॥

(२) ले कन्द दूध में घोला तो भङ्ग बना अनमोला।
कर पार भङ्ग का गोला-हर वार बोल बम्भोला॥

(३) उठ भोर-नहाके गङ्ग-चढ़ाके भंग-जमाले रंग।
निराले ढंग-दिखादे जंगी कूंडी सोटा॥ मन मैल मिटै.....

मध्यम-सप्तक							तीसरा-सप्तक						
					धा	नी	रे	गा	मा	×	×		
×	×	×	×	पा	×	×	सा	×	×	मा ×	×	×	

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

हारमोनियम मास्टर

(बोल और सरगम)

[१]

बोल—म-न-मै-ल-मि-टे-त-न-ते-जब-ढ़े-द—थे-रंग

सरगम—धा-पा-धा-नी-नी-नी-धा-पा-धा-नी-नी-नी-नी-सा-रे-गा

बोल—भं—ग—का—लो—ओ—टा ।

सरगम—गा—रे—सा—नी—सा—धा ।

(अगले दोनों पद इसी प्रकार बजाइये फिर नीचेकी कड़ी बजाइये)

बोल—तन-साफ-मन-साफ-हो-सा-फ-आ-द-मी

सरगम—मा—गा—मा—रे—सा-सा-रे—रे-रे—सा

बोल—खो—ओ—टा ।

सरगम—नी—सा—धा ।

[२]

बोल—ले—ए—क—न्द—दू—ध—में—घो—ला

सरगम—सा—रे—गा—गा-मा—मा-मा—मा—गा

—

[३] [इसके बाद के पद इसी ढंग पर बजाइये]

बोल—उठ-भो-र-न-हा-के-गंग-

सरगम—रे—रे-रे-रे-रे-गा—रे-

(चढ़ाके भंग जमाले-रंग-निराले-ढंग न०[३] के ढंगपर बजाइये)

बोल—दि-खा-दे-जं-गी-कूड़ी -सो-ओ-टा

सरगम—गा-गा-गा-रे-रे-सा-सा-सा-नी-सा-धा

[पुन- प्रथम से बजाइये]

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

गायन

[दादरा]

कोई मुझे बूटी पिलाके लुभाय गयो, कोई मुझे बूटी पिला के लुभाय गयो—
बड़े सवेरे जो कोइ छाने वाकी लम्बी डीट ।
उड़ती चिड़िया वह पहिचाने गिरी सड़क के बीच ॥
सवेरे फिर छनेगी भङ्ग—सवेरे फिर छनेगी.....
दूसरे पहरे जो कोइ छाने वाके लम्बे कान ।
तवा कटोरा बेंच डाल के घर लोटे पर ध्यान ॥
सबेरे फिर छनेगी भंग—सबेरे फिर छनेगी.....
तिसरे पहरे जो कोइ छाने ज्यों भादों की कीच ।
घर के जाने मर गये औ आप नशे की बीच ॥
सबेरे फिर छनेगी भंग—सबेरे फिर छनेगी.....

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

चौथे पहरे जो कोइ छाने बच्चा आपी आप ।
बे जोड़ू बे ससुरे के हो छः बच्चे का बाप ॥

सबेरे फिर छनेगी भंग—सबेरे फिर छनेगी.....

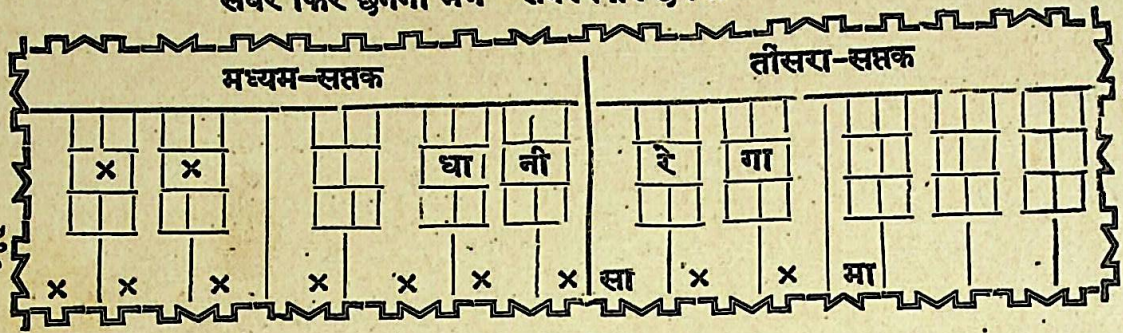

(बोल और सरगम)

बोल—बूटी पिलाके लुभायग-यो-को—ई—सु-भे-बू-टी-पिला

सरगम— रे×६ -गा,-सा-सा-सा-रे-सा-नी—नी

बोल—के—लु—भा—य—ग—यो—रे ।

सरगम—धा—नी—सा—रे—सा-नी—धा ।

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

(कोई मुझे बूटी पिला के...यहाँ से पुनः बजाइये)

बोल—व-ड़े-स-वे-रे-जो कोइ छाने-वाकी लम-बी-डीट

सरगम—रे-रे-रे-रे-रे- गा×४- मा×३- रे—गा

बोल—उ-उ-ड़-ती-चिड़िया को पहिचान-ने-गि-री

सरगम—रे-रे-गा-मा— मा-६ -गा-गा-मा

बोल—स-ड़-क-के-बीच-सवेरे फिर छनेगी भङ्ग।

सरगम—मा-गा-रे-रे-सा रे×७ गा

बोल—सवेरे —फिर छने-गी-भंग-

सरगम—रे-रे-रे-रे—-सा × २—नी-धा-

नोट—शेष पद उपरोक्त ढंग से बजाइये—प्रथम मध्यम चाल से बजाइये फिर दुगुन कर दीजिये। बीच बीच में टप्पा की आवश्यकता है बगैर इसके गायन में आनंद नहीं आवेगा—टप्पा उसको कहते हैं जहाँ फोर्स (लगाव) का शब्द आता है पूरा गाना गाकर अन्त के शब्द पर आधा सेकेण्ड ठहरा य और साथ ही साथ हारमोनियम भी उतने ही समय तक रुक जाय फिर एक साथ पर्दे पर अंगुलियाँ पड़े जैसे सवेरे फिर छनेगी भंग, तो भंग पर टप्पा पड़ेगा और आधे सेकेण्ड के बाद गाना आरंभ होगा। उस समय हाथ पर्दे पर फुर्ती से चलना अत्यावश्यक है नहीं तो गाने का मजा जाता रहेगा।

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

थियेट्रिकल-गाना

(मज़ाकिया)

सुनो मेरे यारो यह छैला का कहना अकेले रहना बड़ा मंजेदार,
जंजाल हैं जोड़ू बच्चे-पामाल हैं अच्छे अच्छे-हैं हाल यह सच्चे सच्चे-
शादी के यार, सुनो मेरे यारो.....
जोड़ू लाके घर बनाके याद सबक़ किये तीन।
तेल नहीं है नोन मँगादो लावे लकड़ियाँ बीन॥
सुनो तुम और मजेदारी
चोरी करो-कैद भरो चाहे-मरो-चाहे जियो कुछ भी करो-
जोड़ू को पैसे का प्यार-सुनो मेरे यारो.....
अजी जावो जी-अजी जोड़ू है खञ्जर की धार।

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

अजी जावो जी-जोड़ू है फर्मा वरदार-जोड़ू है फर्मा वरदार ॥
करूँ मैं इसको प्यार-लड़ी वार वार—
जोड़ू को पैसे का प्यार-सुनो मेरे यारो.....

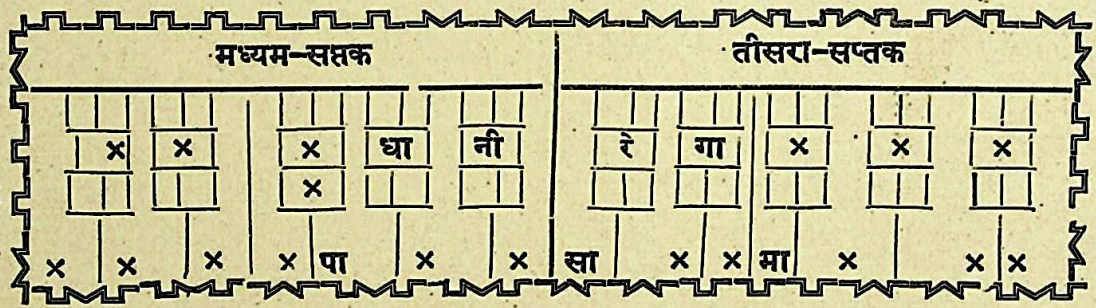

(बोल और सरगम)

बोल—सु-नो—मे-रे—या-रो—यह-छै—ल-का-क-ह-ना-अ
सरगम—धा-पा-धा-नी-सा-सा—नी-सा—रे-गा-रे-गा-रे-सा

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

हारमोनियम मास्टर

बोल—के-ले—र-ह-ना-ब-ड़ा-म-जे-दार ।

सरगम—नी-सा-रे-गा-रे-सा-नी-सा-नी-धा ।

बोल-जंजालहैं जोड़ुवच्चे पामालहैं अच्छे२-हैंहाल यहसच्चे२

सरगम- रे×७ —गा×७ —सा×७

बोल—शा—दी—के—यार ।

सरगम—नी—सा—नी—धा ।

बोल—जो-डू-ला-के-घ-र-ब-ना-के-याद-स-वक-कि-ये-तीन

सरगम—रे—रे-रे-रे-गा-गा-गा-गा-मा-मा-मा-मा-गा-रे-रेगा

बोल—तेल-न-हीं-है-नोन-मँ-गा-दो-लावो-ल-कड़ि-याँ-बीन

सरगम—मा-मा-मा-मा-गा-गा-गा-गा—रे—रे-सा-नी-धा

बोल—सु-नो-तुम-औ-र-म-ज-ये-दा-री-चो-री-क-रो

सरगम—रे—रे—रे-नी-सा-सा-सा-सा-नी-धा-रे—रे—रे-रे

इसके बाद का पद-तेल नहीं इस ढंग पर बजाइये ।

बोल—जो—डू—को—पै—से—का—प्यार

सरगम—सा—सा-नी—सा-सा—नी—धा

नोट—शेष पद गद्य के ढंग पर बजाइये ।

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

तमाशा-असीरेहिर्स ।

गाना

नं० (१) जवाँ दूल्हे पै हूँ मैं निसार।
मुये खूसट पर हूँ मैं निसार-तेरी मेरी जोड़ी बनी मज़ेदार ॥
कि लूली लँगड़ी जोड़ी बनी मज़ेदार-अन्धी कानी जोड़ी बनी मज़ेदार।
शादी करूँगा घोड़े चढ़ूँगा फिर न करूँगा तकरार ॥
मुझे बाली मँगादे-बुन्दे भी लादे-साड़ी दिलादे मुझे चोली के साथ।
तुझे बाली मँगादूँ-बुन्दे भी लादूँ-जूता गठादूँ तुझे मोची के हाथ ॥
अभी लाऊँ-अभी लाऊँ-अभी लाऊँ जान ॥
फिर न करूँ इनकार जवाँ दूल्हे पै.....

प्रथम-सप्तक							मध्यम-सप्तक						
					धा	नी	रे	गा		×	×	×	
×	×	×	सा ४	पा ४	×	×	सा ×	×		मा ×	×	×	

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

(बोल और सरगम)

नं०(१)

बोल—जवाँ दूल्हे पै-हूँ-मैं-नि-सार,-ते—री—मे-री

सरगम—रे × ५-सा-धा-नी-सा,—धा—नी-सा-नी

बोल—जो—ड़ी—ब—नी—म—जे—दार।

सरगम—धा—पा—धा—नी-धा—मा—मा।

४ ४ ४

बोल—शा-दी-क-रूँ-गा-घो-ड़े-च-ढूँ-उँ-गा-फिर-न

सरगम—धा-धा-नी-सा-रे-सा-सा-रे-सा-नी-धा-रे—रे

बोल—क—रूँ—गा—त—क—रार

सरगम—रे—सा—नी—धा-नी—सा

बोल—बा-ली-मँ-गा-दे-बु-न्दे-भी-ल-आ-दे-सा-ड़ी-दि-

सरगम—धा-धा-नी-सा-रे-सा-सा-रे-सा-नी-धा-गा-गा-गा-

बोल—ला-दे-मु-झे-चो-ली-के-साथ-अ-भी-लाऊँ-अ-भी-

सरगम—रे—मा-मा-गा-रे-रे-सा-नी—सा-सा—रे-नी-नी-

बोल—लाऊँ-अ-भी-ला-ऊँ-जान—

सरगम—सा—धा-धा-नी-सा—रे—

नोट—"मुझे खूसट पर हूँ मैं निसार-कि लूली लंगड़ी जोड़ी बनी मजेदार अन्धी कानी जोड़ी बनी मजेदार" यह नं० (१) के ढंग पर बजाइये।

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

तमाशा-असीरे हिर्स

गायन

नं० (२) सूरत सीरत में चन्दा—हरफन कामिल है बन्दा
शकल मुछन्दर अक़ल में वन्दर खासे कलन्दर वाह जी वाह—
मेम्बर बन कर घर घर फिर कर टैक्स लगायेगा वन्दा
आ हा हा हा-वाह वाह वाह-खूब निकाला यह धन्दा-
बुरे भले के सबके गले में टैक्स का डालूँगा फन्दा-
यारों में ग़ारों में भंगी चमारों में धोबी कहारों में पाऊँगा नाम-
कुर्सी पै बैठूँगा यारों में ऐठूँगा-दौलत समेटूँगा मैं सुबह शाम-
मैं खान बाहादुर-बनके-कर लूँगा-ज़र लूँगा-घर रिश्वत से भर लूँगा-
फिर चाल चलूँगा तन के हाँ ! मैं खान बहादुर बनके—
तेरी मेरी प्यारी जोड़ी-एक अन्धा एक कोढ़ी-मतलब पायेंगे मनके—
सूरत सीरत में.....

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

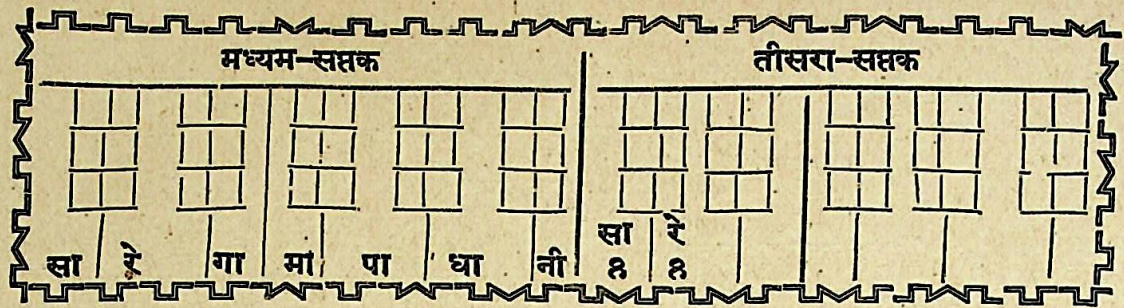

नं० (२) **(बोल और सरगम)**

बोल—सू—र—त-सी—र-त-में—च-न-दा—हर-फ-न-कामि-ल-है-ब-न-दा

सरगम—सा-सा-सा-सा—रे-गा-गा-सा-रे-मा—मा-पा-गा-गा—मा-गा-रे-गा-सा

बोल—शकल मुछन्दर——अ-कल में बन्दर-ख-आ-से-क-ल-न-द-र-वा

सरगम—सा-सा-सा-सा-सा-पा-धा-धा-धा-धा-पा-धा-पा-मा-गा-रे-सा-रे-गा

बोल—ह-जी-ई-वाह- { मे-म्बर-वन-कर-घर-घर फिर कर-टैक्स-ल-गा

सरगम—मा-गा-रे—सा- { सा-गा—गा—गा—रे-मा-मा—मा—गा—रे-सा

बोल—ये-य—गा—ब—न—दा।

सरगम—सा—रे—गा—गा—रे—सा।

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

हारमोनियम मास्टर

बोल—आ-हा-हा-हा-वाह-वा-वाह-खू-ऊ-ऊ-ब-नि

सरगम—सा-सा-सा-सा-पा-धा—धा-धा-पा-धा-पा-मा
ऽ ऽ ऽ ऽ

बोल—का-आ-ला-आ-यह-क-ध-न-दा ।

सरगम—गा—रे-सा—रे—गा-मा-गा-रे-सा ।

बोल—बु—रे-भ-ले-के—ये-स-ब-के-ग-ले-में-टै-क्स

सरगम—सा-सा-सा-सा-सा-नी-धा-नी-नी-धा-पा-धा-मा-गा
ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ

बोल—का-डा-लूँ-गा-य-फ-न-दा ।

सरगम—रे—सा-रे-गा-मा-गा-रे-सा ।

बोल—या-रों-में-गा-रों-में-भं-गी-च-मा-रों-में-धो-बी

सरगम—सा-सा-सा-सा-सा-नी-धा-नी-धा-पा-धा-पा-मा-पा

बोल—क-हा-रों-में-पा-ऊँ-गा-नाम ।

सरगम—मा-गा-मा-गा-रे-गा-रे—सा ।

इसके बाद का पद "यारों में गारों में" के अनुसार बजाइये ।

बोल—मैं-खान-वहा-दु-र—ब-न-के-क—र—लूँ-गा

सरगम—सा-रे—रे—रे-गा-धा-धा-पा-सा-नी—धा-पा
ऽ ऽ

बोल—ज़—र—लूँ-गा-घ-र—रि—श-ब—त-से

सरगम—नी-धा—पा-मा-धा-पा-धा—पा-मा-गा-रे

बोल—भ—र—लूँ—न—गा ।

सरगम—गा-मा—गा—रे—सा ।

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

बोल—फ़िर-वाल-च-लूँ-गा-तन-के-हाँ !-मैं-खान
सरगम—सा—-रे—-रे—रे-गा-धा-धा-पा-सा-रे
ऽ

बोल—वहा-दु-र-ब-न-के ।
सरगम—-रे—रे-गा-धा-धा-पा ।

बोल—ते-री-मे-री—प्या-री-जो-ड़ी,-ए-क-अ-न्धा-ए
सरगम—सा-सा-सा-सा-सा-सा-सा-सा-सा-रे-नी—नी-नी
ऽ

बोल—को-ढ़ी-मत-ल—ब-पा-यें-गे-य-म-न-के ।
सरगम—नी—नी-नी-धा-धा-पा-धा-नी-सा-नी-धा-पा ।
ऽ

नोट—इस गायन को दुगुन में बजाने से विशेष आनन्द आयेगा ।

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

थियेट्रिकल

(मज़ाकिया)

गाना

मैं आफत का परकाला हूँ—बेढब करतब वाला हूँ ।
नाच नचादूँ दम भर में-आग लगादूँ घर घर में ॥
ऐसा नटखट-ऐसा बेढब-ऐसी रंगत वाला हूँ । मैं आफत का.....
जिसको ताका-उसको मारा ।
पौ बारह है पौ बारह है पौ बारह है ॥
हुर्रे-हिप हिप हुर्रे—मैं आफत का.....

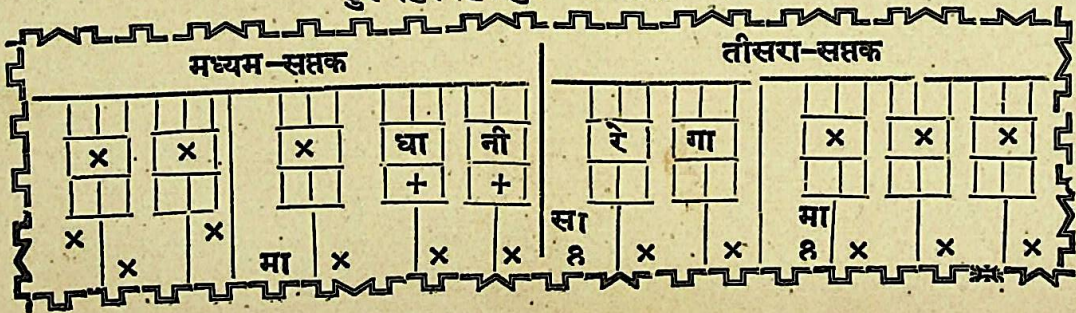

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

हारमोनियम मास्टर

(बोल और सरगम)

बोल—आ-फत-का-पर-का-ला-आ-हूँ-मैं-बे-ढब-कर
सरगम—मा—सा-सा-सा—रे-सा-नी-नी-नी-धा-नी-नो
ऽ ऽ ऽ ऽ

बोल—तब-वा-आ-ला-आ-हूँ-मैं- { मैं ।
सरगम—नी-सा-रे—सा-नी-धा-धा- { धा
ऽ ऽ

(मैं प्रथम से पुनः बजाइये)

बोल—नाच-न-चा-दूँ-दम-भर-में-आग-ल-गा-दू
सरगम—गा-गा-गा-सा—रे—रे—रे—सा-नी-नी-न
ऽ

बोल—घ—र—घ—र—म
सरगम—सा-रे—सा-नी-धा ।
ऽ ऽ

बोल—ऐ-सा-नट-खट-ऐ-सा-बे-ढब-ऐ-सी-रं-गत-ब
सरगम—धा-सा-नी—रे-सा-गा-रे-मा-सा-सा-नी-नी-सा
ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ

बोल—आ—ला—आ—हूँ—मैं ।
सरगम—रे—सा—नी—धा—धा ।
ऽ

(मैं आफत का.....पुनः बजाइये)

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

हारमोनियम मास्टर

बोल—जिस-को-ता-का-उस-को-य-मा-रा-पौ-वा-रह

सरगम—धा—सा-सा-सा-रे—रे-सा-नी-नी-मा-गा—रे
ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ

बोल—हैं—पौ—वा—रह—हैं-पौ—वा—रह—हैं।

सरगम—सा-गा—रे—सा—नी—धा-धा—धा-धा।
ऽ ऽ

बोल—हुर—रे—हिप—हिप—हुर्रे—

सरगम—मा—गा—सा—नी—सा-रे-गा-रे-सा-नी-धा।
ऽ

नोट—यह गाना तेज चाल में आनन्द देगा।—

गा-रे-सा-नी-धा-इतने स्वर बहुत ही फुर्ती के साथ बजाइये।

सूचना—इस गायन को तीन चार बार बजाइये।

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

तमाशा-जाम जहानुमा

गाना

नं० (१) पनाह ! पनाह ! खुदा की पनाह-

नं० (२) की औरत पै औरत उठा इतनी अज़ीयत गया मर
खुदा की पनाह-

निकाह ! निकाह ! हुआ जब निकाह-

तब औरत ने डाँटा—कि ला दाल आटा चले घर

खुदा की पनाह-

शादी ! शादी ! जो हुई दूसरी शादी-

मिली उसकी दादी-दुहाई मचादी सरासर

खुदा की पनाह-

पनाह ! पनाह ! खुदा की पनाह-

इधर इसने खींचा उधर उसने ईंचा फटा शिर
खुदा की पनाह-

पनाह ! पनाह ! खुदा की पनाह-

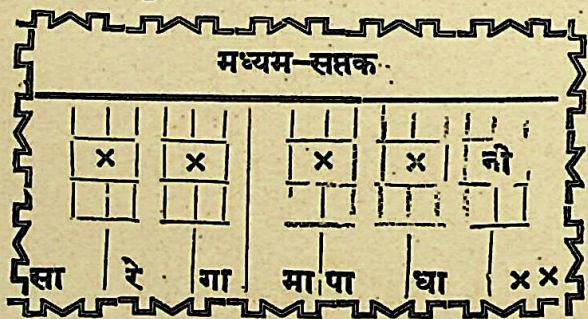

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

हारमोनियम मास्टर

(बोल और सरगम)

न० (१ +)

बोल—प-नाह-प-नाह-खु-दा-की-प-नाह ।

सरगम—सा-मा-सा-मा-सा-मा-गा-रे-सा ।

न० (१ ×)

बोल—प—नाह-प-नाह-खु-दा-की-प-नाह

सरगम—सा-मा-सा-मा—सा-मा-गा-मा-पा

न०-(२)

बोल—की-औरत-पै-औरत

सरगम—मा-धा-धा-धा-धा-धा

बोल—उ-ठा इतनी अजीयत-गा-या

सरगम—पा-नी-नी-नी-नी-नी-पा-धा-

बोल—मर-खु-दा-की-प-नाह

सरगम—पा-मा-गा-रे-गा-मा-पुनः प्रथम से बजाइये ।

नोट—न० (१+) को प्रथम से बजाइये और जब २ (१×) को अन्तरे अर्थात् नम्बर (२) में मिलाने की इच्छा हो तो नम्बर (१×) को बजाइये

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

राग—भैरवी

ताल—तृताल

मात्रा—१६

समय—प्रातःकाल—

(मंगलाचरण)

रामायण

जय जय सुर नायक जन सुख दायक प्रणत पाल भगवन्ता ।
गो द्विज हितकारी जय असुरारी सिन्धु सुता प्रिय कन्ता ॥
पालन सुर धरणी अद्भुत करणी मर्म न जानै कोई ।
जो सहज कृपाला दीन दयाला करहु अनुग्रह सोई ॥
जय जय अविनाशी सब घट वासी व्यापक परमानन्दा ।
अविगत गोतीता चरित पुनीता माया रहित मुकुन्दा ॥

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

ज्यहिं लागि विरागी अति अनुरागी विगत मोह मुनिवृन्दा ।
निशि वासर ध्यावहिं हरिगुण गावहिं जयति सच्चिदानन्दा ॥
ज्यहिं श्रृष्टि उपाई त्रिविध बनाई संग सहाय न दूजा ।
सो करहु अघारी चिन्त हमारी जानिय भक्ति न पूजा ॥
जो भव भय भंजन जन मन रंजन गंजन विपति बरूथा ।
मन वच क्रम बानी छाँडि सयानी शरण सकल सुर यूथा ॥

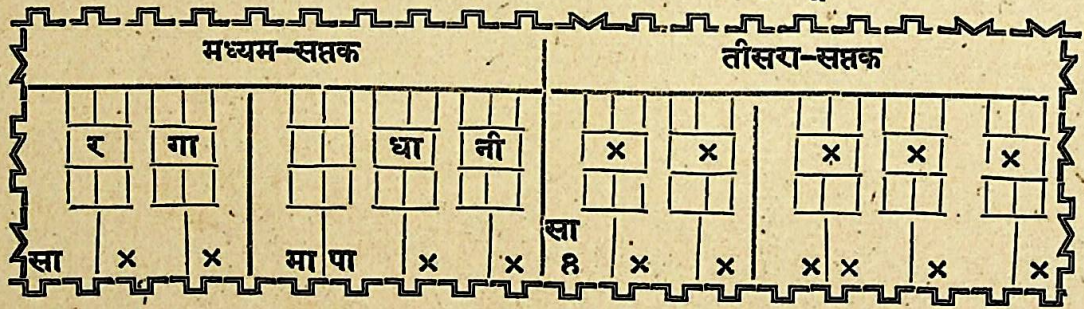

सरगम

सा-सा-गा-गा-मा-मा-मा-पा-पा-धा-धा-नी-नी-नी-सा-नी-धा-पा-मा-गा-रे-सा

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

हारमोनियम मास्टर

(ताल, बोल, सरगम और ठेका)

खाली

ताल—१ २ ३ ४

बोल—जय-जय-सु-र-ना-य-क-ज-न-सु-ख-दा-य-क

सरगम—सा-सा-गा-गा-गा-मा-मा-पा-पा-धा-धा-नी-नी-नी

ठेका—ता-तिं-तिं-ता-धा-धिं-धिं-ता-धा-धिं-धिं-ता-धा-धिं

ताल— १ २

बोल—प्रण—त—पा—ल—भ—ग—वन—ता

सरगम—सा—नी—धा—पा—मा—गा—रे—सा

४

ठेका—धिं—ता—धा-धिं-धिं—ता—धा—धिं

नोट—शेष पद उपरोक्त नियम से बजाइये।

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

पद–कबीरदास

मुखड़ा क्या देखो दर्पन में–तेरे दया धरम नाह मन में।
कागज़ की तो नाव बनाई छोड़ दई जल थल में॥
धर्मी धर्मी पार उतर गये पापी डूबे जल थल में।
मुखड़ा क्या देखो दर्पन में॥
पेच मार के पगड़ी बाँधी तेल डाला जुलफन में।
यही बदन पर घास उगैगी गौवें चरेंगी बन में।
मुखड़ा क्या देखो दरपन में॥
हाथ कड़े तेरे कान में मुरकी उतार लेवे पल में।
कटी काया का नाहिं भरोसा डेरा दिया जंगल में॥
मुखड़ा क्या देखो दर्पन में॥

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

दर्पन लेके सूरत देखी फूल गया फूलन में ।
कहत कबीरा सुनो भाई साधो रह गई मन की मन में ॥

मुखड़ा.....

मध्यम-सप्तक							तीसरा-सप्तक						
	रे	गा		मा	धा	नी	रे	×		×	×	×	
	+			+		+	−						
×		×	×	मा	×	×	नी ×	×	×	×	×	×	×

(बोल और सरगम)

बोल—मु—ख—ड़ा— क्या— दे— खो— दर—पन—में

सरगम—रे—रे—रे—गा—रे—गा—मा—मा—मा—मा—मा—गा—मा—गा—रे

+ + + ÷ +

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

हारमोनियम मास्टर

बोल—ते—रे—द—या—ध—रम—न—हीं—मन—में

सरगम—धा धा-धा-धा—नी—धा—मा—मा—मा—गा

+

(पुनः प्रथम से बजाइये)

बोल—का-गज़-की-तो-नाव-ब-ना-ई- छोड़

सरगम—मा-मा-मा-मा-धा-धा-धा-धा-मा-धा-नी

+ + + + +

बोल—दई—ज—ल—थल— में

सरगम—नी-नी-धा-मा-मा-धा-नी-धा

+

सरगम—रे—रे—रे—रे—नी-नी-धा-धा-धा-धा

बोल—धर्मी-धर्मी पा-र उतर गये

सरगम—धा-नी-धा-मा-मा-मा-गा

+

बोल—पा-पी-डू-बे-ज—ल—में

नोट-शेष पद उपरोक्त ढंग से बजाइये।

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

पद—गोपीचन्द

गायन

दुनियाँ सारी समझो झूठी झूठा जग संसार है।
काया झूठी माया झूठी झूठा जग संसार है॥
माल खज़ाना धन दौलत जोवन और जवानी है।
जावे इतको जावे उतको जैसे जल की धार है॥
जल में थल में भर जंगल में दिन बादल में कल बेकल में।
दुनियाँ सारी समझो झूठी झूठा जग संसार है॥

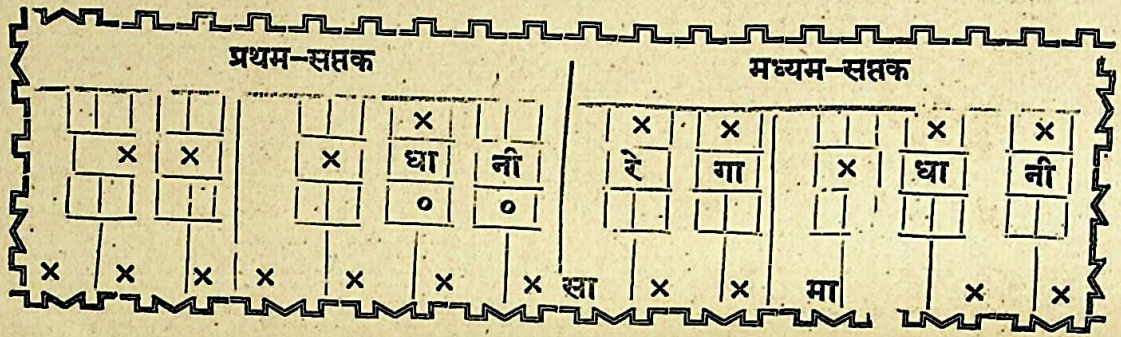

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

हारमोनियम मास्टर

(बोल और सरगम)

न०-(१) टेक

बोल—दुनि-याँ-सा—री—सम—झो—झू—ठी-झू-ठा

सरगम—सा—सा-सा-नी-सा-रे-गा-गा-रेसा-नी-धा-मा-मा

बोल—ज—ग—स—न—सा-र—है

सरगम—मा—गा-गा—रे—सा-रे—गा

दूसरा पद उपरोक्त ढंग से बजाइये।

बोल—मा-ल—ख-जा-ना-धन-दौ—ल—त

सरगम—गा-गा—गा-मा-पा-धा-धा—धा—धा

बोल—जो-वन-औ-र—ज-वा-नी—ई ई ई

सरगम—पा-पा-पा-मा-पा-धा-पा-मा-धा-पा-मा-गा

बोल—जावे-इ—त—को

सरगम—मा—मा-मा-मा-मा

बोल—जा- वे- उ- त - को

सरगम—गा—मा-मा—गा—गा—गा—गा

बोल—जै—से-ज-ल—की—धा-र-है

सरगम—मा-मा-मा-गा-गा-रे-सा-रे-गा

नोट-शेष पद (न० १) टेक पर बजाइये।

(२)प्रथम पहिला पद अन्तरे पर और दूसरा दूसरी स्थाई के ढंग पर रहेगा।

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

दादरा

तरकारी लेलो मालिन तो आई बीकानेर से ।
सोया बेचूँ पालक बेचूँ औ बेचूँ चौलाई ॥
भर बज़ार में डंडी मारूँ मैं मालिन की जाई ।
रे तरकारी लेलो .....
गाजर बेचूँ मूली बेचूँ और बेचूँ घुइयाँ
भरे बज़ार में आँख लड़ावे वही मेरा पिया ।
रे तरकारी लेलो.....
गाजर की तो तोप बनाई मूली का दरवाजा ॥
शकरकन्द की तोप बनाई लड़े फिरंगी राजा ।
रे तरकारी लेलो.....
जैपुर बेचूँ जोधपुर बेचूँ और बेचूँ बीकानेर ॥
बैगन बाबू से टिकट कटाया जाती हूँ अजमेर ।
रे तरकारी लेलो.....

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

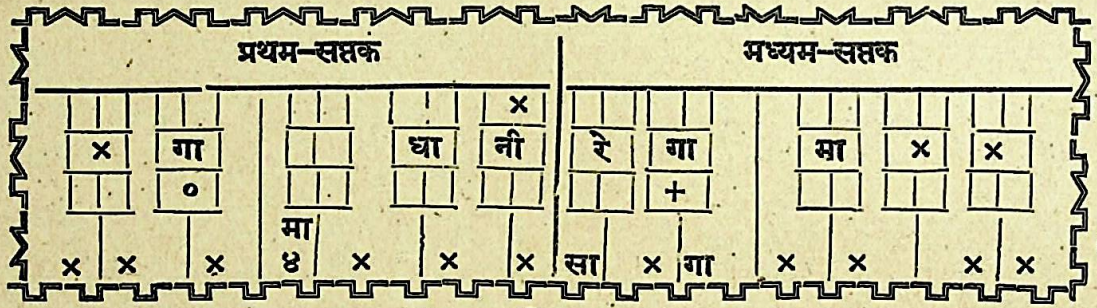

(बोल और सरगम)

बोल—त—र—का—आ—री—ले—ए—लो—मा—आ—आ—लिन—तो

सरगम—गा—गा—मा—धा—धा—नी—नी—सा—नी—सा—रे—रे—रे

० ० ४

बोल—आ—ई—बी—का—ने—र—से।

सरगम—सा—सा—नी—सा—नी—धा—मा—मा।

—— ४ ४

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

हारमोनियम मास्टर

बोल—सो-या-बे-चूँ-पा-ल-क-बे-चूँ—और—बे-चूँ-

सरगम—रे—रे—रे—रे-गा-गा-गा-गा-गा-रे-गा-मा—मा-मा-

+ + + + +

बोल—च—व—ला—आ—आ—ई।

सरगम—गा—रे—रे—गा—मा—गा।

+

बोल—भरे-व-जा-र—मैं—डं-डी-मा-रूँ-मैं-मा-लिन-

सरगम—मा-मा-मा-मा-मा-गा-गा-गा-गा-मा-मा—गा-

बोल—की—जा—ई।

सरगम—रे—सा-सा।

बोल—रे—त—र—का—री—ले—लो-

सरगम—नी-धा-धा—धा—धा-नी—सा-

मालिन तो आई बीकानेर से-

(पुनः प्रथम से बजाइये)

नोट-शेष पद उपरोक्त नियम से बजाइये।

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

हारमोनियम मास्टर

राग—मल्हार

ताल—तृताल

मात्रा—१६

तर्राना

तूम तनातः दिरना नदारे दानी तनूम तनूम तन दिरना नदारे दानी
तूम दिर दिर दिर दिर दिर दिर दिर दिन तनः न न न न न न-
दिर दिर दिर दिर दिर दिर दिर दिर न न न न न न-
दिर दिर दिर दिर दिर दिर दिर दिर न न न न न न-
तूम तना.....।

सूचना—(१) अब अगले पृष्ठों में हारमोनियम के नकशे नहीं दिये जायेंगे कारण यह कि अभ्यास हो जानेपर भी बगैर पुस्तक के देखे बजाने में असुविधा आ पडेगी अतः बिना पुस्तक व नकशे देखे संगीत प्रेमी अभ्यास करें किन्तु संकेत के चिन्ह को भली भाँति समझ लें और अभ्यास करें।

(२) प्रथम दो तीन बार सरगम बजाना चाहिये जिससे अंगुलियाँ खुल जाँय और यह ज्ञात हो जाय कि इस गाने में इतने स्वर हैं-दो प्रथम सप्तक के दो मध्यम सप्तक के इत्यादि।

(३) थियेट्रिकल गायन दोनों हाथ से बजाना चाहिये।

(४) बजाते समय ताल का ध्यान रखना अत्यावश्यक है इसलिये ठेके के साथ बजाना चाहिये।

(५) पिछले पृष्ठों में तबले का बयान लिखा गया है सीखने वाले विशेष रूप से उसका ध्ययन करें जिससे वे लापर्वाही के साथ हारमोनिय बजा सकेंगे-अर्थात् बेताल होने का भय न रहे।

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

राग भैरव-ताल-तृताल

मात्रा—१६

अर्धमात्रा-१२

स्थाई

			सम					
ताल—			१					
मात्रा—१६			१		२		३	४
अर्धमात्रा—३१-३२—	१	२		३	४	५	६	७ ८
सरगम—नी	नी	स	स	ग	ग	म	म	प प

ताल—				२				३	
मात्रा—	५	६		७		८		९	
अर्धमात्रा—	९ १०	११ १२		१३ १४		१५ १६		१७ १८	
सरगम—ध	ध	ध	ध	प	प	प	प	म	म

ताल—						४ खाली						
मात्रा—	१०	११		१२			१३		१४		१५	
अर्धमात्रा—	१९ २०	२१ २२		२३ २४		२५	२६		२७ २८		२९ ३०	
सरगम—ग	रे	ग	ग	म	म	ग	ग		रे	रे	सा	सा

अन्तरा

ताल—		१							२	
मात्रा—१६		१		२		३		४	५	
अर्धमात्रा—३१ ३२	१	२	३	४	५	६	७	८	९ १०	
सरगम—ध	ध	ध—		ध	ध	—नि		—नि	स—	

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

ताल— ३

मात्रा—६ ७ ८ | ९ १०

अर्धमात्रा—११ १२ १३ १४ १५ १६ | १७ १८ १९ २०

सरगम—स — स — स स | नि — ध ध

ताल— ४ खाली

मात्रा— ११ १२ १३ | १४ १५

अर्धमात्रा—२१ २२ २३ २४ २५ २६ | २७ २८ २९ ३०

सरगम—नि — स — नि — | ध — प —

ताल— १ २

मात्रा—१६ १ २ ३ ४ ५ ६

अर्धमात्रा—३१-३२ १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२

सरगम—प प ध— स स नि—स — ध — नि नि

ताल— ३

मात्रा—७ ८ ९ १० ११ १२

अर्धमात्रा—१३ १४ १५ १६ १७ १८ १९ २० २१ २२ २३ २४

सरगम—प — ध — प म — प प ग — म —

ताल—४ खाली

मात्रा—१३ १४ १५ १६

अर्धमात्रा—२५ २६ २७ २८ २९

सरगम—ग रे — स—

अब यहाँ से नक्शे नहीं दिये जायँगे केवल ताल मात्रा अर्धमात्रा और सरगम इत्यादि ही रहेंगे। सीखने वाले ध्यान पूर्वक इसको समझें और सरगम को कण्ठाग्र कर लें मैं आशा करता हूँ कि भली भाँति अभ्यास कर लेने पर ताल मात्रा और सरगम ५, ७ दिन में बजा लेंगे।

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

हारमोनियम मास्टर

नं० १ (आरोह)

चौथी मात्रा खतम होने के बाद पाँचवीं से आरम्भ होता है।

ताल—			२					३		
								+		
मात्रा—	५		६		७		८	९	१०	+
अर्धमात्रा—	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९
सरगम—	स	रे	ग	म	र	ग	म	प	ग	म	प

४ खाली

१०	११	१२	१३	१४	१५
+					
२० २१ २२ २३ २४	२५ २६ २७ २८	२९ ३०
ध म प ध नि	स नि ध प	म ग

नं० २ (अवरोह)

पाचवीं मात्रा (दूसरी ताल) से शुरू होता है।

ताल—			२							३	
										+	
मात्रा—	५		६		७		८	९			१०
अर्धमात्रा—	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०
सरगम—	स	नि	ध	नि	ध	प	ध	प	म	प	म	ग

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

४ खाली

११		१२		१३		१४		१५	
२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०
रे	ग	म	प	ध	प	म	ग	रे	स

ऊपर आरोह और अवरोह ताल मात्रा और सरगम के साथ दिया गया है और यह बतलाया गया है कि एक एक मात्रा का अन्त होने के बाद दूसरी मात्रा कहाँ से उठाई जायगी। ध्यान पूर्वक अभ्यास करने से फिर कठिनाई नहीं रहेगी।

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

नं० ३

पलटा

पाँचवीं मात्रा से आरम्भ किया जाता है।

ताल— २ ३
—
+

मात्रा—	५	६	७	८	९	१०						
अर्धमात्रा—	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०
सरगम—	नि	ध	प	नि	ध	प	म	प	ग	म	प	ध

४ खाली

मात्रा—	११	१२	१३	१४	१५							
अर्धमात्रा—	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०		
सरगम—	नि	स	नि	ध	प	ध	प	म	ग	रे		

सीखने वाले इन सब सरगम को अच्छी तरह से अभ्यास कर लें। पिछले पृष्ठों में नक्शे सहित गज़ल, ठुमरियाँ, दादरे, इत्यादि बतलाये गये हैं। परन्तु अब आगे भजन, गज़ल, दादरे ठुमरियाँ इत्यादि उसी तरह लिखे जाते हैं। मैं आशा करता हूँ, सीखने वाले हर एक सरगम का अभ्यास कर लाभ उठायेंगे।

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

राग भैरव

ताल इकताला

(मात्रा १२)

अर्धमात्रा—२४

भक्त सूरदास जी का पद

(गाना न० १)

दीनन दुख हरन नाथ सन्तन हितकारी ।
गज गिराह अजामिल इनको कही कौन भेल ।
पंछी पद पंच नाम गणिका सी तारी ॥
ध्रुव के सिर छत्र देत प्रह्लाद को उबार देत ।
सीता हेत बाँधो सेत कनक पुरी जारी ॥
तन्दुल प्रभु त्याग देत सागसों लगायो हेत ।
भीलनी के जूठ बेर खट्ट अरु खारा ॥
बचनन आरूढ़ भये ताई छिन प्रगट भये ।
सूर कूर शरण आयो आँधरो भिखारी ॥

(अब यह भजन ताल मात्रा बोल सरगम और ठेका)
इत्यादि में दिया जाता है)

(सरगम न० १ भजन का)

	सम		
ताल—	२	३	१
मात्रा—	५ ६ ७ ८	९ १० ११ १२	१ २ ३ ४
बोल—	दी ई न न	दु ख ह र	न ना आ थ
सरगम—	म़ म ग ग	रे़ रे़ स स	नि स— रे़
ठेका—	धी धी ना (तृक्)तू ना(कत्)	ता धी(तृक्)धी ना	

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

ताल—	२	३	१
मात्रा—	५ ६ ७ ८	९ १० ११ १२	१ २ ३ ४
बोल—	सं अं त न	हि त का आ	री ई ई ई
सरगम—	ग —म़ म़	ग रे ग —	म — — —

ठेका—धी धी ना(तृक्) तू ना (कत्) ता धी(तृक्) धी ना

अन्तरा

ताल—	२	३	१
मात्र —	५ ६ ७ ८	९ १० ११ १२	१ २ ३ ४
बोल—	ग ज गि रा	आ ह अ जा	आ मि ई ल
सरगम—	ध़ ध़ ध़ ध़	— ध़ नि नि	— स— स़

ठेका—धी धी ना(तृक्) तू ना (कत्) ता धी(तृक्)धी ना

ताल—	२	३	१
मात्रा—	५ ६ ७ ८	९ १० ११ १२	१ २ ३ ४
बोल—	इ न को ओ	क हो कौ औ	न भे ए ल
सरगम—	ध़ ध़ ध़ —	नि नि स नि	ध़ प — प

ठेका—धी धीना(तृक्) तू ना(कत्)ता धी(तृक्)धी ना

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

हारमोनियम मास्टर

ताल—	२	३	१
मात्रा—	५ ६ ७ ८	९ १० ११ १२	१ २ ३ ४
बोल—	पं अं छी ई	प द प अं	चं ना आ म
सरगम—	म — म —	ग म प —	प ध — ध
ठेका—	धी धी ना(तृक्)	तू ना(कत्)ता	धी(तृक्)धी ना

ताल—	२	३	१
मात्रा—	५ ६ ७ ८	९ १० ११ १२	१ २ ३ ४
बोल—	ग णि का आ	सी ई ता आ	री ई ई ई
सरगम—	प — म —	ग रे ग —	म - - -
ठेका—	धी धी ना(तृक्)	तू ना (कत्)ता	धी(तृक्)धी ना

नोट-शेष पद स्थाई और अन्तरे के ढंग से बजाइये।

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

(गाना नं० २)

रागिनी भैरवी

ताल तृताल

(मात्रा—१६)

अर्धमात्रा—३२

अस्थाई खाली

ताल— १ २ ३ ४

मात्रा—१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४

सरगम—नि़ सा ग म़ प ध़ प प प प ध़ नि ध़ प

ठेका—धा धिं धिं ता धा धिं धिं ता धा धिं धिं ता ता तिं

१ २ ३

१५ १६ १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२

प ध़ म प़ ग म प़ नि ध़ प म़ ग ग़ म

तिं ता धा धिं धिं ता धा धिं धिं ता धा धिं धिं ता

४ खाली १३ १४ १५ १६

ग़ रे़ सा़ रे़

ता तिं तिं ता

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

अन्तरा

ताल—	१	२	३
मात्रा—	१ २ ३ ४	५ ६ ७ ८	९ १० ११ १२
सरगम—	ध़ म ध़ नि	स़ स़ स़ स़	नि नि स़ ग
ठेका—	धा धिंधिं ता	धा धिंधिं ता	धा धिं धिं ता

खाली

ताल—	४	१	२
मात्रा—	१३ १४ १५ १६	१ २ ३ ४	५ ६ ७ ८
सरगम—	रे स़ नि ध़	प म ग़ ग़	ग ध़ प ध़
ठेका—	ता तिं तिं ता	धा धिं धिं ता	धा धिं धिं ता

	३	४ खाली
मात्रा—	९ १० ११ १२	१३ १४ १५ १६
सरगम—	म़ प ग म़	ग़ रे़ सा़ रे
ठेका—	धा धिं धिं ता	ता तिं तिं ता

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

(न० ३ आरोह और अवरोह)

विशेष ध्यान देने योग्य बातें

सीखने वाले को याद रखना चाहिये कि यह सरगम तीसरी ताल से शुरू करे अर्थात् अस्थाई को बजाकर उसके बाद 'नि स ग म प ध प प' इसको बजाकर इस सरगम को नवीं मात्रा से शुरू करे।

		खाली	
ताल—	३	४	१
मात्रा—	९ १० ११ १२	१३ १४ १५ १६	१ २ ३ ४
सरगम—	स रे ग़ म़	प ध नि स	स नि ध प
		×	× ÷
ठेका—	धा धिं धिं ता	ता तिं तिं ता	धा धिं धिं ता

			खाली
ताल—	२	३	४खाली
मात्रा—	५ ६ ७ ८	९ १० ११ १२	१३ १४ १५ १६
सरगम—	म़ ग़ म़ प	नि ध प़ म	ग रे स़ रे
		×	×
ठेका—	धा धिंधिं ता	धा धिं धिं ता	ता तिं तिं ता

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

पलटा नं० १

ताल— ४ खाली १ २

मात्रा—१३ १४ १५ १६ १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८

सरगम—स ध नि प ध म प ग म प ध नि

ठेका—ता तिं तिं ता धा धिं धिं ता धा धिं धिं ता

ताल— ३ ४ खाली

मात्रा—९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६

सरगम—स नि ध प म ग स रे

ठेका—धा धिं धिं ता धा धिं धिं ता

इस सरगम को भली प्रकार से कण्ठाग्र कर अभ्यास करें।

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

(गाना न० ३)

राग खम्माच

ताल—तृताल

(मात्रा—१६)

अर्धमात्रा-३२

अस्थाई—गाना।

आज परबस भई।
सखीरी मोहे कल न आवेरी,
का करूँ कैसे करूँ कित जाऊँ सजनी,
बिरह की मारी मैं तो कल न पड़त,
सखीरी मोरी लाज गई॥

ताल—			३				४ खाली						१			
मात्रा—	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१	२	३	४				
बोल—	आ	ज	प	र	ब	स	भ	ई	स	खी	री	मो				
सरगम—	सा	नि	ध	म	प	ध	नि	सा	नि	प	ध	नि				
	×							×	+			×				
ठेका—	धा	धिं	धिं	ता	ता	तिं	तिं	ता	धा	धिं	धिं	ता				
ताल—			२					३								
मात्रा—			५	६	७	८		९	१०	११	१२					
बोल—			हे	क	ल	न		हीं	आ	वे	री					
सरगम—			सा	नि	ध	प		म	ग	रे	रे					
				+												
ठेका—			धा	धिं	धिं	ता		ता	तिं	तिं	ता,					

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

हारमोनियम मास्टर

ताल-- ३ ४ खाली १

मात्रा—९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १ २ ३ ४

बोल--का क रूँ कै से क रूँ कि त जा ऊँ स

सरगम—नि ध नि ध प म ग म प ग म ग

× × +

ठेका-- धा धिं धिं ता ता तिं तिं ता धा धिं धिं ता

ताल— २

मात्रा—५ ६

बोल—ज नी

सरगम—रे सा

ठेका--धा धिं

ताल--३ ४ खाली १ २

मात्रा—९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १ २ ३ ४ ५ ६

बोल—वि र ह की मा री मैं तो क ल न प ड़ त

सरगम—प प प ध म प नि सा रे ग रे सा नि सा

× × — × ×

ठेका—धा धिं धिं ता ता तिं तिं ता धा धिं धिं ता धा धिं

ताल— ३ ४ खाली

मात्रा—७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६

बोल—स खी री मो री ला ज ग ई री

सरगम—सा नी ध म प ग म ग रे सा

× ० ० ० ×

ठेका—धिं ता ता तिं तिं ता धा धिं धिं ता

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

गाना अन्तरा

हाँ हाँ करत तोरे पैयाँ पड़त हूँ ।
जो पिया आन मिलेंगे मोसे ।
सास चेरी नजर भई तोरी हाँ ॥

सरगम अन्तरा

ताल— २ सम ३ ४ खाली १
बोल—हाँ हाँ क र त तो रे पै याँ प ड़ त हूँ
सरगम—प प ध म प नि सा रे ग सा रे नि सा
× × — × × ×
ठेका—धा धिं धिं ता ता तिं तिं ता धा धिं धिं ता ता
खाली
ताल— २ ३ ४
बोल—जो पि या आ न मि लें गे ए ए मो से
सरगम—सा नि ध म म प ग ग म प रे सा
× × ÷ +
ठेका—तिं तिं ता धा धिं धिं ता ता तिं तिं ता धा
ताल— १ २ ३
बोल—सा स चे री न ज र भ ई तो ओ री ई हाँ
सरगम—प ध नि सा सा नि ध प म ग रे सा नि सा
ठेका—धिं धिं ता धा धिं धिं ता ता तिं तिं ता धा धिंता

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

ताल-तृताल

(मात्रा—१६)

अर्धमात्रा—३२

स्थाई

ताल—१ २ सम ३ ४ खाली

सरगम—सा रे ग म ध नि सा नि ध प म प ध

ताल— १ २ ३

सरगम—म प ग म रे ग म ध प रे प ग स रे

अन्तरा

ताल—१ २ ३ ४ खाली १

सरगम—प प सा सा नि रे सा सा ध नि सा रे सा नि धपप

× × × × × × × ×

ताल— २ ३ ४ खाली १

सरगम—सा नि ध प ग म ध प रे ग म प ग म रे सा

ताल— २ ३ ४ खाली १

सरगम—सा रे ग म ध नि सा नि ध प म प ग म रे सा

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

सरगम मेघ राग

ताल तृताल

(मात्रा—१६)

अर्धमात्रा—३२

(१) खाली

ताल—१ २ ३ ४

सरगम—स स नि ध प नि ध प नि ध प नि ध

ठेका—धाधिं धिं ता धा धिं धिं ता धा धिं धिं ता धा

सरगम—प नि ध

ठेका—धिं धिं ता

ताल—१ २ ३ ४ खाली

सरगम—प प ध प ध पमप म रे रे म प

ठेका—धा धिं धिं ता ता तिं तिंता धा धिंधिं ता धा

सरगम—सा ध प

ठेका—धिं धिं ता

(२)

ताल—१ २ ३ ४ खाली

सरगम—सा सा स स नि ध नि प म म रे रे सा

ठेका—धा धिं धिं ता धा धिं धिं ता धा धिं धिं ता ता

ताल— १ २ ३

सरगम—स स रे रे म म म प प ध नि ध नि

ठेका—तिं ति ता धा धिं धिं ता धा धिं धिं ता धा धिं

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

ताल— ४ खाली

सरगम—प म रे रे

ठेका—धिं ता धा ध

खाली

ताल— १ २ ३ ४

सरगम—म म म प प प नी नी सा स सा नि नि स स

ठेका—धिं ता धा धिं धिं ता ता तिं तिं ता धा धिं धिं ता धा

ताल— १ २ सम ३

सरगम—रे रे सा स ध नि प म म म म म रे स स

ठेका—धिंधिं ता धा धिं धिं ता धा धिं धिं ताता तिंतिं ता

सरगम होली ।

नी सा रे ग ग मा मा, म म प ध म रे ग म प म
प म प ध नि ध प म रे, प मा ग रे नी स रे ग
ग मा मा, म म म प धा ध नि स नि धा नि स नि धा
प म मा रे ग म प ध नि स नि ध नि स सा
रे स नी ध नी स रे ध नी रे स स नि ध प म
म प ध नि स नी

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

राग विहाग—ताल तृताल

मात्रा—१६

(गाना नं० ४)

स्थाई

देखो सखी कन्हैया रोके ठाढ़ो हैं गैल।
पनियाँ भरन कैसे जाऊँ मोरी आली ॥

(अन्तरा)

मैं जल जमुना भरन जाती थी।
बीच में मिल गये नन्द को छैल ॥

स्थाई।

ताल—१ २ ३
बोल—दे खो स खी क न्है या रो के ठा ढ़
सरगम—प नी सा ग सा ग म प प ग म
ठेका—धा धिं धिं ता धा धिं धिं ता धा धिंधिं

ताल— ४
बोल—है गै ल
सरगम—ग सा नी
ठेका—ता धा धिं

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

ताल— १ २ ३ ४ खाली

बोल—प नि याँ भ र न कै ए से जा ऊँ मो री आ ली

सरगम—सा म ग प म प सा नी प प म ग ग सा नी

÷ ÷

ठेका—धिंता धाधिं धिं ता धा धिं धिंता धा धिंधिं ता धा

अन्तरा

खाली

ताल—१ २ ३ ४

बोल—मैं ज ल ज मु ना आ भ र न जा आ ती थी

सरगम—सा म ग प प नी नी सा सा सा सा नी रे सा

× × × × ××

ठेका—धाधिं धिंता ता तिं तिं तो धा धिं धिं ता धाधिं

ताल— १ २ ३

बोल—बी च में मि ल ग अ ए न न्द को छै ल

सरगम—ध नी सा नी ध प म प म ग ग सा नी

÷

ठेका—धिं ता धा धिं धिं ता धा धिं धिं ता धा धिं धिं

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

गज़ल रागिनी-भैरवी

ताल-कौव्वाली

मात्रा-८

(गाना नं० ५)

बरसें सौ हो गई हैं हमको वतन से निकले।
फिरकर न हुआ जाना ऐसे शकुन से निकले॥
रो रो कफस[1] में बुलबुल गुलचीं[2] से कह रहा था।
देखा नहीं है गुल[3] को जब से चमन से निकले॥
टुक देर को तू प्यारे बाली[4] पै मेरे आजा।
जानूँ[5] पर सर हो तेरे जब जान तन से निकले॥
लाया था क्या सिकन्दर दुनियाँ से ले गया क्या।
थे हाथ दोनों खाली बाहर कफन से निकले॥

(१) पिंजड़ा (२) माली (३) फूल (४) सिरहना (५) घुटना।

स्थाई

बोल—ब र,सें,पें, सी ई, ई हो ओ ग,ई ई, है पें पें पें ह म

सरगम—स स रे रे म म म प ध प म रे ग ग ग ग स रे

× ० ० ० ०

लय— = = = = = = = = =

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

बोल—को ओ ओ व (तन्) अं अं से नि क ले ए ए ए
सरगम—स् स स रे ग ग ग म रे स स स स
लय— = = = = = = = =

नोट—फिरकर हुआ न जाना-इत्यादि इसी प्रकार।

अन्तरा

बोल—रो ओ रो ओ ओ क फ़ स अ में बु ल बु ल
सरगम—ध ध प प प प प प प ध प म म म
लय—
= = = =

बोल—अ गु ल चीं ईं ईं से क ह अ र हा आ था आ आ आ
सरगम—म म प ध ध ध नि ध ध ध म म म म म म म म
लय—= = = = = =

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

ठुमरी खम्माच

ताल—तृताल

(गाना न० ६)

सखीरी मेरा मन कान्हा बाँसुरी बजाय के लुभाय लीन्हों।
कान्हा बिन चैन न पड़त, जोया पीर भई बैरिन तरसायो॥
सखीरी मेरा मन कान्हा बाँसुरी बजाय के लुभाय लीन्हों॥

ताल – १ २ ३
बोल—स खी री मे रा म न का न्हा
सरगम—स स स ग ग ग म म म
ठेका—धा धिं धिं ता ता ता तिं ता धा
खाली

ताल— ४ १ २
बोल—बाँ सु री ब जा य के लु भा य ली न्हों
सरगम—म प प ध स स नि ध ध ध म प

ठेका—धिं धिं ता धा धिं धिं ता धा धिं धिं ता ता
ताल— ३ ४
बोल—का न्हा बि न चै न न प ड़ त
सरगम—प प ग ग ग म ग ग म म
ठेका—तिं तिं ता धा धिं धिं ता ता तिं तिं

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

हारमोनियम मास्टर

खाली

ताल— १ ३ ३

बोल—जी यी पी र भ ई वै रि न त र सा यो

सरगम—प ध नि स नि स स स प प प नि नि

× ० ०

ठेका—ता धा धिं धिं ता धाधिं धिंता ता, तिं तिं ता

ताल—४ खाली १ २

बोल—स खी री मे रा म न का न्हा

सरगम—नि स स नि ध प प स स

ठेका—धा, धिं धिं ता ता तिं तिं ता धा

खाल

ताल— ३ ४ खाली

बोल—बाँ सु री ब जा य के लु भा य ली न्हों

सरगम—स ग ग ग म म म म प प ध स

ठेका—धिं धिं ता धा धिं धिं ता ता तिं तिं ता धा

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

राग—खम्माच

ताल—तृताल

मात्रा—१६

(गाना नं० ७)

डगर चलत कान्हाँ कीन्हीं मोसे रार।
मोरी चुरियाँ करक गईं नन्द कुमार ॥
मैं जल जमुना भरन जाती थी।
बीच में मिल गये कृष्ण कन्हैया,
नाचि वो नाचि वो मेरी गगरी डगर से उम्भार ॥

(स्थाई)

ताल—१ २
बोल—ड ग र च ल त का न्हाँ
सरगम—ग म रे ग सा रे नी सा
ठेका—धाधिं धिं ता धा, धिं धिं ता
खाली

ताल—३ ४
बोल—आ की न्हीं मो ओ से रा र
सरगम—सा ग म प ध म ग ग
ठेका—धा, धिं धिं ता धा, धिं धिं ता

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

ताल—१ २ ३

बोल—मो री चु रि याँ क र क ग इँ

सरगम—ग म प नी नी सा नी ध प प

× +

ठेका—धा धिं धिं ता धा धिं धिं ता धा धिं

ताल— ४ खाली

बोल—न अ न्द कु मा र

सरगम—नी ध प म ग रे

+

ठेका—धिं ता धा धिं धिं ता ।

(अन्तरा)

ताल—१ २ ३ खाली ४

बोल—मैं ज ल ज मु ना भ र न जा आ ती थी

सरगम—सा ग म प प नी सा सा सा सा नी रे सा

× × × × × ×

ठेका—धा धिं धिं ता धा धिं धिं ता धा, धिं धिं ता धा

लय—=

ताल— १ २ ३

बोल—बी च में मि ल ग ये कृ ष्ण क न्हैं इ या

सरगम—नी नी नी नी नी ध नी सा नी सा नी ध प

× ×

लय—×

ठेका—धिं धिं ता धा धिं धिं ता धा धिं धिं ता धा धिं

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

खाली

ताल— ४ १ २

बोल—ना चि वो ना चि वो मो री ग ग री

सरगम—सा म ग म प प नी नी सा रे सा

× × ×

ठेका—धिं ता धा धिं धिं ता धा धिं धिं ता धा

ताल— ३

बोल—ड ग र से उ अ म्भा र

सरगम—नी ध प म ग रे प ग

+

ठेका—धिं धिं ता धा धिं धिं ता ता

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

ठुमरी रागिनी हमीर

ताल—तृताल

मात्रा—१६

(गाना नं० ८)

(स्थाई)

छाँड़ो तोरे पैयाँ परूँ, कलाई मुरक गई।
देखें सब लोगवा नगर डगर के ॥
चरचा करें सुन पावें ननदिया।
देख सास डर लागे पियरवा ॥

(अन्तरा)

मैं तो जात हूं पनियां भरन।
मेरे मारे कंकरवा फेंक फेंक ॥
काहे सतावत हो मोहें छाड़ो रे।
ढरक जात मोरी गगर पियरवा ॥

खाली

ताल—	१	२	३	४
बोल—	छाँ ड़ो तो रे प	याँ प रूँ क	ला ई मु	र क ग ई
सरगम—	स नि ध प म प	ग म ध	ध ध नि नि	ध नि नि
लय—	×			
ठेका—	ता तिं तिं ता धा	धिं धिंता धा	धिं धिं ता धा	धिंधिं ता

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

खाली

ताल—१ २ ३ ४

बोल—दे खें स ब लो ग वा आ न ग र ड ग र के ए

सरगम—ग ग ग रे ग ध प प ग ग रे ग ग रे स स

ठेका—ता तिं तिं ता धाधिं धिं ता धाधिंधिंता धाधिंधिंता

खाली

ताल—१ २ ३ ४

बोल—च र चा क' रे एँ सु न' पा' आ वें न' न दि या आ'

सरगम—ध ध स स स ध स रे ग ग ग ग रे रे स स

+

ठेका—ता तिं तिं ता धा धिं धिं ता धा धिंधिंता धा धिंधिंता

खाली

ताल—१ २ ३ ४

बोल—दे प ख सा आ स ड र'ला आ गे पि'य र वा आ'

सरगम—स स स ध ध ध रे रे स स स स नि नि ध नि

+ + +

ठेका—ता तिंतिंता धा धिं धिंता धा धिंधिंता धा धिंधिंता

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

(अन्तरा)

खाली

ताल—१ २ ३ ४

बोल—मैं ए तो ओ' जा त अ हूँ प नि या भ' र न मे रे

सरगम—ग ग ग प प प ध ध स स स स स स स स

. . . + + + . . + + . . .

लय— = = =

ठेका—ता तिं ति ता धा धिंधिं ता धा धिं धिं ता धाधिं धिंता

खाली

ताल—१ २ ३ ४

बोल—मा आ रे क' क र वा आ' फे ऐं क फे' ऐं क अ अ'

सरगल—नि नि ध ध ध ध रे रें स नि ध प प प प प

० ० + + . . + + .

लय— = = = = = =

ठेका—ता तिं तिं ता धा धिंधिंता धा धिंधिंता धाधिंधिंता

खाली

ताल—१ २ ३ ४

बोल—का हे ए स 'ता आ व त' हो ओ मो हे' छा ड़ो रे ए

सरगम—ग ग ग ग ग ग प प ग ग ग रे ग रे स स

. . . × . × . .

लय— = = = =

ठेका-ता तिं तिं ता धा धि धिं ता धा धिं धिं ता धा धिं धिं ता

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

खाली

ताल—१ २ ३ ४

बोल—ढ र क जा' आ 'त मो री' ग 'ग र पि'य र वा आ

सरगम—स स स ध ध ध रे रे स नि ध नि नि ध नि नि

\+ + + + + +

लय— = =

ठेका—तिं तिं तिंता धा धिं धिं ता धा धिं धिं ता धा धिं धिं ता

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

थियेट्रिकल गाना।

गही मोहन ने बहियाँ हमारी।
जमुना किनारे शाम को॥
गही मोहन ने।
कर लँगराई मम ढिग आई॥
बरबसरी। हँसहँसरी।
कही मानो न एको मुराई॥
हाँ गही मोहन ने बहियाँ हमारी।
जमुना किनारे शाम को॥

बोल—ग ही मो ह न ने ब हि याँ ह मा री
सरगम—ध नी रे सा नी ध प म प नी धा म
बोल—ज मु ना कि ना रे श आ म को
सरगम—म पा म धा प नि स नि धा धा
बोल—क र लँ ग रा ई म म ढि ग आई
सरगम—म प म नि धा धा नि नि नि स नीधा
बोल—ब र ब स री हँ स हँ स री
सरगम—ध नि ध नि रे सा नि ध प म
बोल—क ही मा नी न ए क ओ मु रा री ग ही मो ह न
सरगम—ध नि रे सा नि धा प म प नी धा प नी रे सा

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

ठुमरी राग धानी

ताल–तृताल

मात्रा–१६

(गाना नं० ६)

(स्थाई)

भरन न देत गगरिया कान्हा मोहें ।
बेगि जाऊँगी मैं तो नीर भरन को ॥
मगमें ठाढ़ो कान्हा जाने नहीं देत मोहें ॥

अन्तरा

निकसी नीर भरन दरस पिया को
बिच में मिल गये कान्हा सखोरी ओतो ।
लपट झपट मोरा जोबन रस लेत हैं ॥

(स्थाई)

ताल—१ २ ३ ४
बोल—भ र न न' दे ए त ग ग 'रि या का' आ न्हा मो हें'
सरगम—ग म रे ग सा रे नी सा रे म रे म प ध म प
÷
लय— = =
ठेका–ता तिं तिं ता धा धिं धिं ता धा धिं धिं ता धा धिंधिंता

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

ताल—१ २ ३ ४ खाली
बोल—वे गी जा ऊँ, गी ई ई मैं' तो नी र भ' र न अ को
सरगम—म नी ध नी ध प ध म प ध सा ध सा ध नी ध
+ + +
लय— = = =
ठेका—धा धिं धिं ता धा धिं धिं ता धा धिं धिं ता धा धिं धिं ता
ताल—१ २ ३ ४ खाली
बोल—म ग में ठा' ढो का न्हा जा' ने न हीं दे' ए ए मो हे
सरगम—प ध प सा सा सा प प नी ध प ग म प ध म
× × × +
लय— = = =
ठेका—धा धिं धिं ता धा धिं धिं ता धा धिं धिं ता धा धिं धिं ता

(अन्तरा)

ताल—१ २ ३ ४ खाली
बोल—नि क सी नी' र भ र न' द र स पि' या आ को ओ
सरगम—ग म रे गसा रे नी सा रे म रे म प ध म प
+
लय— = =
ठेका—धा धिं धिं ता धा धिं धिं ता धा धिं धिं ता धा धिं धिं ता

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

ताल—१ २ ३ ४ खाली

बोल—बी च में मि' इ ल ग ये' का आ न्हा स'खीरीओतो

सरगम—नी ध नी ध प ध म प ध सा रे ग सा रे ग सा

\+ + × ×××××× ×

लय— = =

ठेका—धा धिं धिं ता धा धिंधिंता धाधिं धिं ता धाधिंधिंता

ताल—१ २ ३ ४ खाली

बोल—ल प ट झ' प ट मो रा' जो ब न र' स ले त है

सरगम—प ध सा रे ग रे म ग रे सा नी ध प ग़ म़ प़ हा

ठेका—धा धिं धिं ता ता तिं तिं ता धाधिं धिंता धाधिंधता

लय—

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

ठुमरी रागिनी-भैरवी

ताल-तृताल

मात्रा-१६

(गाना नं० १०)

(अस्थाई)

बारा जोरी नाहीं रे कन्हाई।
पनिया भरत गगरी मोरी,
गिराई करके लराई॥

(अन्तरा)

रस रंग को ऐसो ढीठ है।
कन्हाई लाज न आई॥
तुम वहीं क्यों न जाओ।
जहाँ रैन गवाँई करके लराई॥

(अस्थाई)

ताल—१ २ ३
बोल—बा रा जो री ना आ हीं रे प क न्हा ई
सरगम—नि़ सा़ ग म़ प ध प प म नी ध प

लय— = =
ठेका—धा धिं धिं ता धा धिं धिं ता धा धिं धिं ता

नोट-(=) इस मात्रा को लय का निशान समझें।

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

ताल—४ खाली १ २
बोल—प नि याँ भ 'र त ग ग' र मो री
सरगम—म प म़ ध प म़ ग रे ग
+

लय—× × × ×
ठेका—धा धिं धिं ता धा धिं धिं ता धा धिं धिं

ताल— ३ ४ खाली
बोल—गि रा ई क र के ल रा ई
सरगम—ध प म ग म ग रे स रे।

लय—×
ठेका—धिं धिं ता धा धिं धिं ता धा धिं धिं ता।

अन्तरा

ताल—२ ३ ४ खाली
बोल—र स रं ग। को ओ ऐ सो। ढी ई ठ है।
सरगम—ध म ध नि स स स नि स ग रे ग।
+ × × × +

लय— = =
ठेका—धा धिं धिं ता धा धिं धिं ता ता ति तिं ता।

ताल—१ २ ३
बोल—ऐ क न्हा ई | ला आ ज न | आ ई तु म
सरगम—ग रे स नि | प ध प ध | म प ग र
×

लय— = =
ठेका—ता धा धिं धिं ता धा धिं धिं ता धा धिं धिं ता।

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

ताल—४ खाली १ २

बोल—व हीं क्यों न । जा वो ज हाँ । रै ऐ न गँ

सरगम—ग प म ध प म ग रे ग प म ध

× × . . .

लय— =

ठेका—धा धिं धिं ता धा धिं धिं ता धा धिं धिं ता ।

ताल—३ ४ खाली

बोल—वा ई कर । के ल रा ई ।

सरगम—प म ग म ग रे स रे ॥

. . . ×

लय—×

ठेका—धा धिं धिं ता धा धिं धिं ता ।

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

ठुमरी रागिनी हमीर

ताल—तृताल

मात्रा—१६

(गाना नं० ११)

(अस्थाई)

घर जाऊँ लँगरवा कैसे ।
सुन पावे मोरी सास ननदिया,
दौर झपट आवेंगी लँगर कैसे ॥

अन्तरा

मैं तो चली घर मेरे पियरवा ।
ना माने तू जिया की सार ।
ऐसो छैल कन्हाई कैसे ॥

(अस्थाई)

ताल—१ २ ३ ४ खाली ।
बोल—घ र जा आ आ ऊँ लँ ग र वा आ कै ए ए से ए ।
सरगम—म प ध नी सा ध प म प ग म ध नी धनी सा ।
÷ ÷
लय— = = = = = =
ठेका—धा धिंधिं ता धा धिंधिं ता धा धिं धिं ता धा धिंधिं ता

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

ताल—१ २ ३ ४ खाली

बोल—सु न पा आ' वे ए मो री' सा आ स न' न दि या आ

सरगम—ग म प ध नी ध म प पा म रे सा नी रे सा सा

÷

लय— = = =

ठेका—धा धिंधिं ता धा धिंधिं ताता तिंतिं ता धा धिं धिंता

ताल—१ २ ३ ४ खाली।

बोल—दौ र झ प ट अ अ आ वे गी

सरगम—ध नी रे सा नी ध प म प ध

+

लय— = = = =

ठेका—धा धिं धिं ता धा धिं धि ता ता तिं

ताल—४ खाली १

बोल—लं ग र कै ए ए से ए

सरगम—प म प नी ध नी सा सा

÷

लय— =

ठेका—तिं ता धा धिं धिं ता धा धिं

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

अन्तरा

ताल—१ २ ३ ४ खाली

बोल—मैं तो च ली घ र मे ए रे पि य र वा आ

सरगम—प स स स स स ध नी सा रे सा नी ध प

× × × + × × ×

लय— = =

ठेका—ता तिं तिं ता धा धिं धिं ता धा धिं धिं ता धा धिं

ताल— १ २ ३

बोल—ना आ मा आ ने ए तू ऊ जि या को सा आ र

सरगम—ग म ध प ग ग रे सा ध प म ग रे सा

लय—= = = = =

ठेका—धिं ता धा धिं धिं ता धा धिं धिं ता धा धिं धिं ता

ताल—४ खाली १ २

बोल—ऐ सो छै ए ल का न्हा आ ई ई कै ए

सरगम—म प सा नो ध प म प ग म ध नी

लय— = = = = =

ठेका—धा धिं धिं ता धा धिं धिं ता ता तिं तिं ता

ताल—३

बोल—ए से ए

सरगम—ध नी सा

लय—= =

ठेका—धा धिं धिं (अ)

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

ठुमरी रागिनी खम्माच

ताल–तृताल

मात्रा—१६

(गाना नं० १२)

(अस्थाई)

जोरा जोरी मोरी बहियाँ मरोरी रे।
बारा जोरी कर पकरत पिया छतियाँ छुअत ॥

(अन्तरा)

देखो देखो सखी मोरी कलाई मुरक गई।
छतियाँ धरक गई ऐसी कोई करत ठठोली ॥

(अस्थाई)

ताल—१ २ ३
बोल—हाँ आ जो रा' जो री मो री' ब हि
सरगम—ध नि स स नि ध म म ग म
. × × . + + +
लय— = =
ठेका—धा धिं धिं ता ता तिं तिं ता धा धिं

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

ताल— ४ खाली

बोल—याँ म' रो री रे ऐ

सरगम—म प स़ नि स स

लय— =

ठेका—धिं ता धा धिं धिं ता।

ताल—१ २

बोल—बा रा जो री' क र प क

सरगम—नि ध नि प ध म प़ नि

. × . × –

लय —×

ठेका—धा धिं धिं ता धा धिं धिं ता।

ताल—३ ४ खाली १

बोल—र त पि या' छु ति याँ छु' अ त जो रा

सरगम—ध प म ग स स ग म प प स स

+ + — × ×

लय—×

ठेका—धा धिं धिं ता धा धिं धिं ता धा धिं धिं ता

ताल—२ ३ ४ खाली

बोल—जो री मो री' व हिं यां म' रो री रे ए

सरगम—नि ध प म ग म म प स नि स स

÷ ० × × ×

लय— =

ठेका—ता तिं तिं ता धा धिं धिं ता धा धिं धिं ता

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

(अन्तरा)

ताल—१ २ ३
बोल—दे खो दे खो स खी मो री क ला ई
सरगम—म म प ध नि नि स स प नि स
लय—×
ठेका—धा धिं धिं ता धा धिं धिं ता धा धिं धिं
खाली
ताल—४ १ २
बोल—मु र क ग ई छ ति याँ ध र क ग ई
सरगम—रे ध नि ध ध म म प नि ध प म ग
लय—
ठेका—ता धा धिं धिं ताधा धिं धिं ता धा धिं धिंता
ताल—३ ४खाली १
बोल—ऐ सो को ई क र त ठ ठो लीं
सरगम—स स ग म प प ध स नि ध
लय—×
ठेका—धा धिं धिं ता ता ति तिं ता धा धिं
ताल— २ ३
बोल—मो री व ही याँ म रो री रे ए
सरगम—प म ग म म प नि नि स स
लय— =
ठेका—धिं ता धा धिं धिं ता धा धिं धिं ता

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

ठुमरी राग खम्माच

ताल—तृताल

मात्रा—१६

(गाना नं० १३)

चटकत मटकत जल भरन जात ।
ऐसी देखी अलबेली प्यारी गोरी गात ॥
चटकत मटकत० ॥
बाँके नैना मारत सैना गज़ब करत ।
दोनों जुबनाये हात ॥
चटकत मटकत जल भरन जात ॥

ताल—१ २ ३ ४ खाली
बोल—च ट क त' म ट क त' ज ल भ र न जा आ त
सरगम—ग ग म म रे ग स रे नि स रे ग प प म ग
ठेका—धा धिं धिं ता धा धिंधिं ताधाधिंधिंता धा धिं धिं ता

ताल—१ २ ३ ४ खाली
बोल—ऐ सी दे खी' अ ल बे ली प्या री गो री गा त
सरगम—गा मा पा नी सा रे नी पा नि ध पा मा ग म
ठेका—धा धि धि ता ता ति तिं ता धा धिं धिं ता धा धिं

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

हारमोनियम मास्टर

ताल— १ २ ३

बोल—बाँ के न ए' ना मा रे सै' से ना हाँ ग' ज ब

सरगम—प प पा धा नी सा सा नि नि सा ग प नी सा

ठेका—धि ता धा धि धि ता धा धि धि ता धा धि धि ता

खाली

ताल—४ १ २

बोल—क र' त दु नों जु' ब ना आ पै हा त

सरगम—रे नि स प प नि ध प म गा ग गा

ठेका—धा धि धि ता ता ता तिं तिं ता धा धि धि

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

रागिनी बागेश्वरी

ताल—तृताल

मात्रा—१६

(गाना न० १४)

(अस्थाई)

सखीरी मन मानत नाहीं।
पिया बिन कैसे कटे मन की निद्रा ॥

(अन्तरा)

पिया गये परदेश में।
कब तक सहूँ जिया की व्यथा ॥

(अस्थाई)

ताल—	१		२			३			४ खाली			
बोल—	स	खी	ई	री	म	न	मा	आ	न	त	ना	आ हीं
सरगम—	नी	ध	ध	नी	प	ध	नी	ध	प	म	ग	रे सा
	+		+				+				+	
लय—		=	=					=				=
ठेका—	ता	तिं	तिं	ता	धा	धिं	धिं	ता	धा	धिं	धिं	ता धा

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

ताल— १ २ ३

बोल—पि या वि न कै ए से क टे म न की नि द्रा

सरगम—नी सा ग म ध नी रे सा नी ध प म ग रे सा

+ + + × + + + +

लय— = =

ठेका—धिं धि ताधा धिं धिंता धा धिं धिंता ता तिं तिं ता

अन्तरा

ताल—४ खाली १ २

बोल—पि या आ आ ग ये ए ए प र

सरगम—म म ध नी सा नी सा सा नी सा

+ + × + + + + +

लय— = = = =

ठेका—धा धिं धिं ता धा धिं धिं ता धा धिं

ताल— ३

बोल—दे स मे ए ए ए

सरगम—रे नी सा नी ध ध

+ + + +

लय— = = =

ठेका—धिं ता धा धिं धिं ता

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

ताल—४ खाली १

बोल—क व त क स हूँ ऊँ ऊँ

सरगम—नी नी ध ध नी नी प ध

+

लय— = =

ठेका—ता तिं तिं ता धा धिं धिं ता

ताल—२ ३

बोल—जि या की ई व्य अ धा आ

सरगम—नी ध प मं ग रे सा सा

लय— = = =

ठेका—धा धिं धिं ता धा धिं धिं ता

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

दादरा रागिनी देश

ताल—दादरा

मात्रा—६

(गाना नं० १५)

सखी पियरवा सौतन के घर रहे आज न आये।
जिया की विपता कासे कहूँ मैं मन मसोस के रहूँ॥
पिया बिन कल न पड़त मोहें कछु नीक नाहीं लगत।
देखो री पिया बिन सगरी जोवन की बहार जात॥
जाओ जाओ सखी पिया से इतना संदेशा कहिये॥

(अस्थाई)

ताल—२ १ २ १
बोल—स खी पि य र वा आ आ सौ त न के
सरगम—नि़ ध प ध प़ म ग म़ रे ग स़ रे
+
लय— = =
ठेका—तिं ना धा धिं ना धा तिं ना धा धिं ना धा

ताल—२ १ २ १ २
बोल—घ र र हे आ ज न आ ये ए ए ए
सरगम—नि स़ रे ग रे ग ध प़ म म ग रे
= = =
लय—
ठेका—तिं ना धा धिं ना धा तिं ना धा धिं ना धा

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

(अन्तरा)

ताल— १ २ १ २
बोल—जि या आ की वि प ता का आ से क हूँ
सरगम—रे़ रे़ रे़ ग म म, प नि ध, प़ प़ प़

लय— = =
ठेका—धा धिं ना धा तिं ना धा धिं ना धा तिं ना
ताल— १ २ १ २
बोल—ऊँ मैं म न म सो ओ स के र हूँ ऊँ।
सरगम—म म म़ प प ध, म ध प़ म़ म़ ग।
× × ×

लय— = = =
ठेका—धा धिं ना धा ति ना धा धिं ना धा ति ना।
ताल— १ २ १ २
बोल—पि या आ वि न क ल न प ड़ त मो
सरगम—रे़ ग़ ग़, ग ग रे, स रे नि, स़ स़ स

लय— =
ठेका—धा धिं ना धा तिं ना धा धिं ना धा ति ना
ताल— १ २ १ २
बोल—हैं प क छु नीं ईं क ना हीं ल ग त।
सरगम—रे रे रे़ म़ म़ म़ प नि ध़ प प प़।

लय— = =
ठेका—धा धिं ना धा तिं ना धा धिं ना धा तिं ना।

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

ताल—१ २ १ ३ १
बोल—दे खो ओ री पि या बि न स ग री ई जो ब न
सरगम—रे ग़ ग़ ग़ ग रे, स रे नि, स स स, प प प,

४
ठेका—धा धिं ना ता ति ना धा तिं ना धा तिं ना धा धिं ता

ताल—१ २ १
बोल—की ई ई व हा र जा आ त।
सरगम—नि नि नि, स रे स रे रे रे,

० ० ०
ठेका—धा तिं ना धा धिं ना धा तिं ना।

ताल—१ २ १ २ १
बोल—जा ओ जा ओ स खी ई पि या आ से इ त ना आ
सरगम—रे ग रे, ग म म, रे ग रे, नि स स, प प नि,
लय— = = =
ठेका—धा धिं ना धा तिं ना धाधिं ना धातिं ना धा धिं ना

ताल—१ २ १
बोल—सं दे शा आ आ क हि ये प॥
सरगम—नि स स, नि स़ रे स़ नि,॥
लय— = =
ठेका—धा तिं ना धा धिं ना धा तिं ना॥

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

राग बहार

सरगम

स ग, म प, ग म, ध नि ध, नि, स। म ध, नि स। म
प ग म, ध, ध नि नि स। नि, प म प ग म ध, नि स। म प
ग म रे स, ग म रे स।

स स प म, म प, ग म ध, नि स। ग म, रे स, नि ध प
म प, म ध, ग म ध, नि नि स। ग, म म, रे रे स, स
नि प म प ग म, ध, नि प म प ग म, रे रे स, स म ग म, रे रे
स, म प ग म, नि ध, नि स।

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

ताल—दादरा।

मात्रा—६

(गाना न० १६)

(अस्थाई)

पिया कातिल ने किया दिल पै निगाहों का वार।

अन्तरा

जान जाये कि पिया प्यारे ने मारी प्रेम की कटार॥

(अस्थाई)

ताल— १ २ १ २

बोल—पि या आ का ति ल ने कि या दि ल प नि गा

सरगम—प प, म ग म, ग प म, ग रे सा, रे नी सा

× + + ·

ठेका—तिं ना, धा तिं ना, धा धिं ना धा तिं ना धा धिंना

ताल—१ २

बोल—हों का वा र।

सरगम—ग म प, प।

+

ठेका—धा तिं ना, धा।

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

(अन्तरा)

ताल—१ २ १ २ १ २

बोल—जा न जा ये ए कि पि या आ प्या रे ए ने मा री

सरगम—प म प, नी सा रे, सा स स स, नी सा, नी रे सा

× × ×× × × + × + × ×

ठेका—धातिं ना धाधिं ना धा तिं ना धाधिं नाधातिंना धा

ताल— १ २ १

बोल—प्रे म की क अ टा आ र हाँ आ ।

सरगम—नी प प म ग म प म ग रे ॥

\+ + +

ठेका—ति ना धा, तिं ना धा तिं ना धा

सीखने वाले को हमेशा ध्यान में रखना चाहिए कि अर्ध मात्रा मात्रा से दूनी हो जायगी जैसे मात्रा ६ अर्धमात्रा १२ । मात्रा ८ अर्ध मात्रा १६ इत्यादि ।

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

हारमोनियम मास्टर

रागिनी छाया

ताल—तृताल

मात्रा—१६

(सरगम)

ताल—४ खाली १ २ ३

मात्रा—१३ १४ १५ १६ १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२

सरगम—ध ध प प रे ग म़ प ग ग ग ग, रे रे स स

ठेका—ता तिं तिं ता धाधिंधिंता धाधिंधिंताधोधिंधिं ता

ताल—४ खाली १ २ ३

मात्रा—१३ १४ १५ १६ १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२

सरगम—नि नि प प, ध ध म़म़, ध प म़ग, रे रे स सा

ठेका—ता तिं तिं ता धाधिंधिंताधाधिंधिंताधाधिं धिं ता

ताल—४ खाली १ २ ३

मात्रा—१३ १४ १५ १६ १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२

सरगम—ग ग रे रे, स़ स सस, स़नि धप, म़ ग रे सा

ठेका—ता तिं तिं ता धाधिंधिंता तातिंतिंता धा धिं धिं ता

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

ताल—४ खाली १ २ ३

मात्रा—१३१४१५१६ १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२

सरगम—प प प स, रे रे स ग, ग रे रे स, स स स स,

ठेका—ता ति ति ता धाधिं धिंता धाधिंधिंता धा धिं धि ता

ताल—४खाली १ २ ३

मात्रा—१३१४१५१६ १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२

सरगम—स स नि नि, ध ध प प, म म ग ग, रे रे स स,

ठेका—ता ति ति ताधा धिंधिंताधा धिंधिंताधाधिं धि ता

सीखने वाले को चाहिये कि इस छाया रागिनी के सरगम को अच्छी तरह पकाले फिर गाने की तरफ झुके।

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

ठुमरी रागिनी छाया

ताल—तृताल

मात्रा—१६

(गाना न० १७)

(अस्थाई)

भरी गगरी मोरी ढुरकाई श्याम।
नाहीं मानत हौ का करूँ रे राम।
भरी गगरी मोरी ढुरकाई श्याम॥

अन्तरा

मैं जमुना जल भरन जात रही,
मग में अचानक घेर लई री।
नाहीं जात देत मोहें धाम॥भरी०॥

(अस्थाई)

ताल—१ २ ३ ४ खाली

बोल—भ री ग ग री मो ओ री ढु र का आ ई शा आ म

सरगम—म़ ग, म़ नि़ ध प, रे ग म प, म ग रे स, स स
× ×

ठेका—धाधिंधिंता धाधिंधिंता धाधिंधिं ता धा धिं धिं ता

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

ताल—१ २ ३ ४खाली

बोल—ना हीं मा आ न त हौ आ का आ क रूँ रे रा आ म

सरगम—स स, स स ग म्, प प नि नि, स नि ध प, प प

ठेका—धा धिंधिंता धाधिं धिं ता धा धिं धिं ता धाधिंधिं ता

ताल—१ २ ३ ४ खाली

बोल—भ री ग ग री मो ओ री दु र का आ ई शा आ म

सरगम—म् ग म् नि,ध प रे ग, म् प म ग, रे स स स

ठेका—ता तिंतिंता धाधिंधिं ता धाधिंधिं ता धाधिं धिं ता

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

अन्तरा

ताल—१ २ ३ ४ खाली

बोल—मैं पै ज मु ना आं ज ल भ र न जा आ त

सरगम—प प प प, ध ध नि नि, स स रे नि, नि नि

\+ + – –

ठेका—ता तिं तिं ता धा धिं धिं ता धा धिं धिं ता धा धिं

बोल—र ही।

सरगम—स स।

ठेका—धिं ता।

ताल—१ २ ३

बोल—आ आ न अ चा आ न क धे प र ल

सरगम—नि नि नि नि, नि नि ध नि, स स स नि,

ठेका—धा धिं धिं ता धा धिं धिं ता धा धिं धिं ता

ताल—४ खाली

बोल—ई ई री ई।

सरगम—नि ध प प।

ठेका—धा धिं धिं ता।

ताल—१ २ ३

बोल—ना हीं जा आ त दे प त मो ओ हैं धा

सरगम—ग म ग म, प प नि नि, स नि ध प,

ठेका—ता तिं तिं ता धा धिं धिं ता धा धिं धिं ता

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

ताल—४ खाली

बोल—आ आ ÷ आ—म ।

सरगम—प प + प—प ।

ठेका—धा धिं—धिं-ता ।

यहाँ पर छाया रागिनी की ठुमरी ताल सहित लिखी गई है। परन्तु सीखने वाले को एक आवश्यक बात जान लेना जरूरी है। वह यह है कि इस रागिनी का अन्तरा खाली ताल से आरम्भ होता है अर्थात् तेरहवीं मात्रा से। अतः पिछले सुर पर ही जहाँ दसवीं मात्रा समाप्त होती है फिर दो मात्रा का सम लगा कर तेरहवीं मात्रा से अन्तरा आरम्भ करें।

सीखने वाले गजलों को भी बजाना जान जायँ इसलिये अब गज़लों की ३-४ धुनें लिखी जाती हैं। इस धुन के लिये किसी राग की आवश्यकता नहीं है। मनुष्य चाहे जिस धुन में गज़ल गा सकता है। इसका विशेष कारण यह है कि इसमें यह कोई खास बात नहीं है कि अमुक स्वर ही लगाया जाय चाहे जहाँ से सुर लगाया जाय कोई हरज नहीं है। परन्तु ज्यादः तर इन धुनों में ठेका कहरवा ताल का लगता है। ताल, बोल, सरगम और ठेका इत्यादि के साथ गाने का नीचे उल्लेख किया है। सीखनेवाले ध्यान पूर्वक समझें और अभ्यास करें।

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

धुन ग़ज़ल

ताल—कहरवा

मात्रा—८

(गाना नं० १८)

जुल्म कर करके ज़लीलों को जलाते न चलो।
छुरी गर्दन पे ग़रीबों के चलाते न चलो॥
नहीं बहने का हमेशा है यह हुस्ने दरिया।
बदी की बाढ़ से बहुतों को बहाते न चलो॥
दौर दौरा सदा रहता न किसी का साहब।
सितम शमशेर से आलम को सताते न चलो॥
अता मालिक ने किया आपको हुस्ने दौलत।
ख्वाहिसे मफ्स में जिन्दगी को गँवाते न चलो॥

(अस्थाई)

ताल—१ २ ३ ४ १ २ ३
बोल—जु ल्म क र क र के ज़ ली लों को ओ ज ला
सरगम—सा रे, ग म ग रे, सा रे सा नि़ नि़, ध सा सा
ठेका—धा कि ट तिं न क धि न, धा कि ट् तिं न क,

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

हारमोनियम मास्टर

ताल—४ १ २

बोल—ते न अ च लो ओ।

सरगम—ग, ग ग म प म।

ठेका—धिं न् धा कि ट् तिं।

ताल—१ २ ३ ४ १२

बोल—छु री ग र्द न पै पे ग री बों के च

सरगम—सा रे ग म ग रे सा रे सा नि ध सा

ठेका—धा कि ट् तिं न क धिं न् धा कि ट तिं

ताल—३ ४ १

बोल—ला आ ते न च लो।

सरगम—ग ग ग म प म।

ठेका—न क धिं न् धा कि।

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

(अन्तरा)

ताल—१ २ ३ ४ १ २
बोल—न हीं ब ह ने का आ ह में शा है य
सरगम—नो सा सा सा सा सा ग म प प प प
ठेका—धा कि ट् तिं न क धि न् धा कि ट् तिं
ताल—३ ४ १ २
बोल—ह हु स्न द रि या आ।
सरगम—ग ग ग ग ग प म।
ठेका—न क धिं न् धा कि ट्।
ताल—१ २ ३ ४ १ २
बोल—ब अ दी ई ई की बा ढ़ से ए ब हु तों ओ
सरगम—सा रे ग म ग रे सा रे सा नी ध सा ग ग
ठेका—धा कि ट् तिं न क धिं न् धो कि ट तिं न क
ताल—३ ४ १
बोल—को ब हा ते न च लो ओ।
सरगम—ग म प ध म ग रे सा।
ठेका—धिं न् धा कि ट तिं न क।

दौर दौरा सदा रहता इत्यादि इसी तरह—

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

रागिनी भैरवी

ताल—कहरवा

मात्रा—८

(गाना न० १९)

ग़ज़ल

जुल्म करना छोड़ दे ज़ालिम खुदा के वास्ते।
है यह हरकत नारवाँ अहले वफ़ा के वास्ते॥
हैं बनाये सब उसी के जिसने तू पैदा किया।
क्यों सताता है किसी को दो दिना के वास्ते॥
होगी खुदगरजी भला इससे भी बढ़कर और क्या।
जान लेता और की अपने मज़ा के वास्ते॥
चन्द रोजा जिन्दगी तन है यह जल का बुलबुला।
खामख्वाह बनता है क्यों मुजरिम सज़ा के वास्ते॥

(अस्थाई)

ताल—१ २ ३ ४ १ २
बोल—जु ल्म क र ना आ छो ड़ दे ए जा लि
सरगम—सा रे ग म ग रे सा रे सा नि नि ध
+

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

हारमोनियम मास्टर

ताल—३ ४ १ २

बोल—म खु दा आ के वा स्ते ए।

सरगम—सा सा ग ग ग म प म।

ताल—३ ४ १ २ ३ ४

बोल—है य ह ह र क त ना र वाँ अ ह

सरगम—सा रे ग म ग रे सा रे, सा नि ध सा

+

ताल—१ २ ३ ४

बोल—ले व फा के वा स्ते ॥

सरगम—ग ग ग म प म म ॥

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

(अन्तरा)

ताल—१ २ ३ ४ १ २
बोल—हैं व ना थे स ब उ सी ई के जि स
सरगम—नी सा सा सा सा सा ग म प प प प
ताल—३ ४ १ २
बोल—ने तू पै दा कि या आ ।
सरगम—ग ग ग ग ग प म ।
ताल— ३ ४ १ २ ३ ४
बोल—क्यों स ता ता आ आ है कि सी ई को दो
सरगम—सा रे ग म ग रे सा रे सा नी ध सा
ताल— १ २ ३ ४ १
बोल—दि ना आ के वा स्ते ए ए ए ए ॥
सरगम—ग ग ग म प ध म ग रे सा ॥

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

हारमोनियम की मरम्मत

पिछले पृष्ठों में गायन-वादन सम्बन्धी बात लिखी गई हैं यदि सांगीत प्रेमी एक घण्टा भी परिश्रम करेंगे तो निश्चय वे सांगीत कला में निपुण हो जायँगे अब हारमोनियम के पुर्जे जो कि बहुधा असावधानी से खराब हो जाते हैं, उनकी मरम्मत के नियम लिखे जाते हैं।

सीखने वाले को चाहिये कि वह स्वयं हारमोनियम खोल कर भीतरी पुर्जों को देखे जिनका वर्णन पुस्तक के प्रारम्भ में (प्रथम पृष्ठ से पन्द्रह पृष्ठ तक) लिखा गया है।

हारमोनियम बनाने और मरम्मत करने में कुछ कठिनता या किसी प्रकार की नीचता नहीं है यह कारीगरी और स्वाधीन कार्य है।

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

सामग्री

यद्यपि हारमोनियम की मरम्मत करने के लिये बहुत सी चीजें काम में लाई जाती हैं तब भी नीचे लिखी चीजें बहुत आवश्यक हैं।

(१) सरेश—इसे हवा के रोकने और जोड़ों को एकमें मिलाने के लिये कारीगर काम में लाते हैं।

(२) मोम—यह भी धौंकनी आदि के जोड़ने के लिए काम में लाया जाता है यह सरेश से भी अधिक लाभदायक है। कारण कि इससे जोड़े हुये पुर्जे सुगमता से अलग हो जाते हैं और सरेश से जोड़े हुये पुर्जे अलग करने में बाजा खराब हो जाता है।

(३) चपरा—यह भी जोड़ने की वस्तु है, इसे सरेश की भाँति गर्म कर काम में लाते हैं।

(४) सीमेंट—रीड्स को तख्ते में जड़ने और धौंकनी को बाजे से मिलाने के लिये यह अच्छा तैल है। चपरा सरेश और गोंद-इन तीनों को एक में मिलाकर सीमेंट तैयार किया जाता है।

(५) साबड़—यह हरिण की खाल का बनाया जाता है और बाजे का एक बड़ा भाग है। क्योंकि इसके बिना हारमो-

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

नियमका बनना कठिन है जो मज़बूती इससे होती है,वह दूसरे वस्तुमें नहीं होती। धौंकनी साबड़ और मोटे कागज़की बनाई जाती है किन्तु हवा के रोकने व बन्द करने के लिये केवल साबड़ ही काममें लाया जाता है। साबड़ अधिक मूल्यसे प्राप्त होता है परन्तु बिना इससे काम नहीं चलता अतः कारीगर को एकाध टुकड़ा साबड़ का रख छोड़ना अत्यावश्यक है।

(६) अवरी—जो किताबों की जिल्दों पर लगाई जाती है वही मोटी अवरी धौंकनी पर लगाई जाती है।

(७) तार—हारमोनियम में स्प्रिंग बनाने के लिये पीतल के तारों की जरूरत पड़ती है कारण कि दूसरे धातु के तार काम में नहीं आते सिर्फ धौंकनी में लोहे के मोटे तार लगाये जाते हैं।

(८) वार्निश—बाजे की खूबसूरती वार्निश पर निर्भर है इस लिये समय २ पर वार्निश भी करते रहना चाहिये।

(९) प्रथम बाजे को साफ कर लेना चाहिये फिर ब्रुस से वार्निश करना हाथके बनिस्बत कहीं अच्छा है। वार्निश करने के बाद बाजे को ऐसे स्थान पर रखना चाहिये जहाँ धूप न हो गर्द न पड़े और शीत न लगे।

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

वार्निश के नुसखे

काली वार्निश—एक सेर वार्निश में आधा पाव काजल मिलाने से बनती है। काजल थोड़ा थोड़ा मिलाकर दो अँगुली से खूब फेटना चाहिये।

पीली वार्निश—यलो ओक्साइड ऑफ लेड को मिलाने से बनती है।

लाल वार्निश—रेड ओक्साइड ऑफ लेड से बनती है।

परन्तु स्मरण रखने योग्य बात है कि इस प्रकार के वार्निश के सामान पत्थर या लकड़ी के खरिल में तैयार करना चाहिये।

(९) पालिश—तारपीन या अलसी का तैल रोगन को चमकदार बनाता है।

(१०) लकड़ी—अधिकतर देवदार की लकड़ी काम में लाई जाती है। कारण कि हलकी होने से प्रत्येक जगह पर अच्छी तरह जोड़ी जाती है।

कोई २ बाजा सागवान की लकड़ी का बना होता है इस लिये उसका मूल्य अधिक रहता है।

(११) कपड़ा—पर्दों के नीचे जहाँ जहाँ दबाव पड़ता है रंगीन फलालेन लगाते हैं।

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

औज़ार।

हारमोनियम की मरम्मत करने में जो जो औजारों की आवश्यकता पड़ती है वह नीचे दिये जाते हैं।

न० [१] आरी।

इससे चीरने काटने का काम लिया जाता है। यह छोटे दाँत वाली आरी बाजे के छोटे २ पुर्जों के बनाने के लायक है।

न० [२] रेती।

इस औज़ार से रीड को खुरच कर ठीक करना चाहिये।

न० [३] रन्दा।

इस वस्तु से हारमोनियम की सब लकड़ियाँ चिकनी की जाती हैं यदि ऐसा न किया जाय तो वार्निश करना कठिन है।

न० [४] मोदा।

इसमें बाजे के किसी पुर्जे को फँसाकर हथौड़ी से ठोकते हैं या रेती से रेता करते हैं।

न० [५] केचर।

इस औज़ार से कील आदि निकाला जाता है।

न० [६] पेचकश।

इस औज़ार से पेच कसा जाता है और अधिकतर हारमोनियम में पेच ही काम में आते हैं अतः इस वस्तु का पास रहना अत्यावश्यक है।

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

न० [७] कतरनी ।

स्प्रिंग (कमानियाँ) काटने के लिये यह वस्तु काम में लाई जाती है ।

न० [८] हथौड़ी ।

इस औज़ार का रहना अत्यावश्यक है कमानियाँ किलें इत्यादि ठोकने पीटनेके लिये इससे अच्छा कोई औज़ार नहीं है ।

न० [९] संड्यसी ।

इसका बहुत कुछ काम है स्प्रिंग का निकालना व बनाना इत्यादि ।

न० [१०] बर्मा ।

इस औज़ार से छेद किया जाता है ।

न० [११] चिमटी ।

इससे उठाने व पकड़ने का काम लेते हैं ।

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

स्प्रिंग की मरम्मत

यदि स्प्रिंग किसी कारण से खराब हो गया हो तो दूसरा नया स्प्रिंग तैयार कर लेना चाहिये।

नया स्प्रिंग

एक पीतल के तार के टुकड़े को लेकर संडयसी (१६) की तरह बनाइये। बनाने के समय इस बात का ध्यान रखिये कि पिछला सिरा कुछ ऊँचा हो जिससे पर्दे पर ठीक ठीक दबाव पड़े।

स्प्रिंग का बैठाना

जब स्प्रिंग तैयार हो जाय तब उस लकड़ी को जिसके ऊपर स्प्रिंग लगे हैं बाहर निकाल लीजिये और खराब स्प्रिंग निकाल कर नया स्प्रिंग ठीक उसी जगह पर कस दीजिये। नया स्प्रिंग घुमाकर कसना चाहिये जिससे अपने स्थान पर जमा रहे हिल न सके।

जब स्प्रिंग कस जाय तब वह लकड़ी उसी जगह मज़बूती के साथ कस दीजिये।

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

पर्दे की मरम्मत

कभी कभी ज्यादा अँगुली के पटकने से तथा अन्य कारण से पर्दा आपही आप आवाज़ देने लगता है इसका कारण यह है कि पर्दे के नीचे एक आवरी का टुकड़ा जो स्वर के घर के बरोबर रहता है उस घर को बन्द किये रहता है जब वह खराब हो जाता है तथा उपरोक्त कारण से बिगड़ जाता या कील ढीली हो जाने से उस हालत में हिलने लगता है तब आवाज़ देने लगता है।

यदि पर्दा टूट जावे तो उसके अनुसार बना लेना चाहिये यदि न बन सके तो बाज़ार से मोल लाकर लगा देना चाहिये।

यदि साबड़ खराब हो गया हो तो उसी के बराबर साबड़ काट कर सरेश से चिपका देना चाहिये।

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

धौंकनी

यह पाँच वस्तुओं से तयार होती है उसमें मुख्य वस्तु सावड़ है बाकी साधारण चीजें हैं।

धौंकनी बनाने की चीजें

(१) मुख्य—सावड़
(२) मोटा कागज़
(३) सरेश
(४) लकड़ी
(५) अबरी

इन्हीं वस्तुओं से धौंकनी बनाई जाती है और इन्हीं में से किसी एक वस्तु के खराब हो जाने पर बिगड़ जाती है।

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

चाभी की मरम्मत

यदि किसी चाभी से पूरी आवाज़ न आवे तो उसके पेच को समझ कर ठीक कर देना चाहिये।

अधिक ज़ोर से खींचने से चाभी के वह सिरे जो कि हवा के मुँह को बन्द किये रहते हैं खराब हो जाते हैं। बहुधा ढीले भी हो जाते हैं इनके पेच कस देने चाहियें और जहाँ से फट गये हों साबड़ लगा देना चाहिये।

यदि धौंकनी का साबड़ कड़ा हो जावे कि जिससे फट जाने का भय हो तो उसके भीतर तेल डाल देना चाहिये इससे साबड़ नर्म हो जायगा और यदि कहीं फट जावे तो लेई से जोड़ देना चाहिये परन्तु लेई में थोड़ा सा नीला थोथा जरूर मिलाना चाहिये नहीं तो धौंकनी को चूहे काट डालगे।

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

सफेद पर्दे का साफ करना

सब पर्दा को बाजे से निकाल कर क्रमानुसार रखते जाइये फिर एक एक पर्दे को हाथ में लेकर भीगे कपड़े से साफ करते जाइये और उसके बीच में जो पीतल के कील लगे हैं उसको बालू से माजने से बिलकुल नये हो जायँगे।

काले पर्दे का साफ करना

काले पर्दों को तारपीन या अलसी के तेल से साफ करना चाहिये जिससे चमकदार हो जायँ।

रीड का जड़ना

पुराने रीड को पेचकश से निकाल कर उसी स्थान पर नया रीड लगा देना चाहिये और पेच मज़बूती के साथ कस देना चाहिये साथ ही इसका भी ध्यान रखना चाहिये कि रीड पर जोर न पड़े नहीं तो टूट जावेगा।

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

आवाज

(१) यदि कोई स्वर विना पर्दा दबाये आवाज़ देने लगे तो स्प्रिंग को जरा पीछे हटा कर कड़ा कर दीजिये या पिछले भाग को उभार दीजिये ।

(२) यदि अब भी अवाज़ आती हो तो पर्दों के ऊपरी सिरे के दोनों पेच खोलकर निकाल लीजिये और जो पर्दा अपने आप आवाज़ देता है उसका स्प्रिंग हटा कर उस पर्दे को निकाल लीजिये और साफ कर पुनः पर्दा बैठा दीजिये ।

(३) यदि कोई स्वर कम आवाज दे या झरोंटे की आवाज दे या बिलकुल आवाज ही न दे तो फौरन पर्दे की पट्टी जो उनको दबाये रहती है अलग करके उस पर्दे को निकाल लीजिए जो खराब हो गया है अब आप नारियल के झाड़ू की महीन सींक लेकर उस घर में धीरे से पहुँचावो जिसमें कि नीचे स्वर लगे रहते हैं सींक को टेढ़ी करके बेल्ट के बीच के भाग में यानी रीड पर लेजाकर बहुत धीरे से दबाइये और फूँक कर धूल आदि जो कुछ हो निकाल दीजिये और कंकड़ आदि चिमटी द्वारा बाहर फेंक दीजिये ।

परन्तु यह काम इतनी सावधानी से होना चाहिये कि जरा सा भी स्वर की जवान पर दबाव न पड़े नहीं जवान के टूट जाने का भय रहता है ।

इसी प्रकार आखरी सप्तक के स्वरों की मरम्मत कर लीजिये परन्तु वहाँ सींक का काम नहीं है केवल फूँक से काम लीजिये ।

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

बाजे की लकड़ी

बाजे में छोटी २ पटरियाँ हैं जो कि आपस में मिली रहती हैं यदि किसी कारणवश दरार पड़ जावे जिससे बाजा हवा देने लगे और आवाज कम हो जावे तो चाहिये कि जहाँ बारीक दरार पड़ी हो वहाँ सरेश गर्म करके लगा दे यदि दरार बड़ा हो अथवा पूरा छेद हो तो एक साबड़ का टुकड़ा जो कि उस दरार या छेदसे बड़ा हो सरेशके द्वारा लगा देना चाहिये।

उपरोक्त कार्य करने से हवा बन्द हो जावेगी सबसे कठिन काम यह है कि हवा का निकलना दरार का पड़ना बहुत जल्द मालूम नहीं होता इससे कोई कोई कारीगर तंग आ जाते हैं इस लिये धौंकनी चलाकर चारो तरफ हाथ फिराना चाहिये।

कभी कभी लकड़ी में बल पड़ जाती है और उसका ठीक करना कठिन हो जाता है ऐसी अवस्थामें नीचे लिखे अनुसार काम करना उत्तम है।

(१) जिस लकड़ी में बल पड़ जावे तो उस पर गर्म पानी डाल कर अच्छी तरह दबा देना चाहिये। इससे बल दूर हो जायगा।

(२) यदि किसी ऐसी जगह बल पड़ जावे जो दाब में न आ सके वहाँ दो एक मजबूत आड़ लगा देना चाहिये। इससे बल दूर हो जायगा।

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

(३) यदि हवा अभी भी बन्द न हो तो मोम लगा कर जमा देना चाहिये। सरेश नहीं क्योंकि फिर खुल न सकेगा। इस प्रकार स्वयम् बाजे की मरम्मत कर लेना चाहिये।

समाप्त

इस छोटी सी पुस्तक में जहाँ तक हो सका सांगीत सम्बन्धी सम्पूर्ण बातें लिखने का प्रयत्न किया गया है। मैं आशा करता हूँ कि सांगीत प्रेमी बहुत कुछ लाभ उठायेंगे।

बाबू काशीप्रसाद भार्गव द्वारा—
भार्गवभूषण प्रेस, त्रिलोचन काशी मुद्रित।

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

प्रकाशित हो गया ! प्रकाशित हो गया !!

महाभारत भाषा

लेखक—पं० रामलग्न पाण्डेय "विशारद"

भूमिका लेखक-परम देशभक्त बा० श्री श्री प्रकाशजी

भला ऐसा कौन है जो महाज्ञानी महर्षि वेदव्यास द्वारा रचित महाग्रन्थ-महाभारत को न जानता हो। यह आर्य जाति का सच्चा एवं जीता जागता इतिहास है। आज के पाँच हज़ार वर्ष पहले विद्याश्रोत गणेश जी की लेखनी ने ही इस ग्रन्थका लिपिवद्ध किया था। वही संस्कृत भाषा का यह सरस, सरल और सच्चा संक्षिप्त हिन्दी अनुवाद है।

महाभारत युद्ध के नेता भगवान् कृष्णचन्द्र को गूढ़तम नीति का रहस्य तथा युद्धके प्रधान पात्रों एवं वीरों की कला कौशल और पराक्रम यदि किसी को देखना हो तो वह इस ऐतिहासिक ग्रन्थका अवश्य अवलोकन करे। महामहिम भाष्म की भीषण प्रतिज्ञा-आचार्य द्रोण तथा, भीम और अर्जुन की धनुर्विद्या का चमत्कार पढ़कर रोमांच हो जाता है। वास्तवमें समग्र महाभारत दिन्दूरत्नों से भरा पड़ा है। जिनका स्मरण करके आज भी हमारा मस्तक संसारके समक्ष ऊँचा है। वही ग्रन्थ सर्व साधारण के समझने लायक इस वार तैयार हुआ है। अक्षर खूब मोटे हैं। कागज़ बढ़िया और छपाई बहुत साफ है। लग भग १००० पृष्ठों की पुस्तक का मूल्य केवल ६) मात्र।

मिलने का पता-भार्गव पुस्तकालय,

गायघाट, बनारस सिटी।

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

छप गया ! शीघ्रता कीजिये !! छप गया !!!

दीनहीननारी जातिका उद्धार करनेवाला बहूरानीके सच्चेंगहनोंकी पिटारी

नारी धर्म-शास्त्र

ले०—पं० रामतेज पाण्डेय-साहित्य शास्त्री विषय सूची-

(१) दाम्पत्यप्रणय
(२) चरित्र
(३) सतीत्व स्वर्गीय रत्न
(४) स्वामी के साथ बातचीत
(५) चालचलनलज्जाशीलता
(६) विनय एवं शिष्टाचार
(७) नारी हृदय
(८) पड़ोसियोंके साथ व्यवहार
(९) सांसारिक आय व्यय
(१०) गम्भीर्य
(११) सद्भाव
(१२) सन्तोष
(१३) अवसर शिक्षा
(१४) आत्मरक्षा
(१५) गर्भिणी के कर्तव्य
(१६) जननी जीवन
(१७) शिशु पालन
(१८) शिशु शिक्षा

आदि-आदि नारीजाति से सम्बन्ध रखनेवाले अनेकों विषयों का समावेश किया गया है। नारी जाति के सम्बन्ध में कोई भी विषय ऐसा नहीं छूटा है जिसके लिये आपको निराश होना पड़े। इसलिये प्रार्थना है कि यदि आप अपनी गृहिणी को उत्तम गृहलक्ष्मी बनाना चाहते हों तो इधर उधर न भटक कर शीघ्रही यह ग्रन्थ अपनी बहूरानी को पढ़ा दीजिये। बढ़िया एन्टिक कागज़ पर छपी हुई ४०० पेज की मोटी पुस्तक का दामभी केवल १॥) मात्र रक्खा गया है।

पता-भार्गव पुस्तकालय, गायघाट, बनारस सिटी।

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

SRI JAGADGURU VISHWARADHYA
JNANA SIMHASAN JNANAMANDIR
LIBRARY.
Jangamwadi Math, VARANASI
Acc. No. 218

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

CC-0. Jangamwadi Math Collection. Digitized by eGangotri

भारत पुस्तकालय
गाजियाबाद

Digitized by Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha